THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 223 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.4 2081 मंगलवार, 5 नवंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

## अंतर्राष्ट्रीय सोलर अलायन्स की शुरूआत

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में सातवें अंतर्राष्ट्रीय सोलर अलायन्स (आईएसए) की शुरूआत हुई। इस बैठक में कमजोर अर्थव्यवस्था वाले देशों में भी सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए उपायों पर चर्चा की जाएगी। विभिन्न सरकारों के सहयोग से आईएसए के फंड में बढ़ोतरी कर इसके सहयोग से सौर ऊर्जा को विभिन्न तरीके से बढ़ाने पर विचार किया जायेगा। बैठक में फ्रांस से अंतर्राष्ट्रीय सोलर अलायन्स का अगला अध्यक्ष भी चुना गया है। फ्रांस अगले दो वर्षों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सोलर अलायन्स की अध्यक्षता करेगा। अंतर्राष्ट्रीय सोलर अलायन्स के वर्तमान अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि भारत सौर ऊर्जा को आगे बढ़ाने में लगातार लगा हुआ है।

# पीएम मोदी : जेएमएम, राजद-कांग्रेस परिवारवादी

## हेमंत का जिक्र नहीं : भाजपा ने 18 सीटों पर नेताओं के रिश्तेदारों को उतारा

गढ़वा/चाईबासा, 4 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को झारखंड विधानसभा के पहले फेज में होने वाली 43 सीटों पर चुनाव के लिए गढ़वा और चाईबासा में दो रैलियां करने पहुंचे हैं। पहली रैली गढ़वा के चेतना गांव में श्रीकृष्ण गौशाला मैदान में हुई है। यह आजादी के बाद गढ़वा में पहली बार किसी प्रधानमंत्री की चुनावी सभा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, कुछ लोग जो यहां बैठे हैं वो कहते थे हमारी छाती पर झारखंड बनेगा। उनकी छाती पर झारखंड बन गया लेकिन झारखंड के कुछ नेता उनकी गोदी में जाकर बैठ गए। पीएम का इशारा लालू प्रसाद यादव और हेमंत सोरेन पर था। मोदी ने हेमंत सोरेन का नाम लिए बिना उनके और उनके मंत्रियों के भ्रष्टाचार का जिक्र किया। उन्होंने कहा- मंत्री, विधायक हर कोई भ्रष्टाचार में शामिल है। एक मंत्री के घर से नोटों का पहाड़ निकला। मैंने भी पहली बार नोटों का पहाड़ टीवी पर देखा। मोदी ने परिवारवाद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा-जेएमएम, राजद और कांग्रेस तीनों ही पार्टियां घोर परिवारवादी हैं। ये चाहती हैं कि सत्ता की चाबी हमारे परिवार के हाथ में ही रहे, हालांकि खुद भाजपा ने इस बार 68 में से 18 सीटों पर नेताओं के रिश्तेदारों को टिकट दिया है। वहीं इंडिया ब्लॉक ने 20 सीटों पर नेताओं के रिश्तेदारों को उतारा है।

**✻ भाजपा के संकल्प पत्र पर :**

मोदी बोले- झारखंड बीजेपी का संकल्प पत्र रोटी, बेटी और माटी के सम्मान और सुरक्षा और समृद्धि के लिए समर्पित है। माताओं, बहनों और बेटियों के कल्याण के लिए इसमें अनेक संकल्प लिए गए हैं। गोगो दीदी योजना- इसमें हर महीने माताओं बहनों को 2100 रुपये मिलेंगे।

मेरी गरीब परिवार की माताओं बहनों को पहले हमने उज्जवला योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन दिए। अब झारखंड में बनने जा रही भाजपा सरकार 500 रुपये में सिलेंडर देगी। अगले साल दीपावली और रक्षाबंधन पर झारखंड की बहनों को दो मुफ्त सिलेंडर भी मिलने वाले हैं। भाजपा ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा की बहनों से ये वादा किया और इसे पूरा भी किया।

पीएम ने कहा- कुछ लोग जो यहां की सरकार में बैठे हैं, वो कहते थे कि हमारी छाती पर झारखंड बनेगा। उनकी छाती पर झारखंड बन गया, लेकिन झारखंड के कुछ नेता उनकी गोदी में जाकर बैठ गए। प्रधानमंत्री का इशारा राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर था। उन्होंने कहा था कि मेरी मौत पर ही झारखंड बनेगा। जेएमएम अलग झारखंड की मांग करती थी, आज दोनों दल साथ में सरकार चला रहे हैं।

आजादी के बाद से ही कांग्रेस का झूठे वादे करना इतिहास रहा है। अभी ताजा ताजा झूठ हरियाणा का है जहां महिलाओं, ओबीसी सभी को कुछ न कुछ झूठ बेचने की कोशिश की। इन्होंने हिमाचल को बर्बाद कर दिया। वहां सरकारी कर्मचारियों को तन्ख्वाह के लिए आंदोलन करने पड़ रहे हैं। तेलंगाना में भी जनता पस्त पड़ गई है। कर्नाटक में भी यही हाल हैं। उनके अध्यक्ष ने भी मान लिया है कि कांग्रेस झूठी गारंटी देती है। मैं तो हैरान हूं कि कैसे खड़गे जी के मुंह से सच निकल गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की अनाप-शनाप घोषणाएं राज्यों को दिवालिया कर देंगी।

**✻ हेमंत सरकार के वादे झूठे**

कांग्रेस, आरजेडी ने झूठे वादे किए हैं। इन्होंने 5 साल तक माताओं बहनों के लिए कुछ नहीं किया। जब भाजपा की योजनाएं आई हैं, तो इन्होंने माताओ-बहनों की आंखों में धूल झोंकने के लिए झूठी घोषणाएं की हैं।

ये घोषणाएं तो कर सकते हैं, लेकिन भाजपा के पास जो नेक नीयत है, वो कहां से लाओगे। जेएमएम-कांग्रेस ने युवाओं के साथ धोखा ही किया है। इन लोगों ने बेरोजगारी भत्ते का वादा किया था। झूठ बोलकर वोट ले गए थे, लेकिन एक रुपया भी नहीं दिया। भर्तियों में धांधली, पेपर लीक ये तो यहां का जैसे उद्योग बन गया। सिपाही भर्ती के दौरान सरकार की लापरवाही के कारण कई नौजवानों की दुखद मृत्यु हो गई। झारखंड में भाजपा सरकार बनने के बाद 3 लाख सरकारी पदों को पारदर्शी तरीके से भरा जाएगा।

**✻ विपक्ष के परिवारवाद पर वार**

प्रधानमंत्री ने विपक्ष के परिवारवाद पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा- जेएमएम, राजद और कांग्रेस तीनों ही पार्टियां घोर परिवारवादी हैं। ये चाहती हैं कि सत्ता की चाबी हमारे परिवार के हाथ में ही रहे। अगर कोई अपनी काबिलियत से बढ़ भी गया तो उसके साथ ये कैसा बर्ताब करते हैं ये हमने चंपई सोरेन के बारे में देख लिया। एक आदिवासी के बेटे के साथ इन्होंने क्या किया हम सबने देखा ही है।

जब मैं आपसे कहता हूं कि मेरा परिवार हो न हो, आप सब मेरा परिवार हैं, तो आपको सच लगता है कि नहीं। क्या आपके लिए सोचता हूं, आपके लिए जीता हूं कि नहीं।

## यूपी, पंजाब और केरल की 14 विधानसभा सीटों के उपचुनाव अब 20 नवंबर को

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने सोमवार को त्योहारों के मद्देनजर उत्तर प्रदेश, पंजाब और केरल में विधानसभा उपचुनावों की तारीख बदल दी। अब यहां 13 नवंबर की जगह 20 नवंबर को मतदान होगा। उत्तर प्रदेश में नौ, पंजाब में चार और केरल में एक सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान होना है। नतीजे 23 नवंबर को ही आएंगे।

जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) सहित कई दलों ने विभिन्न त्योहारों के मद्देनजर आयोग से चुनावों की तारीख पुनर्निर्धारित करने का आग्रह किया था। उनका कहना था कि 13 नवंबर को चुनाव कराने से मतदान प्रतिशत पर असर पड़ सकता है। कांग्रेस ने कहा था कि केरल की पलक्कड़ विधानसभा सीट पर बड़ी संख्या में मतदाता 13 से 15 नवंबर तक कल्पती रथोत्सवम का त्योहार मनाएंगे। पार्टी ने कहा था कि पंजाब में श्री गुरु नानक देव का 555वां प्रकाश पर्व 15 नवंबर को मनाया जाएगा और 13 नवंबर से अखंड पाठ का आयोजन किया जाएगा। भाजपा, बसपा और रालोद ने कहा था कि उत्तर प्रदेश में कार्तिक पूर्णिमा से तीन-चार दिन पहले लोग यात्रा करते हैं। कार्तिक पूर्णिमा 15 नवंबर को होगी। जिन सीटों के उपचुनाव की तारीखों में बदलाव किया गया है, उनमें केरल की पलक्कड़ सीट शामिल है। इसके अलावा पंजाब की डेरा बाबा नानक, चब्बेवाल, गिद्दरबाहा और बरनाला विधानसभा सीट पर चुनाव की तारीख बदल दी गई है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश की मीरापुर, कुंदरकी, गाजियाबाद, खैर, करहल, सीशामऊ, फूलपुर, कटेहरी और मझगवां में मतदान की तारीख में बदलाव किया गया है।

# अल्मोड़ा में बस खाई में गिरी, 36 यात्रियों की मौत

## चार घायलों को एयरलिफ्ट किया गया

अल्मोड़ा, 4 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। मार्चुला के पास एक बस खाई में गिर गई है। हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। चार घायलों को एयरलिफ्ट भी किया गया है। तीन घायलों को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है। एसडीआरएफ की टीम मौके पर है।

उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के मार्चुला इलाके के पास सोमवार को यात्रियों से भरी बस नदी में गिर गई। बस में 55 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन मौके पर पहुंचा। एसएसपी अल्मोड़ा मौके पर पहुंच गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए एसडीआरएफ की टीम भी पहुंची हैं। हादसे में 36 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। बस नैनीडांडा के किनाथ से रामनगर जा रही थी। जैसे ही बस मार्चुला के पास पहुंची तो सारड बैंड के पास नदी में गिर गई। बस के नदी में गिरते ही चीख-पुकार मच गई। कुछ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुछ लोग बस से छिटककर नीचे गिर गए। घायल लोगों ने ही जानकारी दूसरों तक पहुंचाई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य चलाया। घायलों को अस्पताल ले जाने का काम किया। बस सवार 36 यात्रियों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हैं।

## अब्दुल रहीम चुने गए जम्मू-कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष

श्रीनगर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और चरार-ए-शरीफ से सात बार के विधायक अब्दुल रहीम राथर को सोमवार को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की विधानसभा का पहला अध्यक्ष चुना गया। विपक्षी दलों द्वारा इस पद के लिए चुनाव न लड़ने का फैसला करने के बाद राथर को ध्वनि मत से अध्यक्ष चुना गया। चुनाव के बाद सदन के नेता उमर अब्दुल्ला और विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने अब्दुल रहीम राथर को विधानसभा अध्यक्ष की कुर्सी तक पहुंचाया। इस दौरान प्रोटेम स्पीकर मुबारक गुल और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अब्दुल रहीम राथर को बधाई दी। सीएम अब्दुल्ला ने कहा, माननीय अध्यक्ष महोदय मैं पूरे सदन की ओर से आपको बधाई देना चाहता हूं। इस पद की जिम्मेदारी लेने के लिए आप स्वाभाविक पसंद थे। आपने कभी पार्टी में रहकर तो कभी विपक्ष में रहकर लोगों की सेवा की है। अब आप सदन के संरक्षक के तौर पर विधानसभा का बेहतर तरीके से संचालन करेंगे। हमें उम्मीद है कि स्पीकर सत्ता पक्ष की बजाय विपक्ष की बेंचों पर अधिक ध्यान देंगे।

# मुडा मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की बढ़ीं मुश्किलें, लोकायुक्त पुलिस ने कल किया तलब

मैसूर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। लोकायुक्त पुलिस ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को मुडा जमीन आवंटन मामले में पूछताछ के लिए छह नवंबर को तलब किया है। पिछले महीने 25 अक्टूबर को मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती बी.एम. से भी पूछताछ की गई थी। वह भी इस मामले में एक आरोपी हैं। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

एक वरिष्ठ लोकायुक्त अधिकारी ने बताया, हमने मुख्यमंत्री को बुधवार सुबह पेश होने के लिए कहा है। मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में सिद्धारमैया, उनकी पत्नी और उनके भाई मंडल मल्लिकार्जुन स्वामी का नाम भी शामिल है। स्वामी ने एक भूखंड खरीदा था, जिसे उन्होंने पार्वती को उपहार में दिया था। इस मामले में अन्य लोगों के नाम भी प्राथमिकी में दर्ज किए गए हैं। प्राथमिकी 27 सितंबर को मैसूर के लोकायुक्त थान में दर्ज की गई थी।

**कथित मुडा भूमि घोटाला क्या है?**

मुडा शहरी विकास के दौरान अपनी जमीन खोने वाले लोगों के लिए एक योजना लेकर आई थी। 50:50 नाम की इस योजना में जमीन खोने वाले लोग विकसित भूमि के 50 प्रतिशत के हकदार होते थे। यह योजना 2009 में पहली बार लागू की गई थी। जिसे 2020 में उस वक्त की भाजपा सरकार ने बंद कर दिया। सरकार द्वारा योजना को बंद करने के बाद भी मुडा ने 50:50 योजना के तहत जमीनों का अधिग्रहण और आवंटन जारी रखा। सारा विवाद इसी से जुड़ा है। आरोप है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को इसी के तहत लाभ पहुंचाया गया।

**मुख्यमंत्री की पत्नी का 50:50 योजना से क्या संबंध**

आरोप है कि मुख्यमंत्री की पत्नी की 3 एकड़ और 16 गुंटा भूमि मुडा द्वारा अधिग्रहित की गई। इसके बदले में एक महंगे इलाके में 14 साइटें आवंटित की गईं। मैसूर के बाहरी इलाके केसारे में यह जमीन मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को उनके भाई मल्लिकार्जुन स्वामी ने 2010 में उपहार स्वरूप दी थी। आरोप है कि मुडा ने इस जमीन का अधिग्रहण किए बिना ही देवनूर तृतीय चरण की योजना विकसित कर दी। मुआवजे के लिए मुख्यमंत्री की पार्वती ने आवेदन किया जिसके आधार पर, मुडा ने विजयनगर III और IV फेज में 14 साइटें आवंटित कीं। यह आवंटन राज्य सरकार की 50:50 अनुपात योजना के तहत कुल 38,284 वर्ग फीट का था। जिन 14 साइटों का आवंटन मुख्यमंत्री की पत्नी के नाम पर हुआ उसी में घोटाले के आरोप लग रहे हैं। विपक्ष का कहना है कि पार्वती को मुडा द्वारा इन साइटों के आवंटन में अनियमितता बरती गई है।

## जेपीसी में शामिल विपक्षी सांसदों ने ओम बिरला को लिखा पत्र

बेंगलूरू, 4 नवंबर (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के लिए बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में शामिल विपक्षी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखा है। इस पत्र में विपक्षी सांसदों ने वक्फ विधेयक को लेकर अपने विचार रखने के लिए और समय देने की मांग की है। विपक्षी सांसद इस मुद्दे पर मंगलवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात भी कर सकते हैं।

विपक्षी सांसदों ने आरोप लगाया कि जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल कथित तौर पर मनमानी कर रहे हैं और अगर उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए और समय नहीं दिया गया तो वे समिति से अपना नाम ही वापस ले लेंगे। जेपीसी में शामिल विपक्षी सांसदों में डीएमके के ए राजा, कांग्रेस के मोहम्मद जावेद, इमरान मसूद, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, आप के संजय सिंह और टीएमसी के कल्याण बनर्जी आदि का नाम है। विपक्षी सांसदों का आरोप है कि जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल मनमाने फैसले ले रहे हैं और बैठक की तारीख तय करने और गवाहों को बुलाने में मनमानी कर रहे हैं।

# कनाडा में हिंदू मंदिर पर खालिस्तानियों का हमला

> लाठी-डंडों से श्रद्धालुओं को पीटा-वीडियो वायरल > इंडियन एम्बेसी बोली-हम अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंतित

ओटावा, 4 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा में हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ और मारपीट की घटना पर भारत ने चिंता जताई है। ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने इसे लेकर बयान भी जारी किया है। भारतीय उच्चायोग ने कहा कि टोरंटो के पास ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में भारत विरोधी तत्वों ने हिंसा की। हम भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए बेहद चिंतित हैं।

केंद्रीय मंत्री रणवीर सिंह बिट्टू ने कनाडा में हिंदू मंदिरों पर हमला की निंदा की है। उन्होंने कहा कि पीएम टूडो ने लोगों को बांट दिया है। पिछले कुछ दिनों से जो खबरें आ रही हैं, वह किसी एक धर्म की नहीं हैं। चाहे हिंदू हों, सिख हों या कोई और टूडो ने सभी को बांट दिया है। कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में उच्चायोग ने हिंदू सभा मंदिर के बाहर कॉन्सुलर कैंप लगाया था। यह कैंप भारतीय नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए लगा था।

इसमें जीवन प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों के 40 साल पूरे होने को लेकर प्रोटेस्ट कर रहे खालिस्तानी वहां पहुंचे और उन्होंने लोगों पर हमला कर दिया। कनाडा में पिछले कुछ समय से हिंदू मंदिरों और समुदाय के लोगों को निशाना बनाए जाने से भारतीय समुदाय चिंतित है। पिछले कुछ सालों में ग्रेटर टोरंटो एरिया, ब्रिटिश कोलंबिया और कनाडा में बाकी जगहों पर हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुंचाया गया है।

## भारत का आरोप-वोट बैंक के लिए भारत विरोधी राजनीति कर रहे पीएम टूडो

भारत और कनाडा के बीच संबंधों में एक साल से भी ज्यादा समय से गिरावट देखी गई है। इसकी शुरूआत जून 2020 में खालिस्तानी समर्थक नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद हुई। पिछले साल सितंबर में पीएम टूडो ने संसद में आरोप लगाया कि निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसी का हाथ है। इसके बाद टूडो ने पिछले महीने 13 अक्टूबर निज्जर हत्याकांड में भारतीय राजनयिकों के शामिल होने का आरोप लगाया था। इसके बाद भारत ने संजय वर्मा समेत अपने छह राजनयिकों को वापस बुला लिया। भारत का कहना है कि कनाडा सरकार के आरोप बेबुनियाद हैं। कनाडा ने भारत सरकार के साथ एक भी सबूत साझा नहीं किया है। वे बिना तथ्य के दावे कर रहे हैं। टूडो सरकार राजनीतिक लाभ उठाने के लिए जानबूझकर भारत को बदनाम करने की कोशिश में जुटी है। भारत के विदेश मंत्रालय ने पिछले महीने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि पीएम टूडो की भारत से दुश्मनी लंबे समय से जारी है। उनके मंत्रिमंडल में ऐसे लोग शामिल हैं जो खुले तौर पर चरमपंथी संगठनों से जुड़े हुए हैं।

## कनाडा में लगे 'बंटोगे तो कटोगे' के नारे

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों की हिमाकत लगातार बढ़ रही है। वो खुलेआम भारत के खिलाफ प्रदर्शन और नारेबाजी कर रहे हैं। यहां तक कि हिंदुओं और मंदिरों पर हमले भी कर रहे हैं। इस बीच, अब हिंदुओं में भी एकजुटता के प्रयास तेज हो गए हैं। यहां हिंदुओं ने कनाडा में 'बंटोगे तो कटोगे' के नारे लगाए हैं और एकता दिखाने की अपील की है।

दरअसल, रविवार को खालिस्तानी समर्थकों ने ब्रैम्पटन में हिंदू मंदिर में भक्तों के एक समूह को निशाना बनाया है। इस घटना से हिंदुओं में बड़े स्तर पर आक्रोश फैल गया है। खुद प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो सामने आए और घटना की निंदा की। टूडो ने कहा, मंदिर में हिंसा की घटनाएं अस्वीकार्य हैं। प्रत्येक कनाडाई को अपने धर्म का स्वतंत्र और सुरक्षित तरीके से पालन करने का अधिकार है। उन्होंने इस घटना की जांच करने के लिए त्वरित एक्शन लेने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसी को धन्यवाद भी दिया।

## वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त : दिल्ली सरकार से पूछा-पटाखों पर प्रतिबंध क्यों लागू नहीं किया

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में बढ़ रहे वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अखबारों की खबरों को देखकर लगता है कि दिल्ली में पटाखों पर प्रतिबंध लागू नहीं किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर दिल्ली सरकार से जवाब मांगा है कि पटाखों को प्रतिबंधित क्यों नहीं किया गया? सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी किया है। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा में पराली जलने पर भी नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने दोनों राज्य सरकारों से जवाब मांगा है। दरअसल दिवाली के बाद से दिल्ली और एनसीआर की हवा लगातार जहरीली होती जा रही है। प्रदूषण का स्तर बढ़ने से लोगों को आंखों में जलन व सांस लेने परेशानी शुरू हो गई है। कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 को पार कर गया है। जो गंभीर श्रेणी में बदलाव का संकेत है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण को लेकर सख्त टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा कि पटाखों पर प्रतिबंध क्यों लागू नहीं किया गया? प्रतिबंध था तो पटाखे कैसे जलाए गए? सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि दिल्ली सरकार और पुलिस कमिश्नर बताएंगे कि वे ऐसे क्या कदम उठाएंगे, ताकि अगले साल ऐसा न हो।

## 'नीट यूजी में दो सवाल गलत थे' : सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा-अब कुछ नहीं कर सकते!

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम यानी नीट यूजी 2024 परीक्षा में कथित तौर पर गलत बायोलॉजी के दो सवालों के बारे में याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट का कहना है कि नीट यूजी काउंसलिंग प्रक्रिया कंप्लीट हो चुकी है, एडमिशन हो चुके हैं। अब इस याचिका पर सुनवाई नहीं कर सकते हैं। दरअसल, इस साल नीट यूजी की परीक्षा विवादों के घेरे में रही है। पेपर लीक से लेकर क्वेश्चन पेपर में गड़बड़ी के आरोप लगते रहे हैं। एक सवाल के दो ऑप्शन सही होने को लेकर छात्र सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे, जिसमें दोनों पक्षों को सुनने के बाद 4 ऑप्शन को सही माना था।

अब नीट यूजी में 'दो सवाल गलत' होने का आरोप लगाया गया है। याचिकाकर्ता लड़की ने नीट यूजी 2024 परीक्षा में बायोलॉजी के दो सवालों को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याचिकाकर्ता का कहना है कि बायोलॉजी के दोनों सवाल गलत हैं। अपना दावा साबित करने के लिए याचिकाकर्ता ने एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकें जमा की थीं, लेकिन चीफ जस्टिस ने याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता लड़की व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में कहा, सर, दोनों सवाल गलत थे, मैंने दिखाने के लिए दो एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकें जमा की हैं। इस पर सीजेआई ने कहा कि अब हम इस फेज में कैसे हस्तक्षेप कर सकते हैं?

# अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल मची है : खड़गे

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को आरोप लगाया कि भाजपा की 'जनविरोधी' नीतियां भारत की अर्थव्यवस्था को तबाह कर रही हैं। खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती देते हुए कहा कि वह विपक्ष के खिलाफ झूठ बोलने के बजाय भविष्य की अपनी चुनावी रैलियों में देश के असल मुद्दों पर बोलें। खड़गे ने कहा कि फर्जी बयानबाजी, जनकल्याण के असल मुद्दों की जगह नहीं ले सकती।

**'अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल मची है' :**

कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि आम नागरिकों से उनका सारा पैसा लूटकर आपने जो आर्थिक उथल-पुथल मचाई है, उस पर एक नजर डालिए! यहां तक कि त्योहारों का उल्लास भी भारत की अर्थव्यवस्था को उत्साहित नहीं कर सका। अर्थव्यवस्था कम खपत, उच्च मुद्रास्फीति, बढ़ती असमानता, निवेश में कमी और वेतन में ठहराव की कमी से जूझ रही है। खड़गे ने आरोप लगाया कि उद्योग जगत के दिग्गज भी कह रहे हैं कि देश का मध्यम वर्ग सिमट रहा है क्योंकि मोदी सरकार कमरतोड़ महंगाई और लोगों की बचत खत्म करके गरीब और मध्यम वर्ग को बड़ा झटका दे रही है। खड़गे ने लिखा कि, पांच निर्विवाद तथ्य है- खाद्य महंगाई 9.2 प्रतिशत पहुंच गई है। सब्जियों की मुद्रास्फीति (महंगाई) अगस्त में 10.7 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर सितंबर 2024 में 14 महीने के उच्चतम स्तर 36 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह एक तथ्य है कि एफएमसीजी क्षेत्र में मांग में भारी गिरावट देखी गई है, बिक्री में वृद्धि एक साल में 10.1 प्रतिशत से घटकर सिर्फ 2.8 प्रतिशत रह गई है। यह आपके अपने वित्त मंत्रालय की मासिक रिपोर्ट में यह कहा गया है। खड़गे ने दावा किया कि एफएंडबी क्षेत्र में तेजी, जो पहले दोहरे अंकों में हुआ करती थी, अब घटकर 1.5-2 प्रतिशत रह गई है। एफएमसीजी कंपनियों ने मार्जिन में कमी आई है और अगर कंपनियों के लिए कच्चे माल की लागत ज्यादा हो जाती है तो इससे कीमतों में वृद्धि होगी। कांग्रेस प्रमुख ने दावा किया कि घरेलू बचत 50 साल के निचले स्तर पर आ गई है। सितंबर में यात्री वाहनों की बिक्री में 19 प्रतिशत की गिरावट आई है और अक्टूबर में अधिकांश बिक्री स्थिर रही।

खड़गे ने दावा किया कि वित्त मंत्रालय ने कहा है कि ऑटोमोबाइल बिक्री में 2.3 प्रतिशत की गिरावट आई है। दोपहिया वाहनों की बिक्री अभी भी 2018 के आंकड़ों को पार नहीं कर पाई है। भाजपा की जनविरोधी नीतियां भारत की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा रही हैं!

# चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र की डीजीपी का ट्रांसफर किया

## > विपक्ष की शिकायत पर एक्शन > कांग्रेस ने कहा था-रश्मि शुक्ला निष्पक्ष चुनाव नहीं होने दे रहीं

**महाराष्ट्र की DGP रश्मि शुक्ला का ट्रांसफर**

- **करियर लैंथ-** 1988 बैच की IPS ऑफिसर
- **मौजूदा पोस्टिंग:** महाराष्ट्र की DGP थीं
- **कब से पोस्टिंग:** 4 जनवरी 2024
- **कार्यकाल कब तक:** जनवरी 2026
- **नई जिम्मेदारी:** अभी बताई नहीं गई
- **पूर्व में जिम्मा:** महाराष्ट्र इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट की प्रमुख, सशस्त्र सेना बल की महानिदेशक

मुंबई, 4 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की वोटिंग से 16 दिन पहले चुनाव आयोग ने डीजीपी रश्मि शुक्ला को पद से हटा दिया है। चुनाव आयोग ने सोमवार सुबह चीफ सेक्रेटरी को रश्मि के ट्रांसफर के निर्देश देते हुए कहा कि कैडर में अगले सबसे सीनियर आईपीएस अधिकारी को उनका प्रभार सौंपा जाए। साथ ही मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि महाराष्ट्र के नए डीजीपी की नियुक्ति के लिए कल (5 नवंबर) दोपहर 1 बजे तक तीन आईपीएस अधिकारियों का पैनल भेजें। रश्मि शुक्ला के खिलाफ महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन चुनाव आयोग से शिकायत की थी। कांग्रेस ने कहा था कि रश्मि चुनाव को निष्पक्ष तरीके से नहीं होने दे रही हैं। रश्मि के ट्रांसफर को लेकर शरद पवार ने कहा है कि चुनाव आयोग ने सही फैसला किया है। हम इस फैसले का स्वागत करते हैं। 1998 की सीनियर आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला के नाम महाराष्ट्र की पहली महिला डीजीपी बनने का रिकॉर्ड है। रश्मि सशस्त्र सीमा बल की महानिदेशक और महाराष्ट्र इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट की प्रमुख भी रह चुकी हैं।

**विपक्ष का आरोप-रश्मि भाजपा के लिए काम कर रहीं**

शिवेसना (शिंदे) नेता संजय राउत : डीजीपी रश्मि शुक्ला पर बहुत गंभीर आरोप हैं। रश्मि भाजपा के लिए काम करती हैं। 2019 में जब हमारी सरकार थी, तब ये हमारे सारे फोन टैप करवा रही थीं। हमारी पूरी जानकारी फडणवीस को दी जाती थी। क्या हम उनसे निष्पक्ष चुनाव करवाने की उम्मीद कर सकते हैं? चुनाव की बागडोर उन्हें नहीं दी जानी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले : पिछले कुछ दिनों में विपक्षी दलों के खिलाफ राजनीतिक हिंसा में बढ़ोतरी हुई है। महाराष्ट्र के कानून व्यवस्था भी खराब हुई है। डीजीपी कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) के खिलाफ भेदभाव करती हैं। राज्य खुफिया विभाग के आयुक्त के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने फोन टैपिंग कराई थी। महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी सरकार के दौरान रश्मि शुक्ला राज्य खुफिया विभाग की प्रमुख थीं, तब उन पर शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत और एनसीपी नेता एकनाथ खडसे के फोन टैप करने का आरोप लगा था। इसे लेकर उनके खिलाफ मुंबई में एफआईआर भी दर्ज कराई गई थी। सीईसी राजीव कुमार ने पहले समीक्षा बैठकों और राज्य में विधानसभा चुनावों की घोषणा के दौरान अधिकारियों को न केवल निष्पक्ष रहने की चेतावनी दी थी, बल्कि अपने कर्तव्यों का पालन करते समय उनके आचरण में गैर-पक्षपाती होने की भी चेतावनी दी थी। महाराष्ट्र के साथ झारखंड में भी आचार संहिता लगी हुई है। 19 अक्टूबर को चुनाव आयोग ने झारखंड के भी डीजीपी अनुराग गुप्ता का ट्रांसफर किया था। चुनाव आयोग ने डीजीपी को तत्काल प्रभाव से हटाने के बाद उनके रैंक के सबसे सीनियर अधिकारी को इसका प्रभार सौंपा था।

# आईएएस अधिकारी के नंबर से बने व्हाट्सएप ग्रुप की होगी जांच

## कलेक्ट्रेट विस्फोट मामले में तीन दोषी करार

तिरुवनंतपुरम, 4 नवंबर (एजेंसियां)। केरल में आईएएस अधिकारी के मोबाइल नंबर से एक समुदाय के अफसरों के लिए बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप पर बवाल मच गया है।राज्य के उद्योग मंत्री पी राजीव ने सोमवार को कहा कि सरकार इस मामले की कड़ी जांच करेगी। दरअसल, एक आईएएस अधिकारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि उनका मोबाइल हैक कर लिया गया और उसके बाद इसका इस्तेमाल धार्मिक समूह बनाने के लिए किया गया।

विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए राजीव ने कहा कि राज्य सरकार इसकी जांच करेगी। घटना को गंभीर बताते हुए उन्होंने कहा कि समुदाय आधारित विभाजन अत्यधिक चिंताजनक हैं। उन्होंने सोमवार को नई दिल्ली में पत्रकारों से कहा, 'सरकार इस मामले की जांच करेगी। आईएएस अधिकारियों के लिए एक सामान्य आचार संहिता है, जो लोक प्रशासन विभाग के अंतर्गत आती है। हम वर्तमान में स्थिति की जांच कर रहे हैं। समीक्षा करेंगे और निर्धारित करेंगे कि क्या करने की आवश्यकता है।'

यह मामला तब सामने आया जब एक आईएएस अधिकारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें दावा किया गया कि उनके व्यक्तिगत व्हाट्सएप नंबर को हैक कर लिया गया है और इसका इस्तेमाल धार्मिक समूह बनाने के लिए किया गया है। उन्होंने तिरुवनंतपुरम शहर के पुलिस आयुक्त को एक शिकायत सौंपी, जिसमें मामले की जांच का अनुरोध किया गया। अधिकारी के करीबी एक सूत्र ने बताया कि विवादास्पद व्हाट्सएप ग्रुप में विभिन्न समुदायों के अधिकारियों को जोड़ा गया था और ग्रुप को हिंदू समुदाय का ग्रुप बताया गया था।

## कलेक्ट्रेट विस्फोट मामले में तीन लोग दोषी करार

केरल की एक अदालत ने 2016 में कोल्लम जिला कलेक्ट्रेट में हुए कम तीव्रता वाले आईईडी विस्फोट से संबंधित मामले में सोमवार को तीन लोगों को दोषी ठहराया। जबकि, चौथे आरोपी को बरी कर दिया गया। कोल्लम शहर के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यहां के प्रधान सत्र न्यायालय ने यह फैसला सुनाया और मंगलवार को सजा सुनाई जाएगी।

गौरतलब है, कलेक्ट्रेट परिसर में जीप में बम विस्फोट 15 जून, 2016 को हुआ था। एक आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) बम को टिफिन बॉक्स में छिपाकर कलेक्ट्रेट परिसर में खड़ी जीप में रखा गया था। मुंसिफ कोर्ट के पास सुबह पौने 11 बजे जोरदार आवाज के साथ विस्फोट हुआ। आरोपियों के खिलाफ मामले में यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम), आपराधिक षड्यंत्र, हत्या का प्रयास और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत आरोप शामिल हैं।

## उदयनिधि स्टालिन ने बॉलीवुड पर साधा निशाना

# क्षेत्रीय सिनेमा पर हावी हो रहीं हिंदी फिल्में

चेन्नई, 4 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने अब बॉलीवुड को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड की हिंदी फिल्में मराठी, गुजराती समेत उत्तर भारत के क्षेत्रीय सिनेमा पर हावी हो रही हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोझिकोड में हुए एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय सिनेमा को कम तवज्जो मिल रही है। डीमके के नेता और पूर्व फिल्म अभिनेता-निर्माता उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि मुंबई में बड़े स्तर पर अब हिंदी फिल्में बनती हैं। जबकि मराठी, भोजपुरी, बिहारी, हरियाणवी और गुजराती सिनेमा पर ध्यान ही नहीं दिया जा रहा है। हालात तो यह हैं कि उत्तर भारत के कई राज्यों में अपना फिल्म उद्योग ही नहीं है। उन्होंने कहा कि दक्षिणी भाषा की फिल्में खूब चल रही हैं। जबकि उत्तर भारत में हिंदी के अलावा किसी भाषा की फिल्म के साथ ऐसा नहीं है।

**अरबों कमा रहा तमिल फिल्म उद्योग**

उदयनिधि ने कहा कि तमिल फिल्म उद्योग अरबों कमा रहा है। मलयालम, तेलुगु और कन्नड़ सिनेमा भी खूब पसंद किया जा रहा है। क्या उत्तर में किसी भी भाषा का फिल्म उद्योग इतना जीवंत है? 1950 के दशक में तमिल सिनेमा अत्यधिक संस्कृतनिष्ठ था और केवल उच्च जाति और संपन्न दर्शकों के लिए ही सुलभ था। द्रविड़ आंदोलन ने सभी पृष्ठभूमि के लोगों को तमिल सिनेमा का आनंद लेने में सक्षम बनाया।

**देश के लोगों को बांट रहे डिप्टी सीएम : भाजपा**

तमिलनाडु भाजपा के उपाध्यक्ष नारायणन तिरुपति ने डिप्टी सीएम उदयनिधि असफल अभिनेता और असफल फिल्म व्यक्तित्व हैं। वह अपनी अपरिपक्वता और ज्ञान की कमी के कारण ऐसा बोलते हैं। वे देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी खुद की प्रोडक्शन कंपनी तमिल फिल्मों के हिंदी संस्करण बना रही है और खूब पैसा कमा रही है। तिरुपति ने कहा कि पैसा कमाने के लिए, वे हिंदी चाहते हैं और सत्ता में बने रहने के लिए वह नहीं चाहते कि लोग हिंदी सीखें।

## घूमने निकले दो सगे भाई, ट्रेन की चपेट में आने से मौत

पानीपत, 4 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत के राजनगर में बहनों से भैया दूज पर तिलक कराकर घर से निकले दो भाइयों का शव रेलवे ट्रैक पर मिला है। दोनों भाई एक्टिवा पर घर से घूमने के लिए निकले थे।

वह संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रेन की चपेट में आ गए। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि छोटा भाई ट्रैक पर लघु शंका कर रहा था, इसी वक्त ट्रेन आ गई। बड़े भाई ने उसे बचाने की कोशिश की तो दोनों ट्रेन की चपेट में आ गए।

# बीजेपी के बागी नेता गोपाल शेट्टी ने नामांकन वापस लिया, बोरीवली से निर्दलीय पर्चा भरा था

मुंबई, 4 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नामांकन वापसी के आखिरी दिन भाजपा के बागी और पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने निर्दलीय चुनाव न लड़ने का फैसला किया है। सोमवार सुबह बोरीवली सीट उन्होंने नामाकंन वापस ले लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भाजपा के जनरल सेक्रेटरी विनोद तावड़े से मीटिंग के बाद शेट्टी ने नामांकन वापसी का फैसला लिया है। शेट्टी ने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस से भी चर्चा की थी। दरअसल, भाजपा ने बोरीवली सीट से संजय उपाध्याय को टिकट दिया था, जिससे नाराज होकर 29 अक्टूबर को नामांकन के आखिरी दिन उन्होंने नॉमिनेशन किया था। उन्होंने कहा था कि मैंने यह फैसला टिकट की चाहत में नहीं, बल्कि स्थानीय कार्यकर्ताओं की चिंता को लेकर लिया है। कार्यकर्ताओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा था। नाम वापसी के आखिरी दिन महाविकास अघाड़ी और महायुति अपने-अपने बागी उम्मीदवारों को मनाने में जुटी है। शिवसेना और एनसीपी में टूट के चलते इस बार 6 बड़े दल मैदान में हैं। यही कारण है कि बागी भी ज्यादा हैं। प्रदेश की लगभग हर सीट पर बागी हैं। इस बार 7,995 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है। शिवसेना और एनसीपी में बगावत के चलते इस बार छह बड़े दल मैदान में हैं। इसी वजह से बागी भी ज्यादा हैं। प्रदेश की लगभग हर सीट पर बागी हैं। सबकी निगाह अब नाम वापसी की आखिरी तारीख, 4 नवंबर पर है। उसके बाद ही पता चलेगा कि लड़ाई कैसी होगी।

## गैंगस्टर अमृतपाल के मुख्य साथी थोलू को जालंधर पुलिस ने पकड़ा

जालंधर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। ग्रामीण पुलिस ने कनाडा स्थित गैंगस्टर अमृतपाल सिंह बाथ के एक प्रमुख सहयोगी को गिरफ्तार किया है, जो पट्टी से जनवरी 2024 में आप नेता सनी चीमा की हत्या के सिलसिले में वांछित था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जगदीप सिंह गिल, थोलू के रूप में हुई है, जो तरनतारन जिले का निवासी है। जालंधर ग्रामीण के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरकमल प्रीत सिंह खख ने कहा कि आरोपी को एसबीएस नगर से फिल्लौर जाते समय जिसने आगे तरनतारन जाना था को एक गुप्त सूचना के बाद पकड़ा गया है। डीएसपी सरवन सिंह बल की देखरेख में फिल्लौर के थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुखदेव सिंह के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने फिल्लौर के पास एक चेकपोस्ट पर आरोपी को रोका और उसे गिरफ्तार किया है।

# लश्कर कमांडर के एनकाउंटर के लिए 9 घंटे प्लानिंग

## कुत्ते भौंकें न इसलिए सेना ने बिस्किट खिलाए, नहीं तो आतंकी अलर्ट हो जाता

श्रीनगर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। 2 नवंबर को ढेर हुए लश्कर के टॉप कमांडर उस्मान के एनकाउंटर को लेकर सेना ने नए खुलासे किए हैं। सेना ने बताया कि कैसे 8 साल से घाटी में एक्टिव मोस्ट वांटेड आतंकी को ढेर करने के लिए कुछ बिस्किट ने अहम भूमिका निभाई। रिपोर्ट के मुताबिक, सेना को इनपुट मिला था कि उस्मान श्रीनगर के खान्यार इलाके के भीड़भाड़ वाले इलाके में रह रहा है। सूचना मिलते ही सेना ने श्रीनगर पुलिस के साथ मिलकर उस्मान को ढेर करने के लिए 9 घंटे तक प्लानिंग की।

सेना-पुलिस जवान 2 नवंबर को सुबह की नमाज के पहले खान्यार के उस इलाके में पहुंचे, जहां उस्मान छिपा हुआ था। सेना ने 30 घरों को खाली कराया और घेराबंदी की। गली के कुत्तों के भौंकने से उस्मान अलर्ट न हो जाए, इसलिए जवानों ने उन कुत्तों को बिस्किट खिलाए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बिस्किट खिलाने से कुत्ते पूरे ऑपरेशन के दौरान शांत रहे, जिस कारण उस्मान को भनक नहीं लगी कि जवान उसके घर के करीब पहुंच गए हैं।

**उस्मान के पास एके-47, ग्रेनेड थे... सेना के 4 खुलासे**

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उस्मान ने पहले सुरक्षाबलों पर फायरिंग की, जिसके बाद एनकाउंटर शुरू हुआ। उस्मान के पास एके-47, एक पिस्तौल और कई ग्रेनेड थे। सुरक्षाबलों और उस्मान के बीच भारी गोलबारी के दौरान कुछ ग्रेनेड उसी घर में फट गए, जिसमें उस्मान था। इससे घर में आग लग गई। आग पर सुरक्षाबलों ने तुरंत काबू पाया। अगर आग आसपास के घरों में फैल जाती, तो सुरक्षाबलों के लिए स्थिति को काबू में करना मुश्किल होता। कई घंटों तक चली इस मुठभेड़ में उस्मान को ढेर कर दिया गया। एनकाउंटर में चार जवान घायल हुए, जिन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि, वहां अब उनकी हालत स्थिर है।

सेना ने बताया कि उस्मान कश्मीर घाटी को अच्छी तरह से जानता था। वह सन 2000 से घाटी में एक्टिव था। हालांकि, बाद में पाकिस्तान चला गया था।

## कार में खेल रहे थे चार बच्चे, तभी दरवाजा हुआ बंद; दम घुटने से मौत

अमरेली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात से एक दुखद खबर सामने आई है। यहां के अमरेली तालुका के रंधिया गांव में कार में दम घुटने से एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत हो गई। चारों बच्चे कार में खेल रहे थे और इसी दौरान गेट लॉक हो गया। गेट नहीं खुलने के चलते दम घुटने से सभी बच्चों की मौत हो गई।

पुलिस उपाधीक्षक चिराग देसाई ने बताया कि पीड़ित मध्य प्रदेश के धार के रहने वाले खेतिहर मजदूर दंपती के बच्चे थे। उन्होंने कहा, 'दंपती सुबह करीब साढ़े सात बजे अपने सात बच्चों को छोड़कर भारत मंदानी के खेत में काम करने के लिए चला गया। चार बच्चे अपने घर के पास खड़ी खेत मालिक की कार में बैठ गए और खेलने लगे। अधिकारी ने बताया कि चारों पीड़ित दो से सात साल की उम्र के थे। कार का दरवाजा अंदर से बंद हो गया था।

# 'वायनाड त्रासदी पर केंद्र ने राजनीति की'

## प्रियंका गांधी का आरोप-भाजपा की राजनीति विभाजनकारी

वायनाड, 4 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए यूडीएफ उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाजपा पर हमला बोला। वायनाड में चुनाव प्रचार के दौरान प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि जुलाई में वायनाड में आई भूस्खलन आपदा का राजनीतिकरण किया जा रहा है। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर भूस्खलन से प्रभावित परिवारों को आवश्यक धन वितरित करने में 'विफल' रहने का भी आरोप लगाया। वायनाड त्रासदी में सैंकड़ों लोग मारे गए थे और कई लोगों को विस्थापित होना पड़ा था। प्रियंका गांधी ने अपने प्रचार के दूसरे दिन सुल्तान बाथरी विधानसभा क्षेत्र के केनिचिरा में एक नुक्कड़ सभा को संबोधित किया।

**'भाजपा की राजनीति विभाजनकारी'**

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा, 'यहां तक कि लोगों को बहुत दर्द देने वाली आपदा का भी भाजपा ने राजनीतिकरण किया। हम ऐसे मोड़ पर खड़े हैं, जहां आपको अपने देश, अपनी जरूरतों और अपने देश में आप किस तरह की राजनीति चाहते हैं, इसके बारे में सोचना चाहिए।' भगवा पार्टी पर निशाना साधते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि 'भाजपा की राजनीति की विशेषता नफरत, गुस्सा, विभाजन और विनाश है। उन्होंने कहा कि लोगों के असल मुद्दों को नजरअंदाज किया जा रहा है और उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। बेरोजगारी अब तक के उच्चतम स्तर पर है और कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिसके रुकने का कोई संकेत नहीं है।' प्रियंका ने कहा, 'राजनीति लोगों की समस्याओं को हल करने पर केंद्रित नहीं है। भाजपा का एकमात्र उद्देश्य सत्ता में बने रहना है, चाहे इसके लिए कोई भी कीमत चुकानी पड़े।' प्रियंका गांधी ने लोगों से समर्थन मांगते हुए कहा कि अगर आप मुझे संसद में अपना प्रतिनिधित्व करने का मौका देते हैं, तो मैं आपको दिखाऊंगी कि मैं आपके लिए किसी और से ज्यादा मेहनत कर सकती हूं। मैं हर जगह आपकी समस्याओं को उठाऊंगी। मैं आपके लिए लड़ूंगी और राज्य और केंद्र दोनों सरकारों पर दबाव डालूंगी। आपके साथ एक मजबूत योद्धा होगा जो आपकी जरूरतों के वक्त पीछे नहीं हटेगा।'

# खबरें जरा हटके

## जिस शेर को बच्चे की तरह पाला, उसी ने 70 साल के 'लायन मैन' को मार डाला, घात लगाकर किया हमला!

अगर आपसे पूछा जाए कि इंसान और जानवर में क्या फर्क है? निश्चित रुप से आप कहेंगे कि इंसान के अंदर इंसानियत होती है. उसे पता होता है कि भला-बुरा क्या है. लेकिन जानवरों को इस बात का अहसास नहीं होता. ऐसे में अगर हम जानवरों को अपना करीबी दोस्त समझने लग जाते हैं, तो निश्चित रुप से ये एक बड़ी भूल होगी. हालांकि, इसके बावजूद कई ऐसे लोग हैं, जो सांप से लेकर शेर तक को पालतू बनाकर घूमते हैं. आमतौर पर ये जानवर अपने मालिकों के प्रति वफादार ही होते हैं. लेकिन कई बार ये हमला करने से भी बाज नहीं आते. ऐसा ही कुछ हुआ 70 साल के बुजुर्ग लियोन वैन बिल्जोन के साथ, जिन्हें 'लायन मैन' के नाम से जाना जाता था. लियोन ने जब शेर के तीन शावकों को खरीदा और उनका पालन-पोषण किया, तो उन्होंने उन्हें अपने "बच्चे" की तरह समझा. लेकिन उन शेरों ने ही जान ले ली.

सोशल मीडिया पर "लायन मैन" के नाम से मशहूर 70 वर्षीय लियोन की स्टोरी वायरल हो रही है. लियोन का मानना था कि उन्होंने दो नर शेरों, रैम्बो, नकीता और शेरनी कैट्रिन के साथ एक रिश्ता बना लिया था. जब वे छोटे थे तो अक्सर उनके बाड़े में ही सो जाते थे. लेकिन सालों बाद एक घातक गलती ने उसके पतन का कारण बना और यह साबित कर दिया कि बड़ी बिल्लियां हमेशा प्राकृतिक प्रवृत्ति के अनुसार काम करती हैं. बताया जाता है कि लियोन ने इन शेरों के लिए दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया के ठीक उत्तर में हम्मानस्क्राल में महला व्यू लायन गेम लॉज खोला था.

साल 2019 में जब वे शेरों के बाड़े में बाड़ लगाने के लिए गए, तभी शेरों ने हमला कर दिया. उनका पीठ पीछे की तरफ था. उन्हें बचाने के लिए इमरजेंसी सर्विस को कॉल किया गया. लेकिन वे लियोन की तुरंत मदद नहीं कर सके. खून से लथपथ लियोन को शेरों ने चारों तरफ से घेर रखा था. ऐसे में शेरों को गोली मारनी पड़ी, उसके बाद ही चिकित्सक वहां पहुंच सके और उसका इलाज करने का प्रयास किया. लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी, वह अपने घावों के कारण दम तोड़ चुके थे.

## आईफोन समेत पहुंचा शादी का कार्ड, खुशी से उछल पड़े रिश्तेदार

**अगले ही पल आए डिप्रेशन में-'धोखा हुआ है!'**

शादी-ब्याह का मामला ही ऐसा होता है कि आप इसमें कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखना चाहते हैं. हर छोटी से छोटी तैयारी का ध्यान रखना पड़ता है, ताकि ऐन वक्त पर कुछ गड़बड़ न हो जाए. शादी किसी की भी हो, इसका निमंत्रण पत्र काफी मायने रखता है. ऐसे में कार्ड पर सब कुछ साफ-सुथरा सही-सही लिखा हो, तो पाने वाले को परेशानी नहीं होती है. हालांकि आजकल कार्ड को लेकर भी तरह-तरह के एक्सपेरिमेंट होने लगे हैं. शादी के कार्ड आपने बहुत से देखे होंगे, लेकिन अगर कोई शादी का इनविटेशन आईफोन पर भेज दे, तो आपका रिएक्शन क्या होगा? कुछ लोगों के साथ ऐसा ही हुआ, जब उनके लिए पहुंचा अनोखा शादी का कार्ड. बाकायदा पैक होकर और रिबन लगाकर लोगों को आईफोन पर शादी का इनविटेशन भेजा गया. दोस्त और रिश्तेदार इसे देखकर चौंके तो लेकिन मन ही मन खुश भी खूब हुए होंगे. आप वीडियो में देखेंगे कि पैकेट में आईफोन रखे हुए हैं, जिन पर दूल्हा और दुल्हन की फोटो स्क्रीनसेवर के तौर पर लगी हुई है. जैसे ही इसे पैकेट से निकाला जाता है, इस पर लाल रिबन लगा हुआ है. इसे खोलते ही इसे पाने वाले की आंखें भी खुल जाएंगी क्योंकि ये आईफोन नहीं बल्कि शादी का कार्ड है, जिसे बिल्कुल फोन की तरह ही डिज़ाइन किया गया है. ये कार्ड तीन परतों में खुलता है, जिसमें व्हाट्सऐप के मैसेज के स्टाइल में सारी डिटेल्स दी गई हैं. गूगल मैप खोलने के लिए स्कैनर है और आखिर में पारंपरिक तौर पर गणेश जी का चित्र और उसके नीचे मंत्र भी लिखा गया है.

## 200 साल पुरानी पगड़ी, साल में केवल एक बार भाग्यशाली लोगों को ही मिलते हैं दर्शन

वर्षों पहले सूरत में भगवान स्वामीनारायण द्वारा दी गई पगड़ी को देखने के लिए घोड़ापुर में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी. 200 साल पहले भगवान स्वामीनारायण द्वारा दी गई पगड़ी को भाई बीजा दिवस पर दर्शन के लिए रखा जाता है. 1881 में सूरत आए स्वामीनारायण भगवान ने उस समय पारसी कोतवाल अरदेसर को अपनी पगड़ी और श्रीफल दिया था, जो 199 साल से आज भी पारसी परिवार के पास है और इसे जीवन की तरह सुरक्षित रखा गया है. यह विश्वास करते हुए कि भगवान का सिर उनके साथ है, यह पारसी परिवार प्रेमपूर्वक सभी को पगड़ी के दर्शन कराता है. ये पगड़ी 200 साल पुरानी है. इसके पीछे एक धार्मिक मान्यता भी छिपी हुई है. यह पगड़ी कोई साधारण पगड़ी नहीं है, बल्कि इसे सदियों पहले भगवान स्वामीनारायण ने पहना था. 200 साल पहले, जब भगवान स्वामीनारायण सूरत आए, तो उन्होंने अर्देशर को एक उपहार दिया, जो उस समय कोतवाल के रूप में कार्य कर रहे थे. तब से यह पगड़ी आज तक सूरत में परोसी और संरक्षित की गई है.

**स्वामीनारायण की पगड़ी का महत्व**

पगड़ी के पीछे धार्मिक परंपरा यह है कि भगवान स्वामीनारायण 1881 में सूरत आए थे. कुछ दिनों तक सूरत में रहने के बाद, भगवान, जो अर्देशर कोतवाल की सेवा से प्रसन्न हुए, ने संवंत 1881 के मगशर सूद त्रयोदशी पर लौटने से पहले कोतवाल को एक श्रीफल और अपनी पगड़ी दी. हालाँकि, स्वामीनारायण भगवान ने 200 साल पहले अर्देशर कोतवाल को पगड़ी दी थी. यह उनके बेटे जहांगीरशाह के पास चला गया, लेकिन जब उनकी युवावस्था में मृत्यु हो गई, तो पगड़ी उनकी पत्नी दोशीबाई कोतवाल से उनके जागीरदार सोराबजी अदलजी वाडिया के पास चली गई. और वहां से वर्तमान में जीवित तीसरी पीढ़ी, तेहमस्प और उनके बेटे केर्शास्प, इसे अपने जीवन की तरह संरक्षित कर रहे हैं.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 5 नवंबर, 2024 3

सुविचार

"कर्तव्य ही धर्म हैं प्रेम ही ईश्वर है, सेवा ही पूजा है और सत्य ही भक्ति हैं!

# संयुक्त उद्यमों में विवादों का समाधान करें और राजस्व बढ़ाएं : भट्टी विक्रमार्क

## कैबिनेट उप-समिति की बैठक में राजीव स्वगृह के तहत लंबित भूखंडों की स्थिति की समीक्षा

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि हमें लोगों पर बोझ डाले बिना आय बढ़ाने के तरीकों पर ध्यान देना चाहिए। मंत्री उत्तमकुमार रेड्डी और डुडिला श्रीधर बाबू के साथ-साथ डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क ने सोमवार को बीआर अंबेडकर सचिवालय में आयोजित संसाधन जुटाव कैबिनेट उप-समिति की बैठक में भाग लिया। उन्होंने कहा कि संयुक्त उद्यमों में मूल्यवान संपत्ति होती है। निजी व्यक्ति अदालत में जाते हैं और विवाद पैदा करते हैं। डिप्टी सीएम ने समस्या के समाधान के लिए चार वरिष्ठ अधिकारियों की एक कमेटी बनाने और सरकार को राजस्व उपलब्ध कराने का आदेश दिया। विशेष मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने नगरपालिका, आवास और कानून सचिवों के साथ एक समिति बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि कमेटी एक सप्ताह के अंदर बैठक कर समस्या के समाधान की योजना बनाये। प्रदूषणग्रस्त उद्योगों के प्रबंधकों ने उपसमिति से अपील की कि वे शहर छोड़कर आउटर रिंग रोड से बाहर चले जायेंगे। उप समिति के सदस्यों ने उद्योग विभाग के अधिकारियों को आदेश दिया कि वे औद्योगिक मालिकों की अपील पर गौर करें और सहयोग करें ताकि वे ओआरआर के बाहर उद्योग स्थापित करें और हैदराबाद शहर में शून्य प्रदूषण सुनिश्चित करने के लिए उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठाएं। उपसमिति ने नगर निगम शहरी विकास विभाग के तत्वावधान में नियमित रूप से आयोजित की जाने वाली भूखंडों की सार्वजनिक नीलामी के विवरण की जानकारी ली। उन्होंने आवास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पहले कुछ अच्छी चीजों की नीलामी करें और सरकारी खजाने के लिए अधिकतम राजस्व उत्पन्न करने के लिए आगे बढ़ें। उपसमिति ने राजीव स्वगृह के तहत लंबित भूखंडों की स्थिति की समीक्षा की। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के केंद्रों में लघु एवं मध्यम उद्योगों की स्थापना के लिए औद्योगिक पार्क बनाने के निर्देश उद्योग विभाग के अधिकारियों को दिये गये हैं। अधिकारियों को समझाया गया कि इन उद्योगों को बढ़ावा देने से ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को बड़ी मात्रा में रोजगार के अवसर के साथ-साथ आर्थिक सहायता भी मिलेगी। डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि उपसमिति की बैठक में चर्चा किए गए मामलों को मिनट्स के रूप में दर्ज किया जाना चाहिए और अधिकारियों को अगले सप्ताह की कार्रवाई रिपोर्ट के साथ बैठक में भाग लेना होगा। बैठक में विशेष मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, नगरपालिका प्रशासन के प्रमुख सचिव दाना किशोर, सीसीएलए के प्रमुख सचिव, राजस्व विभाग नवीन मित्तल, आईटी विभाग के प्रमुख सचिव जयेश रंजन, वित्त विभाग के प्रमुख सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, उद्योग विभाग के विशेष सचिव विष्णुवर्धन, रंगारेड्डी जिला कलेक्टर नारायण रेड्डी बैठक में संगारेड्डी जिला कलेक्टर क्रांति और अन्य शामिल हुए।

## पुलिस कांस्टेबल की हृदयाघात से मौत

कुमराम भीम आसिफाबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर में सोमवार की सुबह सोते समय एक कांस्टेबल की हृदयाघात से मौत हो गई। कांस्टेबल मदवी आनंद 38 को दिल का दौरा पड़ा और उन्हें शहर के एक अस्पताल में ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वह कागजनगर पुलिस स्टेशन में कार्यरत थे और सिरपुर (यू) मंडल के रहने वाले थे। कागजनगर डीएसपी रामानुजम, इंस्पेक्टर राजेंद्रप्रसाद, सब-इंस्पेक्टर रमेश और सुधाकर ने कांस्टेबल के परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी।

**CLASSIFIEDS**

**CHANGE OF NAME**

I, NAGAMANI, Legally wedded Spouse of 665247-K SGT Venkatalakshmi Pathi Sastry P, R/O: B.NO:24 F.NO: 601 RAINTREE PARK, MALAYSIAN TOWNSHIP, KPHB,KUKTAPALLY - 085 TG, have changed my name from NAGAMANI to NAGAMANI PEDDIBHOTLA and DOB is 10-06-1961 vide Affidavit Dt. 02-11-2024 duly Sd.by J.MADHURAVANI ADV & NOTARY.

I, LAKSHMI RAJYAN, Legally wedded Spouse of 637091 N SGT THOLETI VENKATA HYMANATH, R/O: F.NO 503 P.NO.463/1/P/1, LOVELY HOMES, LAKEVIEW COLONY, PRAGATHI NAGAR, KUKATPALLY HYDERABAD- 090 TG, have changed my name from LAKSHMI RAJYAN to THOLETI LAKSHMI RAJYAM and my DOB is: 24-08-1964 duly Sd.by J.MADHURAVANI ADV & NOTARY

I, KUTTI KONDA VIJAYA, Legally wedded Spouse of 665249 B SGT BADARLA BALARAMA KRISHNA RAO, RO:H.NO.12-4-129/7,8,F.NO,G2,SRI SRINIVASA SOUDAGAR, PRAGATHI NAGAR ,Rd No 12, MOOSAPET BALANAGAR , HYDERABAD-018 TG, have changed my name from KUTTI KONDA VIJAYA TO BADARLA VIJAYA and my DOB 11-02-1965 vide Affidavit dt.02-11-2024 duly Sd.by J.MADHURAVANI ADV & NOTARY

**सावधान**

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

# 24 घंटे बिजली आपूर्ति का श्रेय लेने पर कांग्रेस की आलोचना

## पूर्व विधायक हरीश राव ने कसा तंज

## कहा- जनता को किया जा रहा गुमराह

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने सोमवार को कांग्रेस सरकार पर जनता को गुमराह करने और तेलंगाना में 24 घंटे बिजली आपूर्ति का श्रेय लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में बीआरएस ने तेलंगाना को किसानों को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने वाला एकमात्र राज्य बनाया, लेकिन कांग्रेस अब बेशर्मी से और चुनावी राज्यों में इसका झूठा श्रेय ले रही है।

उन्होंने कहा कि यह हास्यास्पद है, लेकिन गुस्सा दिलाने वाला भी है कि कांग्रेस बेशर्मी से चुनाव प्रचार में 24 घंटे बिजली देने का दावा कर रही है, जैसे कि यह उनकी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास अपने राज्यों में दिखाने के लिए कोई प्रगति नहीं है और इसलिए, वह वोट के लिए बीआरएस की उपलब्धियों का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि यह दोहरे मापदंड और पाखंड के अलावा और कुछ नहीं है। हरीश राव ने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने पहले किसानों को 24 घंटे मुफ्त बिजली देने की आलोचना करते हुए कहा था कि यह अत्यधिक है और तर्क दिया था कि तीन घंटे पर्याप्त होंगे।

उन्होंने कहा कि बिजली कटौती की वकालत करने वाले ये किसान विरोधी बयान कांग्रेस के असली रुख को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि यह किसानों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता की निरंतर कमी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ईमानदार शासन देने और ठोस प्रगति दिखाने के बजाय, कांग्रेस अन्य राज्यों में चुनावी लाभ के लिए बीआरएस की उपलब्धियों का फायदा उठाने की कोशिश कर रही है।

## लंबित बिलों पर ब्याज माफी की पेशकश आगे बढ़ाई गई

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएंडएसबी) ने हैदराबाद निवासियों को उनके बकाया पानी के बिलों का भुगतान करने में मदद करने वाली योजना की समय सीमा बढ़ा दी है। पहले यह समयसीमा 31 अक्टूबर निर्धारित की गई थी, जिसे अब एक महीने बढ़ाकर 30 नवंबर कर दिया गया है। एकमुश्त निपटान (ओटीएस-2024) योजना के माध्यम से, ग्राहक बिना किसी संचित ब्याज का भुगतान किए अपने पानी बिल के बकाया का निपटान कर सकते हैं। अक्टूबर के दौरान, लगभग 70,300 उपभोक्ताओं ने अपने बकाये का भुगतान करने के लिए इस योजना का लाभ उठाया, जिससे 49 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। महीने के अंत तक, कुल 17 करोड़ रुपये का ब्याज और जुर्माना माफ कर दिया गया। इस योजना के तहत, उन ग्राहकों को पूरी छूट दी जाएगी जिन्होंने पहले इस योजना का लाभ नहीं उठाया है जिन लोगों ने पहले लाभ उठाया है, उनके लिए शेष ब्याज पर 50 प्रतिशत की छूट अभी भी उपलब्ध है।

# कांग्रेस के एक साल ने तेलंगाना की एक दशक की प्रगति को पटरी से उतार दिया है : केटीआर

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार को अपने शासन के एक साल के भीतर तेलंगाना की दशक भर की प्रगति को पटरी से उतारने और खोखले वादों के साथ राज्य को संकट में डालने के लिए जिम्मेदार ठहराया। चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस को फटकार लगाते हुए उन्होंने मांग की कि कांग्रेस के लोकसभा नेता राहुल गांधी एक साल में 10 साल का विनाश करने के लिए तेलंगाना के लोगों से माफी मांगें।

उन्होंने सोमवार को राहुल गांधी के तेलंगाना दौरे से पहले उन्हें लिखे खुले पत्र में कहा कि राहुल गांधी, जिन्होंने दावा किया था कि वह तेलंगाना के आह्वान का 'सेकंडों' में जवाब देंगे, चुप हैं, जबकि कांग्रेस के शासन ने राज्य की समृद्धि को तहस-नहस कर दिया है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने तेलंगाना के लोगों को छह गारंटी और 420 वादों के साथ धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि 300 दिनों की सत्ता में रहने के बाद भी कांग्रेस ने निराशा के अलावा कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि किए गए सभी वादों में से केवल महिलाओं के लिए मुफ्त बस का वादा ही लागू किया गया है।

रामाराव ने कहा कि कांग्रेस के शासन में किसान, बेरोजगार, छात्र, पुलिस, सरकारी कर्मचारी, हथकरघा मजदूर और ऑटो चालक सभी सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर हो गए हैं। संघर्षरत किसानों और कारीगरों में आत्महत्याओं में खतरनाक वृद्धि का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की नीतियों ने निचले तबके के लोगों को सड़कों पर ला खड़ा किया है।

# बाइक पर पटाखों के साथ स्टंट का वीडियो पोस्ट करने वाले के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की माधापुर पुलिस ने कहा है कि बीते 3 नवंबर को कुछ एक्स हैंडल (पूर्व में ट्विटर) ने एक वीडियो अपलोड किया है, जिसमें एक बाइक को पटाखों के साथ स्टंट करते हुए दिखाया गया है। इससे लोगों में अनावश्यक भय पैदा हुआ है और सड़कों पर सुरक्षा के संबंध में अटकलें लगाई जा रही हैं। पुलिस ने बताया कि जांच करने पर पता चला कि हैदराबाद के रामनाथपुर निवासी शमीर ने पिछले साल यह बाइक स्टंट किया था और एक इंस्टा आईडी वंडर्स स्पोर्ट्स हैंडलर ने पिछले साल भी यही वीडियो अपलोड किया था और शाबाज ने इस साल अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर उसी वीडियो को इंस्टा आईडी: वंडर्स स्पोर्ट्स से डाउनलोड करके फिर से पोस्ट किया था। संबंधित के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और वाहन को जब्त कर लिया गया है। इसलिए, कुछ सोशल मीडिया हैंडल द्वारा इसे इस साल दिवाली पर किया गया कृत्य बताते हुए पोस्ट करना लोगों में डर पैदा करने के लिए दुर्भावनापूर्ण तरीके से फर्जी खबरें फैलाने के समान है। पुलिस आईटी हब क्षेत्र में बाइक स्टंट और रेसिंग को रोकने के लिए सभी कदम उठा रही है और 4 नवंबर तक, अब तक कुल 15 मामले दर्ज किए गए हैं और 203 बाइक और 3 कारें जब्त की गई हैं और बाइकर्स को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। डीसीपी माधापुर ज़ोन ने कहा कि अगर कोई भी इस तरह के वीडियो, फोटो को बिना जांचे-परखे पोस्ट करता है ताकि लोगों में दहशत पैदा हो और गलत जानकारी भी फैले, तो उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। माता-पिता और अभिभावकों से अनुरोध है कि वे अपने बच्चों को नियंत्रित करें, दुर्घटना होने की बहुत संभावना है, जिससे उनकी और दूसरों की जान को खतरा हो सकता है।

# राष्ट्रव्यापी सुनामी मॉक अभ्यास आज

## विश्व सुनामी जागरूकता दिवस

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंद महासागर में आई सुनामी की 20वीं वर्षगांठ मनाने के लिए, हैदराबाद स्थित भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के समन्वय से मंगलवार को राष्ट्रीय सुनामी मॉक अभ्यास आयोजित कर रहा है।

विश्व सुनामी जागरूकता दिवस के अवसर पर आयोजित इस अभ्यास में तटीय राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों जैसे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी, लक्षद्वीप द्वीप समूह, केरल, कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, दीव और दमन तथा गुजरात के सभी आपदा प्रबंधन संगठन (डीएमओ), नौसेना, तटरक्षक बल और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों, बंदरगाहों और बंदरगाहों जैसे महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के कर्मी भाग लेंगे।

आईएनसीओआईएस के निदेशक डॉ. टीएम बालकृष्णन नायर ने कहा कि ये अभ्यास सभी हितधारकों को सुनामी चेतावनी प्रक्रियाओं, मानक संचालन प्रक्रियाओं का परीक्षण करने और सार्वजनिक जागरूकता और तैयारियों को बढ़ाने का एक शानदार अवसर प्रदान करेंगे। इससे हमें चेतावनी श्रृंखलाओं में किसी भी कमी को पहचानने और उसे ठीक करने में मदद मिलेगी और भविष्य की घटनाओं के लिए पूरी तरह से तैयार रहने में मदद मिलेगी।

मंगलवार को सुबह 9.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे के बीच आयोजित होने वाले सुनामी मॉक अभ्यास परिदृश्य में उत्तरी सुमात्रा, इंडोनेशिया (जहां 2004 में सुनामी आई थी) में 9.3 तीव्रता के भूकंप की घटना का अनुकरण किया जाएगा, जिसके बाद समुद्र-व्यापी सुनामी आएगी, जिसमें एक नकली लहर भारत के सभी तटीय राज्यों को बड़ी लहरों की ऊंचाई के साथ प्रभावित करेगी।

## पीजेटीएयू की किसी निजी संस्थान के साथ कोई साझेदारी नहीं है : कुलपति जनय्या

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुलपति जनय्या ने कहा कि प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएयू) का कृषि पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए निजी संस्थानों के साथ कोई संबद्धता या साझेदारी नहीं है। सोमवार को यहां एक विज्ञप्ति में पीजेटीएयू के कुलपति प्रोफेसर अल्दास जनय्या ने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय ने कुछ निजी संस्थानों के साथ अपने सभी समझौता ज्ञापन (एमओयू) रद्द कर दिए हैं, क्योंकि उन्हें विश्वविद्यालय के हितों के लिए हानिकारक पाया गया था।

इन एमओयू की समीक्षा की गई और जुलाई 2022 तक रद्द कर दिया गया।

# स्टैनफोर्ड ब्लेड अंतरिम महानिदेशक के रूप में करेंगे कार्य

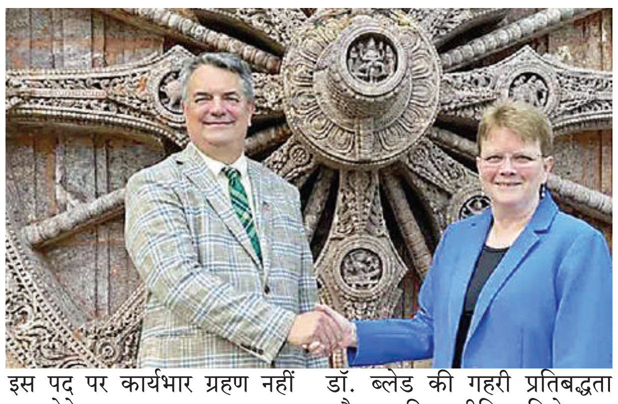

संगारेड्डी, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अर्द्ध शुष्क उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीआरआईएसएटी) ने नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा की है। निवर्तमान महानिदेशक डॉ. जैकलीन ह्यूजेस ने आधिकारिक कर्तव्यों को डॉ. स्टैनफोर्ड ब्लेड को सौंप दिया है, जो अंतरिम महानिदेशक के रूप में काम करेंगे। डॉ. ब्लेड वर्तमान में अनुसंधान के उप महानिदेशक के रूप में कार्यरत हैं और वे इस संक्रमण काल के दौरान संस्थान का मार्गदर्शन करेंगे, जब तक कि अगले वर्ष नए महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक इस पद पर कार्यभार ग्रहण नहीं कर लेते।

डॉ. ह्यूजेस ने अंतरिम महानिदेशक का पदभार संभालते हुए डॉ. ब्लेड के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त किया। डॉ. ह्यूजेस ने कहा कि मैं आईसीआरआईएसएटी को सक्षम हाथों में सौंपता हूं, यह जानते हुए कि हमारे मिशन के प्रति डॉ. ब्लेड की गहरी प्रतिबद्धता और उनकी रणनीतिक विशेषज्ञता निरंतरता सुनिश्चित करेगी क्योंकि हम लचीले कृषि में अपने काम को आगे बढ़ाते हैं। डॉ. ह्यूजेस नवंबर में विश्व कृषि मंच (डब्ल्यूएएफ) के महासचिव का पदभार ग्रहण करेंगे।

# मुलुगु के वेंकटपुरम, वाजीडु में बिजली आपूर्ति प्रभावित

## कर्मचारियों की कमी बना कारण

मुलुगु, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वेंकटपुरम और वाजीडु मंडल के गांवों को बिजली कटौती और अन्य बिजली समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, ऐसा जाहिर तौर पर क्षेत्र में बिजली कर्मचारियों की कमी के कारण हो रहा है। इन दोनों मंडलों में स्थिति इतनी दयनीय है कि बारिश, तेज हवा या कम वोल्टेज के कारण एक बार गांव में बिजली चली जाए तो उसे बहाल करने में घंटों या कभी-कभी तो कई दिन भी लग जाते हैं। जब भी ग्रामीण अपने गांवों में बिजली बहाल होने में देरी की शिकायत करते हैं तो बिजली अधिकारी कहते हैं कि उनके पास मरम्मत करने के लिए लोग नहीं हैं। इस साल की शुरूआत से ही यही स्थिति है।

सूत्रों का कहना है कि इन दोनों मंडलों में प्रत्येक सबस्टेशन का रखरखाव सिर्फ दो कर्मचारी कर रहे हैं, जबकि एक सबस्टेशन पर काम करने के लिए कम से कम चार लोगों की जरूरत होती है। इन दोनों मंडलों की 35 पंचायतों के 97 गांवों में सप्लाई की जा रही है, लेकिन रखरखाव और संचालन की देखभाल के लिए सिर्फ छह सहायक लाइनमैन, तीन लाइन इंस्पेक्टर, एक सहायक अभियंता और एक जूनियर इंजीनियर हैं। इन दोनों मंडलों में चार सबस्टेशनों के माध्यम से 18,000 से अधिक घरों, लगभग 3,000 कृषि कनेक्शनों, श्रेणी-11 के अंतर्गत 1200 से अधिक कनेक्शनों तथा लगभग 38 औद्योगिक विद्युत कनेक्शनों को बिजली आपूर्ति की जा रही है। इतने बड़े क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बनाए रखने के लिए बहुत अधिक कर्मचारियों की आवश्यकता होती है, लेकिन डिस्कॉम कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के लिए कदम नहीं उठा रहे हैं, जबकि कर्मचारी संघ लंबे समय से ऐसा करने की मांग कर रहे हैं। एक कर्मचारी संघ के नेता ने कहा कि पिछले एक दशक में उपभोक्ताओं के कनेक्शन और शिकायतों में कई गुना वृद्धि होने के बावजूद उपभोक्ताओं की शिकायतों को पूरा करने के लिए कर्मचारियों की संख्या बहुत कम है।

इस कमी ने मौजूदा कर्मचारियों के कार्यभार को भी बढ़ा दिया है, जिससे अपेक्षित सेवा मानकों को बनाए रखने की उनकी क्षमता पर और अधिक दबाव पड़ रहा है। सूत्रों ने कहा कि तकनीकी कर्मचारियों की कमी के कारण बिजली कटौती के मामले में उनके प्रतिक्रिया समय में देरी हो रही है, उन्होंने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर तकनीकी कर्मचारियों की कमी ने उपभोक्ता सेवाओं को सीधे प्रभावित किया है।

# पूर्व सरपंचों के समर्थन में प्रदर्शन करने पर हरीश राव समेत बीआरएस नेता गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री हरीश राव को आज राज्य के पूर्व सरपंचों द्वारा आयोजित विरोध कार्यक्रम का समर्थन करने पर हैदराबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी के नेताओं ने पूर्व सरपंचों के समर्थन में सिकंदराबाद के तिरुमलगिरी पुलिस स्टेशन के सामने विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और हरीश राव और पिंक पार्टी के अन्य नेताओं को गिरफ्तार कर थाने ले गई। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व सरपंचों की गिरफ्तारी और हिरासत एक जघन्य कृत्य है और आरोप लगाया कि सरपंचों को आधी रात में चोरों और आतंकवादियों की तरह गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार सरपंचों के खिलाफ प्रतिशोध में लिप्त है। सरपंचों ने अपने गांवों में सार्वजनिक कार्य करने के लिए पैसे उधार लिए और अपनी पत्नियों और बच्चों के सोने के गहने बेचे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरपंचों के लंबित बिलों का भुगतान करने के लिए कहने पर राज्य सरकार नींद का नाटक कर रही है। राव ने कहा, केसीआर के नेतृत्व में सरपंचों ने गांवों के विकास के लिए कड़ी मेहनत की है। तेलंगाना सर्वश्रेष्ठ गांवों के लिए देखभाल का केंद्र बन गया है। प्रधानमंत्री पंचायत पुरस्कार जीतने में सरपंचों की भूमिका महत्वपूर्ण थी। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी अच्छे काम करने वाले सरपंचों को क्यों दंडित कर रहे हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि लंबित बिलों का भुगतान बड़े ठेकेदारों को किया जा रहा है और कहा कि राज्य सरकार द्वारा अब तक सैकड़ों करोड़ रुपये के लंबित बिलों का भुगतान किया गया है। उन्होंने मांग की, क्या गरीब सरपंचों को सार्वजनिक कार्य करने के लिए दंडित किया जाना चाहिए? राज्य सरकार को सत्ता में आए 10 महीने से अधिक हो गए हैं। अभी तक सरपंचों को 10 लाख बिल भी नहीं चुकाए गए हैं। वे चार-पांच बार हैदराबाद आए और मुख्यमंत्री और पंचायत मंत्री से मिले। पूर्व सरपंचों को चर्चा के लिए बुलाया जाना चाहिए। हरीश राव ने आरोप लगाया कि सरपंचों की गिरफ्तारी समस्या का समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने सरपंचों के फोन छीन लिए और उन्हें आतंकवादियों की तरह थाने ले गए। उन्होंने दावा किया कि न तो उन्हें और न ही उनकी पार्टी के नेताओं को गिरफ्तार पूर्व सरपंचों से बात करने की अनुमति दी गई। उन्होंने मांग की कि सरपंचों के लंबित बिल तुरंत जारी किए जाएं। हरीश राव के अलावा राज्य विधान परिषद में विपक्ष के नेता मधुसूदन चारी, पूर्व मंत्री प्रशांत रेड्डी, विधायक कोठा प्रभाकर रेड्डी, डॉ. संजय और बीआरएस पार्टी के कई अन्य नेताओं को भी पुलिस ने इस अवसर पर गिरफ्तार किया।

# छात्रा पर युवक ने किया हमला

## ठुकरा दिया था शादी का प्रस्ताव

मेदक, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बेंगलुरू के एक युवक चैतन्य ने मेदक के एक सरकारी डिग्री कॉलेज में दिव्या कृपा नामक लड़की पर कथित तौर पर इसलिए हमला कर दिया क्योंकि उसने उसके प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। इस हमले में लड़की के हाथ पर गंभीर चोटें आईं हैं। दिव्या कृपा सोमवार सुबह ओपन यूनिवर्सिटी की परीक्षा देने कॉलेज गई थी। बताया जा रहा है कि वह सोशल मीडिया पर युवक के संपर्क में थी।

दिव्या कृपा ने अपने बयान में कहा कि चैतन्य उसके पास आया और उससे अपने प्यार को स्वीकार करने के लिए कहा। जब उसने इनकार किया, तो उसने उस पर चाकू से हमला किया और मौके से भाग गया। हालांकि, लड़की ने अपने हाथ से खुद को बचाया। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि अन्यथा उसके शरीर पर गंभीर चोटें लग सकती थीं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और चैतन्य को पकड़ने की कोशिशें जारी हैं। घटना से हड़कंप मच गया क्योंकि यह उस समय हुआ जब बड़ी संख्या में छात्र परीक्षा केंद्र पर इंतजार कर रहे थे।

## हैदराबाद के स्कूलों में नवंबर में रहेंगी 5 छुट्टियां

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नवंबर में हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य जिलों के स्कूलों में पांच छुट्टियां रहेंगी। इनमें गुरु नानक जयंती की छुट्टी भी शामिल है। तेलंगाना कैलेंडर के अनुसार, इस महीने केवल एक सामान्य अवकाश है। सरकार ने 15 नवंबर को गुरु नानक जयंती के अवसर पर अवकाश घोषित किया है।

इसके अलावा, हैदराबाद के कुछ स्कूल 16 नवंबर को सैय्यद मुहम्मद अल-महदी अल-मौऊद जौनपुरी के जन्मदिन के लिए छुट्टी घोषित कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, महीने में चार रविवार भी हैं।

**पूर्व तट रेलवे**

**निविदा आमंत्रण सूचना**

निविदा सं. 30247299, दिनांक : 29.10.2024

कार्य के नाम: 900 सीरीज HOBCM मशीन के लिए स्क्रीन फ्लोर सेट (प्रेशर वेल्डेड गर्ड और फिंगर ग्रेट्स)। एक सेट स्क्रीन फ्लोर में 12 आइटम शामिल होते हैं, जिनका विवरण अनुबंध-I में उल्लेखित है। मेक: प्लैसर या इसके समकक्ष। [ वारंटी अवधि: डिलीवरी की तारीख के बाद 30 महीने ]

मात्रा : 04 सेट।

द्रष्टव्य : सामग्री 30 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 28.11.2024 को 1500 बजे।

TPI एजेंसी द्वारा निरीक्षण किया जाता है।

संपूर्ण विस्तृत विवरण : www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-695/P/24-25

# अब पांच के बजाय तीन साल में हो सकेगा शिक्षकों का तबादला, 27 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

यूपी कैबिनेट बैठक

लखनऊ, 4 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में सहायता प्राप्त डिग्री कॉलेज के शिक्षकों के स्थानांतरण को लेकर निर्णय लिया गया। शिक्षक अब पांच वर्ष की न्यूनतम सेवा की जगह सिर्फ तीन साल बाद ही स्थानांतरण करवा सकेंगे। बैठक में कुल 27 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। बैठक में पशु चिकित्सा के क्षेत्र में पैरावेट के लिए डिप्लोमा व सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों के लिए भी नीति को मंजूरी मिल गई है। प्रदेश सरकार ने नई शीरा नीति को मंजूरी दे दी है। इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। पिछली बार की तरह देसी मदिरा के लिए 19 फीसद शीरा मुहैया कराया जाएगा। चीनी मिलों को 20 रुपए कुंतल विनियामक शुल्क देना होगा। लघु उद्योगों को भी शीरा मुहैया कराने की व्यवस्था है।

**कैबिनेट ने इन प्रस्तावों पर दी मंजूरी**

फॉरेन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट (एफडीआई) और फॉर्च्यून 500 कंपनियों के निवेश के लिए प्रोत्साहन नीति - 2023 में संशोधन को मंजूरी दे दी है।
उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण नीति - 2000 के अंतर्गत मेसर्स पैजट इलेक्ट्रानिक्स प्राइवेट लिमिटेड को वित्तीय प्रोत्साहनों की स्वीकृति दी गई है।
उत्तर प्रदेश रिटायरमेंट बेनिफिट्स रूल्स 1961 में संशोधन किया गया है। बागपत में अंतरराष्ट्रीय योग एवं आरोग्य केंद्र की स्थापना हेतु ग्राम हरिया खेड़ा, परगना बागपत तहसील व जिला बागपत की ग्राम सभा की 1.0690 हेक्टेअर भूमि पर्यटन विभाग को निशुल्क हस्तांतरित करने को मंजूरी।
प्रदेश की प्राचीन धरोहर भवनों को एडॉप्टिव रि-यूज के अंतर्गत सार्वजनिक निजी सहभागिता मॉडल पर हेरिटेज पर्यटन इकाईयों के रूप में विकसित किया जाएगा।
प्रदेश में परापशुचिकित्सा के क्षेत्र में पशुपालन डिप्लोमा पाठ्यक्रम, डिप्लोमा कोर्स, सर्टिफिकेट कोर्स चलाए जाने को मंजूरी।
यूपी में विश्व बैंक की सहायता से उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेंट प्रोजेक्ट क्रियान्वित किया जाएगा।
प्रदेश में केन-बेतवा लिंक परियोजना के अंतर्गत केन नहर प्रणाली के पुनरोधार की परियोजना पर व्यय वित्त समिति की बैठक द्वारा 1191 करोड़ के व्यय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

## टॉफी फंसने से 4 साल के बच्चे की मौत

कानपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। कानपुर में गले में टॉफी फंसने से 4 साल के बच्चे की मौत हो गई। परिवार बच्चे को लेकर एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल दौड़ता रहा, लेकिन 3 घंटे तक तड़पने के बाद बच्चे ने दम तोड़ दिया। परिवार के लोगों ने टॉफी कंपनी मालिक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बर्रा जरौली फेस-1 में रहने वाले राहुल कश्यप ने बताया-मेरे 4 साल के बेटे अन्वित ने रविवार शाम को मोहल्ले की एक दुकान से फ्रूटोला नाम की किंडरज्वॉय की तरह बाजार में बिकने वाली टॉफी खरीदी थी।

# यूपी उपचुनाव की तारीख क्यों बदली गईं?

*डिंपल यादव का आया ये बयान; बोलीं-कुछ तो हो रहा है...*

मैनपुरी, 4 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तारीख को बदल दिया गया है। इसे लेकर मैनपुरी से समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने कहा कि कुछ तो ऐसा हो रहा है, जिसकी वजह से ये बदलाव किया गया है। डिंपल यादव ने कहा कि सूचना आ रही है कि उपचुनाव की तारीख 20 नवंबर कर दी गई है। कहीं न कहीं मैं समझती हूं, कोई हलचल मची हुई है। हम लोग अच्छा कर रहे हैं। महाराष्ट्र में भी समाजवादी पार्टी कुछ सीटों पर चुनाव लड़ते हुए अच्छा करने का जो कार्य कर रही है, तो मुझे लगता है कि कुछ न कुछ तालमेल बैठाते हुए ये तारीखें बदली गई हैं।

**भाजपा सबसे चालू पार्टी**

डिंपल यादव ने कहा कि कोई चालू पार्टी है, तो भाजपा है। क्योंकि ये पार्टी जानती है कि लोगों का

ध्यान कैसे भटकाया जाता है और ये ध्यान सिर्फ इसलिए भटकाते हैं, जिससे कि वोट बंटोर सकें। इनको समाज की सेवा करने का, युवाओं को नौकरी देने का और महिलाओं को सुरक्षा देने का इनका कोई इरादा नहीं है। न पहले था और न अब होगा।

# नींद टूटी तो सामने 4 डकैत थे, कैश-गहने लूट लिए

## नालंदा में घर में अकेली महिला से मारपीट की, 10 मिनट में 2 लाख की डकैती

नालंदा, 4 नवंबर (एजेंसियां)। नालंदा में रविवार रात एक घर में करीब 2 लाख रुपए की डकैती हो गई। हथियारबंद 4 लोगों ने रात करीब 10 बजे घर में घुसकर एक महिला के साथ मारपीट की और उसके पैर-हाथ बांध दिए। फिर 10 मिनट के अंदर घर से 2 लाख की संपत्ति ले गए। इसमें 70 हजार कैश थे। पीड़ित महिला का कहना है कि 70 हजार में 50 हजार छठ में खर्च के लिए बेटी ने भेजे थे। घटना के समय महिला घर में अकेली थी। पीड़ित महिला किरण देवी ने बताया, 'मैं घर में अकेली सो रही थी। रात करीब 10 बजे खटपट की आवाज आई। नींद टूटी तो सामने चार लोग खड़े थे। उनके हाथ में हथियार थे। उन लोगों ने मेरे हाथ-पैर पकड़ लिए और मुंह दबा दिया। मैंने विरोध किया तो वो लोग मारपीट करने लगे। उनलोगों ने मुझे बंधकर बनाकर अलमारी की चाबी मांगी। डर से मैंने दे दिया।

## सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग निर्माण महायज्ञ कराएंगे अभिनेता राजपाल यादव, पैतृक गांव में होगा आयोजन

शाहजहांपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। शाहजहांपुर में फिल्म अभिनेता राजपाल यादव ने कहा कि विश्व कल्याण के लिए वर्ष 2026 में सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग निर्माण महायज्ञ का आयोजन होगा। यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि सामाजिक है। पूरे रुहेलखंड के लोग इसमें शामिल होंगे। मूलरूप से बंडा के कुंडरा गांव के रहने वाले राजपाल यादव ने बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई है। इस बार दीपावली के अवसर पर वह अपने गांव पहुंचे।

सोमवार को शहर में आए राजपाल यादव ने कहा कि वर्ष 2009 में बंडा के कुंडरा में संत दद्दा जी महाराज ने कार्यक्रम को अपनी निगरानी में कराया था। इस बार उनकी स्मृति में कार्यक्रम का आयोजन होगा। इसमें सभी लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यज्ञ में सारी व्यवस्था का इंतजाम किया जाएगा। आने वाले लोगों के लिए टेंट के साथ ही लंगर की व्यवस्था रहेगी। राजपाल यादव ने दो दिन पहले डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह से मिलकर कार्यक्रम की अनुमति मांगी थी। वह एसपी राजेश एस. से भी मिले थे।

# मायावती बोलीं-चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस की वादाखिलाफी

*'जुगाड़ की राजनीति' में जुट जाती है भाजपा*

लखनऊ, 4 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में इन दिनों उपचुनाव का माहौल है। इसको लेकर पार्टियां एक-दूसरे पर जुबानी वार कर रही हैं। इसी कड़ी में सोमवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने भाजपा को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब करोड़ों लोग महंगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं, भाजपा और कांग्रेस महाराष्ट्र व झारखंड चुनाव के लिए प्रचार में एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। साथ ही मुफ्त उपहारों की घोषणा करने में व्यस्त हैं।

उन्होंने कहा कि जनता के मुद्दों पर ध्यान देने की बजाय ये पार्टियां चुनाव से पहले अपने झूठे प्रचार और वादों के साथ 'नकारात्मक राजनीति' में व्यस्त हैं। एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि इन दोनों पार्टियों द्वारा जनता से किए गए वादे ईमानदारी से पूरे नहीं किए जा रहे हैं। क्योंकि, वादे केवल लोगों को गुमराह करने के लिए किए जाते हैं। सरकार बनने के बाद नेता इसे भूल जाते हैं।

**गुमराह करने के लिए घोषणा पत्र जारी करती हैं पार्टियां**

बसपा सुप्रीमो यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि कांग्रेस की सरकारों पर खासकर हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में वादाखिलाफी के आरोप लग रहे हैं। यूपी सहित विभिन्न प्रदेशों में सरकार बनने के बाद भाजपा ज्वलंत मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए 'जुगाड़ की राजनीति' में लग जाती है। कहा कि बसपा चुनाव के दौरान लोगों को गुमराह करने के लिए कोई घोषणा पत्र जारी नहीं करती। बल्कि, करोड़ों गरीब, उत्पीड़ित और बेरोजगार लोगों के लिए ईमानदारी से काम करती है।

**मुफ्तखोरी और वादों की घोषणा करने में व्यस्त हैं कांग्रेस-भाजपा**

उन्होंने कहा कि 'आज करोड़ों लोगों का जीवन व्यापक गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई और कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, स्वच्छ पानी और कानून व्यवस्था जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से जूझ रहा है। भाजपा और कांग्रेस की सरकारें महाराष्ट्र और झारखंड राज्य विधानसभा आम चुनावों के मद्देनजर मुफ्तखोरी और वादों की घोषणा करने में व्यस्त हैं।

**आज आमजन को नौकरी की सख्त जरूरत**

उन्होंने एक्स पर लिखा कि आमजन को रोजगार की सख्त जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार द्वारा प्रदान की गई नौकरियों की संख्या, अब तक सपा और भाजपा सरकारों द्वारा प्रदान किए गए संयुक्त रोजगार से अधिक है। बताते चलें कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 20 नवंबर 2024 को मतदान होगा। झारखंड विधानसभा चुनाव दो चरणों में होंगे। 13 और 20 नवंबर को मतदान होना है। मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

## मतदान की तारीख आगे बढ़ाने पर अखिलेश का भाजपा पर तंज-टालेंगे तो और भी बुरा हारेंगे!

लखनऊ, 4 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी में उपचुनाव के लिए मतदान की तारीख आगे बढ़ाने पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि टालेंगे तो और भी बुरा हारेंगे। उन्होंने एक्स पर कहा कि टालेंगे तो और भी बुरा हारेंगे! पहले मिल्कीपुर का उपचुनाव टाला, अब बाकी सीटों के उपचुनाव की तारीख, भाजपा इतनी कमजोर कभी न थी। दरअसल बात ये है कि उत्तर प्रदेश में 'महा-बेरोज़गारी' की वजह से जो लोग पूरे देश में काम-रोजगार के लिए जाते हैं, वो दिवाली और छठ की छुट्टी लेकर यूपी आए हुए हैं और उपचुनाव में भाजपा को हराने के लिए वोट डालने वाले थे। जैसे ही भाजपा को इसकी भनक लगी उसने उपचुनावों को आगे खिसका दिया, जिससे लोगों की छुट्टी खत्म हो जाए और वो बिना वोट डाले ही वापस चले जाएं। यूपी में नौ सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए मतदान की तारीख एक सप्ताह के लिए बढ़ा दी गई है। अब 13 की जगह 20 नवंबर को मतदान होगा। इस संबंध में चुनाव आयोग ने आदेश जारी कर दिया गया है। चुनाव आयोग ने जारी किए गए आदेश में कहा है कि 15 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा का स्नान पर्व होने की वजह से भाजपा, कांग्रेस सहित क्षेत्रीय दलों ने मतदान की तारीख बदलने की मांग की थी जिस पर यह निर्णय लिया गया है।

# 10वीं पास बना आर्मी का फर्जी कैप्टन

## शाहजहांपुर पुलिस ने एनडीए का फुल फार्म पूछा तो बता नहीं पाया; अफसरों के यहां बनाता था खाना

शाहजहांपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। शाहजहांपुर पुलिस ने आर्मी के फर्जी कैप्टन को गिरफ्तार किया है। आरोपी 50 हजार रुपए ठगने के लिए वर्दी में पहुंचा था। फर्जीवाड़ा होने की शक पर पीड़ित ने पुलिस को बुलाया। पहले तो आरोपी ने पुलिस को धमकी दी, इसके बाद माफी मांगने लगा। पुलिस ने एनडीए का फुलफार्म पूछा तो वह नहीं बता पाया।
घटना निगोही थाना क्षेत्र के टिकरी चौकी के पास की है। आरोपी दसवीं पास है। बरेली में सेना के अधिकारियों के घर पर खाना बनाता है। आरोपी की पहचान मऊ खास निवासी रवि के रूप में हुई है। पीलीभीत के गायेबोझ निवासी चन्दनपाल ने बताया- परिवार के कुछ सदस्य हत्या के आरोप में पीलीभीत जेल में बंद हैं। उनकी जमानत के लिए प्रयासरत था, इसी बीच मेरा संपर्क थाना बदर बाजार क्षेत्र के मऊ खास निवासी रवि से हुआ। रवि ने खुद को आर्मी में कैप्टन बताया। उसने कहा-जेल में बंद उसके सदस्यों को छुड़वा देगा। 50 हजार रुपए खर्च करना होगा। रवि ने चन्दनपाल को फोन करके निगोही क्षेत्र के टिकरी चौकी के पास बुलाया। चन्दन ने उसको पीलीभीत में आने के लिए कहा तो उसने मना कर दिया तो पीड़ित को शक हुआ।

**वर्दी में बाइक से पहुंचा था**

चन्दनपाल शाहजहांपुर की टिकरी चौकी के पास आने के लिए राजी हो गया। दोनों की मुलाकात टिकरी चौकी के पास हुई। आरोपी आर्मी की वर्दी में बाइक से पहुंचा था। बातचीत के दौरान उसने आर्मी का कैप्टन बताया और जेल से छुड़ाने के बदले 50 हजार रुपए मांगे। वह बातचीत के लहजे से आर्मी वाला नहीं लग रहा था। शक होने पर चन्दनपाल ने उसको कुछ देर रुकने को कहकर पुलिस को सूचना दे दी।

**एनडीए की फुल फार्म नहीं बताया, वह सिर्फ 10वीं पास**

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उससे एनडीए का फुलफार्म पूछताछ तो वहनहीं बता पाया। आरोपी ने बताया कि वह सिर्फ 10वीं पास है। आरोपी के पास से बाइक, एक मोबाइल, कैंटीन का स्मार्ट कार्ड जो नरेश कुमार के नाम से था, इसके अलावा अन्य सामग्री मिली। रवि ने बताया कि वह बरेली के जाट रेजिमेंट के अधिकारियों के यहां काफी समय खाना बनाया। इसलिए आर्मी की जानकारी हो गई।

## झपकी ने छीन ली पूर्व पैक्स अध्यक्ष की जिंदगी

पूर्णिया, 4 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्णिया के मीरगंज में भीषण सड़क हादसा हुआ है। जहां तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी पेड़ से जा टकराई। घटना में कार के अगले सीट पर बैठे पूर्व पैक्स अध्यक्ष की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि परिवार के 4 सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें 3 की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे का कारण कार चालक का आंख लगना बताया जा रहा है। घटना मीरगंज थाना क्षेत्र के मीरगंज से कुरसेला जाने वाली स्टेट हाइवे पर हुई है। घटना के फौरन बाद स्थानीय मौके पर जुटे, जिसके बाद पुलिस और परिजनों को घटना की सूचना दी गई।

# जमीन पर गिरा प्लेन : आगरा में वायु सेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट और को-पायलट ने कूदकर बचाई जान

आगरा, 4 नवंबर (एजेंसियां)। आगरा में सोमवार को वायु सेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें पायलट और को-पायलट ने कूदकर जान बचाई। फिलहाल इस घटना को लेकर वायु सेना की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

**दो किलोमीटर दूर मिले पायलट**

बताया जा रहा है कि हादसे के बाद पायलट और उसके साथी दो किलोमीटर दूर मिले हैं। गनीमत रही कि पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए विमान को कागारौल के सोनिगा गांव के पास खाली खेतों में गिराया। यदि आबादी वाले हिस्से में विमान क्रैश

होता तो बड़ी क्षति हो सकती थी। पंजाब से भरी थी विमान ने उड़ान शुरुआती जानकारी के मुताबिक यह मिग-29 विमान था, जो पंजाब के आदमपुर से उड़ा था। फिलहाल घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ है। मौके पर पुलिस बल भी पहुंच गया है।

# यूपी में मानवता शर्मसार : नवजात को मिट्टी में दबाया, रोने की आवाज सुनकर लोगों ने बचाया; मां का न पसीजा दिल

संभल, 4 नवंबर (एजेंसियां)। भाई दूज वाले दिन जहां लोग अपनी बहनों की रक्षा का संकल्प लेते हैं। इसी भाई दूज वाले दिन संभल जिले के नखासा थाना इलाके के मन्नीखेड़ा गांव में नवजात बेटी के साथ दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। किसी ने नवजात बच्ची को सरसों के खेत में जिंदा दफना दिया। गनीमत रही कि उसके चेहरे का कुछ हिस्सा खुला रह गया था। बच्ची के रोने की आवाज पास में खेल रहे कुछ बच्चों ने सुन ली और उन्होंने शोर मचा दिया।
मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने खेत में दबाई गई बच्ची को निकाला। बच्ची को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रविवार की शाम गांव मन्नीखेड़ा में कुछ बच्चे खेल रहे थे। इस दौरान उन्होंने सरसों के खेत से किसी बच्चे की रोने की आवाज सुनी। बच्चों ने शोर मचाया तो आसपास के लोग पहुंच गए। आनन फानन मिट्टी को हटाकर लोगों ने बच्ची को बाहर निकाला। बच्ची की नाल भी नहीं कटी है। इसके बाद ग्रामीणों ने खेत से बच्ची मिलने की सूचना पुलिस को दी।
पुलिस ने बच्ची को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस का मानना है कि बच्ची को शाम के वक्त ही खेत में दबाया गया है और आरोपी आसपास के हो सकते हैं। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

**आंख और नाक में चली गई थी मिट्टी**

जिला अस्पताल के डॉक्टर जफर कमाल ने बताया कि नवजात बच्ची को देखकर लगता है कि उसका जन्म कुछ घंटे पहले ही हुआ है। जन्म के तत्काल बाद उसे खेत में दबा दिया गया। खेत में दबाए जाने की वजह से उसकी आंख और नाक में मिट्टी चली गई थी, जिसे साफ कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि जन्म लेने के बाद बच्चों को अधिक देखभाल की जरूरत होती है। उसे धूल मिट्टी से बचाना होता है। वहीं यह बच्ची मिट्टी में दबी रही और उसका स्वस्थ होना किसी चमत्कार से कम नहीं है।

## बस की टक्कर से बाइक सवार मामा-भांजे की मौत

शाहजहांपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। शाहजहांपुर के कांट थाना क्षेत्र में सोमवार को दर्दनाक हादसा हुआ। रोडवेज बस की चपेट में आने से बाइक सवार हरदोई जिले के थाना बेहटा गोकुल के गांव मधेना निवासी रईस अली (30) और उनके 12 वर्षीय भांजे की मौत हो गई।
दोनों बरात में शामिल होने जा रहे थे। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने मुआवजे की मांग के लिए सड़क जाम करने का प्रयास किया। पुलिस ने समझाकर लोगों को शांत करा दिया। मेहनत मजदूरी करने वाले रईस अली की रिश्तेदारी कांट के जमौर गांव में है। वह सोमवार को अपने भतीजे की बरात में शामिल होने भांजे अल्ताफ के साथ आए थे। दोपहर करीब दो बजे बराती जमौर से अल्हागंज के कोयला गांव जाने को निकले थे। मामा-भांजे बाइक से जा रहे थे।

# गठबंधन पर संजय सिंह ने साफ किया 'आप' का रुख

## बोले-बंटो नहीं, मिलकर भाजपा को हराओ

लखनऊ, 4 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी ने सोमवार को सदस्यता अभियान की शुरुआत की। इसका शुभारंभ सांसद संजय सिंह ने किया। इस मौके मौके पर उन्होंने पत्रकार वार्ता भी की। इसमें उन्होंने कहा कि आज से यूपी के सभी जिलों, कस्बों में सदस्यता अभियान की शुरुआत हुई है। एक जिले में 20 लाख सदस्य बनाए जाने का दावा किया। कहा कि हम छह माह में 50 लाख सदस्य बनाएंगे। किसी से कोई भी सदस्यता शुल्क नहीं ली जाएगी। ऑनलाइन बेवसाइट के माध्यमसे भी सदस्य बन सकेंगे। सोशल मीडिया साइट एक्स पर भी संपर्क कर सकते हैं। कहा कि जिलों में कम से कम 10 ऐसे पदाधिकारी बनाए जाएंगे जो 10 ग्राम सभा और वार्ड कमेटी बनाएंगे। एक महीने में 100 कमेटियां बनेंगी। दो कार्यक्रम एक आंदोलन होगा। हर

महीने के दूसरे शनिवार को स्थानीय, प्रदेश, ब्लॉक के मुद्दे पर बात होगी। पहली चर्चा नौ नवंबर को होगी। इसमें यूपी के 27 हजार सकूलों को बंद करने पर चर्चा होगी। अभी तक इसमें कोई चर्चा नहीं हो रही है। यहां 26 हजार स्कूल पहले बंद किए जा चुके हैं। सरकारी स्कूलों में दलित, गरीब, कमजोर का बच्चा पढ़ता है।

**बंद स्कूलों को खोला जाए- संजय सिंह**

कहा कि सरकार बच्चों के भविष्य को गणाशे से काट रही है। बात 'बटेंगे, कटेंगे' की करते हैं। पहला आंदोलन पूरे यूपी में करेंगे। बंद स्कूलों को खोला जाए। दूसरा रचनात्मक कार्यक्रम गोष्ठी, सफाई, मूर्ति, पार्क की सफाई महीने के आखिरी रविवार को की जाएगी।

**आरोपियों पर कार्रवाई की जगह संरक्षण दे रही सरकार**

संजय सिंह ने कहा कि भाजपा ने क्या किया, उपचुनाव में इसकी कहीं चर्चा नहीं है। यूपी में नफरत का एजेंडा चलाया जा रहा है। इंडिया गठबंधन में सपा प्रत्याशी को आप का समर्थन है। मैं भी प्रचार के लिए जाऊंगा। यूपी के थानों में जो हो रहा है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। चाहे मोहित पांडेय की मौत हो, या फिर इंदल सिंह की पिटाई का मामला। कानून का राज समाप्त हो चुका है। सीएम ऐसे मामलों में कार्रवाई की जगह संरक्षण दे रहे हैं।
सरकारी स्कूलों की स्थिति बदतर डीजी के बयान पर कहा कि वह झूठ बोलने में माहिर हैं। कहा कि स्कूल बंद न किए जाएं। बल्कि, जो बंद हैं उनको खोला जाए। अभिभावक बच्चे क्यों नहीं पढ़ाना चाह रहे हैं। क्योंकि स्कूल बदहाल हैं। टाट में बैठते हैं।

# बेअंत हत्याकांड के दोषी की दया याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा

## फैसला लें वरना हम विचार करेंगे

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार से कहा कि अगर वे बेअंत सिंह हत्याकांड के दोषी बलवंत सिंह राजोआना की दया याचिका पर विचार नहीं करते हैं तो हम करेंगे। बेअंत सिंह पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री थे, साल 1995 में उनकी हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में बलवत सिंह राजोआना को दोषी ठहराया गया था।

**सुप्रीम कोर्ट ने क्या टिप्पणी की**

जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने बलवंत सिंह राजोआना की याचिका पर सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। याचिका में कहा गया है कि उसकी दया याचिका पर फैसला लेने में हुई बहुत देरी के कारण उसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल देना चाहिए। 25 सितंबर को शीर्ष अदालत ने राजोआना की याचिका पर केंद्र, पंजाब सरकार और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासन से जवाब मांगा था।

**राष्ट्रपति के पास लंबित है याचिका**

केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि राजोआना की दया याचिका राष्ट्रपति भवन में लंबित है, जिसके बाद पीठ ने उनसे कहा, 'किसी भी तरह से फैसला करें या हम इस पर (राजोआना की याचिका) विचार करेंगे।' दया याचिका पर फैसला होने तक राजोआना की रिहाई की मांग करते हुए राजोआना के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि रजोआना 29 साल से लगातार हिरासत में है। रोहतगी ने कहा कि 'उनकी दया याचिका पिछले 12 साल से राष्ट्रपति भवन में लंबित है। कृपया उन्हें छह या तीन महीने के लिए रिहा कर दें। कम से कम उन्हें यह देखने दें कि बाहरी दुनिया कैसी दिखती है।' वहीं पंजाब सरकार ने पीठ को बताया कि उन्हें मामले में अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए कुछ समय चाहिए।

**1995 में हुई थी पंजाब के तत्कालीन सीएम की हत्या**

31 अगस्त, 1995 को चंडीगढ़ में सिविल सचिवालय के प्रवेश द्वार पर हुए विस्फोट में पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह और 16 अन्य लोग मारे गए थे। इस मामले में जुलाई 2007 में एक विशेष अदालत ने बलवंत सिंह राजोआना को दोषी ठहराते हुए उसे मौत की सजा सुनाई थी। मार्च 2012 में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक स मि ति (एसजीपीसी) ने उसकी ओर से संविधान के अनुच्छेद 72 के तहत सुप्रीम कोर्ट में दया याचिका दायर की थी। पिछले साल 3 मई को सर्वोच्च न्यायालय ने राजोआना की मौत की सजा को कम करने से इनकार कर दिया था और कहा था कि सक्षम प्राधिकारी ही दया याचिका पर विचार कर सकते हैं।

बिहार में हाल के समय में कई पुल ढहने की घटनाएं हुई हैं, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिकाएं दायर की गई हैं, जिनमें बिहार के पुलों की सुरक्षा के बारे में चिंता जाहिर की गई है। अब सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह इन याचिकाओं को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर विचार कर रहा है। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने इस साल 29 जुलाई को जनहित याचिका (पीआईएल) पर बिहार सरकार और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) सहित अन्य से जवाब मांगा था। सोमवार को याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता ब्रजेश सिंह ने सुनवाई के लिए याचिका का उल्लेख किया। इस पर सीजेआई ने कहा कि 'मैं इस पर विचार करूंगा'। जनहित याचिका में पुलों के संरचनात्मक ऑडिट के लिए एक विशेषज्ञ पैनल गठित करने की मांग की गई थी। इस विशेषज्ञ समिति के निष्कर्षों के आधार पर पुलों को मजबूत करने या उन्हें ध्वस्त करने की मांग भी की गई है। राज्य और एनएचएआई के अलावा शीर्ष अदालत ने सड़क निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष और ग्रामीण कार्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को भी नोटिस जारी किया था।

## सुप्रीम कोर्ट ने यूएपीए मामले में आरोपी केरल के पत्रकार सिद्दीकी कप्पन को दी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केरल के पत्रकार सिद्दीकी कप्पन की उस याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें कप्पन ने अपने खिलाफ दर्ज यूएपीए मामले में हर हफ्ते पुलिस को रिपोर्ट करने की जमानत की शर्त में ढील देने की मांग की थी। जस्टिस पीएस नरसिम्हन और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने सितंबर 2022 में जमानत देते हुए कप्पन पर शीर्ष अदालत द्वारा लगाई गई जमानत की शर्त में ढील देने का आदेश दिया।

पीठ ने कहा, '9 सितंबर, 2022 के आदेश को संशोधित किया जाता है और याचिकाकर्ता के लिए स्थानीय पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करना आवश्यक नहीं होगा। वर्तमान आवेदन में की गई अन्य प्रार्थनाओं पर स्वतंत्र रूप से विचार किया जा सकता है।' 14 सितंबर, 2020 को उत्तर प्रदेश के हाथरस के एक गांव में चार लोगों द्वारा कथित दुष्कर्म के एक पखवाड़े बाद पीड़ित महिला की दिल्ली के एक अस्पताल में मौत हो गई थी। उसका अंतिम संस्कार उसके गांव में आधी रात को किया गया था। पीड़िता के परिवार ने दावा किया था कि उनकी सहमति के बिना अंतिम संस्कार किया गया था और उन्हें शव को आखिरी बार घर लाने की अनुमति नहीं दी गई थी। कप्पन को अक्तूबर 2020 में इस मामले की रिपोर्टिंग के लिए हाथरस जाते समय गिरफ्तार किया गया था। कप्पन सहित चार लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी।

# दिल्ली में एक्यूआई-400 पार सांस संबंधी मरीज 35% बढ़े

## 6 दिन तक प्रदूषण कम होने के आसार नहीं सीएम बोलीं-10,000 वॉलेंटियर तैनात होंगे

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ते जा रहा है। सोमवार को लगातार दूसरे दिन दिल्ली की हवा गंभीर कैटेगिरी में दर्ज की गई है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार सोमवार सुबह 7 बजे दिल्ली के कई मॉनिटरिंग स्टेशनों में एक्यूआई 400 के पार रिकॉर्ड किया गया।

सीपीसीबी ने कहा सोमवार सुबह दिल्ली के 5 मॉनिटरिंग स्टेशन में एक्यूआई 400 पार था। वहीं, रविवार को 8 इलाकों में एक्यूआई 'गंभीर' स्तर (400 से अधिक) के आंकड़े को पार कर गया था। प्रदूषण में बढ़ोतरी होते ही दिल्ली के अस्पतालों में खांसी, जुकाम, बुखार, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और क्रॉनिक ऑबस्ट्रेक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीपीओडी) जैसी सास संबंधी बीमारियों के मरीज 35% बढ़ गई है। मौसम वैज्ञानिकों ने कहा- पाकिस्तान की ओर से हवाएं भारत की ओर आ रही हैं। ऐसे में संभावना है कि दिल्ली-एनसीआर में 6 दिन और एक्यूआई इसी कैटेगिरी के आसपास बना रहेगा। उधर, सीएम आतिशी ने कहा कि प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार एक हफ्ते में 10 हजार सिविल डिफेंस वॉलेंटियर्स की नियुक्ति का प्रस्ताव जारी करेगी। आरएमएल अस्पताल में मेडिसिन के वरिष्ठ डॉ. रमेश मीणा का कहना है कि सुबह के समय एओआई लेवल काफी हाई होता है और इसी समय बच्चे स्कूल जाते हैं। छोटे बच्चों की इम्यूनिटी कम होती है, उन्हें खांसी, छीकें, जुकाम, उल्टी, आंखों में जलन और सांस लेने जैसी दिक्कतें होने लगती हैं। ऐसे में स्कूल प्रशासन को बच्चों पर ध्यान देना चाहिए। हालांकि, पिछले साल दिल्ली में एक्यूआई का स्तर 450 से अधिक होने पर दिल्ली सरकार ने 9 से 18 नवंबर तक स्कूलों की छुट्टी कर ऑनलाइन क्लास शुरू कर दी थी।

# हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियल झीलों का क्षेत्रफल 13 साल में 10.81 फीसदी बढ़ा, बाढ़ मचा सकती है तबाही

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। जलवायु परिवर्तन की वजह से हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियल (बर्फीली) झीलों और अन्य जल निकायों के क्षेत्रफल में बढ़ोतरी हो रही है। इनके क्षेत्रफल में यह बढ़ोतरी 2011 से 2024 के बीच 10.81 फीसदी तक जा पहुंची है। इस बढ़ोतरी से झीलों के फटने से आने वाली बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। ये बाढ़ तब आती हैं जब झीलें अपनी प्राकृतिक दीवारों को तोड़कर भारी मात्रा में पानी छोड़ देती हैं। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन के कारण हिमालयी क्षेत्र में झीलों और अन्य जल निकायों का कुल क्षेत्रफल 2011 में 5,33,401 हेक्टेयर था। यह 2024 में 5,91,108 हेक्टेयर तक पहुंच गया है। झीलों का क्षेत्रफल बढ़ने से गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी महत्वपूर्ण नदियों में पानी की मात्रा भी प्रभावित होगी। एजेंसी

**पड़ोसी देशों पर भी खतरा**

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भूटान, नेपाल और चीन जैसे पड़ोसी देशों में भी ग्लेशियल झीलें साझा नदी प्रणालियों की वजह से खतरा पैदा कर सकती हैं। रिपोर्ट ने इन देशों के साथ मिलकर निगरानी,डाटा साझा करने और संभावित बाढ़ की योजना बनाने की सिफारिश की है। इसके साथ ही शुरुआती चेतावनी प्रणाली बनाने, आपदा प्रबंधन योजनाओं को बढ़ाने और कमजोर आबादी की सुरक्षा के लिए सामुदायिक जागरूकता पहल को बढ़ावा देने में अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय सहयोग की तत्काल जरूरत बताई है।

**ग्लेशियरों का सिकुड़ना और झीलों का बढ़ना बड़ा जोखिम**

झीलों का विस्तार मुख्य रूप से ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने की वजह से हो रहा है। इस परिवर्तन का असर निचले क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों, बुनियादी ढांचे और वन्यजीवों पर हो सकता है। हिमालय में ग्लेशियरों का सिकुड़ना और झीलों का बढ़ना जलवायु परिवर्तन के साफ संकेत हैं। सीडब्ल्यूसी तकनीक को विकसित करने में जुटा है ताकि झीलों से पैदा होने वाले खतरों का जल्द पता लगाया जा सके और उनका प्रभावी तरीके से सामना किया जा सके।

**हर छोटी-बड़ी झील की निगरानी जरूरी**

जल आयोग ने कहा है कि इन झीलों की बारीकी से निगरानी बहुत जरूरी है। इसके लिए सीडब्ल्यूसीसेंटिनल-1 सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) और सेंटिनल-2 मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजरी जैसी उन्नत सैटेलाइट तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है। यह तकनीक बादलों के मौसम में भी 10 मीटर की सटीकता के साथ झीलों के आकार में बदलाव को माप सकती है। इससे आपदा की वक्त से पहले जानकारी दे सकते हैं।

# 'आगे बढ़ने के लिए समान अवसर जरूरी', राष्ट्रपति ने नागरिक विमानन में महिलाओं के भूमिका की तारीफ की

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि देश के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में महिलाएं कई परिचालन और तकनीकी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

राष्ट्रपति भवन में भारतीय विमानन क्षेत्र की सफल महिलाओं के एक समूह के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विमानन उद्योग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के साथ-साथ इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए समान अवसर भी जरूरी हैं, एक आधिकारिक बयान में कहा गया है।

**'शिक्षा-प्रशिक्षण के साथ परिवार का सहयोग महत्वपूर्ण'**

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि शिक्षा और उचित प्रशिक्षण के अलावा परिवार के सदस्यों का सहयोग भी महत्वपूर्ण है। वहीं राष्ट्रपति के कार्यालय की तरफ से जारी बयान में राष्ट्रपति के हवाले से कहा गया है, अक्सर देखा जाता है कि कई महिलाएं उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी परिवार से सहयोग न मिलने के कारण अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाती हैं। इस बयान में आगे कहा गया है कि उन्होंने सफल महिलाओं से अन्य महिलाओं के लिए मार्गदर्शक बनने और उन्हें अपना करियर चुनने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। राष्ट्रपति के अनुसार, भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में महिलाएं विभिन्न परिचालन और तकनीकी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

**15 प्रतिशत एयर ट्रैफिक कंट्रोलर महिलाएं हैं- राष्ट्रपति**

राष्ट्रपति भवन से जारी बयान में कहा गया है कि यह बैठक 'प्रेसिडेंट विद द पीपल' पहल के तहत हुई, जिसका उद्देश्य लोगों के साथ गहरा संबंध स्थापित करना और उनके योगदान को मान्यता देना है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, 15 प्रतिशत एयर ट्रैफिक कंट्रोलर महिलाएं हैं, 11 प्रतिशत फ्लाइट डिस्पैचर महिलाएं हैं और 9 प्रतिशत एयरोस्पेस इंजीनियर महिलाएं हैं।

**'अब ज्यादा से ज्यादा महिलाएं इस क्षेत्र में चुन रही अपना करियर'**

उन्होंने यह भी कहा कि पिछले साल वाणिज्यिक लाइसेंस प्राप्त करने वाले 18 प्रतिशत पायलट महिलाएं थीं। राष्ट्रपति ने उन सभी महिला उपलब्धि हासिल करने वालों की सराहना की जो अभिनव तरीके से सोचती हैं और नए रास्ते पर चलने का साहस करती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के समावेशी प्रयासों ने नागरिक उड्डयन क्षेत्र में महिलाओं की प्रगति को बढ़ावा दिया है। राष्ट्रपति ने कहा, अब अधिक से अधिक महिलाएं विमानन को अपने करियर के रूप में चुन रही हैं।

# बीजेपी को फिर झटका, 2 बार भाजपा से पार्षद रहे बीबी त्यागी आप में शामिल

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी तैयारियों में जुटी हुई है। एक बार फिर दिल्ली में भाजपा को आप में झटका दे दिया है। दो बार भाजपा से पार्षद और स्टैंडिंग कमिटी चेयरमैन रह चुके बीबी त्यागी आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। मनीष सिसोदिया ने आम आदमी पार्टी में शामिल कराया है। बीबी त्यागी 2015 में लक्ष्मी नगर विधानसभा चुनाव बीजेपी से लड़ चुके हैं और मात्र पांच हजार से आप उम्मीदवार नितिन त्यागी से हारे थे। लक्ष्मी नगर से आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक और 2020 में उम्मीदवार रहे नितिन त्यागी भाजपा ज्वाइन कर चुके हैं। ऐसे में संभावना है कि बीबी त्यागी लक्ष्मी नगर से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार बनेंगे।

# कानपुर हत्याकांड : पत्नी को बेवफा मानने को तैयार नहीं कारोबारी

## सवालों के घेरे में पुलिस की थ्योरी, इन सवालों के नहीं मिल रहे जवाब

कानपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में बीते दिनों हुई कारोबारी की पत्नी की हत्या मामले में कई सलाव ऐसे हैं जिनके जवाब अब तक स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। इधर, पति राहुल अपनी पत्नी एकता को बेवफा मानने को तैयार नहीं है। पत्नी पर उसके अटूट विश्वास का पता इससे चलता है कि वो अब भी पुलिस से आरोपी विमल से कड़ी पूछताछ करने को कह रहा है। साथ ही पुलिस के असफल होने की स्थिति में दूसरी एजेंसी से जांच कराने की मांग करने की बात कही है। पढ़िए इंडियन एक्सप्रेस के मनीष साहू की इस पूरी घटना पर डिटेल्ड रिपोर्ट।

महिला का कंकाल बन चुका शव किया था बरामद

बता दें कि एकता जो 24 जून की सुबह कानपुर के ग्रीन पार्क इलाका स्थित जिम गई थी, लापता हो गई थी। चार महीने बाद 26 अक्तूबर को पुलिस ने डीएम आवास के कैंपस से महिला का कंकाल बन चुका शव बरामद किया था। मामले में पुलिस ने विमल सोनी नाम के जिम ट्रेनर को गिरफ्तार किया था। विमल उसी जिम में ट्रेनर था, जहां एकता वर्कऑउट करने जाती थी। जिम घर से केवल आधा किलोमीटर की दूरी पर था। पुलिस ने दावा किया कि आरोपी ने अपने कबूलनामे में कहा है कि एकता उसकी शादी तय होने से नाराज थी। वो खुद भी उससे शादी को तैयार नहीं थी, ना ही उसे किसी और से शादी करने दे रही थी।

**आरोपी ने हत्या को लेकर किया ये दावा**

पुलिस ने अनुसार आरोपी ने बताया कि घटना वाले दिन एकता जो बीमार थी बीस दिनों के बाद जिम आई थी। वर्कआउट करने के बाद वो निकल गई। उसके पीछे ही वो भी निकला। दोनों जिम ट्रेनर के दोस्त की कार में बैठकर बातचीत कर रहे थे। इस दौरान दोनों में विवाद हुआ जिसके बाद उसने एकता को मुक्का मार दिया। आरोपी ने कहा कि एक मुक्के में ही उसकी मौत हो गई। दावा है कि आरोपी कार की बैकसीट पर एकता के शव को लेकर घूमता रहा। वो एक बैराज पास भी गया। वो आत्महत्या करना चाहता था, लेकिन ऐसा नहीं किया। फिर डीएम आवास कैंपस जिसकी चाबी उसके पास थी में उसने शव को गड्ढा खोद कर दफन कर दिया। बाद में उसने और मिट्टी लाकर भी वहां डाला। फिर शहर छोड़कर भाग गया। उसने पुलिस को ये कहकर गुमराह करने की भी कोशिश की कि उसने शव को नदी में फेंक दिया था।

**45 मिनट में कैसे खोदा 10 फीट गहरा खड्डा? हत्याकांड में गहराए ये सवाल**

# शहडोल में जन्मे दो शरीर दिल एक वाले जुड़वा बच्चे

## मां बोली-शादी के 6 साल बाद हुए; डॉक्टर ने कहा-एक लाख में ऐसा एक केस होता है

वर्षा जोगी, बच्चों की मां

शहडोल, 4 नवंबर (एजेंसियां)। शहडोल मेडिकल कॉलेज में दो जिस्मों के साथ एक दिल वाले नवजात बच्चे पैदा हुए हैं। दोनों नवजातों के जिस्म आपस में जुड़े हुए हैं। बच्चों की मां स्वस्थ है। वहीं सीने में एक दिल लेकर आपस में जुड़े नवजातों को देखकर परिजन की चिंता बढ़ गई। नवजात बच्चों को ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है। मेडिकल कालेज प्रबंधन इन्हें रीवा या जबलपुर भेजने की तैयारी कर रहा है। अनूपपुर जिले के कोतमा की रहने वाली वर्षा जोगी (25) पति रवि जोगी को परिजन रविवार को प्रसव के लिए मेडिकल कॉलेज लेकर आए थे। यहां शाम करीब 7 बजे प्रसूता का सीजेरियन किया गया। इस दौरान जुड़वा बच्चे पैदा हुए। परिजन ने बताया कि रूटीन चेकअप के दौरान डॉक्टर यह बता रहे थे कि बच्चे जुड़वा हैं, लेकिन दोनों जुड़े हैं ये नहीं बताया था। वहीं, डॉक्टर कह रहे हैं कि दुनिया में 1 लाख में से ऐसा एक बच्चा पैदा होता है। नवजातों को जन्म देने वाली मां समेत परिवार के लोग ऐसी हालत में जुड़वा बच्चों को देखकर चिंता में पड़ गए हैं। उन्हें समझ में ही नहीं आ रहा है की शरीर से एक-दूसरे से जुड़े बच्चों का पालन-पोषण कैसे करेंगे। इनका भविष्य और स्वास्थ्य का क्या होगा। मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉक्टर नागेंद्र सिंह ने कहा कि दोनों बच्चे सीने से जुड़े हुए हैं। इनका शरीर सामान्य तरीके से विकसित नहीं हो सका है। बनावट के कारण ऑपरेशन भी कठिन है। नवजातों का शरीर सीने के पास से आपस में जुड़ा है, लेकिन दिल एक होने के कारण स्थिति सामान्य नहीं है। फिलहाल नवजातों को एसएनसीयू वार्ड में रखा गया है। बच्चे छाती से जुड़े हैं।

इस कंडीशन को थोराइगोपेसिस कहा जाता है। एक लाख में से इस तरह का एक बच्चा पैदा होता है। ऐसे बच्चों की स्थिति खराब होती है। बच्चों को प्राइमरी ट्रीटमेंट दिया जा रहा है।

# नमामि गंगे के तहत देश भर में शुरू की गईं कई अहम परियोजनाएं

हरिद्वार, 4 नवंबर (एजेंसियां)। हरिद्वार के चंडी घाट पर चार नवंबर से गंगा उत्सव 2024 शुरू हो गया है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत यह आयोजित यह उत्सव गंगा नदी के संरक्षण की दास्तां बयां करेगा। गंगा नदी की सफाई को लेकर खूब कवायदें की गई हैं जिसमें केंद्र सरकार द्वारा 2014 में शुरू की गई नमामि गंगे परियोजना अहम है। नमामि गंगे कार्यक्रम गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों की तस्वीर बदलने के लिए शुरू किया गया था। इस कार्यक्रम के तहत, प्रदूषण के विभिन्न स्रोतों जैसे कि नगरपालिका सीवेज, औद्योगिक कचरा, नगरपालिका ठोस कचरा, प्रदूषण के गैर-बिंदु स्रोतों से निपटने के लिए किया गया है। इसके साथ ही नदियों के प्रवाह में सुधार, जैव विविधता संरक्षण, वनीकरण, नदी के किनारों पर सुविधाओं और स्वच्छता में सुधार, क्षमता निर्माण, अनुसंधान और निगरानी, जन जागरूकता आदि के लिए गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों की तस्वीर बदलना भी इसका उद्देश्य है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जल शक्ति मंत्रालय द्वारा कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

**2023-24 में इन परियोजनाओं का लोकार्पण**

नमामि गंगे परियोजना के तहत कानपुर और उन्नाव में 30 दिसंबर 2023 को प्रधानमंत्री ने 1672.43 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इसमें नए सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपीएस), सामान्य अपशिष्ट उपचार संयंत्र (सीईटीपी) और पुनर्वासित एसटीपी अवसंरचना को विकसित किया जाना था।

**2018 में उत्तर प्रदेश में गंगा सफाई के लिए दी गई मंजूरी**

245.53 करोड़ रुपये की लागत से पंखा में 1 एसटीपी को स्वीकृति दी गई। जिससे (30 मिलियन लीटर प्रतिदिन) (एमएलडी) कचरे का निपटारा किया जाना था। 721.7 करोड़ रुपये की लागत से जाजमऊ जोन में 130 एमएलडी एसटीपी का जीर्णोद्धार और संचालन एवं रख-रखाव की स्वीकृति दी गई थी। 617 करोड़ रुपये की लागत से जाजमऊ, कानपुर में टेनरी क्लस्टर के लिए 20 एमएलडी क्षमता, 24.4 किलोमीटर का नेटवर्क और 0.5 किलोमीटर ट्रेंचलेस एनएच क्रॉसिंग के लिए 3 सीईटीपी की स्वीकृति दी गई थी। इससे जाजमऊ क्षेत्र और वर्तमान में 50% क्षमता पर चल रही 400 से अधिक चमड़ा टेनरियों को लाभ मिलेना था। 28 जुलाई 2018 को 102.20 रुपये की लागत से 15 एमएलडी एसटीपी को स्वीकृति दी गई थी। जिससे उन्नाव में नालों को रोकना और मोड़ना तथा सीवेज उपचार कार्य के लिए होना था। जिसका संचालन एवं रख-रखाव 15 वर्षों की अवधि के लिए होगा। इन परियोजनाओं की आधारशिला 8 मार्च, 2019 को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा रखी गई थी।

**मुरादाबाद और मथुरा में 790.5 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण**

25 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री द्वारा मुरादाबाद और मथुरा में 790.5 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया। मसानी, मथुरा में 30 एमएलडी, एसटीपी, ट्रांस यमुना में मौजूदा 30.5 एमएलडी एसटीपी का जीर्णोद्धार किया जाना था। मसानी में 6.8 एमएलडी एसटीपी; आईओसीएल रिफाइनरी, मथुरा को उपचारित जल की आपूर्ति के लिए एक नया 20 एमएलडी टीटीआरओ संयंत्र को मंजूरी दी गई थी। 67.3 एमएलडी की कुल क्षमता वाली इस परियोजना को 460.45 करोड़ रुपये को मंजूरी मिली था। मुरादाबाद में 58 एमएलडी एसटीपी और 9 एसपीएस और 264.25 किलोमीटर सीवरेज नेटवर्क के साथ सीवरेज प्रणाली डीबीओटी परियोजना रामगंगा नदी पर है जिसकी स्वीकृत लागत 330.05 करोड़ रुपये है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 5 नवंबर- 2024

# हर साल वायु प्रदूषण के कारण हो रही हैं 33,000 मौतें

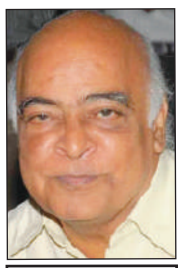

अशोक भाटिया

देश में वायु प्रदूषण की समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। यह प्रदूषण कितना जानलेवा और खतरनाक हो सकता है इसका खुलासा एक ताजा अध्ययन में हुआ है।रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि देश के 10 शहरों- अहमदाबाद, बंगलूरू, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, पुणे, शिमला और वाराणसी में होने वालीं हर 100 में से 7 मौत के लिए वायु प्रदूषण जिम्मेदार है। इस बात का खुलासा 'द लांसेट प्लेनेटरी हेल्थ' पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में हुआ है।रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश के 10 शहरों में हर साल लगभग 33,000 मौते वायु प्रदूषण के कारण हो रही है, जो भारत की नेशनल क्लीन एयर लिमिट से काफी नीचे है। भारत के स्वच्छ वायु मानदंड वर्तमान में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के प्रति क्यूबिक मीटर हवा में 15 माइक्रोग्राम के दिशानिर्देश से काफी अधिक हैं। गौरतलब है कि भारत में प्रदूषण एक बड़ी समस्या है, जिसकी चर्चा समय-समय पर होती रहती है लेकिन अब इस प्रदूषण से होने वाली मौतों से जुड़ा आंकड़ा सामने आ रहा है, जो बेहद चौंकाने वाला है। द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई सहित भारत के 10 सबसे बड़े और सबसे प्रदूषित शहरों में औसतन रोज होने वाली मौतों का 7.2 प्रतिशत हिस्सा प्रदूषण से जुड़ा है यानी इन शहरों में रोज 7.2 प्रतिशत मौतें अधिक प्रदूषण के चलते हो रही हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश के 10 शहरों में हर साल लगभग 33,000 मौते वायु प्रदूषण के कारण हो रही है उनमे से अकेले 5100 की मौत मुंबई जैसे शहर में हो रही है । मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण से न केवल जीवन का नुकसान हुआ है बल्कि आर्थिक नुकसान भी हुआ है। एक अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण संगठन ग्रीनपीस की रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में बताया कि वायु प्रदूषण (Air Pollution) के कारण शहर की अर्थव्यवस्था को लगभग 2.1 अरब डॉलर का झटका लगा है। मालूम हो कि, ग्रीनपीस ने दुनिया भर की अर्थव्यवस्था पर पर्यावरण के प्रभाव पर अध्ययन किया है। एक अध्ययन में पाया गया है कि खराब वायु गुणवत्ता के कारण सांस लेना मुश्किल हो सकता है - और आपके शरीर को ठीक होने में कुछ दिन लग सकते हैं। वायु प्रदूषण का एक प्रकार कारखानों, बिजली संयंत्रों और कार के निकास से निकलने वाले महीन कण (2.5 माइक्रोमीटर व्यास या उससे कम) हैं। दूसरा महत्वपूर्ण प्रकार ओजोन है, जो शहरी धुंध का मुख्य घटक है। जब आप उच्च स्तर के महीन कणों या ओजोन में सांस लेते हैं, तो आपके फेफड़े चिड़चिड़े हो सकते हैं। बाहरी वायु प्रदूषण को अस्थमा, दिल के दौरे, स्ट्रोक और कैंसर से जोड़ा गया है। अध्ययनों से पता चला है कि वायु प्रदूषण के लंबे समय तक संपर्क में रहने और समय से पहले मृत्यु के बीच संबंध है। सार्वजनिक नीतियों ने संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य जगहों पर वायु गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद की है। विशेषज्ञ समय-समय पर वायु प्रदूषण के स्तर और मृत्यु और बीमारी की दरों के वैज्ञानिक विश्लेषण की जांच करते हैं ताकि वायु गुणवत्ता मानकों का पुनर्मूल्यांकन किया जा सके। हार्वर्ड टीएच चैन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ में डॉ. फ्रांसेस्का डोमिनिकी के नेतृत्व में एक शोध दल ने वायु प्रदूषण के अल्पकालिक जोखिम से वृद्धों में मृत्यु के जोखिम का अनुमान लगाने का प्रयास किया। टीम ने यह भी जांच की कि क्या आबादी के कुछ उपसमूह विशेष रूप से असुरक्षित हो सकते हैं। इस अध्ययन को NIH के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एनवायर्नमेंटल हेल्थ साइंसेज (NIEHS) द्वारा समर्थित किया गया था।

टीम ने वायु प्रदूषण पूर्वानुमान मॉडल और कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करके 39,000 से अधिक ज़िप कोडों के लिए दैनिक वायु प्रदूषण के स्तर का अनुमान लगाया, यहाँ तक कि देश के निगरानी रहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी। फिर उन्होंने 2000 से 2012 तक के मृत्यु रिकॉर्ड के आधार पर 65 वर्ष और उससे अधिक आयु के 22 मिलियन वयस्कों के लिए मृत्यु के दिनों के आसपास प्रदूषण के स्तर को देखा। मृत्यु के दिनों (22 मिलियन मौतों के लिए) के वायु प्रदूषण के स्तर की तुलना अन्य दिनों (76 मिलियन नियंत्रण दिनों) के दौरान प्रदूषण के स्तर से की गई। शोधकर्ताओं ने पाया कि जब सूक्ष्म कणों या ओजोन से वायु प्रदूषण रुक-रुक कर बढ़ता है, तो 2 दिन की अवधि में मौतों में काफी वृद्धि होती है। प्रति क्यूबिक मीटर में 10 माइक्रोग्राम सूक्ष्म कणों या 10 पार्ट प्रति बिलियन ओजोन की प्रत्येक रुक-रुक कर, वृद्धिशील वृद्धि मौतों में वृद्धि से जुड़ी थी।बड़े डेटासेट ने शोध दल को आयु, लिंग, नस्ल, आयु और आय स्तर के आधार पर प्रभावों का अध्ययन करने में भी सक्षम बनाया। वायु प्रदूषण से होने वाली मृत्यु के सबसे अधिक जोखिम वाले लोग 85 वर्ष से अधिक उम्र के, महिला, अश्वेत या आर्थिक रूप से वंचित थे। डोमिनिकी कहते हैं, ₹यह प्रदूषण के अल्पकालिक जोखिम और मृत्यु दर का अब तक का सबसे व्यापक अध्ययन है।₹ ₹हमने पाया कि वायु प्रदूषण बढ़ने के साथ मृत्यु दर लगभग रैखिक रूप से बढ़ती है। वायु प्रदूषण का कोई भी स्तर, चाहे कितना भी कम क्यों न हो, मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।₹विशेषज्ञ वायु प्रदूषण के अध्ययन के परिणामों का उपयोग यह आकलन करने के लिए कर सकते हैं कि क्या वायु गुणवत्ता मानक सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पर्याप्त हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई कि बात करें तो मुंबई में गत दिनों अचानक मौसम ने करवट ली थी तब धूल के गुबार के साथ चली तेज हवा ने मुंबई वासियों को खासा परेशान किया था । मुंबई के उपनगर ठाणे, अबंरनाथ, बदलापुर, कल्याण और उल्लासनगर में करीब 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। धूल भरी आंधी और बारिश से दिन में ही अंधेरा सा होने लगा था । मुंबई एयरपोर्ट पर ऑपरेशन अगले आदेश तक बंद कर दिया गया था । कई नेशनल और इंटरनेशनल फ्लाइट्स डायवर्ट की गई हैं थी । लोगों को भी घरों में रहने की हिदायद दी गई है थी । अमूमन मुंबई में प्रदूषण का स्तर लंबे समय तक बिगड़ा नहीं रह सकता क्योकि समुद्र की हवा चलने से प्रदूषण खत्म हो जाता है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो रहा था । मुंबई की एयर क्वालिटी खराब होने की कई वजहें हैं। लेकिन सबसे बड़ी वजह कंस्ट्रक्शन वर्क्स (निर्माण के कामों) को माना जा रहा है। 'टाइम्स ऑफ इंडिया' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई में बहुत से कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं। ये वास्तव में धूल भरे प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण है। BMC ने बीते साल 20 अक्टूबर को एक बयान में कहा था, ₹वर्तमान में मुंबई में 7000 लोकेशन पर कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। ये जलवायु परिवर्तन मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन की एयर क्वालिटी पर नेगेटिव असर डाल रहा है।₹ हाई राइज बिल्डिंग और कॉमर्शियल टावरों के लिए पुरानी इमारतों को गिराया जा रहा है। शहर में भीड़भाड़ को कम करने के लिए मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट्स भी चल रहे हैं। इनमें एक कोस्टल रोड और मेट्रो लाइनें शामिल हैं। नई और हाई राइज बिल्डिंगें हवा के पैटर्न को बदल रही है। इससे समुद्री हवा का असर कम हो रहा है। समुद्र से आने वाली हवा मुंबई के पार्टिक्यूलेट मैटर और डस्ट मिक्स के साफ करने में नाकाम साबित हो रहे हैं। इसीलिए पिछले महीने मुंबई के कई इलाकों में कई दिनों तक प्रदूषण का स्तर 300 से पार हो गया था। विशेषज्ञों का कहना है कि यह दूसरा साल है, जब मुंबई में एयर पॉल्यूशन का लेवल बढ़ा हो। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट में एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर रिसर्च एंड एडवोकेसी अनुमिता रॉय चौधरी के मुताबिक, मुंबई में इस महीने की शुरुआत में दर्ज किया गया पॉल्यूशन लेवल पिछले साल के इसी समय की तुलना में बहुत ज्यादा था। प्रदूषण मुंबई के लोगों के लिए सबसे बड़ी समस्या बनता जा रहा है। यह शहर के लिए एक चेतावनी है। मुंबई शहर के अधिकारियों ने बिल्डरों को कंस्ट्रक्शन साइटों पर 11 मीटर ऊंचे बैरिकेड लगाने का आदेश दिया है, जो धूल को कंट्रोल करे। इसके साथ ही कंस्ट्रक्शन साइटों और प्रमुख सड़कों पर धूल के कणों को कम करने के लिए एंटी-स्मॉग मशीनें तैनात की जाएंगी।

# इमली और छाछ हाथियों के लिए 'वरदान'

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व मध्य प्रदेश का सबसे सुरम्य और सुरक्षित वन क्षेत्र माना जाता है। जहां सिर्फ 72 घंटे के अंदर 10 हाथियों ने दम तोड दिया। हाथियों की इतनी बडी संख्या में मौत ने सबको हिला कर रख दिया है। इसके बाद 90 साल पुरानी आई एक रिपोर्ट में आशा की किरण दिखाई दे रही है। जिसमें तमिलनाडु में हाथियों की मौत का कारण कोदो बाजरा की फसल को बताया गया है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि यदि इसके जहर को कम करना है तो हाथियों को इमली का पानी और छाछ देना बेहतर होता है। यही रिपोर्ट मध्य प्रदेश के वन अधिकारियों के लिए एक उम्मीद की किरण बन गई है। रिपोर्ट के मुताबिक 1934 में, तमिलनाडु के वन्नाथिपराई रिजर्व फॉरेस्ट में 14 हाथियों की मौत हो गई थी। तब आर.सी. मॉरिस नामक एक जूलॉजिकल सोसाइटी के सदस्य की रिपोर्ट के मुताबिक कोदो बाजरा खाने से हाथियों की मौत हुई थी। उन्होंने यह भी लिखा है कि इमली का पानी और छाछ इस जहर का सबसे मुफीद तोड़ है। मॉरिस की रिपोर्ट में लिखा है कि पका हुआ 'वरगु' (कोदो बाजरा का स्थानीय नाम) कभी-कभी ज़हरीला हो सकता है, भले ही वह देखने में सामान्य लगे। तब यह खाने लायक है या नहीं, यह जानने के लिए या तो इसे पकाकर थोड़ी मात्रा में चखा जाता है या फिर फसल की कटाई के समय मवेशियों की हालत देखी जाती है। माना जाता है कि इस जहर का तोड़ इमली का पानी या छाछ बड़ी मात्रा में पीना है। उन्होंने रिपोर्ट में बताया कि 17 दिसंबर, 1933 को, ग्रामीणों को पट्टा खेतों में 11 और आस-पास के रिज़र्व में 3 हाथी मृत अवस्था में मिले। दोपहर तक, खेतों में मौजूद सभी हाथियों ने दम तोड़ दिया, जबकि रिजर्व वन में मौजूद तीन हाथियों की हालत खराब थी और बाद में उनकी भी मौत हो गई। पेरियाकुलम के पशु चिकित्सा सर्जन ने दो हाथियों का पोस्टमार्टम किया और उनके विसरा को रासायनिक विश्लेषण के लिए भेजा गया था। रासायनिक परीक्षण के नतीजों ने पुष्टि की कि हाथियों की मौत कोदो बाजरा के जहर से हुई थी। यह भी पाया गया कि कई साल पहले इसी इलाके में हाथियों के 'वरगु' से जहर खाने की एक ऐसी ही घटना हुई थी। जब यह अनाज जहरीली अवस्था में होता है, तो इसे 'किरुकु वरगु' कहा जाता है। तब रिज़र्व वन में पाए गए तीन हाथियों के लिए, ग्रामीणों ने पानी और इमली की आपूर्ति की, जिससे कथित तौर पर एक हाथी की जान बच गई। हालांकि यह दावा अभी तक सत्यापित नहीं हो सका है। मॉरिस द्वारा 'वरगु' नामक बाजरा को वैज्ञानिक रूप से कोडरा (पस्पलम स्क्रोबिकुलैटम लिन.) के रूप में जाना जाता है, जो मनुष्यों और जानवरों दोनों को प्रभावित करने वाले अपने सामयिक विषाक्त गुणों के लिए पहचाना जाता है। बताया जाता है कि कोडरा के दाने और भूसे में अक्सर एक ऐसा मादक तत्व होता है जो उल्टी और चक्कर आने को प्रेरित करता है। इसीलिए कोंकण क्षेत्र में, मवेशियों को कोडरा के खेतों में भटकने से रोकने के लिए सावधानी बरती जाती है। यह जहरीला तत्व प्रतिकूल जलवायु और मौसमी परिस्थितियों के तहत उत्पन्न होता है, अनाज वर्ष के कुछ निश्चित समय पर ही जहरीला होता है। यह सुझाव दिया जाता है कि मादक संपत्ति को गाय के गोबर और पानी में भिगोकर या अनाज को कई वर्षों तक भंडार करके बेअसर किया जा सकता है। आम लोग जहरीले और गैर-जहरीले अनाज के बीच अंतर नहीं कर सकते हैं, गुजरात के किसानों का दावा है कि रोगग्रस्त अनाज का पता थ्रेशिंग के दौरान लगाया जा सकता है, क्योंकि जहरीली धूल के प्रभाव को थ्रेशिंग करने वाले बैल और उनके संचालक दोनों महसूस करते हैं। विष के लक्षण धतूरा के कारण होने वाले लक्षणों से मिलते-जुलते हैं और मनुष्यों की तुलना में मवेशियों में अधिक गंभीर होते हैं। बहरहाल, हाथियों की मौत की गहन जांच के बाद इसके दोषियों पर कडी कार्रवाई कर एक नजीर पेश की जा सकती है।

# वैश्विक दशा-दिशा तय करेंगे अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव

संजीव ठाकुर

अमेरिका में 60वां राष्ट्रपति चुनाव का मतदान 5 नवंबर 24 को यानी आज होगा। इस चुनाव से अमेरिका में 47 वां राष्ट्रपति एवं 50वां उपराष्ट्रपति चुना जाएगा। वर्तमान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस एवं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बराबरी की टक्कर मानी जा रही है। कमला हैरिस मिशीगन स्टेट कोई अपना ठिकाना बनाए हुए हैं दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप पूर्वी स्टेट में अपनी जोर आजमाइश कर रहे हैं। मिशिगन में ईस्ट लेसिंग शहर एक औद्योगिक राज्य का कॉलेज शहर है और डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए यह शहर लोहे के चने चबाने जैसा प्रतीत हो रहा है यहां लगभग 2 लाख अरबी मूल के अमेरिकी नागरिक निवासरत हैं और डेमोक्रेटिक पार्टी को भारी विरोध का सामना करना पड़ सकता है ये नागरिक उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से इसलिए नाराज है कि उन्होंने गाजा में युद्ध विराम के लिए कोई प्रयास नहीं किये। डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि इस युद्ध को हुए तत्काल राष्ट्रपति बनने के बाद रुकवाएंगे। अमेरिका एक शक्ति संपन्न राष्ट्र है और उसकी नीतियां,राजनीति एवं कूटनीति पूरी दुनिया के देशों को प्रभावित करती है फिर वह राजनीतिक सामरिक अथवा व्यापारिक लेनदेन, समझौते या युद्ध में मदद की बात हो अमेरिका का दखल लगभग सभी मसलों में एक जैसा रहता है। यह अलग मुद्दा है कि पश्चिम एशिया,चीन, रूस एवं नॉर्थ कोरिया जैसे देश अमेरिका के धुर विरोधी रहे हैं। चीन और रूस के सामरिक,व्यापारिक और एटॉमिक मसलों पर आपस में टकराते रहे हैं। यह गौर किए जाने वाली बात है कि अमेरिका में अगला राष्ट्रपति ही अमेरिका सहित अन्य कई देशों के दिशा-निर्देश तय करेंगा। चुनाव से पहले अमेरिका में रह रहे भारतीय समुदाय के एक बड़े समूह ने चुनाव में भारतीय अमेरिकी मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष प्रयोजन शुरू किया है। एक नान प्रॉफिटेबल संस्था फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायसपोरा स्टडीज ने एक अभियान चलाया है जिसे इंडो अमेरिकन वोटर्स मेटर इस नाम दिया गया है जिसमें तमाम भारतवंशियों को एक छत के नीचे लाने का प्रयास किया जा रहा है। अमेरिका में स्विंग राज्यों (बैटल-ग्राउंड )जिनमे एरीजोना, पेन सेल्वानिया जॉर्जिया मिशीगन नेवाडा नॉर्थ कैरोलिना एवं विस्कासिन्स राज्य इनमें निवासरत भारतीय मूल के मतदाता राष्ट्रपति चुनाव को खासा प्रभावित करने वाले होतें हैं को प्रभावित करने का प्रयास किया जाएगा। अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के 42 लाख लोगों में लगभग 27 से 28 लाख मतदाता नागरिक हैं गौरतलब है कि वहां 18 साल से ऊपर वाले ही मतदान कर सकते हैं ऐसे में भारतीय मतदाताओं की भूमिका राष्ट्रपति चुनाव में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। राष्ट्रपति के चुनाव में अमेरिका की 538 सीटों में चुनाव होने हैं ऐसे में डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस एवं रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप यदि 270 से ज्यादा सीट जीतते हैं वो राष्ट्रपति पद के हकदार हो जाएंगे। चूंकि डोनाल्ड ट्रंप की बहुत ज्यादा उम्र है उन पर लगभग 34 अपराधिक प्रकरण भी न्यायालय में लंबित है ऐसे में उनका पक्ष कमजोर दिखाई देने लगा है एक सर्वे के अनुसार कई राज्यों में डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस डोनाल्ड ट्रंप से लोकप्रियता में काफी आगे चल रही है। कमला हैरिस के साथ डेमोक्रेटिक पार्टी के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार टीम वाल्स एवं डोनाल्ड ट्रंप के साथ उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीनेटर जेडी वेंस होंगे, जेडी वेंस की पत्नी उषा चिलकुरी जो भारतीय मूल की है और वे पूरे दमखम के साथ रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों का प्रचार प्रसार कर रही है अब वह डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से भारतीय मूल के मतदाताओं को अपनी तरफ करने के लिए स्टार प्रचारक बन चुकी है। भारतीय मतदाताओं को रिझाने के लिए अलग-अलग भारतीय मूल के लोग सक्रिय हैं। यह तो तय है कि स्विंग स्टेट यानी बैटल-ग्राउंड् में भारतीय मूल के मतदाताओं की अच्छी खासी संख्या है एवं वहां के मतदाता जिनका की रुझान कभी भी राष्ट्रपति चुनाव में समझ में नहीं आया है वे जिस पार्टी को वोट देंगे वही पार्टी चुनाव जीतने में सक्षम होगी।

डेमोक्रेटिक पार्टी को अमेरिका में उदारवादी दल माना जाता है और उसके मेनिफेस्टो में नागरिक अधिकारों में बढ़ावा, सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित करना एवं जलवायु परिवर्तन मैं होने वाले नुकसान से निपटने हेतु उपाय करना शामिल है दूसरी तरफ रिपब्लिकन पार्टी (gop) यानी ग्रैंड ओल्ड पार्टी मानी जाती है और इसके एजेंडे में सरकार की सीमाओं को छोटा करना,हथियार रखने के प्रतिबंध एवं गर्भपात पर लगे प्रतिबंध को तुरंत हटाने की बात शामिल है1 डेमोक्रेट पार्टी की कमला हैरिस रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप के अलावा राष्ट्रपति चुनाव के मैदाने जंग में स्वतंत्र उम्मीदवार जॉन एफ कैनेडी के भतीजे रॉबर्ट एफ कैनेडी भी चुनाव लड़ रहे हैं। अमेरिका के चुनाव के नतीजे से भारत भारत के रिश्तों में थोड़ा बहुत परिवर्तन तो होगा ही, डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व कार्यकाल में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं डोनाल्ड ट्रंप के संबंध निजी तौर पर काफी प्रगाढ़ रहे हैं, डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान में दी जाने वाली अमेरिकी सहायता के खिलाफ रहे हैं यदि डोनाल्ड ट्रंप जीते हैं तो पाकिस्तान के लिए और बुरे दिन आने की संभावना है डोनाल्ड ट्रंप स्वयं व्यवसायिक व्यक्ति हैं ऐसे में भारत के साथ मझौले कद के उद्योगों को बढ़ावा देने वाली किसी भी योजना अथवा स्कीम में वह मदद नहीं करने वाले हैं एवं उनकी नीति भारत के एक्स निर्यात को निराश करने वाली ही रहेगी।

यह अलग बात है कि डोनाल्ड ट्रंप चीन पर नियंत्रण रखने का प्रयास करेंगे। यदि डेमोक्रेट पार्टी की कमला हैरिस चुनाव जीतती है और यदि जो बाईडेन की नीतियों पर चलने का प्रयास करेंगीं तो भारत द्वारा यूक्रेन के विरुद्ध रूस को समर्थन दिए जाने पर विरोध का स्वर जारी रखेंगीं, जो बाईडेन रूस यूक्रेन युद्ध के मध्य भारत द्वारा रूस से कच्चा तेल लिए जाने पर खासा नाराज हुए थे भारत पर काफी दबाव भी डाला गया पर भारत ने यह स्पष्ट कर दिया था कि रूस भारत का परंपरागत मित्र होने की वजह से और 1971 में पाकिस्तान के विरुद्ध रूस ने भारत की एक तरफ़ा मदद भी की ऐसे में भारत स्पष्ट रूप से रूस के साथ सामरिक आर्थिक मामलों में खड़ा हुआ है। कमला हैरिस चूंकि भारतीय मूल की है अतः उनकी संवेदना भारत के प्रति भविष्य में ज्यादा होने की आशाएं हैं।

# पीड़ितों को कब तक मिलती रहेगी 'तारीख-पे-तारीख'

प्रियंका सौरभ

भारत में न्यायिक बैकलॉग एक बड़ी चुनौती है, जहाँ विभिन्न न्यायालयों में 4 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। इस बैकलॉग का एक मुख्य कारण अत्यधिक न्यायिक स्थगन है, जो मामले के समाधान में देरी करता है और न्याय प्रदान करने में बाधा डालता है। कार्यवाही को सुव्यवस्थित करने के प्रयासों के बावजूद, बार-बार स्थगन प्रगति को बाधित कर रहे हैं। इस मुद्दे को सम्बोधित करने के लिए इसके मूल कारणों को समझना और व्यवस्थित सुधारों को लागू करना आवश्यक है। बार-बार स्थगन से मामलों की अवधि बढ़ जाती है, कभी-कभी अंतिम समाधान में वर्षों या दशकों तक का समय लग जाता है, जिससे न्यायपालिका की दक्षता प्रभावित होती है। प्रत्येक स्थगन मुकदमेबाजी के समग्र ख़र्च को बढ़ाता है, जिससे पक्षकारों पर वित्तीय बोझ पड़ता है, खासकर निम्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि वाले लोगों पर। स्थगन के कारण विस्तारित समयसीमा समय पर न्याय तक पहुँच को सीमित करती है, जिससे न्यायिक प्रणाली में जनता का विश्वास प्रभावित होता है। अंडरट्रायल से जुड़े आपराधिक मामलों में अक्सर कई स्थगन होते हैं, जिससे न्याय में देरी होती है और निष्पक्ष और त्वरित सुनवाई के आरोपी के अधिकार पर असर पड़ता है। स्थगन के कारण न्यायालय का बहुमूल्य समय नष्ट हो जाता है, जिसका उपयोग अन्य मामलों को निपटाने में किया जा सकता है, जिससे प्रणाली की समग्र दक्षता कम हो जाती है। स्थगन के कारण होने वाली देरी से गवाहों में थकान, स्मृति क्षरण और कभी-कभी पीछे हटने की प्रवृत्ति पैदा हो सकती है, जिससे साक्ष्य की गुणवत्ता और मामले के परिणामों पर असर पड़ता है। गवाहों को डराने-धमकाने के मामलों में, बार-बार स्थगन के कारण गवाह अपने बयान से मुकर जाते हैं या बदल देते हैं, जिससे फैसले पर असर पड़ता है। प्रक्रियात्मक संहिता स्थगन के लिए छूट प्रदान करती है, जिससे वकील रणनीतिक लाभ के लिए इस लचीलेपन का फायदा उठा सकते हैं। सिविल प्रक्रिया संहिता कुछ शर्तों के तहत स्थगन की अनुमति देती है, लेकिन कार्यवाही में देरी के लिए अक्सर इसका दुरुपयोग किया जाता है। उच्च केस लोड और सीमित न्यायालय कर्मचारी बार-बार स्थगन में योगदान करते हैं, क्योंकि न्यायाधीश प्रत्येक मामले को पर्याप्त समय आवंटित करने के लिए संघर्ष करते हैं। निचली अदालतों में, न्यायाधीशों पर अक्सर बहुत अधिक बोझ होता है, वे हर महीने सैकड़ों मामलों को संभालते हैं, जिसके परिणामस्वरूप सुनवाई स्थगित हो जाती है। पक्षकार व्यक्तिगत या रणनीतिक कारणों से कार्यवाही में देरी करने के लिए जानबूझकर स्थगन की मांग कर सकते हैं, जैसे कि वित्तीय देनदारियों में देरी या प्रतिकूल निर्णयों को स्थगित करना। संपत्ति विवादों में, प्रतिवादी कभी-कभी समाधान के बिना कब्जे को लम्बा करने के लिए बार-बार स्थगन का अनुरोध करते हैं। प्रभावी केस प्रबंधन प्रणालियों की अनुपस्थिति का मतलब है कि मामलों को कुशलतापूर्वक शेड्यूल या मॉनिटर नहीं किया जाता है, जिससे अनावश्यक स्थगन होता है। डिजिटल केस-ट्रैकिंग सिस्टम की कमी वाले न्यायालयों को प्रशासनिक अक्षमताओं का सामना करना पड़ता है, जिससे केस की प्रगति की निगरानी करना और देरी को कम करना कठिन हो जाता है। प्रशिक्षित न्यायालय कर्मियों की सीमित उपलब्धता, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, प्रक्रियात्मक देरी और स्थगन के लिए बार-बार अनुरोध की ओर ले जाती है। प्रक्रियात्मक संहिताओं में संशोधन करके स्थगन की संख्या सीमित करें, ख़ास तौर पर दीवानी और आपराधिक मामलों में। कुछ उच्च न्यायालयों ने स्थगन की अधिकतम सीमा तीन प्रति मामले तक सीमित करने के लिए सुधार पेश किए हैं, जिससे केस समाधान समयसीमा में सुधार हुआ है। शेड्यूलिंग को सुव्यवस्थित करने, केस की प्रगति की निगरानी करने और न्यायालय के संसाधनों को प्रभावी ढंग से आवंटित करने के लिए डिजिटल केस प्रबंधन उपकरण लागू करें। ई-कोर्ट परियोजना का उद्देश्य कुशल केस ट्रैकिंग, पारदर्शिता बढ़ाने और अनावश्यक देरी को कम करने के लिए डिजिटल सिस्टम शुरू करना है। मामलों के कुशल निपटान को प्रोत्साहित करने और स्थगन को कम करने के लिए न्यायाधीशों और न्यायालय के कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन प्रोत्साहन पेश करें। राज्यों ने ऐसी योजनाएँ लागू की हैं जो न्यायिक अधिकारियों को केस समयसीमा का पालन करने के लिए पहचानती हैं और पुरस्कृत करती हैं, जिससे जवाबदेही को बढ़ावा मिलता है।

# पद प्रशंसा और प्रशस्तिगान

डॉ टी महादेव राव

बिना बड़ाई किए, तारीफ किए बिना राजनीति नहीं हो सकती। गांव गलियों में जनता को तारीफों से बांधकर, उनके पैरों पर पड़कर, स्तुति-गान करते हुए वोट मांगने से राजनीति की शुरुआत होती है। उसके बाद जो नेता उसे आगे बढ़ा सकते हैं, ऐसे नेता को भगवान मानकर उनकी तारीफों के कसीदे काढ़कर, उन्हें मदिरा में स्नान करवाकर, अपने लिए सीट पक्का किया जाता है। पैसे फेंक कर जीतना होता है। जीत से यात्रा रुकनी नहीं चाहिए. इसके लिए बड़े नेता को पकड़कर उन्हें भी अपनी तारीफों की दुनिया का शहंशाह बनाना होता है। इन प्रशस्ति गीतों में थोड़ी सी लय और ताल बिगडे तो सारे किए कराए पर पानी फिर जाएगा। इसलिए हर वक्त बहुत ज्यादा जागरूक होकर कीर्तन भजन रूपी तारीफों से उसका अभिषेक करें, तभी मन चाहे पद, भारी वरदानों की बारिश होगी। इन सब को हासिल करने के लिए भजन कीर्तन जरूरी है। रग रग में प्रशंसा करने का अद्भुत गुण भरा होना चाहिए। जीभ को तरह-तरह से घुमाते हुए पुल बांधना होगा तारीफों का। पहले चार फिर चालीस लोगों की एक साथ तारीफ करने की बात ऐसे छुट भैयों से नेता बने लोगों के लिए बाएं हाथ का खेल है। तारीफों के पुल बांधना मतलब बकवास नहीं है। वह एक सेवा का मार्ग है। नेता की सेवा करने का एक विधि विधान है। इसमें कई तरह की बातें शामिल हैं। बड़े नेता-भगवान के नाम पर कई तरह की खेल प्रतियोगिताएं की जाती हैं। पाठशालाओं, भवनों, बाज़ारों को उनके नाम पर नामकरण किया जाना, उनके जन्मदिन पर कई मंदिरों में पूजा-अर्चना, गलियों में यज्ञ आदि के साथ-साथ बड़े कट-आउट चित्रों को दूध से अभिषेक किया जाता है। उन महान नेताओं के कामों को मूल में रखकर नए-नए गीत बनाकर गाना, बैंड बाजों के साथ में उनके नाम का हल्ला मचाना, माइकों पर दिनभर प्रशस्ति गान गला फाड़ फाड़ कर किया जाना, यह सब नेता-भगवान के प्रसाद के रूप में दिया जाने वाले प्रयासों की सूची है। नेताओं के भजन के पीछे जन-प्रयोजन भी छिपे हैं। प्रशंसा की प्रक्रिया एक बड़ा उद्योग है।

सड़कों के दोनों तरफ भारी बैनर, पोस्टर, कट-आउट, बैंड बाजा, डीजे, द्रव और ठोस आहारों का व्यय, ईंधन तेल का खर्चा, बिरयानी के पैकेट, ट्रकों पर नारे लगाते मजदूर, साथ चलने वाले कार्यकर्ता, झंडे उठाने वाले श्रमिक। इस प्रकार कई तरह के लोगों को काम देते हुए, सालाना भारी टर्नओवर के साथ कई और उद्योगों को आसरा देते हुए उन्हें लाभ पहुंचाते हुए, प्रत्यक्ष कई लोगों को और अपरोक्ष रूप से और कुछ लोगों को रोजगार देता है यह प्रशंसा क्षेत्र। तारीफ़ों को बंद कर दिया जाए तो यह सब कुछ समाप्त। चारण भाटों का रिवाज हमारे यहां राजा महाराजाओं के जमाने से चला रहा है। इस विरासत के तहत यह विश्वास किया जाता है कि तारीफ या प्रशंसा जो है, वह उम्र बढ़ाती है उसकी, जिसकी तारीफ की जाती है। प्रशस्ति गान करके देखो, सामने वाले का चेहरा चंद्रमा की तरह खिलखिला जाता है। फिर सामूहिक स्तुति-गान सुनकर तो बाँछें खिल जाती हैं। लगता है स्वर्ग में आसन ग्रहण करने के बाद वहां के गायकों का मधुर गान सुन रहे हैं।

# अंतिम संस्कार की फ्री योजनाएं

रामविलास जांगिड़

बहनों और भाइयों! सिर्फ दलदल पार्टी को ही वोट दीजिए क्योंकि हमारी पार्टी ही एकमात्र है जो हर एक मृतक का ध्यान रखेगी। मरने वाले को किसी प्रकार की कोई दुविधा ना हो इसके लिए समुचित उपाय करेगी। हमने मुफ्त अंतिम संस्कार योजना बनाई है, जिसमें गरीब परिवारों के लिए अंतिम संस्कार का खर्च सरकार द्वारा किया जाएगा। अंत्येष्टि स्थल सुधार योजना में बढ़िया क्वालिटी के श्मशान और कब्रिस्तान बनाए जाएंगे, ताकि मरने वाला बेखबर होकर शांति से मर सके। हर एक मोहल्ले में शोक सहायता समूह बनाकर सरकारी कर्मचारियों का समूह मृतक के घर रोने के लिए भिजवाया जाएगा। ये सभी सुविधाएं मुफ्त होगी। सिर्फ वोट हमें ही दीजिए! दोस्तों हमारी सरकार बनते ही अंतिम संस्कार के लिए मुफ्त वाहन सुविधा की सुविधा दे दी जाएगी। ये वाहन इतने बड़े होंगे कि इनमें मृतक के साथ उसका पूरा परिवार भी बैठ सकेगा। हमारी अंत्येष्टि अनुदान योजना के तहत आगामी 5 वर्षों तक गरीब परिवारों के लिए श्मशान भूमि के निःशुल्क उपयोग की सुविधा दी जाएगी। सरकार श्मशान कब्रिस्तान का उपयोग करने पर कोई टैक्स नहीं लेगी। यही नहीं मृतकों के जीवन को सुरक्षित करने के लिए उनके लिए मृतक स्मारक निर्माण योजना के तहत मुफ्त सामुदायिक स्मारकों का निर्माण किया जाएगा। याद रखिए। हमारी पार्टी ही ऐसी पार्टी है, जो श्मशान में अंतिम संस्कार की हर प्रकार की लागत राशि के निवारण के लिए सारा काम मुफ्त में करेगी। शोक संतप्त परिवारों के लिए संवेदना भंडारों की निशुल्क व्यवस्था की जाएगी। संवेदना जगाने के लिए आने वाले संवेदनार्थियों के लिए मुफ्त चाय, पानी और भोजन की व्यवस्था सरकारी स्तर पर की जाएगी। मृतक की सामाजिक औकात के अनुसार उसके अंतिम संस्कार में उपयोग होने वाले सामानों का मुफ्त वितरण किया जाएगा। हमारी लोकप्रिय मुफ्त अंतिम संस्कार कक्ष योजना के तहत अंतिम संस्कार के लिए श्मशान में विशेष आकर्षक एवं सजावटी कक्षों की सुविधा प्रदान की जाएगी। संवेदना सहारा योजना के तहत परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए सार्वजनिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। तीये, 12वें, 40वें आदि की बैठक में मुफ्त सरकारी इंतजाम किए जाएंगे। जो भी व्यक्ति अंतिम संस्कार में भाग लेगा उसे राजकीय अतिथि मानकर तीन दिन का यात्रा, भोजन एवं रुदन भत्ता दिया जाएगा। शोक संतप्त परिवारों के लिए अंतिम संस्कार में जाने वाले लोगों के लिए रास्ते में जगह-जगह खाने-पीने व मनोरंजन की व्यवस्था सरकार की तरफ से फ्री में की जाएगी। शोक समय परिवार को एकजुट करने के लिए पारिवारिक पुनर्मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। डिजिटल युग में ऑनलाइन प्लेटफार्म शोक केंद्र बनाए जाएंगे।

# आज नहाय खाय से शुरू होगा छठ पूजा व्रत

मंगलवार, 5 नवंबर से महाव्रत छठ पूजा शुरू हो रहा है। 5 तारीख को नहाय खाय, 6 को खरना, 7 को डूबते सूर्य को अर्घ्य और 8 की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। ये सूर्य भगवान और षष्ठी माता की पूजा का महापर्व है। जानिए छठ पूजा से जुड़ी खास बातें... व्रत करने वाले व्यक्ति को करीब 36 घंटों तक निर्जल रहना होता है। निर्जल रहना यानी व्रत करने वाले व्यक्ति को 36 घंटों तक पानी भी नहीं पीना होता है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, छठ माता का ये व्रत जो लोग करते हैं, उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस व्रत के लिए नियम भी बहुत कठोर हैं, अगर व्रत करने वाला व्यक्ति कोई गलती कर देता है, उसका व्रत खंडित हो जाता है और व्रत निष्फल हो जाता है।

**चार दिनों का व्रत-उत्सव है छठ पूजा**

छठ पूजा व्रत चार दिनों का होता है। इसका पहला दिन नहाय खाय है, जो कि 5 नवंबर को है। पहले दिन भक्त नमक का सेवन नहीं करते हैं। व्रत करने वाला व्यक्ति स्नान के बाद नए वस्त्र पहनता है। इस दिन लौकी की सब्जी और चावल बनाए जाते हैं। पूजा के बाद प्रसाद रूप में लौकी की सब्जी और चावल खाते हैं।

**6 नवंबर को है खरना**

छठ पूजा व्रत का दूसरा दिन खरने का होता है। खरने में शाम को सूर्यास्त के बाद पीतल के बर्तन में गाय के दूध से खीर बनाते हैं। व्रत करने वाला व्यक्ति ये खीर खाता है, लेकिन खीर खाते समय अगर उसे कोई आवाज सुनाई दे जाए तो वह खीर वहीं छोड़ देता है। इसके बाद पूरे 36 घंटों का निर्जल व्रत शुरू हो जाता है।

**सूर्यास्त और सूर्योदय के समय देते हैं अर्घ्य**

तीसरे दिन यानी छठ पूजा (7 नवंबर) के दिन शाम को सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इस दिन सुबह से व्रत करने वाला व्यक्ति निराहार और निर्जल रहता है। प्रसाद में ठेकुआ बनाते हैं। शाम को सूर्य पूजा करने के बाद भी रात में व्रत करने वाला निर्जल रहता है। चौथे दिन यानी यानी सप्तमी तिथि (8 नवंबर) की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत पूरा होता है।

# मंगलवार की पूजा में भूलकर भी न करें ये 6 काम, 'महाबली हनुमान' होते हैं नाराज

सनातन धर्म में सप्ताह का हर दिन किसी न किसी देवता को समर्पित है. इसी तरह मंगलवार का दिन भगवान श्रीराम के परमभक्त पवनपुत्र हनुमान जी का माना जाता है. इस दिन भक्त महावली हनुमान जी की पूजा करके खुद को कृतार्थ करते हैं.

धार्मिक मान्यता है कि जो भी व्यक्ति मंगलवार के दिन विधि-विधान से बजरंगबली की पूजा करता है उसके जीवन के सारे संकट दूर हो जाते हैं. लेकिन, हनुमान जी की कृपा पाने के लिए उनके नियमों की जानकारी का होना बेहद जरूरी है. ऐसा माना जाता है कि मंगलवार के दिन ऐसा कोई भी कार्य नहीं करना चाहिए, जिससे कुंडली में बाधाएं उत्पन्न हों. अब सवाल है कि आखिर मंगलवार की पूजा करते हैं तो क्या नहीं करना चाहिए?

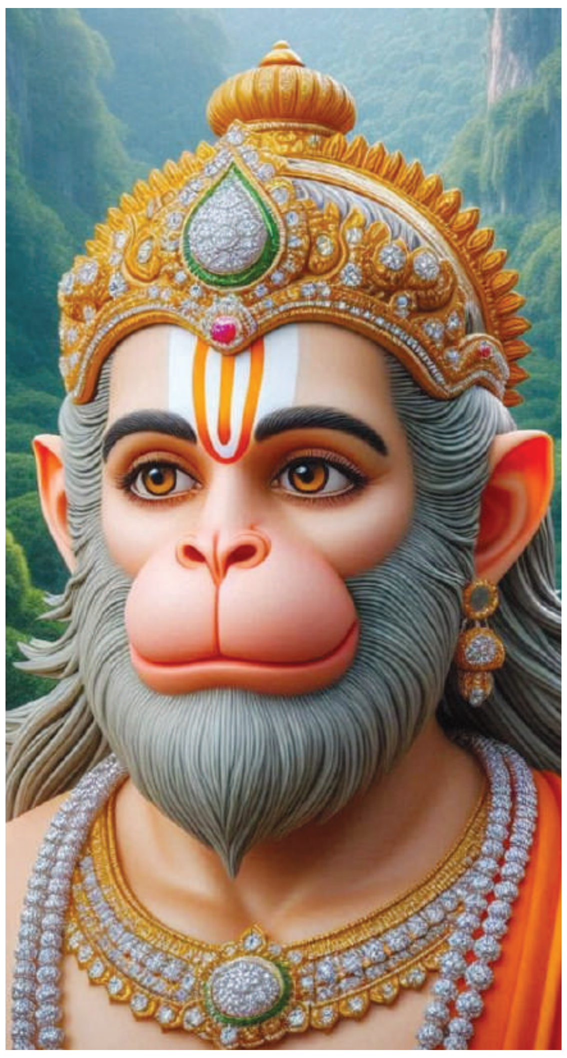

**व्रतधारी नमक न खाएं:** ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, मंगलवार का व्रत करने वाले लोगों को नमक का सेवन नहीं करना चाहिए. इसके अलावा, इस दिन मिठाई का दान किया जाता है. अगर आप दान कर रहे हैं तो मंगलवार के दिन खुद मीठा नहीं खाना चाहिए. ऐसा करने से हनुमान जी नाराज हो सकते हैं.

**बाल-नाखून न काटें:** ज्योतिष शास्त्र में मंगलवार के दिन बाल और नाखून काटने की मनाही है. ऐसा माना जाता है कि मंगलवार के दिन बाल कटवाना, दाढ़ी बनाना, नाखून काटना अशुभ होता है. मंगलवार को इन कामों को करने से व्यक्ति को जीवन में धन और बुद्धि की हानि हो सकती है.

**हवन न कराएं:** हनुमान जी की कृपा हमारे ऊपर बनी रहे इसके लिए पूजा-पाठ और हवन कराया जाता है. लेकिन ध्यान रहे कि मंगलवार को हवन नहीं करवाना चाहिए. हालांकि, हनुमान जी के सामने चमेली के तेल का दीपक जलाना शुभ माना जाता है.

**धन का लेनदेन न करें:** धर्म शास्त्रों में ऐसा कहा गया है कि, मंगलवार के दिन उधार पैसा ना किसी से लेना चाहिए और ना ही इस दिन किसी को उधार पैसा देना चाहिए. ऐसा माना जाता है कि इससे आर्थिक परेशानी और हानि होने की संभावना बढ़ जाती है.

**मांस-मदिरा से दूरी रखें:** मंगलवार का दिन बजरंगबली को समर्पित किया गया है, इसलिए इस दिन सात्विक रहना बहुत ज़रूरी है. ऐसा माना जाता है कि यदि आप मंगलवार के दिन शराब और मांसाहार करेंगे, तो आपके कामों में निश्चित ही बाधाएं आएंगी. ऐसे में मंगलवार के दिन शराब और मांसाहार से दूर रहना चाहिए.

**काले वस्त्र न पहनें:** मंगलवार के दिन काले रंग के वस्त्र भी नहीं पहनना चाहिए. ऐसा माना जाता है कि इस दिन लाल रंग के वस्त्र पहनने से मंगल दोष का प्रभाव कम होता है. इसके अलावा, मंगलवार के दिन किसी भी कन्या या स्त्री को सौंदर्य प्रसाधन सामग्री नहीं खरीदनी चाहिए.

# मोहमद तुगलक ने दौलताबाद को बनाया राजधानी

1351 ईसवी में गयासुद्दीन का भतीजा मुहम्मद बिन तुगलक गद्दी पर था। उसने दिल्ली के बजाय देवगिरी (दौलताबाद) को राजधानी बनाया। इस दौरान एलोरा के पास के इलाके का गवर्नर हसन गंगू हुआ करता था, जो शुरुआती समय में दिल्ली में गंगू नाम के एक ब्राह्मण का सेवादार हुआ करता था। 3 अगस्त 1347 को हसन गंगू ने मुहम्मद बिन तुगलक के खिलाफ दक्कन में एक आजाद साम्राज्य की घोषणा कर दी। उसने महाराष्ट्र के अलावा कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के भी कुछ इलाके कब्जाए। हसन गंगू ने बाद में अपना नया नाम अलाउद्दीन बहमन शाह रख लिया था। इसलिए उसके साम्राज्य को बहमनी साम्राज्य कहते हैं। 1425 तक इसकी राजधानी एहसानाबाद (आज का गुलबर्गा) रही। बाद में मुहम्मदाबाद (आज के बीदर) को राजधानी बनाया गया। बहमनी साम्राज्य के करीब 200 साल के शासन में कुल 18 शासक हुए। 16 वीं शताब्दी की शुरुआत में बहमनी साम्राज्य कमजोर हो चला था, शासक वर्ग में कई धड़े बन गए थे। आम मुसलमान भी शिया और सुन्नी में बंटे।

1518 ईसवी में बहमनी साम्राज्य के पतन के बाद दक्कन में पांच छोटे साम्राज्य बने। इन पांचों सल्तनतों के नाम थे- अहमदनगर में निजामशाही, बीजापुर की आदिलशाही, गोलकुंडा की कुतुब शाही, बीदर की बरीदशाही और बरार की इमादशाही।

1323 ईसवी में गयासुद्दीन ने वारंगल के काकतीय राजवंश के राजा को बंदी बना लिया था। कंपिली के दरबार में दो सगे भाई हरिहर और बुक्का मंत्री हुआ करते थे। दोनों भाग निकले और तुंगभद्रा नदी पार करके 1336 एक नया शहर बसाया। अपने गुरु विद्यारणे के नाम पर इसका नाम रखा- विद्या नगर। इसे बाद में विजयनगर कहा गया। आज हेरिटेज साइट में से एक हंपी कभी विजयनगर साम्राज्य का हिस्सा हुआ करती थी।

हरिहर और बुक्का ने तुंगभद्रा नदी के दक्षिणी हिस्से को मुसलमानों से आजाद करवाया। मदुरै जैसे तब के कई मुगलिया कब्जे के इलाके जीते। हरिहर और बुक्का के वंशजों ने भी साम्राज्य का विस्तार किया। बहमनी साम्राज्य के समांतर ही विजयनगर साम्राज्य भी खड़ा हो चुका था। बुक्का के वंशज राजा कृष्ण देवराय (1509-29) के दौर तक लगभग पूरा दक्षिण भारत विजयनगर साम्राज्य का हिस्सा बन गया। तुंगभद्रा और कृष्णा नदी के दोआब का इलाका बहुत उपजाऊ था। विजयनगर साम्राज्य के तहत आने वाले कोंकण इलाके में कई बंदरगाह भी थे, जिन पर बहमनी साम्राज्य की नजर थी। 1336 से 1565 में तालीकोटा के युद्ध तक

बहमनी के सुल्तानों और विजयनगर के शासकों के बीच कम से कम 10 युद्ध हुए। आखिरकार 1565 में बहमनी साम्राज्य से अलग होकर बनी पांचों सल्तनतों ने एक साथ विजयनगर पर हमला बोल दिया। विजयनगर की हार हुई। राजा का सिर एक विजेता ट्रॉफी की तरह नुमाइश के लिए दीवार पर टांग दिया गया। 15वीं सदी के खत्म होते-होते दिल्ली में मुगल बादशाह बाबर का शासन आ चुका था। इधर दक्कन की सल्तनतें आपस में लड़ रही थीं, ऐसे में मुगल बादशाह अकबर ने दक्कन में हमले का मौका देखा।

1600 ईसवी में अकबर ने अपने बेटे मुराद को अहमदनगर के किले पर हमला करने भेज दिया। अहमदनगर की निजामशाही तब हुसैन निजाम शाह की बेटी चांद बीबी के हाथों में थी। चांद बीवी ये जंग हार गईं और उन्होंने मुगलों के हाथों में पड़ने से पहले खुद की जान ले ली। चांद बीबी ने मुगलों से पहली लड़ाई बहुत बहादुरी से लड़ी थी, लेकिन उन्हें समझौते में कुछ इलाके गंवाने पड़े। अगली लड़ाई में उन्होंने अपनी छाती में खंजर घोंप लिया।

1626 में मुगलों ने अहमदनगर की निजामशाही पर पूरी तरह कब्जा कर लिया। आगे चलकर अहमदनगर की निजाम शाही दो हिस्सों में बंट गई।

एक पर मुगलों का शासन था और दूसरी पर बीजापुर के सुल्तान आदिल शाह का शासन। 12 सितंबर 1686 को बीजापुर पर भी मुगल साम्राज्य काबिज हो गया। बरार की इमादशाही यानी आज के महाराष्ट्र का विदर्भ और बीदर की बरीदशाही, दोनों ही छोटे साम्राज्य थे। बीदर को बाद में बीजापुर में मिला लिया गया और बरीदशाही के आखिरी सुल्तान अमीर बरीद तृतीय और उसके बेटों को बीजापुर की जेल में डाल दिया गया। **(जारी)**

# विनायक चतुर्थी आज

विनायक चतुर्थी या गणेश चतुर्थी हिंदू धर्म का एक प्रमुख पर्व है, जो भगवान गणेश को समर्पित है और गणेश जी को विघ्नहर्ता और बुद्धि के देवता माना जाता है। इस दिन गणेश जी की मूर्ति स्थापित की जाती है और उनकी पूजा की जाती है। गणेश जी को सभी विघ्नों को दूर करने वाले माना जाता है। इसलिए, किसी भी शुभ काम की शुरुआत से पहले गणेश जी की पूजा की जाती है। गणेश जी को बुद्धि के देवता भी माना जाता है। इसलिए छात्र गणेश जी की पूजा करके बुद्धि और ज्ञान प्राप्त करने की कामना करते हैं। विनायक चतुर्थी को नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन लोग नए काम की शुरुआत करते हैं।

पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि की 4 नवंबर को रात में 11 बजकर 24 मिनट पर शुरू हो चुकी है। इस तिथि का समापन 5 नवंबर को देर रात 12 बजकर 16 मिनट पर होगा। उदयातिथि के आधार पर विनायक चतुर्थी का व्रत 5 नवंबर दिन मंगलवार को रखा जाएगा। जो लोग 5 नवंबर को विनायक चतुर्थी का व्रत रखेंगे, उनको पूजा के लिए 2 घंटे 11 मिनट का शुभ मुहूर्त प्राप्त होगा। उस दिन विनायक चतुर्थी की पूजा का शुभ समय दिन में 10 बजकर 59 मिनट से दोपहर 1 बजकर 10 मिनट तक है। इस समय में ही आपको गणपति बप्पा की पूजा विधि विधान से कर लेना चाहिए।

**विनायक चतुर्थी शुभ योग**

इस बार की विनायक चतुर्थी पर 2 शुभ योग बन रहे हैं। सुकर्मा योग दिन में 11 बजकर 28 मिनट से बन रहा है, जो पूर्ण रात्रि तक है। वहीं रवि योग सुबह में 6 बजकर 36 मिनट से बनेगा, जो सुबह 9 बजकर 45 मिनट तक रहेगा। उस दिन ज्येष्ठा नक्षत्र प्रातःकाल से लेकर सुबह 9 बजकर 45 मिनट तक है। उसके बाद से मूल नक्षत्र है। 5 नवंबर को विनायक चतुर्थी के दिन चंद्रोदय सुबह में 10 बजकर 5 मिनट पर होगा, वहीं चंद्रास्त रात में 8 बजकर 9 मिनट पर होगा। विनायक चतुर्थी के दिन चंद्रमा का दर्शन वर्जित है। चंद्रमा का दर्शन करने से मिथ्या कलंक लगने की आशंका होती है।

**विनायक चतुर्थी का महत्व**

विनायक चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की पूजा की जाती है। गणेश जी को विघ्नहर्ता और बुद्धि के देवता माना जाता है। इस पर्व को भारत के विभिन्न हिस्सों में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। भगवान गणेश को सभी विघ्नों को दूर करने वाले देवता माना जाता है। इसलिए, किसी भी शुभ काम की शुरुआत से पहले गणेश जी की पूजा की जाती है। गणेश जी को बुद्धि के देवता भी माना जाता है। इसलिए, छात्र गणेश जी की पूजा करके बुद्धि और ज्ञान प्राप्त करने की कामना करते हैं। विनायक चतुर्थी को नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन लोग नए काम शुरू करना शुभ माना जाता है।

# क्या सूर्यास्त के बाद लगाया जा सकता है मांग में सिंदूर?

हिन्दू धर्म में विवाह के बाद महिलाएं अपने मांग में सिंदूर लगाती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, यह पति की आयु से संबंध रखता है और अपने जीवनसाथी के प्रति महिलाओं का सम्मान दर्शाता है। यह भी कहा जाता है कि मांग में सिंदूर शादीशुदा होने की एक निशानी है। यह परंपरा काफी प्राचीन है और इसे आज भी बखूबी निभाया जाता है। लेकिन, क्या आप जानते हैं सिंदूर लगाने का क्या महत्व है और इससे जुड़े नियम क्या हैं?

दरअसल, ऐसा कहा जाता है कि सूर्यास्त के बाद मांग में सिंदूर नहीं लगाना चाहिए। ठीक वैसे ही जैसे कि मंगलवार के दिन भी सिंदूर लगाने को लेकर मना किया जाता है। ऐसा क्यों है और क्या हैं इसके ज्योतिष नियम? आइए जानते हैं।

**क्या है सिंदूर लगाने का महत्व**

आपको बता दें कि, सिंदूर, हल्दी और पारे से बना मिश्रण होता है जिसका रंग लाल होता है। ज्योतिषाचार्य के अनुसार, सबसे पहले शादी के दौरान दूल्हा अपनी दुल्हन की मांग में सिंदूर भरता है। इसे सिंदूर

दान कहा जाता है। वहीं, इस रस्म को भी कन्यादान की तरह अहम माना गया है। सिंदूर को सुहागिन की निशानी माना जाता है। धार्मिक महत्व की बात करें तो, सिंदूर को मां पार्वती के आशीर्वाद के रूप में देखा जाता है। ऐसी मान्यता है कि इससे मां पार्वती की कृपा मिलती है और पति की आयु लंबी होती है।

**क्या सूर्यास्त के बाद लगाना चाहिए सिंदूर?**

अब बात करें मांग में सिंदूर लगाने को लेकर एक खास नियम की तो ऐसा कहा जाता है कि सूर्यास्त के बाद सिंदूर नहीं लगाना चाहिए। इसके पीछे धार्मिक कारण मिलता है, जिसके अनुसार भगवान सूर्य को ऊर्जा और समृद्धि का प्रतीक माना गया है और यह दिन के समय को नियंत्रित करता है। ऐसे में सूर्य उदय से लेकर सूर्यास्त तक के समय को सिंदूर लगाना शुभ माना गया है। वहीं शाम के बाद रात्रि का नियंत्रण चंद्रमा का होता है। ऐसे में कुछ ज्योतिष मान्यता हैं कि सूर्यास्त के बाद सिंदूर नहीं लगाना चाहिए। क्योंकि, इससे सकारात्मक प्रभाव नहीं मिलता।

# कार्तिक आर्यन की मां को इस बात के लिए हो रही परेशानी, 'भूल भुलैया 3' से जुड़ा है मामला

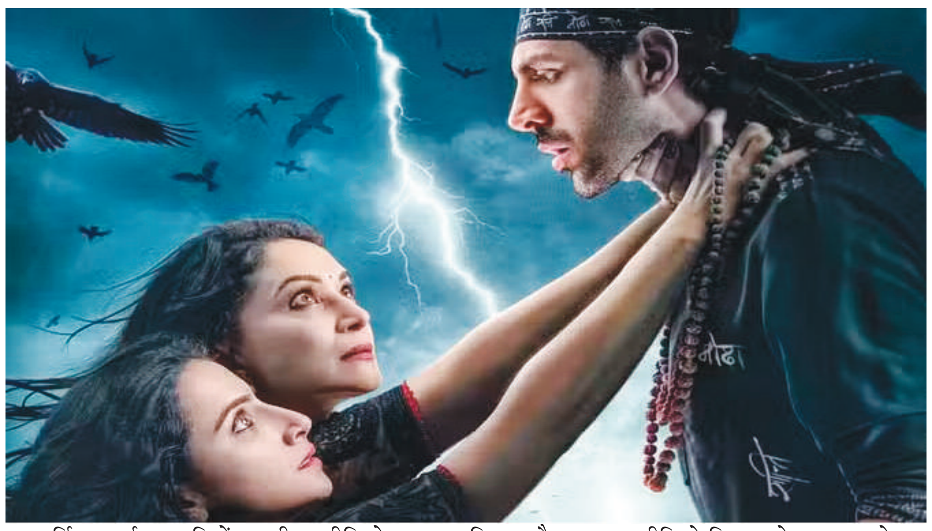

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'भूल भुलैया 3' को लेकर काफी चर्चा में हैं। फैंस उनकी इस फिल्म पर काफी प्यार लुटा रहे हैं। सिनेमाघरों में दर्शक लगातार फिल्म देखने उमड़ रहे हैं। इस बीच कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर बताया कि कैसे उनकी मां को एक परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन वो इसके लिए संघर्ष करने के बाद भी खुश हैं।

**कार्तिक की मां माला तिवारी को आई ये समस्या**

रविवार को कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाटग्राम पर एक प्यारा वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में अभिनेता की मां माला तिवारी अपनी परेशानी साझा करती नजर आ रही हैं। दरअसल उनकी मां 'भूल भुलैया 3' की टिकट बुक करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन उन्हें इसके लिए सीट नहीं मिल रही है। वीडियो में अभिनेता की मां फिल्म की टिकट बुक करने को लेकर संघर्ष करती नजर आ रही हैं। फिल्म को लेकर फैंस की दीवानगी की वजह से उन्हें बुक माई शो पर टिकट नहीं मिल पा रहा है।

**कार्तिक आर्यन की मां को नहीं मिल रही फिल्म की टिकट**

अभिनेता ने इस मजेदार वीडियो क्लिप को साझा करते हुए लिखा, ₹मम्मी को भी टिकट नहीं मिल रही। यह समस्या होने पर बहुत खुशी है।₹ वीडियो में, कार्तिक की मां सोफे पर बैठी हुई दिखाई दे रही हैं, जो उन्हें टिकट पाने में होने वाली परेशानी के बारे में बता रही हैं। इस दौरान वह मजाकिया अंदाज में कहती हैं, ₹पूरा पीला पीला दिख रहा है, कहीं भी हरा-हरा नहीं दिख रहा।₹ फिर कार्तिक उनसे मजाकिया अंदाज में पूछते हैं, ₹अब टिकट कहां से बुक करें?

**बॉक्स ऑफिस पर की अच्छी शुरूआत**

अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित 'भूल भुलैया 3' इस महीने 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। कार्तिक आर्यन की ये हॉरर-कॉमेडी बॉक्स ऑफिस पर रोहित शेट्टी की पुलिस ड्रामा सिंघम अगेन से टकराई। फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने बताया कि 'भूल भुलैया 3' ने अपने पहले दिन 36.60 करोड़ रुपये कमाए, जो कार्तिक की अब तक की सबसे बड़ी ओपनर है। फिल्म ने महज दो दिनों में 68.48 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।

**साल 2007 में रिलीज हुई थी मूल फ्रेंचाइजी**

'भूल भुलैया 3' इस हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है। साल 2007 में रिलीज हुई मूल फिल्म में अक्षय कुमार और विद्या बालन मुख्य भूमिका में नजर आए थे। इसके बाद साल 2022 में रिलीज हुई 'भुलैया 2' में कार्तिक आर्यन, कियारा आडवाणी और तब्बू मुख्य भूमिकाओं में थे। अब इसके तीसरे किस्त में कार्तिक आर्यन, माधुरी दीक्षित, विद्या बालन, तृप्ति डिमरी, विजय राज, राजपाल यादव, संजय मिश्रा आदि कलाकार नजर आ रहे हैं।

# सिकंदर की शूटिंग के लिए हैदराबाद पहुंचे सलमान

सलमान खान इन दिनों फिल्म सिकंदर की शूटिंग में व्यस्त हैं। जान से मारने की धमकियों के बीच, एक्टर फिल्म की शूटिंग के लिए हैदराबाद के फेमस ताज फलकनुमा पैलेस लौट आए हैं। पैलेस में भी एक्टर की सेफ्टी को ध्यान में रखकर कड़ी सुरक्षा की गई है। ताज फलकनुमा पैलेस को शानदार तरीके से रोशनी से सजाया गया है। कथित तौर पर, फिल्म क्रू पैलेस पर एक दिन पहले ही पहुंच गया था। क्रू ने शूटिंग की सारी तैयारियां कर ली थीं।यह पैलेस सलमान के लिए बहुत स्पेशल है। दरअसल, उनकी बहन अर्पिता खान की भी शादी यहीं हुई थी।फिल्म सिकंदर को साउथ के मशहूर डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदास डायरेक्ट करेंगे, जो इससे पहले 'गजनी', 'हॉलीडे' और 'अकीरा' जैसी हिंदी फिल्में डायरेक्टर कर चुके हैं। वहीं साजिद नाडियाडवाला इसके प्रोड्यूसर होंगे। यह फिल्म ईद के मौके पर 2025 में रिलीज होगी।प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला के साथ सलमान 'जुड़वा', 'मुझसे शादी करोगी' और 'किक' समेत कई हिट फिल्में दे चुके हैं। वहीं 'सिकंदर' से पहले मुरुगदास और सलमान साथ में 2014 में रिलीज हुई फिल्म 'जय हो' पर भी काम कर चुके हैं।

# चंकी पांडे को करियर की शुरुआत में करना पड़ा परेशानी का सामना, बयां की अपनी कहानी

अभिनेता चंकी पांडे ने बॉलीवुड में 'आग ही आग' फिल्म से डेब्यू किया। चंकी पांडे का मानना है कि वह फिल्मों में अच्छा कर रहे थे लेकिन जैसे ही बड़े अभिनेता उभरने लगे तो उनकी शुरुआती प्रसिद्धी फीकी पड़ने लगी। उन्होंने कहा, जब शाहरुख खान, आमिर खान, सलमान खान, गोविंदा और अजय देवगन जैसे सितारे इंडस्ट्री में आने लगे, तो उन्हें खोया हुआ महसूस हुआ।

**करियर की शुरुआत में करना पड़ा रिजेक्शन का सामना**

स्क्रीन को दिए इंटरव्यू में चंकी पांडे ने कहा, मेरे शुरुआती करियर में मुझे कई सारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। चंकी पांडे ने बताया उन्हें कुछ सीरीज में रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। चंकी पांडे को टीवी और फिल्मों में भी कई बार ऑडिशन फेल होने की बात कही।

**रोमांटिक फिल्म से होना पड़ा बाहर**

चंकी पांडे ने बताया कि एक बार वे एक रोमांटिक फिल्म के निर्देशक से मिलने गए थे, तब वे एक टैंक टॉप पहनकर गए थे। उन्होंने बताया कि फिल्म निर्माता ने टिप्पणी की कि वह टार्जन के लिए कास्टिंग नहीं कर रहे थे और उन्होंने सुझाव दिया कि पांडे कहीं और अपनी किस्मत आजमाएं। चंकी पांडे ने बताया कि उन्हें तीन साल बाद एक वॉशरूम में उन्हें फिल्म में आने का पहला मौका मिला।

**हाउसफुल 5 में आएंगे नजर**

चंकी पांडे ने कहा, अजय देवगन, अक्षय कुमार और सनी देओल ने एक्शन फिल्मों पर अपना दबदबा बनाया। शाहरुख खान रोमांटिक हीरो के रूप में उभरे। आमिर खान ने जमीनी ड्रामा की ओर रुख किया और सलमान खान को सूरज बड़जात्या के साथ बड़ी सफलता मिली। वर्कफ्रंट की बात करें तो चंकी पांडे अब हाउसफुल 5 में नजर आने वाले हैं, फिल्म की शूटिंग के दौरान वह कई सारी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते रहते हैं। चंकी पांडे को उनके अनोखे स्टाइल के कारण प्रशंसक काफी पसंद करते हैं।

# तब्बू 53- पिता से करती हैं नफरत

## हुई थी सगाई, लेकिन अजय देवगन की वजह से सिंगल जैकी श्रॉफ ने जबरदस्ती करने की कोशिश की थी

मैं और अजय 25 साल से एक-दूसरे को जानते हैं। वे मेरे कजन समीर आर्य के पड़ोसी और क्लोज फ्रेंड हुआ करते थे। जब मैं छोटी थी तो समीर और अजय मुझ पर कड़ी नजर रखते थे। जिस भी लड़के को मुझसे बात करते देखते, उसे पीट दिया करते थे। दोनों बहुत बड़े गुंडे थे। अगर आज मैं सिंगल हूं तो वो सिर्फ अजय देवगन की वजह से ही हूं।'

तब्बू ने यह बात मुंबई मिरर को दिए इंटरव्यू में कही थी। तब्बू का अफेयर फिल्मी जगत के 3 लोगों से रहा है। सबसे पहले उनका नाम संजय कपूर से जुड़ा। फिर वे डायरेक्टर-प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला के साथ रिश्ते में रहीं। दोनों ने सगाई भी कर ली। हालांकि, दोनों का रिश्ता टूट गया। फिर उन्होंने शादीशुदा नागार्जुन को डेट किया, लेकिन उनके साथ भी तब्बू का रिश्ता मुकम्मल नहीं हो पाया।

कभी एक्ट्रेस न बनने की इच्छा रखने वाली तब्बू 39 साल से फिल्मी दुनिया में टॉप पोजिशन पर हैं, लेकिन पर्सनल लाइफ में उतनी ही अकेली भी। बचपन से ही वह सिर्फ मां और बहन के क्लोज रहीं। पिता का आज तक चेहरा नहीं देखा। यहां तक कि उन्हें पिता का सरनेम लगाना भी नागवारा है।

तब्बू एक हैदराबादी मुस्लिम परिवार से ताल्लुक रखती हैं। बचपन में उन्हें पिता का प्यार नसीब नहीं हुआ। दरअसल, जब वो तीन साल की थीं, तभी पेरेंट्स का तलाक हो गया। इसके बाद तब्बू और उनकी बहन की पूरी जिम्मेदारी मां ने ही निभाई। पति से अलग होने के बाद तब्बू की मां बतौर टीचर काम करती थीं। सिम्मी गरेवाल को दिए इंटरव्यू में तब्बू ने कहा था, 'मेरे मन में पिता की बस धुंधली सी छवि है। पिता क्या होते हैं, उनका प्यार क्या होता है, मैं इन चीजों से अनजान हूं। मेरा उनके साथ कोई रिश्ता नहीं है। इसी कारण मैं अपने नाम में पिता का नाम हाशमी लगाना भी पसंद नहीं करती हूं।'

तब्बू कभी एक्ट्रेस नहीं बनना चाहती थीं। भले ही फिल्मी दुनिया के लोगों से उनके परिवार का परिचय था। दिग्गज एक्ट्रेस शबाना आजमी उनकी बुआ हैं।

इस बारे में सिमी गरेवाल के इंटरव्यू में तब्बू ने कहा था, 'मुझे एक्टिंग की दुनिया लुभाती नहीं थी। मेरा फोकस पढ़ाई पर ज्यादा रहता था। यहां तक कि मुझे फिल्में देखना भी पसंद नहीं था, लेकिन किस्मत ऐसी बदली कि फिल्मों से ही रिश्ता जुड़ गया। मैंने कई बार खुद को फिल्मों से दूर करने की कोशिश की, लेकिन नहीं कर पाई।'

तब्बू ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट फिल्मी दुनिया में कदम रखा था। उन्हें सबसे पहला ब्रेक देव आनंद ने अपनी फिल्म में दिया था। फिल्मी ब्रेक के बारे में अनुपम खेर के शो में तब्बू ने कहा था, 'बचपन में मैं एक बर्थडे पार्टी में गई थी जहां मेरी मां की दोस्त सुषमा आंटी भी मौजूद थीं। सुषमा आंटी देव आनंद साहब की साली थीं। उन्होंने मुझे उस बर्थडे पार्टी में देखा। वो जानती थीं कि देव साहब एक चाइल्ड आर्टिस्ट की तलाश में थे जो कि फिल्म में उनकी बेटी का रोल प्ले कर सके। इसके कुछ दिन बाद शबाना आंटी (शबाना आजमी) मेरे स्कूल आईं और मुझसे कहा कि देव साहब के साथ एक फिल्म का ऑफर है जिसमें तुम्हें काम करना चाहिए। मैं उस समय फिल्मों के बारे में बिल्कुल भी नहीं जानती थी। जब शबाना आंटी ने मुझसे ये बात कही तो मैं काफी नर्वस हो गई। मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था, लेकिन मैं इसके लिए शबाना आंटी के कहने पर तैयार हो गई।

# रोजाना 100 सिगरेट पीने वाले शाहरुख खान ने छोड़ी स्मोकिंग

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान सालों से चेन स्मोकर रहे हैं। एक इंटरव्यू में खुद शाहरुख ने बताया था कि वो दिन की 100 सिगरेट पी जाया करते थे। हालांकि, अब सालों बाद उन्होंने स्मोकिंग छोड़ने का फैसला लिया है। हाल ही में अपने 59वें जन्मदिन के खास मौके पर एक इवेंट का हिस्सा बने शाहरुख ने फैंस से बातचीत के दौरान बताया है कि उन्होंने स्मोकिंग छोड़ दी है। हालांकि इसके चलते उन्हें कुछ हेल्थ प्रॉब्लम हो रही हैं।

बीते शनिवार शाहरुख खान अपने जन्मदिन पर बांद्रा स्थित रंग मंदिर ऑडिटोरियम में आयोजित हुए एक इवेंट का हिस्सा बने थे। इस दौरान मंच पर उन्होंने कहा, एक और अच्छी बात है दोस्तों। अब मैं सिगरेट नहीं पी रहा हूं। शाहरुख की ये बात सुनकर ऑडिटोरियम में फैंस की खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा। आगे शाहरुख ने बताया है कि उन्होंने सोचा था कि स्मोकिंग छोड़ने के बाद उन्हें सांस लेने में तकलीफ नहीं होगी, लेकिन ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगा था कि मुझे सांस लेने में दिक्कत नहीं होगी, लेकिन मैं अभी भी फील कर रहा हूं। इंशाल्लाह वो भी ठीक हो जाएगी। बताते चलें कि कुछ सालों पहले ही शाहरुख ने कहा था कि वो अपने बच्चों आर्यन, सुहाना और अबराम के लिए स्मोकिंग छोड़ना चाहते हैं। शाहरुख खान के साथ फिल्म कोयला में काम कर चुके एक्टर प्रदीप रावत ने हाल ही में सिद्धार्थ कानन को दिए एक इंटरव्यू में बताया था कि शाहरुख चेन स्मोकर हैं। उन्होंने कहा था, शूटिंग के समय मैं शाहरुख से ज्यादा करीब नहीं था, लेकिन वो बहुत अच्छे स्वभाव का बेहतरीन इंसान है।

# बॉयफ्रेंड के साथ दिखीं कृति सेनन, मुंबई एयरपोर्ट पर कैमरे में कैद हुए दोनों

परिवार और दोस्तों के साथ दिवाली का त्योहार मनाने के बाद कृति सेनन को एयरपोर्ट पर देखा गया। उन्होंने बोहेमियन-कैजुअल अवतार में एयरपोर्ट पर स्टाइलिश एंट्री की। हालांकि, जिसने सबका ध्यान सबसे ज्यादा खींचा, वह थे एयरपोर्ट पर उनके खास दोस्त कबीर बहिया।

**वीडियो की हो रही हर ओर चर्चा**

कैमरे पर कैद होते ही दोनों का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा। इसे देखने के बाद लोग कयास लगाने लगे कि कृति और कबीर एक साथ छुट्टियां मनाने के लिए निकले हैं। पैपराजी की और से साझा किए गए वीडियो में अभिनेत्री को ऑल-ब्लैक लुक में शानदार एंट्री करते हुए देखा जा सकता है।

लुक से कृति ने जीता दिल

खुले बालों और धूप का चश्मा पहने वह काफी ज्यादा सुंदर लग रही थीं। अपने लुक को उन्होंने और एक जोड़ी स्नीकर्स के साथ पूरा किया था। जैसे ही वह एयरपोर्ट की एंट्री के लिए निकली, कबीर बहिया को गेट पर देखा गया। उन्होंने भी कृति से मैच करती हुई काली टी-शर्ट पहनी हुई थी।

बिजनेसमैन हैं कबीर बहिया

एयरपोर्ट पर भले ही दोनों साथ दिखे, लेकिन उन्होंने एक साथ कैमरे के सामने पोज देने से परहेज किया। कबीर की बात करें तो बिजनेसमैन होने के अलावा वह एक खेल प्रेमी भी हैं। एमएस धोनी, क्रुणाल और हार्दिक पांड्या जैसे भारतीय क्रिकेटरों के साथ उनके अच्छे संबंध हैं।

**हाल ही में रिलीज हुई थी कृति की फिल्म**

वर्क फ्रंट की बात करें तो कृति सेनन हाल ही में फिल्म दो पत्ती में नजर आई हैं। यह उनके प्रोडक्शन हाउस के तहत बनी पहली थी, जिसे सीधा नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया। फिल्म में वह डबल रोल में थीं। वहीं, इसमें काजोल ने पुलिस अफसर की भूमिका निभाई थी।

# अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा-2' में होगा श्रीलीला का आकर्षक डांस नंबर, सामंथा की जगह थिरकेंगी

फिल्म 'पुष्पा-द राइज' की कहानी, संवाद और गीत खूब पसंद किए गए। उस समय इस फिल्म के प्रति दर्शकों की दीवानी देखने लायक रही। खासकर फिल्म के मुख्य अभिनेता अल्लू अर्जुन और अभिनेत्री सामंथा रूथ पर एक आइटम डांस 'ऊ अंटावा...' फिल्माया गया, जो कि बहुत हिट हुआ।। फिल्म में सामंथा ने सिर्फ यही एक गाना किया, लेकिन इसके बाद से उनके स्टारडम में खूब इजाफा हुआ। अब सुनने में आ रहा है कि फिल्म 'पुष्पा-2' में भी एक आइटम डांस रखा गया है। इसमें अल्लू अर्जुन के साथ कौन सी दक्षिण भारतीय अभिनेत्री थिरकती हुई नजर आएंगी इस बारे में, जानिए।

श्रीलीला ने कई दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम किया है। अब सुनने में आया है कि वह फिल्म 'पुष्पा-2' में भी नजर आएंगी। लेकिन इस फिल्म में वह मुख्य भूमिका में नहीं होंगी। कहा जा रहा है कि जिस तरह से समांथा ने पहली फिल्म 'पुष्पा' में जबरदस्त आइटम डांस किया, वैसा ही डांस श्रीलीला भी करेंगी। सूत्रों के अनुसार वह अल्लू अर्जुन के साथ बहुत ही ऊर्जा से भरा डांस करने वाली हैं। यह डांस कितना दर्शकों को पसंद आएगा, यह तो फिल्म रिलीज होने के बाद ही पता चलेगा। श्रीलीला जरूर फिल्म 'पुष्पा-2' में अल्लू अर्जुन के साथ थिरकेंगी, लेकिन उन पर दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने का तनाव बनेगा। दरअसल, कई फैंस उनकी तुलना समांथा रूथ के डांस से करेंगे। वह पिछली फिल्म के गाने में बहुत खूबसूरत नजर आईं, साथ ही उनके डांस स्टेप्स भी कमाल के रहे। यही कारण है कि श्रीलीला को भी बहुत मेहनत करनी होगी, जिससे वह 'पुष्पा-2' में कमाल का डांस कर सकें।

**अल्लू अर्जुन भी हैं अच्छे डांसर**

अल्लू अर्जुन ने फिल्म 'पुष्पा' के आइटम डांस में ऐसे-ऐसे स्टेप्स किए कि दर्शक उनके फैन हो गए। दरअसल, वह शुरू से ही एक अच्छे डांसर रहे हैं, अपनी पुरानी फिल्मों में भी अल्लू बहुत ही अलग तरह का डांस करते हैं, उनके डांस के कई स्टेप्स तो साउथ में फैंस के बीच बहुत फेमस हैं। अब देखना होगा कि 'पुष्पा-2' में भी क्या अल्लू अर्जुन अपने डांस का जादू दोबारा चला पाते हैं या नहीं।

# एक महीने में कम करना है 5 किलो वजन तो अपनाएं आयुर्वेदिक नुस्खे

वजन बढ़ाना या घटाना दोनों ही एक मुश्किल काम है और आजकल लोग वजन घटाने की जद्दोजहद में ज्यादा लगे हुए हैं। इसके लिए वे तरह-तरह के घरेलू नुस्खे भी आज़माते हैं। अगर इन घरेलू नुस्खों से फायदा नहीं मिल रहा हो तो इसके बजाय आयुर्वेद में कही गई बातें अपनाकर देखें। यहां कुछ ऐसे आयुर्वेदिक टिप्स बताए जा रहे हैं जिनसे एक महीने में करीब 5 किलो तक वजन घटाया जा सकता है। ध्यान रहे ये बातें सामान्य जानकारी पर आधारित है।

**गर्म पानी पीएं**

आयुर्वेद की माने तो गुनगुने पानी से पाचन तंत्र बेहतर काम करता है और शरीर से विषाक्त पदार्थ निकालने में मदद मिलती है। फिर वजन कम करने में पाचन क्रिया का ठीक ढंग से काम करना आवश्यक है।

**भूख लगने पर ही खाएं**

बिना वजह की क्रेविंग को नियंत्रण में रखने की कोशिश करें और भूख लगने पर ही खाना खाएं। खाना शरीर की आवश्यकता होनी चाहिए, न कि एक आदत जिसमें ओवर ईटिंग पर कोई नियंत्रण ही न रहे।

**रोजाना योग करें**

योग को दिनचर्या का एक अहम हिस्सा बना लें। इसकी शुरुआत किसी योग प्रशिक्षक की निगरानी में या आसान योग से करें और धीरे-धीरे यानी हर दिन एक लेवल ऊपर जाने का प्रयास करें।

**रोजाना ध्यान करें**

वजन कम करने के लिए तनाव का स्तर ठीक रहना ज़रूरी है, तनाव से व्यक्ति न केवल ओवरइटिंग करता है बल्कि इम्यूनिटी भी कमजोर कर लेता है। मेटाबॉलिज्म सही से कम करे इसके लिए रोजाना कम से कम 15 मिनट ध्यान करें, वह ध्यान किसी इष्टदेव का हो सकता है या कोई मंत्र या शरीर का ध्यान।

**तीन समय का खाना खाएं**

तीन समय का खाना खाएं और वो भी घर का फ्रेश बना हुआ। जिसमें तेल, मसाले की मात्रा कम हो, साथ ही सभी तरह की सब्जियां, फल, दालें व अनाज आदि शामिल हों। इनके लिए एक-एक हफ्ते का संतुलित आहार वाला चार्ट बना लें।

**कफ दोष शांत करने वाला खाना खाएं**

ज्यादा मीठा और नमकीन चीज़ें खाने से कफ दोष बढ़ जाता है जो मोटापे का सबसे एक कारण है। इसे शांत करने के लिए खाने में गर्म तासीर की चीज़ें जैसे - मेवे, बीज, तिल, सरसों, खजूर आदि को शामिल करें। इसके अलावा, सब्जियों का सूप, अंडे, कम फैट वाला पनीर, करेला, बैंगन, चना और मसूर की दाल फायदेमंद है।

**ध्यान देते हुए खाना खाएं**

खाना खाते समय उसपर ध्यान दें ताकि पेट भरने का एहसास हो, कई बार उत्सुकता या पसंदीदा प्रोग्राम को देखते हुए ओवरइटिंग हो जाती है जिससे मोटापा बढ़ता है। वहीं, आयुर्वेद में अन्न को प वि त्र मानते हुए उसे शांत मन से, बगैर बातचीत के खाने का निर्देश दिया गया है।

**आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों का सेवन करें**

आयुर्वेदिक जड़ी बूटियां जैसे त्रिफला, गुग्गुल, मेथी, दालचीनी, अदरक, कालमेघ, चित्रक आदि को खाने में शामिल करें। ये शरीर में जमा वसा को कम करने में भूमिका निभाती हैं।

**सुबह के समय का सदुपयोग करें**

आयुर्वेद में सभी सुबह के समय का सदुपयोग करने की हिदायत दी गई है। आयुर्वेद के मुताबिक, घड़ी की सुई के हिसाब से शरीर का संचालन उसे रोगों से मुक्त रखने में मदद करता है। सुबह के समय व्यायाम से लेकर सभी ज़रूरी काम तक, सभी चीज़ें पूरे मन से करें जिससे तनाव से बचा जा सके। हम सभी जानते हैं आजकल तनाव भी वजन बढ़ाने के लिए जिम्मेदार कारक है।

**एक तय दिनचर्या बना लें**

इन सभी बातों को फॉलो करने और उसके असर के लिए निश्चित दिनचर्या होना बेहद आवश्यक है। इसके अभाव में वजन कम करने के लक्ष्य में निराशा के अलावा कुछ हाथ न हीं लगेगा।

## बढ़ते वायु प्रदूषण से हो रही है गले में खराश तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

वायु प्रदूषण की वजह से एयर क्वालिटी इंडेक्स लगातार बढ़ता जा रहा है। कई इलाकों में तो ये 300 के पार पहुंच गया है। जहरीली हवा का सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर देखने को मिल रहा है। लगातार खांसी और गले में खराश जैसी समस्या जैसे बेहद आम हो गई है।

वैसे तो खराश के लिए बाजार में तमाम तरह की दवाई और सिरप मौजूद है, जिनके इस्तेमाल से आपको तुरंत राहत मिलेगी लेकिन आप चाहे तो कुछ घरेलू नुस्खे अपना कर भी इस परेशानी से राहत पा सकते हैं। यहां हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप खांसी और खराश जैसी गंभीर समस्या से राहत पा सकते हैं।

**गर्म पानी से गरारे करें**

यदि आप गले की खराश से परेशान हैं तो गुनगुने पानी में चुटकीभर नमक डालकर दिन में 2-3 बार गरारे करें। यह गले की सूजन और खराश को कम करने में सहायक होता है।

**अदरक और शहद का सेवन**

गले की खराश को दूर करने के लिए अदरक का टुकड़ा चबाएं या इसे गर्म पानी में उबालें और फिर इसमें शहद मिलाकर पिएं। अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो गले की खराश को कम करने में मदद करते हैं।

**हल्दी वाला दूध**

रात में सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीने से गले की खराश में राहत मिलती है। हल्दी में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। ऐसे में आप इसका इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

**भाप लेना**

गरम पानी में नीलगिरी का तेल डालकर भाप लें। इससे गले में आराम मिलता है और बलगम भी साफ होता है। भाप लेने से कई अन्य परेशानियों से भी आपको राहत मिलेगी।

**तुलसी और काली मिर्च की चाय**

यदि आप चाय बनाने का सोच रहे हैं तो तुलसी के पत्तों को पानी में उबालें और उसमें थोड़ी काली मिर्च डालें। इस चाय का सेवन करने से गले में खराश से राहत मिलती है।

# पेट फूलना और बदहजमी बन गए हैं जीवन का हिस्सा? इसकी वजह और छुटकारा पाने के नुस्खे

क्या आप ब्लोटिंग का अनुभव करते हैं? ऐसा ज्यादातर लोगों के साथ होता है जब पेट में गैस बनती है और आराम नहीं मिलता। ये बहुत परेशानी भरा है जिसे मैनेज करना बहुत ज़रूरी हो जाता है।

क्या आप ब्लोटिंग का अनुभव करते हैं? ऐसा ज्यादातर लोगों के साथ होता है जब पेट में गैस बनती है और आराम नहीं मिलता। ये बहुत परेशानी भरा है जिसे मैनेज करना बहुत ज़रूरी हो जाता है। वैसे ये ब्लोटिंग अपने आप कम हो जाती है पर इसके बारे में पता होना चाहिए कि आखिर क्यों हम इस परेशानी से जूझते हैं और इसे ठीक करने के लिए किस तरह के घरेलू नुस्खे आज़माए जा सकते हैं। इस लेख में गट स्पेशलिस्ट व प्राण बाई डिंपल की फाउंडर डॉ. डिंपल जांगड़ा और चरक फार्मा के आयुर्वेद एक्सपर्ट डॉ. रितेश शुक्ला ब्लोटिंग से जुड़ी सभी जानकारी दे रहे हैं।

**ब्लोटिंग का प्रभाव**

ब्लोटिंग परेशान करने के साथ साथ शर्मिंदगी का भी कारण बनती है, खासकर कि तब जब ये रोजमर्रा की गतिविधियों में दखल देने लगे।

भारतीय लोगों को ब्लोटिंग ज्यादा क्यों होती है?

**डॉ.ने भारतीय लोगों को ब्लोटिंग होने के कई कारण बताएं हैं :**

**डाइट में शामिल फर्मेंटेड फूड्स**

इडली, डोसा, छाछ, दही और अचार भारत के पारंपरिक खाने का हिस्सा है, इनमें से ज्यादातर फर्मेंटेड हैं और कुछ नहीं भी।

ये फूड्स तभी असर करते हैं जब इन्हें लिमिट में खाया जाए, अधिक खाने से ब्लोटिंग होने लगती है। कार्बोहाइड्रेट रिच फूड्स जैसे चावल, चपाती और ब्रेड आदि। कभी कभी इन्हें पचा पाना मुश्किल हो जाता है, जब इन्हें गलत कॉम्बिनेशन के साथ मिलाया जाए।

**इन कारणों के साथ ही डॉ.भी कई कारण बता रहे हैं :**

भारतीय खाने में दालें और फलियां जैसे कि चना, बीन्स ; डेयरी प्रोडक्ट में दही, पनीर और दूध भी पेट में गैस बनाते हैं। इ स के

अलावा, तला भुना खाना भी पाचन क्रिया को धीमा करता है। मसाले जैसे कि गरम मसाला और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स या खाने के बाद खाई जाने वाली स्वीट्स भी एक कारण है। रात में देरी से खाना या अनियमित खाने का रूटीन भी पाचन क्रिया को प्रभावित करती है।

कई बार व्यस्त जीवनशैली की वजह से खाना छोड़ देना और रात के समय अधिक खाना, उसमें भी फास्ट फूड भी ब्लोटिंग का कारण है।

**त्योहारों के समय खाए जाने वाले पारंपरिक पकवान**

लंबे समय तक एक जगह बैठे रहना औ र शारीरिक गतिविधि न करना भी खाने को पचने में मुश्किलें पैदा करता है।

**भारतीय घरों में ब्लोटिंग से जुड़ी मिथ्या और तथ्य**

डॉ.की माने तो भारतीय घरों में ब्लोटिंग का कारण ओवरइटिंग मान लिया जाता है। जबकि तथ्य यह है कि हमारा खाना ही ऐसा है जो ब्लोटिंग का कारण बने।

आयुर्वेद में इसे विरुद्ध आहार कहा गया है यानी ऐसा खाना जो ठीक से न पच पाए। इसके उदाहरण के तौर पर यदि हम दूध और फल को साथ में खाते हैं तो इससे गैस बनती है। कुछ खट्टे फल जैसे कि बैरीज़, अंगूर को डेयरी फूड के साथ खाने से ब्लोटिंग की समस्या हो सकती है। यह बात कच्ची सब्जियों पर भी लागू होती है, खासकर जब उन्हें कच्चा डाइजेस्ट न किया जा सकता हो। हां, सब्जियों को सलाद में खाया जाना चाहिए पर कुछ सब्जियों को पकाकर खाना ही सेहत के लिए अच्छा है।

**लंबे समय के लिए खाने-पीने और जीवनशैली में बदलाव**

डाइट और जीवनशैली में बदलाव करके ब्लोटिंग को कम किया जा सकता है। आइए जानते हैं इस बारे में एक्सपर्ट क्या कहते हैं :

खाने को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें, इससे पाचन ठीक रहेगा। धीरे-धीरे खाएं ताकि पेट में हवा न बन पाए, यह ब्लोटिंग का सबसे बड़ा कारण है।

ओट्स, फल और सब्जियां से पाचन बेहतर रखा जा सकता है।

हेल्दी गट माइक्रोबियम मेंटेन करें, इससे ब्लोटिंग कम होती है।

ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं और ब्लोटिंग को अलविदा कहें।

चलने-फिरने और साइकिलिंग करने जैसी आसान एक्सरसाइज़ से पेट को सेहतमंद रखा जा सकता है। रोजाना कम से कम 30 मिनट एक्सरसाइज़ करें। योगासन जैसे मलासन, पवनमुक्तासन, और वज्रासन से ब्लोटिंग को ठीक किया जा सकता है।

**ब्लोटिंग के लिए आयुर्वेदिक और घरेलू नुस्खे**

डॉ. आयुर्वेदिक तरीके बता रही हैं जिनसे ब्लोटिंग को कम किया जा सकता है। इनमें सौंफ, जीरा और धनिए के बीज शामिल है। इनसे पेट में आवश्यक जूस बनते हैं और ब्लोटिंग की समस्या नहीं होती। इनसे बनी हर्बल चाय भी उतनी फायदेमंद होती है। दूसरा आयुर्वेदिक तरीका है यह जानना कि खाना कैसे खाया जाए, उसका समय क्या हो और कौन से कॉम्बिनेशन बेस्ट हैं।किसी भी डेयरी उत्पाद और फलों को खाने के बीच में एक घंटे का गैप होना चाहिए। आयुर्वेदिक विशेषज्ञों की माने तो कच्ची सब्जियों का सेवन कम करना चाहिए और ताज़ा पका खाना चाहिए।

**कुछ और तरीके सुझा रहे हैं:**

सौंफ और अजवाइन को चबाने से गैस और अपच की दिक्कत ठीक हो सकती है। छाछ में एक चुटकी काला नमक डालकर सेवन करें। कैमोमाइल चाय पाचन तंत्र को शांत रखने के खासतौर से जानी जाती है। इससे मांसपेशियों को आराम मिलता है और ब्लोटिंग नहीं होती। मेथी के बीज खाने में शामिल करना शुरू कर दें, इससे गैस और एसिडिटी की समस्या खत्म हो जाएगी। भारत में ब्लोटिंग एक सामान्य समस्या है जिसे खानपान ठीक करके, हाइड्रेट रहकर और एक्सरसाइज़ करके ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा, योग और हर्बल नुस्खे भी असरदार हैं। छोटी सी देखभाल से पेट को खुश रखा जा सकता है तो खाने को एंजॉय करें और ब्लोटिंग की चिंता छोड़ दें।

# चाहिए पार्लर जैसा फेशियल ग्लो पर बजट है टाइट?

## तो घर पर करें आसान स्टेप में चॉकलेट फेशियल

चॉकलेट आखिर किसे पसंद नहीं? हम जब भी थोड़ा उदास या थकान भरा महसूस करते हैं तो डार्क चॉकलेट खाने का ख्याल सबसे पहले आता है। पर क्या आपने कभी त्वचा पर इसका इस्तेमाल करके देखा है? अगर नहीं तो यहां आज इसके बारे में बताया जा रहा है।

आइए जानते हैं कोको पाउडर और चॉकलेट से घर पर फेशियल करने के तरीके के बारे में जिससे ग्लास स्किन की चाहत पूरी की जा सकती है :

चॉकलेट त्वचा को कैसे फायदे पहुंचाती है?

चॉकलेट में फ्लेवोनोइड्स और पॉलीफेनोल्स जैसे गुण होते हैं जिससे त्वचा की हानिकारक मुक्त कणों से रक्षा होती है। इसमें शामिल एंटी ऑक्सीडेंट्स त्वचा को जवां बनाए रखने में मदद करते हैं। अगर आपकी त्वचा नमी खोती है तो कोई हुई नमी वापिस लौटाने में भी चॉकलेट कमाल कर सकती है।

इसके अलावा, चॉकलेट से स्किन का टेक्सचर सुधरता है और उसमें चमक आती है। सूजन कम करने में भी उसकी भूमिका होती है।

मुहांसों और दाग धब्बों से छुटकारा पाने के लिए इसे स्किनकेयर रूटीन में शामिल करने के बारे में सोचा जा सकता है।

ग्लोइंग स्किन के लिए 5 स्टेप चॉकलेट फेशियल

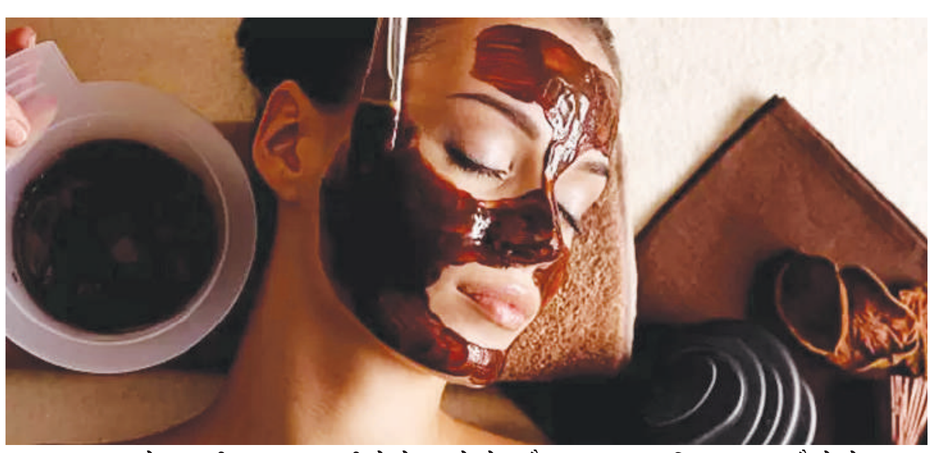

अगर आपने अभी तक चॉकलेट या कोको पाउडर को त्वचा पर नहीं लगाया है तो आपको बता दें कि इसके नतीजे जादू से कम नहीं। आइए जानते हैं पांच स्टेप में चॉकलेट फेशियल कैसे करें :

1. चॉकलेट क्लेंजर : एक क्यूब डार्क चॉकलेट में दो चम्मच दूध मिलाएं। इससे चेहरे की 5 मिनट तक मसाज करने के बाद उतनी ही देर लगाए रखें। फिर गुनगुने पानी से चेहरा धो लेना है।
2. चॉकलेट और ब्राउन शुगर स्क्रब : एक्सफोलिएशन बहुत ज़रूरी है इससे चेहरे से डेड स्किन निकल जाती है। तीन क्यूब डार्क चॉकलेट, एक चम्मच दूध और दो चम्मच ब्राउन शुगर मिलाकर स्क्रब तैयार करें। इससे चेहरे के साथ गर्दन पर भी स्क्रबिंग करें और 10 मिनट बाद सादे पानी से धो लें।
3. चॉकलेट फेस मास्क : चेहरे पर निखार बढ़ाना है तो दो चम्मच दूध में आधा केला मैश करके डालें। उसके बाद एक बड़े चम्मच कोको पाउडर मिक्स करके चेहरे पर 20 मिनट तक लगाएं। टाइम पूरा होने के बाद सादे पानी से धो लें।
4. चॉकलेट और कॉफी फेस क्रीम : दो बड़े चम्मच पिघली मिल्क चॉकलेट, एक चम्मच शहद और एक चम्मच दही मिलाएं। इससे चेहरे की मसाज करनी है 15 मिनट तक और उसके बाद ठंडे पानी से धो लें।
5. चॉकलेट जेल : एक चम्मच कोको पाउडर में एक क्यूब मिल्क चॉकलेट और दो चम्मच एलोवेरा जेल मिक्स करें। इसे चेहरे पर 15 मिनट लगाकर छोड़ दें। उसके बाद कपड़े से पोंछ लेना है। इस तरह घर पर आसानी से चॉकलेट फेशियल किया जा सकता है। पर कुछ भी चेहरे पर अप्लाई करने से पहले पैच टेस्ट ज़रूरी है।

# उठने- बैठने, चलने -फिरने में कठिनाई होती तो आयुर्वेदिक उपचार अपनाएं

**प्रश्न : मेरी उम्र 21 वर्ष है। सिर में बाल चकत्तो के रूप में तेजी से झड़ रहे हैं। झड़ने की तेजी से लगता है जल्दी ही गंजा हो जाऊंगा। कृपा कर मुझे इसका उपचार बताएं।**

**- प्रकाश चंद शर्मा, पटेनचेरू**

उत्तर : बालों का चकत्तो के रूप में झड़ना आयुर्वेद में इंद्रलुप्त नाम से जाना जाता है। यह एक प्रकार का फफूंद यानी फंगस का संक्रमण है। इसे ही ₹एलोपेसिया₹ के नाम से पाश्चात्य जानते हैं। इलाज नहीं होने पर यह गंजापन का कारण बनता है।

इसका आयुर्वेद में सही इलाज है। ऊंझा करंजादि तैल इंद्रलुप्त की कारगर दवा है । जहां बाल गिर गए हैं उस स्थान में इस तेल से मालिश करें। ऐसा नित्य करते रहने से नए बाल उगने लगते हैं।

* गुंजा बीज से सिद्ध किया हुआ तेल भी लगाने से बाल उगने लगते हैं। जपाकुसुम तेल का उपयोग भी लाभकारी है।

औषधि में महामंजिष्ठादि घन, ऊंझा पंचतिक्त घृत गुग्गुलु एवं ऊंझा गंधक रसायन टिकिया लेवें। भोजन के बाद रक्तशोधक सिरप 15 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने पानी में मिलाकर पीने से फफूंद का संक्रमण समूल नष्ट हो जाता है। चिकित्सा काल के दौरान नमक, नमकीन, खटाई, मिठाई व गरिष्ठ भोजन से बचें। मौसमी फल व सब्जियां जरूर खाएं। पानी उबालकर एवं छानकर पीएं।

**प्रश्न : मेरी उम्र 65 वर्ष है। मैंने सुना है आयुर्वेद में ऐसे रसायन कल्प है जिनके सेवन से मै आने वाले वर्षों में भी स्वस्थ और सक्रिय रह सकता हूं। कृपा कर उनके बारे में बताएं।**

**- आनंद मोहन वर्मा, सिकंदराबाद**

उत्तर : आयुर्वेद में रसायन चिकित्सा का वर्णन आता है। अष्टांग आयुर्वेद में रसायन और वाजीकरण का महत्वपूर्ण स्थान है। जो कल्प या योग रस- रक्तादि सभी धातु को पुष्ट कर, अष्टम धातु ओज का भी निर्माण करें- उसे रसायन कहते हैं। रसायनों में

व य स्था प क रसायन वे है जो बढ़ती उम्र के प्रभाव को कम करें, शरीर में वृद्धावस्था के आगमन पर रोक लगाएं। पंचकर्म से शरीर को पहले शुद्ध कर इन वयस्थापकों का प्रयोग करने से शरीर की चयापचय प्रक्रिया सुचारू रूप से कार्य करती है। आमलकी रसायन, च्यवनप्राश सुप्रीम, रजवाड़ीप्राश, कोहिनूरप्राश, स्वर्णिमप्राश, अश्वगंधावलेह, अश्वगंधादि चूर्ण, धातु पौष्टिक चूर्ण, पूर्णचंद्र रस, नवरत्न कल्पामृत रस इसी श्रेणी में आते हैं। इनके अलावा व्यक्ति खूब पानी पिएं। दूध, दही, घी, शहद आदि का प्रयोग करें । इन सब में बढ़ती उम्र के प्रभाव को कम करने के गुण हैं। भोजन के बाद ऊंझा द्राक्षासव या ग्रेप्सविन और ऊंझा सारस्वतारिष्ट प्रत्येक की 10 मिलीलीटर दवा को दोगुने पानी में मिलाकर पीने से शरीर में किसी भी प्रकार की कमजोरी नहीं रहती। शरीर और मन ताजा बने रहते हैं। रसायन लेने की कोई उम्र नहीं होती। आयुर्वेदाचार्य नित्य रसायन सेवन करने की सलाह देते हैं।

**प्रश्न : मेरी उम्र 70 वर्ष है। मेरे घुटनों में भयंकर दर्द होता है । उठने- बैठने, चलने -फिरने में कठिनाई होती है। पेट साफ नहीं रहता। कब्ज की शिकायत है। कृपा कर आ यु र्वे दि क उपचार बताएं।**

**- ए प्रसाद राव, करीमनगर**

उत्तर : बढ़ती उम्र में संधिवात की समस्या आम हो गई है। इसे ही आस्टियों आर्थराइटिस कहते हैं। घुटनों की संधियों में स्थित श्रेष्ठ कफ 'सायनोवियल फ्लुइड' कम हो जाने से हड्डियों में घर्षण होने के कारण संधिशोथ और तीव्र पीड़ा होने लगती है। इसका आयुर्वेद में उपचार है। ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु, वातगजांकुश रस व ऊंझा नवरत्न कल्पामृत रस की गोली भोजन के बाद पानी से लेवें। भोजन के बाद ही ऊंझा महारास्नादि क्वाथ १५-१५ मिलीलीटर को 3 गुने निवाए पानी में मिलाकर लेवें। दर्द व सूजन दोनों ही कम होने लगेंगे।औरा रुमाटाईज टिकिया या ऊंझा रुमूव कैप्सूल को सोंठ मिश्रित दूध से लेने पर दर्द में बहुत जल्दी राहत मिलने लगती है। ऊंझा महानारायण तेल या रुमाटाईज तैल की मालिश करें। ऐसा करने से तुरंत फायदा होने लगता है। गरिष्ठ भोजन, भोजन पर भोजन, तीखे मिर्च मसालेदार भोजन, बासी भोजन, वात वर्धक आहार-विहार का त्याग करें। ताजा ,संतुलित, सुपाच्य व पौष्टिक भोजन करें। तनाव, चिंता से दूर रहें। हल्का व्यायाम करना प्रारंभ कर दें। धीरे-धीरे दर्द में आराम होने लगेगा।

**डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा**

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

# नमकीन-बिस्कुट के बाजार में छाने की तैयारी में रिलायंस

## आखिर क्या है मुकेश अंबानी का प्लान

नई दिल्ली,4 नवंबर (एजेंसियां)। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने टेलिकॉम के बाद कैंपा मार्केट में भी तहलका मचा दिया है। कंपनी ने अपने ड्रिंक कैंपा कोला के प्रॉडक्ट्स की कीमत दूसरी कंपनियों की तुलना में काफी कम रखी है। इससे कोका-कोला और पेप्सिको को भारी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। मुकेश अंबानी की कंपनी अब चिप्स, नमकीन और बिस्कुट के बाजार में भी इसी रणनीति पर काम कर रही है। रिलायंस कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स सुपर स्टॉकिस्ट्स को करीब 6.5 फीसदी मार्जिन दे रही है जबकि दूसरी कंपनियां 3 से 5 फीसदी पर अटकी हैं। बिजनस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स स्नैक्स बाजार में बड़ा दांव खेल रही है। चिप्स और नमकीन मार्केट में कंपनी के पास एलन बुगल्स और स्नैक्टैक ब्रांड हैं जबकि उसके बिस्कुट ब्रांड का नाम स्वतंत्रता है। कंपनी डिस्ट्रीब्यूटर्स को 8 फीसदी मार्जिन और दो फीसदी परफॉर्मेंस बेस्ड इंसेंटिव भी दे रही है। दूसरे ब्रांड्स

डिस्ट्रीब्यूटर्स को 6 से 6.5 फीसदी मार्जिन दे रहे हैं। इसी तरह अंबानी की कंपनी रिटेलर्स को 20 फीसदी मार्जिन दे रही है जबकि दूसरी कंपनियां उन्हें 8 से 15 फीसदी मार्जिन दे रही हैं।

**किसे है खतरा**

देश के स्नैक्स बाजार में पेप्सिको, ब्रिटानिया, हल्दीराम और दूसरी स्थानीय कंपनियों का दबदबा रहा है। 2023 में भारत का स्नैक्स मार्केट की वैल्यू 42,694.9 करोड़ रुपये थी जिसके 2032 तक 95,521.8 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। इसके सालाना करीब नौ फीसदी की रफ्तार से बढ़ने का अनुमान है। रिलायंस कंज्यूमर ने 2022 में एफएमसीजी मार्केट में एंट्री की घोषणा की थी। पिछले साल मई में कंपनी ने अमेरिका में जनरल मिल्स के ब्रांड एलन बुगल्स को भारत लाने की घोषणा की।

## स्विगी वन मेम्बर से वसूली हुई 103 रुपये के डिलीवरी फीस की, अब कंपनी भरेगी 35,000 रुपये का जुर्माना

हैदराबाद,4 नवंबर (एजेंसियां)। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी को कोर्ट से तगड़ा झटका लगा है। यह कंपनी स्विगी वन मेंबरशिप की योजना चलाती है। इसके मेंबर बनने पर यूजर्स को फूड और किराने की चीजों की असीमित मुफ्त डिलीवरी का फायदा मिलता है। साथ ही उसे रेस्टोरेंट पार्टनर पर अतिरिक्त छूट भी मिलती है। लेकिन यहां तो उलटा हो गया। एक मेम्बर से 103 रुपये की डिलीवरी फीस वसूली गई। वह ग्राहक कोर्ट चला गया। अब कोर्ट ने स्विगी पर 35,000 रुपये से भी अधिक का जुर्माना ठोंक दिया है।यह मामला रंगा रेड्डी के जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग का है। कोर्ट ने स्विगी के खिलाफ अनुचित व्यापार व्यवहार के लिए फैसला सुनाया है। कोर्ट ने पाया कि इस कंपनी ने जानबूझ कर डिलीवरी की दूरी बढ़ा दी थी, जिसके परिणामस्वरूप ग्राहक से अधिक शुल्क लिया गया। अदालत ने स्विगी को इन व्यवहारों का दोषी पाया और कंपनी को शिकायतकर्ता एम्माडी सुरेश बाबू को कुल 35,453 रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया। हैदराबाद निवासी बाबू ने स्विगी वन की सदस्यता खरीदी थी। इसमें एक निश्चित दूरी के भीतर मुफ्त डिलीवरी का वादा किया गया था। 1 नवंबर, 2023 को जब उन्होंने भोजन का ऑर्डर दिया, तो स्विगी ने कथित तौर पर डिलीवरी की दूरी 9.7 किलोमीटर से बढ़ाकर 14 किलोमीटर कर दी। जिससे उनकी सदस्यता के लाभों के बावजूद 103 रुपये का डिलीवरी शुल्क देना पड़ा। इसको उन्होंने कोर्ट से शिकायत की। अदालत ने बाबू द्वारा प्रदान किए गए गूगल मैप्स स्क्रीनशॉट सहित साक्ष्य की समीक्षा की और डिलीवरी की दूरी में उल्लेखनीय वृद्धि देखी।

## भारत से पेट्रोल, चीनी समेत कई क्षेत्रों में निर्यात बढ़ा

### पांच साल में बना तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक

नई दिल्ली,4 नवंबर (एजेंसियां)। पेट्रोलियम, रत्न, कृषि समेत कई क्षेत्रों में भारत का निर्यात तेजी से बढ़ा है। 2018 से 2023 के दौरान पेट्रोलियम निर्यात में दोगुना तेजी दर्ज की गई है। कई और क्षेत्रों में भी भारत निर्यात क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। पिछले पांच वर्षों में इसने विशेष रूप से पेट्रोलियम, रत्न, कृषि रसायन और चीनी में वैश्विक बाजारों में तेजी से निर्यात बढ़ाया है। 2018 से 2023 के दौरान भारत के निर्यात की हिस्सेदारी जिन अन्य क्षेत्रों में बढ़ी है, उनमें बिजली के सामान, न्यूमेटिक टायर, नल-वाल्व और सेमीकंडक्टर उपकरण हैं।

**पेट्रोलियम निर्यात बढ़कर 84.96 अरब डॉलर**

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में पेट्रोलियम निर्यात बढ़कर 84.96 अरब डॉलर हो गया है। यानी 2018 में 6.45 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 12.59 प्रतिशत हो गया। इससे दूसरे सबसे बड़े वैश्विक निर्यातक के रूप में भारत उभरा है। 2018 में यह पांचवें स्थान पर था। कीमती और अर्ध-कीमती पत्थरों के क्षेत्र में देश की हिस्सेदारी 2018 में 16.27 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 36.53 प्रतिशत हो गई। यानी कुल निर्यात 1.52 अरब डॉलर का रहा है।गन्ना में देश का निर्यात 2018 में 0.93 अरब डॉलर से चार गुना बढ़कर 2023 में 3.72 अरब डॉलर हो गया है। इससे भारत की वैश्विक बाजार हिस्सेदारी

2018 में 4.17 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 12.21 प्रतिशत हो गई है। कीटनाशकों के मामले में देश की वैश्विक हिस्सेदारी 2018 में 8.52 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 10.85 प्रतिशत हो गई। इसका निर्यात 4.32 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

**तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक बन गया भारत**

एक सरकारी अधिकारी ने कहा, अंतराष्ट्रीय कृषि और पर्यावरण मानकों को पूरा करने की हमारी क्षमता और कृषि रसायनों में नवाचार पर जोर देने के कारण यह सुधार हुआ है। आंकड़ों से पता चलता है कि 2018 में 5वें स्थान के मुकाबले भारत अब विश्व स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। सेमीकंडक्टर और फोटोसेंसिटिव उपकरणों का निर्यात 2018 में मात्र 0.16 अरब डॉलर से बढ़कर 2023 में 1.91 अरब डॉलर हो गया है। विश्व बाजार में देश अब नौवें स्थान पर है। 2018 में 25वें स्थान पर रहा था।

## दैनिक पंचांग

**ग्रह गोचर**

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-19
सूर्यास्त. -17-40
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125

| ग्रह स्थिति | | | लग्नारंभ समय | | |
|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य- | तुला | मे | तुला-- | 05-00 | बजे |
| चंद्र- | वृश्चिक | मे | वृश्चिक- | 07-08 | बजे |
| मंगल | कर्क | मे | धनु---- | 09-22 | बजे |
| बुध- | वृश्चिक | मे | मकर... | 11-28 | बजे |
| गुरु- | वृष | मे | कुंभ- | 13-20 | बजे |
| शुक्र- | वृश्चिक | मे | मीन- | 14-57 | बजे |
| शनि- | कुंभ | मे | मेष--- | 16-33 | बजे |
| राहु- | मीन | मे | वृष--- | 18-18 | बजे |
| केतु- | कन्या | मे | मिथुन | 20-18 | बजे |
| | | | कर्क-- | 22-30 | बजे |
| | | | सिंह--- | 00-44 | बजे |
| | | | कन्या-- | 02-49 | बजे |

दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी 00-16 तक उपरान्त पंचमी
मास - कार्तिक शुक्ल , मंगलवार 05 November
नक्षत्र - ज्येष्ठा 09-44 तक उपरान्त मूल
योग - अतिगण्ड 11-26 तक उप सुकर्मा
करण- वणिज 11-53 तक उप विष्टी
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भद्रा काल - 11-53 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

**राहुकाल 14:51 से 16:16 तक**

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| रोग | 06:19 - 07:43 | अशुभ | काल | 17:40 - 19:16 | अशुभ |
| उत्पात | 07:43 - 09:09 | अशुभ | लाभ | 19:16 - 20:51 | शुभ |
| चंचल | 09:09 - 10:34 | शुभ | उत्पात | 20:51 - 22:25 | अशुभ |
| लाभ | 10:34 - 11:59 | शुभ | शुभ | 22:25 - 23:59 | शुभ |
| अमृत | 11:59 - 13:25 | शुभ | अमृत | 23:59 - 01:34 | शुभ |
| काल | 13:25 - 14:51 | अशुभ | चंचल. | 01:34 - 03:09 | शुभ |
| शुभ | 14:51 - 16:16 | शुभ | रोग | 03:09 - 04:43 | अशुभ |
| रोग. | 16:16 - 17:40 | अशुभ | काल | 04:43 - 06:19 | अशुभ |

# यूट्यूबर 'नट्टी' इंडोनेशिया में गिरफ्तार

### 6 हजार लोगों को 5.9 करोड़ डॉलर का चूना लगाने का आरोप

जकार्ता,4 नवंबर (एजेंसियां)। दो साल से अधिक समय तक फरार रहने के बाद, 'नट्टी' नाम से प्रसिद्ध थाई यूट्यूबर नथामोन खोंगचक को इंडोनेशिया में गिरफ्तार कर लिया गया है। नट्टी और उसकी मां थानिया खोंगचक के खिलाफ वित्तीय घोटाले के सिलसिले में थाईलैंड में कई गिरफ्तारी वारंट जारी थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 31 वर्षीय नट्टी और उसकी मां को इंडोनेशिया के रियाउ प्रांत के दुमई शहर में 18 अक्टूबर 2024 को गिरफ्तार किया गया था। ये दोनों जुलाई 2022 से फरार थे। नट्टी ने अपने यूट्यूब चैनल, नट्टीज डायरी से लोकप्रियता हासिल की थी, जहां पहले वह अपने नृत्य और गायन प्रतिभा का प्रदर्शन करती थी। बैंकॉक पोस्ट के अनुसार, उसके 8 लाख से से अधिक ग्राहक थे, जिसका फायदा

उठाकर वह निवेश गुरु गुरु बन गई। द साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, यूट्यूबर ने जुलाई 2022 में एक विदेशी मुद्रा निवेश योजना की शुरुआत की। इस योजना में उसने अपने ग्राहकों को मासिक लाभ वितरण के साथ तीन महीने में 25%, छह महीने में 30% और एक साल में 35% का उच्च रिटर्न देने का वादा किया था। हालांकि, निवेशकों को वादा किए गए रिटर्न नहीं मिले और वह अपनी मां और सचिव निचाफत रत्नक्रोम के साथ देश छोड़कर भाग गईं। उनके विदेशी मुद्रा व्यापार कार्यक्रम में 6,000 से अधिक निवेशकों ने लगभग 2 बिलियन बाट, यानि लगभग 5.9 करोड़ डॉलर गंवा दिए, और उन्हें कभी भी अपना पैसा वापस नहीं मिला।साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, खोंगचाक ने इंडोनेशियाई समाज में घुलने-मिलने की कोशिश की। लेकिन, उनके थाई लहजे के कारण आव्रजन अधिकारियों को उन पर स्थानीय न होने का संदेह होने लगा, जिसके कारण उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। कथित तौर पर उन्हें से इंडोनेशियाई राष्ट्रगान गाने के लिए कहा गया था, जिसे वह नहीं गा पाई। इसके बाद अधिकारियों ने गहन जांच की और उसकी असली पहचान उजागर हो गई। मां-बेटी की जोड़ी को सफलतापूर्वक थाईलैंड वापस भेज दिया गया और 25 अक्टूबर को बैंकॉक के डॉन मुआंग हवाई अड्डे पर उतरने पर उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया गया।

# बाजार के लिए बेहद खराब दिन

### निफ्टी 24 हजार के नीचे-सेंसेक्स 942 अंक गिरकर बंद

मुंबई,4 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के लिए आज का दिन खराब रहा और निफ्टी, बैंक निफ्टी और सेंसेक्स, मिडकैप इंडेक्स की गिरावट के साथ क्लोजिंग हुई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 3 फीसदी की गिरावट ने बाजार को नीचे खींचने में बड़ी भूमिका निभाई और बाजार को सपोर्ट नहीं लेने दिया। रियल्टी, फार्मा, ऑयल एंड गैस शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई और निवेशकों के निवेश की रकम में गिरावट देखी गई। ऑटो, मेटल, फार्मा इंडेक्स की कमजोरी ने भी बाजार में नरमी का ही रुख बनाए रखा।

**शेयर बाजार की क्लोजिंग**

बीएसई का सेंसेक्स 942 अंकों या 1.18 फीसदी की गिरावट के साथ 78,782.24 के लेवल पर बंद हुआ है। इसके अलावा एनएसई का निफ्टी 309 अंक या 1.27 फीसदी की गिरावट के साथ 23,995.35 पर जाकर क्लोज हुआ है।

क्यों दिखी शेयर बाजार में भारी गिरावट

बाजार में हल्की रिकवरी के बाद करीब 175 अंक निफ्टी संभला था लेकिन इसके बावजूद निफ्टी 300 अंकों से ज्यादा गिरकर बंद हुआ है। ऑटो शेयरों में भारी बिकवाली से बाजार संभल नहीं पाया और मेटल शेयरों में वेदांता, हिंडाल्को और जिंदल स्टील जैसे शेयर भारी गिरकर बंद हुए हैं। निफ्टी बैंक में 458 अंकों की बड़ी गिरावट के साथ 51215 के लेवल पर क्लोजिंग देखी गई।

**सेंसेक्स-निफ्टी के शेयरों का हाल**

सेंसेक्स के 30 में से 24 शेयरों में गिरावट के साथ ट्रेड क्लोज हुआ और 6 शेयरों में तेजी के साथ क्लोजिंग देखी गई। इसके अलावा निफ्टी में 50 में से 42 शेयरों में गिरावट रही और केवल 8 शेयरों में तेजी के साथ कारोबार बंद हुआ।

**बीएसई का मार्केट कैप जानिए**

बीएसई का मार्केट कैप देखें तो 442.02 लाख करोड़ रुपये के साथ बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर कारोबार बंद हुआ है और 4199 शेयरों में से 2713 शेयरों में गिरावट के साथ कारोबार बंद हुआ है। 1354 शेयरों में तेजी रही और 132 शेयरों में बिना किसी बदलाव के साथ ट्रेडिंग खत्म हुई।

# अडानी के फैसले के बाद बांग्लादेश की अक्ल आई ठिकाने, अब लौटाएगा 6700 करोड़

नई दिल्ली,4 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने भारत की प्राइवेट बिजली उत्पादक कंपनी अडानी पावर को बकाया 800 मिलियन डॉलर यानी करीब 6700 करोड़ रुपए का भुगतान करने का प्रोसेस तेज कर दिया है। कंपनी जो पूर्वी भारत के झारखंड राज्य में स्थित अपने गोड्डा संयंत्र से बांग्लादेश को बिजली निर्यात करती है, उसने भुगतान में देरी के कारण बिजली आपूर्ति में 50% तक की कटौती कर दी है। अडानी पावर ने बांग्लादेश सरकार से अपनी बकाया राशि शीघ्र चुकाने की मांग की है, क्योंकि कंपनी को बिजली उत्पादन के लिए आवश्यक कोयले के आयात में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

**क्या कहती है रिपोर्ट?**

बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अडानी पावर ने हाल के हफ्तों में बांग्लादेश को 1,400 मेगावाट से घटाकर 700-800 मेगावाट बिजली की आपूर्ति की है। अधिकारियों ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि अगर समय पर भुगतान नहीं हुआ तो आपूर्ति में कटौती और बढ़ सकती है। हालांकि, अडानी पावर ने इस संबंध में समय सीमा या भुगतान के मुद्दे पर कोई टिप्पणी अभी तक नहीं की है।

**भुगतान के लिए सरकार कर रही है काम**

गौतम अडानी के स्वामित्व वाली कंपनी बांग्लादेश के साथ हुए अपने कॉन्ट्रैक्ट के तहत बिजली का निर्यात करती है। बांग्लादेश के ऊर्जा मंत्रालय के सलाहकार मुहम्मद फौजुल कबीर खान ने रॉयटर्स को बताया कि पिछले महीने बांग्लादेश ने अडानी पावर को 96 मिलियन डॉलर का भुगतान किया था और इस महीने के लिए 170 मिलियन डॉलर का भुगतान करने के लिए बैंक से लोन लिया जा रहा है।

**बांग्लादेश के सामने है ये संकट**

बांग्लादेश को हाल के वर्षों में महंगे ईंधन और अन्य कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के कारण अपने बिलों का भुगतान करने में कठिनाई हो रही है। विशेष रूप से, 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से ऊर्जा की वैश्विक कीमतों में अस्थिरता देखी गई है, जिससे बांग्लादेश के वित्तीय दबाव में इजाफा हुआ है।

# दिवाली बीती और सस्ता हुआ सोना-चांदी

### रेट जानकर खरीदने का मन करेगा आपका

नई दिल्ली,4 नवंबर (एजेंसियां)। दिवाली का त्योहार बीत चुका है और अब छठ का महापर्व देश के कई हिस्सों में मनाया जाने वाला है। इस बार त्योहार के समय सोने की जमकर खरीदारी हुई है। इस साल दिवाली पर खत्म हुए संवत 2080 तक सोने ने अपने खरीदारों-निवेशकों को 32 फीसदी का रिटर्न दिलाया है। इसके अलावा चांदी तो सोने से भी आगे निकली है और इसने पूरे 39 फीसदी के बंपर रिटर्न की सौगात अपने निवेशकों को दी है।

**शादियों के सीजन में सोना हो रहा सस्ता**

अब त्योहारी मौसम के साथ देश में शादियों का सीजन भी अपने शबाब पर आने वाला है और इस दौरान भी सोने की खूब खरीदारी होती है। सोने के गहने, गिन्नी, सिक्के, चांदी के सिक्के और तमाम सजावटी वस्तुओं की खरीदारी में इजाफा देखा जाता है। इस

समय सोने के सिक्कों को लेकर भी खरीदारी चरम पर होती है और भारतीय सर्राफा बाजार में रौनक बनी रहती है।

**जानें आज का सोना का सस्ता रेट**

आज के सोने का दाम देखें तो सोने में 477 रुपये या 0.60 फीसदी सस्ते भाव पर खरीदारी हो रही है और ये 78390 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। सोने के दाम 78366 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गए थे यानी मौजूदा भाव से और भी सस्ता मिल रहा था।

**चांदी में भी जबरदस्त गिरावट**

1039 रुपये की जोरदार गिरावट के साथ चांदी आज 94444 रुपये प्रति किलो तक सस्ती मिल रही थी और इस समय इसका रेट 94801 रुपये पर चल रहा है। इस समय चांदी में 682 रुपये या 0.71 फीसदी सस्ता भाव देखा जा रहा है।

**अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी गिरे सोने के दाम**

कॉमैक्स पर गोल्ड दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 1.70 डॉलर की हल्की गिरावट के साथ 2,747 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। वहीं सिल्वर 32.87 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। ग्लोबल बाजारों में सोना और चांदी इस समय वैसे तो तेजी के दम पर चमक बिखेर रहे हैं लेकिन आज की सोने की गिरावट से घरेलू बाजार को भी सस्ते सोना बेचने के लिए कारण मिल गया है तो आप इस मौके का फायदा उठाने के बारे में सोच सकते हैं।

# निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस का शेयर कितने में मिलेगा? कंपनी ने तय कर दी है कीमत

नई दिल्ली,4 नवंबर (एजेंसियां)। हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस लिमिटेड ने अपने 2,200 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 70-74 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इस कंपनी को पहले मैक्स बूपा हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी के नाम से जाना जाता था। कंपनी का आईपीओ 7 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और इस पर 11 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। एंकर निवेशक आईपीओ खुलने से एक दिन पहले 6 नवंबर को बोली लगा सकते हैं। आईपीओ का साइज पहले 3,000 करोड़ रुपये था लेकिन अब इसे घटा दिया गया है। इसमें 800 करोड़ रुपये के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे जबकि प्रमोटर ऑफर फॉर सेल के तहत 1,400 करोड़ रुपये के शेयर बेचेंगे।ओएफएस में फेटल टोन एलएलपी 1,050 करोड़ रुपये के शेयर बेचने की योजना बना रही है, जबकि बूपा सिंगापुर होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड 350 करोड़ रुपये के शेयर बेचेगी। इस इश्यू में योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए 75 प्रतिशत, गैर-संस्थागत खरीदारों के लिए 15 प्रतिशत और खुदरा निवेशकों के लिए 10 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। वर्तमान में, बूपा सिंगापुर होल्डिंग्स पीटीई के पास कंपनी में 62.19 प्रतिशत हिस्सेदारी जबकि फेटल टोन एलएलपी के पास बीमा कंपनी में 26.8 प्रतिशत हिस्सेदारी है।कंपनी इस इश्यू से जुटाई जाने वाली राशि का इस्तेमाल पूंजी आधार और सॉल्वेंसी स्तरों को मजबूत करने के लिए करेगी।

# 180 लाख करोड़ रुपए की गूगल पर संकट, 9 साल पुरानी कंपनी से मिल रही टक्कर, क्या शुरू हुआ सर्च वॉर?

नई दिल्ली,4 नवंबर (एजेंसियां)। क्या दुनिया की सबसे बड़ी वेब सर्च कंपनी गूगल संकट के दौर से गुजर रही है? मौजूदा हालातों को देखें तो संकट तुरंत बेशक न दिखाई दे रहा हो, लेकिन इसे दूसरी कंपनियों से कड़ी टक्कर मिलने लगी है। सबसे बड़ा मुकाबला एआई कंपनी ओपनएआई के चैटजीपीटी से हो रहा है। चैटजीपीटी ने हाल ही में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वेब सर्च इंजन लॉन्च किया है। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट की सबसे ज्यादा कमाई गूगल सर्च इंजन से होती है। गूगल विज्ञापनों के जरिए मोटी कमाई करता है। इसके बाद अल्फाबेट की कमाई यू-ट्यूब से होती है। लेकिन गूगल सर्च इंजन की कमाई अब बंटने वाली है। एआई ने जहां पहले ही गूगल के लिए परेशानी पैदा कर दी है। वहीं अब चैटजीपीटी के वेब सर्च इंजन ने आकर गूगल को और संकट में डाल दिया है। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट का मार्केट कैप 2.12 ट्रिलियन डॉलर (करीब 180 लाख करोड़ रुपये) है। गूगल की शुरुआत सितंबर 1998 में हुई थी। यानी यह कंपनी करीब 26 साल पुरानी है।ओपनएआई का मार्केट कैप 157 अरब डॉलर (करीब 13 लाख करोड़ रुपये) है। ऐसे में देखा जाए तो गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट का मार्केट कैप ओपनएआई से 10 गुने से ज्यादा है। वहीं दूसरी ओर ओपनएआई की स्थापना साल 2015 में हुई थी। यानी यह कंपनी करीब 9 साल पुरानी है। हालांकि ओपनएआई ने जनरेटिव एआई चैटबॉट के रूप में चैटजीपीटी को नवंबर 2022 में लॉन्च किया था। चैटजीपीटी अब आधिकारिक तौर पर एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वेब सर्च इंजन है। आने वाला समय गूगल के कारोबार में सेंध लगाने वाला होगा। गूगल को अब मात्र 9 साल पुरानी कंपनी से कड़ी टक्कर मिल रही है। कंपनी सर्च इंजन में जिस तरह से नए-नए प्रयोग कर रही है उसे देखकर लगता है कि गूगल की 2 ट्रिलियन की संपत्ति दांव पर लग गई है।

**गूगल देता है सबसे ज्यादा रेवेन्यू**

अल्फाबेट को गूगल सर्च सबसे ज्यादा रेवेन्यू देता है। कुल रेवेन्यू में इसका योगदान आधे से भी ज्यादा है।

**गूगल को मिलेगी कड़ी टक्कर**

गूगल की सबसे बड़ी चिंता रेवेन्यू को लेकर होगी। चूंकि एआई बेस्ड सर्च इंजन यूजर्स को वही जानकारी देता है, जिसे वह चाहता है। जबकि गूगल उस टॉपिक से जुड़ी ढेर सारी फाइल यूजर के सामने ले आता है। ऐसे में उसमें से काम की चीजें तलाशने में यूजर का काफी समय लगता है।

## आपका राशिफल

**मेष** चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आपको छिपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है जो की आपके कार्य क्षेत्र में आपको नुकसान पंहुचा सकते है। वे आपके बारे में अति गोपनीयता से आपके बारे में गलत बाते आपके मालिक तक पंहुचा सकते है जिसका साक्ष्य भी आपको मिल सकता है अंत सावधान रहने की जरुरत है ।

**वृष** ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप अपने वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए और अपने परिवार की धन वृद्धि के लिए शक्तिशाली ऊर्जा से भरे हुए हैं। आप अधिक ज्ञान को प्राप्त करने में सक्षम हो जायेंगे और जिससे आप अगली बार किसी की सेवा करने पर अधिक कमाने लायक हो जाएंगे , इस तरह से आपके हाथो में वित्तीय सुरक्षा और सफलता के लिए सभी सामग्री रहेगी ।

**मिथुन** का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप अपने कार्य स्थल की जिंदगी में अपने आप को फंसा हुआ महसूस करेंगे ।आपने अपने लिए उस कार्य क्षेत्र या करियर की कल्पना नहीं की थी जिसमे आप अभी कार्य कर रहे है । आप अपने जुनून को पाने के लिए अचानक अपनी नौकरी का त्याग कर सकते है , हालाँकि ग्रहो के विपरीत प्रभाव के कारण ये समय निर्णय लेने का नहीं है । आपके वित्त एवं धन की स्थिति में अचानक परिवर्तन आ सकता है।

**कर्क** ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
हालाँकि की आज आप अपने सभी कार्यों को जल्द पूरा करने में बहुत ज्यादा सक्षम हैं लेकिन आप अपने में बेचैनी , असावधानी और सुस्ती महसूस करेंगे और नतीजतन अधिक समय होने के बावजूद आपका बकाया कार्य और जिम्मेदारियां बढ़ती हुई चली जाएंगी । एक दिन की छुट्टी लेना इस का उपाय है ताकि अगले दिन आप तरोताजा महसूस करे । यह बेचैनी वास्तव में तनाव के कारण है।

**सिंह** मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपके कार्य क्षेत्र का भाग्य आपके साथ चल रहा है और आपके पास काफी परियोजनायें है , फिर भी आज एक नया अवसर आपको मिल सकता है जो की आपके करियर के लिए काफी अच्छा रह सकता है । ये आपके कार्य क्षेत्र में आप पर अधिक जिम्मेदारी डालेगा । आप थोड़ा बदलाव चाहेंगे । आपको ये अवसर कार्यालय के भीतर उपलब्ध हो सकता है । इस के बारे में किसी भी जानकारी के प्रति सचेत रहें।

**कन्या** टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप स्वाभाविक रूप से शक्ति और अधिकार के लिए आकर्षित रहे हैं और इस वजह से हमेशा आपने ध्यान केंद्रित कर काम किया है। आपका परिश्रम आज फल दे सकता है , लेकिन आप अपना धैर्य बनाये रखें और अपने समय के साथ चले । ये भी आवयशक है की आप अपने मन को भी व्यस्थित एवं खुला रखे । ज्यादा स्वच्छंद और अनुमानित न हो और उस तरह से आप सबके साथ एक अच्छे तरीके से कार्य कर पाएंगे ।

**तुला** रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपको काफी समय से अपने सहकर्मियों की मदद मिल रही थी परन्तु अब समय ये मदद लौटने का है । अब आप अपने किसी सहकर्मी की मदद कर सकते है जिससे आपकी स्थिति आपके कार्यालय में और ददृढ़ता से मजबूत होगी और आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । हो सकता है आज आपको देर तक कार्य करना पड़े पर ये आपके लिए सहायक ही सिद्ध होगा ।

**वृश्चिक** तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप पूर्ण रूप से स्वस्थ्य नहीं हैं इसलिए आप इस उत्पादक अवधि का लाभ नहीं उठा पा रहे है । आप अपने कार्यो की पूर्ति के लिए पहले से ही स्थापित कार्य योजना का पालन करे और आगे बढ़ें चाहे आपको कैसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़े । यह अपने काम को खत्म करने के लिए नए तरीके अपनाने के लिए एक अच्छा समय नहीं है।

**धनु** ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज का दिन एक नए व्यापार उद्यम को लगाने का समय है । काफी समय से बात आपके मन में थी परन्तु उसे उपयोगिता में नहीं ला पा रहे थे लेकिन आज का दिन इसको पूरा करने का दिन है । आपको कई नए अवसर मिलेंगे और सब वैध एवं असली होंगे । अगर आप विवेकपूर्ण तरीके से निर्णय लेंगे तो जो भी मुश्किलें आ रही थी वे धीरे धीरे लुप्त होती चली जाएंगी ।

**मकर** भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज के दिन आपका दृढ़ संकल्प और आपकी कठोर मेहनत रंग लाएगी । ये मेहनत आपके उच्च अधिकारीयों को दिखेगी जो की आपके आगे बढ़ने के लिए एक माध्यम बनेगी । इस चीज़ में आपका भाग्य का कम जबकि आपकी मेहनत और लग्न का ज्यादा हाथ होगा । ये समय आपके करियर की उड़ान का समय है और आपको ये सुनिश्चित करना है की आप इस समय का पूरा सदुपयोग करे ।

**कुंभ** गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपका करियर आपकी योजना के अनुसार नहीं जा रहा है और आप समझ नहीं पा रहे है की ऐसा क्यों हो रहा है । नए सिरे से इसे शुरू करना सबसे अच्छा उपाय है । सबसे पहले आप अपना बायो डेटा ढ़ंग से तैयार करे और इसे सबसे अधिक प्रासंगिक व्यक्ति को दे , जो की आपने अभी तक नहीं किया है । इस समय आपको अपने करियर को नियंत्रण में लेने की जरूरत है बजाय की यादृच्छिक घटनाए आप पर हावी हो ।

**मीन** दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज का दिन अपने प्रयासों को तेज करने और अपनी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सबसे अच्छा समय है । आप अपनी परियोजना के सफलतापूर्वक अंतः के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए आप कड़ी मेहनत करेंगे । आपका संकल्प और अच्छे प्रयास बर्बाद नहीं होंगे और आप निकट भविष्य में अच्छे फल की उम्मीद कर सकते है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

# कूरियर के जरिए ड्रग्स की सप्लाई

## हथियारों की भी होम डिलीवरी, नियम-कानून का पेंच इसलिए जांच नहीं

रायपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की पुलिस इन दिनों कूरियर सर्विस ऑपरेट करने वालों की जानकारी जुटाने में लगी हुई है। ऐसा इसलिए क्योंकि कूरियर सर्विसेज के जरिए प्रदेश में हथियारों और ड्रग्स की सप्लाई की जा रही है। कूरियर सर्विसेज इस तरह की चीजों की सप्लाई के लिए सेफ रूट की तरह डेवलप हो गए हैं। डार्क वेब में होने वाले क्राइम की तरह ही इसमें में भी मुख्य अपराधी की आइडेंटिटी हिडन रहती है। क्रिमिनल्स फर्जी नाम और पता मेंशन कर नशा और हथियार कूरियर करते हैं, ऐसे में पुलिस सिर्फ रिसीवर तक ही पहुंच पाती है। हरियाणा की ब्रांडेड शराब कूरियर से मंगवाकर उसे रायपुर में बेचने वाले शराब तस्कर बजाज कॉलोनी निवासी सागर उर्फ गोलू मंधानी को राजेंद्र नगर पुलिस ने 30 अक्टूबर को पकड़ा है। आरोपी कूरियर के माध्यम से शराब मंगवाता था और अपने ग्राहकों को होम डिलीवरी देता था। आरोपी से 50 बोतल ब्रांडेड शराब पुलिस ने बरामद की थी। फरवरी 2024 से अगस्त 2024 तक चाकूबाजी के 81 प्रकरण आए है। पुलिस ने बीते

एक साल में सैकड़ों आरोपियों को अवैध हथियार रखने के आरोप में प्रकरण है। जांच में खुलासा हुआ है, कि आरोपी रसूख दिखाने के लिए ऑनलाइन चाकू मंगवाते थे और वारदात में उसका इस्तेमाल हो जाता है। पुलिस ने ई-वेबसाइट के सेंटरों पर बीते दिनों दबिश दी है और ऑनलाइन चाकू खरीदने वालों की जानकारी मांगी है। पुलिस की सख्ती देखकर कई आरोपियों ने चाकू सरेंडर भी किया है। 15 मई 2024 को रायपुर पुलिस ने राजधानी सहित आसपास के जिलों में ड्रग्स बेचने वाले प्रोफेसर गैंग का खुलासा किया था। ये आरोपी कूरियर से ड्रग्स मंगवाते थे और बेचते थे। इन आरोपियों से लाखों रुपए का ड्रग्स, पैसा और लग्जरी कार पुलिस ने बरामद की थी। इस सिंडिकेट से जुड़े 16 से ज्यादा आरोपियों पर अब तक पुलिस कार्रवाई कर चुकी है। 29 मई 2023 को तेलीबांधा इलाके में रहने वाले एक युवक को नशे की इस कदर लत पड़ी, कि उसने कूरियर के माध्यम से मैक्सिको से ड्रग्स मंगवाना शुरू कर दिया। युवक की हरकतें और उससे होने वाली परेशानियों को देकर उसकी मां ने तेलीबांधा पुलिस में शिकायत कर दी और युवक को रिहेब सेंटर में भर्ती कराया। इस केस में भी ड्रग्स पहुंचने का माध्यम बनी कूरियर कंपनी पर अब तक कार्रवाई नहीं हुई है। 6 मई 2018 को ओडिशा के बलांगीर जिले के पाटनगढ़ इलाके के शादी समारोह में विस्फोट हुआ। बलांगीर पुलिस ने जांच की तो पता चला, कि बम छत्तीसगढ़ रायपुर के गंज इलाके से पार्सल भेजा गया था। पुलिस ने जांच के बाद तीन आरोपियों को पकड़ा था। आरोपियों ने पुलिस की पूछताछ में महिला प्राचार्य से बदला लेने के लिए बम ब्लास्ट करने की बात स्वीकार की थी।

कूरियर एजेंसी की मॉनिटिरंग की जिम्मेदारी उत्पाद विभाग की होती है। लेकिन उत्पाद विभाग के अधिकारी ठोस कार्रवाई नहीं करते विभागीय अधिकारियों की इस रवैये का कूरियर कंपनी के संचालक और तस्कर फायदा उठा रहे हैं। जांच के नाम पर पुलिस-उत्पाद विभाग के अधिकारी एक-दूसरे पर आरोप लगाते हैं और नशे के सौदागर को इसका फायदा मिलता है।

रायपुर के अलावा दुर्ग-भिलाई, बिलासपुर और रायगढ़ से लेकर सभी 33 जिलों में सूखे नशे का अवैध कारोबार चल रहा है।

## झारखंड में ठंड ने दी दस्तक

### रांची-जामताड़ा में छाया कोहरा प्रदेश में 9 नवंबर तक छाए रहेंगे बादल, 4 डिग्री तक गिर सकता है तापमान

रांची, 4 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में ठंड ने दस्तक दे दी है। रांची, जामताड़ा समेत कई जिलों सुबह घना कोहरा देखने को मिला। हल्की ठंडी हवा से आने वाले दिनों में पूरे झारखंड के तापमान में अंतर देखने को मिलेगा। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के अनुसार, पूर्वी हवा के आने से रांची समेत झारखंड में 9 नवंबर तक आसमान में आंशिक बादल छाए रहेंगे। हालांकि, इस बदलाव के बावजूद मौसम शुष्क रहेगा। सुबह में धुंध या कोहरा छाया रहेगा, लेकिन सूर्य देव के सामने आते ही धुंध छंट जाएगी। हालांकि, ऐसी स्थिति में रात के समय ठंड में बढ़ोतरी दर्ज होने की उम्मीद है। इधर, शनिवार को राज्य के अधिकतर जिलों के अधिकतम तापमान में 4 डिग्री तक की बढ़ोतरी हो गई थी। रविवार को अधिकतम तापमान में 4.4 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई। जमशेदपुर का अधिकतम तापमान सबसे अधिक 33 डिग्री और रांची का न्यूनतम तापमान सबसे कम 15.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। छठ पूजा के बाद ठंड और बढ़ेगी।

# आठ जनजातियों को एक भी टिकट नहीं

## झारखंड में राजनीतिक रूप से अछूत बनी आदिम जनजातियां, किसी पार्टी ने नहीं दी तवज्जो

रांची, 4 नवंबर (एजेंसियां)। आदिवासियों को शोषण से मुक्ति दिलाने के लिए अलग झारखंड राज्य बना। इसे अबुआ राज भी कहा गया। लेकिन आदिवासियों की अंतिम कतार में खड़ी आदिम जनजातियां अबुआ राज में भी सियासी सुगंध से दूर हैं। किसी प्रमुख पार्टी ने इन्हें विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं दिया।

लोकसभा चुनाव में तो आदिम जनजातियों को पार्टियां टिकट देती हीं नहीं। 1951 के पहले लोकसभा चुनाव से लेकर बीते 73 सालों में कभी भी इन्हें संसदीय चुनाव में प्रत्याशी नहीं बनाया गया। आदिवासियों के नाम पर बने झारखंड में भी आदिम जनजातियों के मुद्दे गौण हैं। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 2009 और 2019 में सिमोन मालतो को बरहेट से टिकट दिया था। झाविमो ने सिमोन को ही 2014 में ही उम्मीदवार बनाया। कांग्रेस ने शिवचरण मालतो को 2014 में लिट्टीपाड़ा से टिकट दिया था। इससे पहले कांग्रेस ने ही 1985 में क्रिस्टो चंद्र मालतो को लिट्टीपाड़ा विधानसभा सीट पर प्रत्याशी बनाया था। वे पहाड़िया

जनजाति से थे। सीपीआई ने भी अनिल असुर को एकबार विशुनपुर विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया। इनमें से कोई भी जीत नहीं सका। आदिम जनजातीय का व्यक्ति सांसद या विधायक बनना तो दूर, मुखिया का चुनाव भी जीता हो ऐसा उदाहरण नहीं है। ऐसा नहीं कि समुदाय के लोग केवल चुनावी मंचों से ही गायब हैं, बल्कि जिला स्तर की बैठकों में भी देखने को नहीं मिलते हैं। सत्ता और सरकार भी संवेदनशील सामाजिक समूहों के साथ संवेदनशीलता नहीं दिखा रही है। हिल असेंबली पहाड़िया महासभा के अध्यक्ष शिवचरण मालतो कहते हैं कि नेताओं को डर है कि अगर आदिम जनजाति के लोग सशक्त हो गए, तो कहीं वैसी ही राजनीतिक पहचान न बनाने लगें, जैसा बिहार के महादलितों ने दलितों से और अति पिछड़ों ने पिछड़े वर्ग से अलग बनाई। विधानसभा चुनाव में पार्टियों ने 3-4 बार इसलिए टिकट दिया, क्योंकि प्रतिद्वंद्वी की जीत तय थी।

आदिम जनजाति समुदाय के लोग राज्य के 22 जिलों के 127 प्रखंडों और 2649 गांव में रहते हैं। जहां राज्य में आदिम जनजाति की कुल जनसंख्या 2,92,359 है। झारखंड में वास करने वाली आठों आदिम जनजातियों असुर, कोरबा, बिरहोर, बिरजिया, माल पहाड़िया, सौरिया पहाड़िया, सबर और परहिया झारखंड में सबसे बदतर जिंदगी जीने वाले समुदायों में से हैं।

# पीएम मोदी से जुड़ा बलरामपुर की जांच का मामला

## बलरामपुर में युवक के सुसाइड में नया मोड़, झारखंड में रीना के हुलिए जैसा मिला शव

बलरामपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। बलरामपुर से लापता रीना गिरी के हुलिए जैसा शव झारखंड में मिला है। महिला 29 सितंबर से लापता थी, ये शव रीना की गुमशुदगी के अगले दिन, 30 सितंबर को गढ़वा थानाक्षेत्र के गबेलचंपा में कोयल नदी के पुल के नीचे से मिला था। ये जगह संतोषीनगर यानी रीना के गायब होने वाली जगह से 80 किलोमीटर दूर है। वहीं जब मामले पर बलरामपुर पुलिस ने गढ़वा पुलिस से संपर्क किया तो पीएम मोदी की सभा होने के कारण सहयोग नहीं कर पाने की बात कही। कार्यक्रम खत्म होने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शव रीना गिरी का ही है, इस बात की पुष्टि अब तक न झारखंड पुलिस की ओर से की गई और न ही छत्तीसगढ़ पुलिस की ओर से। महिला के शव पर लाल रंग का गाउन है। हाइट और रंग भी ठीक वैसा ही है जैसा कि पुलिस ने गुमशुदा रीना के संबंध में जारी किए गए इश्तिहार में था। अननोड बॉडी होने के कारण झारखंड पुलिस शव को दफना चुकी है।

वहीं बलरामपुर एसपी वैभव बैंकर ने इस मामले पर कहा है कि झारखंड पुलिस से समन्वय के साथ काम किया जा रहा है। शव की शिनाख्ति की जा रही है। परिजनों से पूछताछ के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि शव रीना गिरी का है या किसी और का।

रीना गिरी के लापता होने के मामले में ही पूछताछ के लिए स्वास्थ्य कर्मी गुरूचंद मंडल, ससुर शांति मंडल और अन्य को बार-बार थाने बुलाया जाता था। 24 अक्टूबर को बलरामपुर कोतवाली थाने में संदिग्ध परिस्थिति में गुरुचरण मंडल का शव फांसी पर झूलता मिला था। गुरूचंद मंडल ने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया था कि उसकी पत्नी रीना गिरी ने आखिरी बार फोन पर उसे जबरदस्ती उठा लेने की बात कही थी।

गुरूचंद मंडल का शव मिलने के बाद आक्रोशित लोगों ने थाने पर हमला बोल दिया था। लोगों ने थाने में तोड़फोड़ के बाद चक्काजाम कर दिया था। दूसरे दिन भी हंगामा करते हुए आक्रोशित लोगों ने पुलिस बल पर हमला किया, इस दौरान भीड़ ने एक महिला एएसपी की चप्पल से पिटाई भी कर दी थी। मामले में परिजनों ने गुरूचंद मंडल की हत्या कर शव फांसी पर लटकाने का आरोप लगाया है। गुरुचरण मंडल की मौत को लेकर कांग्रेस भी सरकार पर हमलावर है।

3 नवंबर को प्रदेश व्यापी प्रदर्शन में भी यह मुद्दा प्रमुखता से शामिल किया गया था। बलरामपुर पुलिस पर गुरूचंद मंडल की हत्या कर शव को फांसी पर लटकाने के आरोप लगाए जा रहे हैं।

पुलिस की ओर से लगातार रीना गिरी की भी खोजबीन की जा रही थी। रीना का अब तक पता नहीं चल सका है।

# टायर फटने से पलटी बोलेरो, 3 की मौत

मुंगेली/सक्ती, 4 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुंगेली में सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई वहीं 4 लोग घायल हो गए हैं। रायपुर-बिलासपुर एनएच-130 पर गड्ढे से छड़ निकला हुआ था। छड़ से बोलेरो का टायर फट गया और अनियंत्रित होकर पलट गया। घायलों को बिलासपुर सिम्स में भर्ती कराया गया है। मामला सरगांव थाना क्षेत्र का है। घटना की सूचना मिलते ही सरगांव पुलिस मौके पर पहुंची है और घटना की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक बोलेरो में कुल 7 लोग सवार थे। इससे पहले रविवार की रात सक्ती जिले के बोडासागर में ट्रेलर वाहन और बाइक के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हुई है। हादसे में बाइक सवार 3 दोस्तों की मौत हो गई। वहीं पुलिस ने वाहन को जब्त कर ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। तीनों दोस्त मेला देखने जा रहे थे। घटना डभरा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार ग्राम चिखली में काली पूजा उत्सव का आयोजन कर मेला लगा हुआ था। जिसे देखने के लिए जशपुर के रहने वाले 6 दोस्त दो बाइक में मेला घूमने जा रहे थे। इस दौरान तीनों हादसे का शिकार हो गए। तीनों युवक गिरजा राम माली,नरेश माली,डोरी लाल माली को शरीर में गंभीर चोट आई थी। घटना रविवार की रात करीबन 9.15 बजे की है, घटना की जानकारी 112 पुलिस को मिलने पर मौके पर पहुंची और तीनों घायलों को उपचार के लिए सीएचसी अस्पताल डभरा लाया गया। जहां डॉक्टर ने जांच उपरांत तीनो युवकों को मृत घोषित कर दिया। डभरा पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई करते हुए सोमवार को पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को शव सौंप दिया गया।

डभरा थाने में एफआईआर दर्ज कर मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। बलरामपुर जिले के राजपुर में शनिवार रात साढ़े 8 बजे लड्डुवा गांव के पास एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पलटते हुए पानी भरे गड्ढे में जा घुसी। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई थी। हादसे में गंभीर रूप से घायल ड्राइवर ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं देर रात एक और युवक का शव गड्ढे से निकाला गया।

# सड़क हादसे में बाप-बेटे समेत 6 की मौत

## टायर फटने से पलटी बोलेरो, 3 मौत, सक्ती में 3 दोस्तों को ट्रेलर ने कुचला

मुंगेली/सक्ती, 4 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में 2 अलग-अलग सड़क हादसे 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हो गए हैं। मुंगेली के सरगांव थाना क्षेत्र में बोलेरो पलटने से बाप-बेटे समेत 3 लोगों की मौत हुई है। वहीं सक्ती जिले के डभरा थाना क्षेत्र में ट्रेलर ने 3 दोस्तों को कुचल दिया। दोनों की मौके पर मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक कार सवार रायपुर से बिलासपुर की ओर जा रहे थे। वह सरगांव के पास पहुंचे थे,तभी रायपुर-बिलासपुर एनएच-130 पर गड्ढे से निकले छड़ से बोलेरो का टायर फट गया। इससे बोलेरो अनियंत्रित होकर होकर पलट गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई। वहीं 4 की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही सरगांव पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को राहगीरों और पुलिस ने बोलेरो से बाहर निकाला। एंबुलेंस के माध्यम से बिलासपुर सिम्स भेजा गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। मृतकों की पहचान हो गई है। बिसरु साहू (55) पिता पुन्नू साहू, छबीलाल साहू (20) पिता बिसरू साहू और इंद्रपाल उर्फ मोटू (35) पिता भगतराम पाल की जान गई है। वहीं घायलों में रूखमणी साहू, यू प्रसाद और महेश शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि हादसे में शामिल सभी बलौदाबाजार के सुहेला के हिरमी गांव के रहने वाले थे, जो पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने बिलासपुर सकरी जा रहे थे। सक्ती जिले के बोडासागर में रविवार की रात करीब 9 बजे ट्रेलर ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार 3 दोस्तों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि चिखली में काली पूजा उत्सव का आयोजन किया गया है, जहां मेला भी लगा है। मेला देखने जाते वक्त तीनों हादसे का शिकार हुए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक हादसे में गिरजा राम माली, नरेश माली, डोरी लाल माली को गंभीर चोट आई थी। हादसे के बाद डायल 112 की मदद से डभरा सीएचसी लाया गया। जहां डॉक्टर ने तीनो युवकों को मृत घोषित कर दिया। डभरा पुलिस ने बताया कि तीनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। सोमवार को पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को शव सौंप दिया गया है। ट्रेलर को जब्त कर ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

# गर्लफ्रेंड से मिलने गए युवक की हत्या

## युवती के परिजनों ने पीट-पीटकर मार डाला, फिर लाश बिलासपुर के जंगल में फेंकी

बिलासपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चापा में अपनी प्रेमिका से मिलने गए युवक की उसके परिजनों ने हत्या कर दी। इसके बाद उसकी लाश को बिलासपुर के चिल्हाटी गांव में लाकर फेंक दिया। मृतक युवक की पहचान टीकाराम केंवट (25) के रूप में हुई है, जो बलौदाबाजार का रहने वाला था। पुलिस ने बताया टीकाराम शनिवार को अपने दोस्त के साथ जांजगीर-चांपा के डिगोरा गांव में रहने वाली अपनी प्रेमिका से मिलने पहुंचा था। मुलाकात के दौरान युवती के परिजनों ने दोनों को पकड़ लिया, जिसके बाद दोनों की बेरहमी से पिटाई की गई। बीच-बचाव कर रहे टीकाराम के दोस्त को भी बुरी तरह पीटा गया है, लेकिन वो किसी तरह मौके से भाग निकला और अपनी जान बचाई। पुलिस फिलहाल युवती के परिजनों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पूरा मामला पचपेड़ी थाना क्षेत्र का है।

पचपेड़ी पुलिस को रविवार सुबह पचपेडी के जंगलों से खून से लथपथ लाश मिली थी। स्पॉट के चार किलोमीटर के रेडियस में छानबीन के दौरान पुलिस को एक बाइक और एक मोबाइल मिला। बाइक के नंबर के आधार पर पता चला कि शव टीकाराम है और मौके से मिला फोन किसी दीपक का है। टीकाराम के परिवार से पूछताछ की गई तो मालूम पड़ा कि शनिवार दोपहर बारह बजे के करीब बड़े भाई की बाइक लेकर वो अपनी प्रेमिका से मिलने निकला था। इस दौरान टीकाराम के साथ उसका दोस्त दीपक वर्मा भी था। इसके बाद पुलिस ने दीपक को पकड़ा। दीपक ने बताया कि बेटी से टीकाराम को मिलते देख युवती के पिता ने अन्य परिजनों को भी मौके पर बुला लिया। सभी ने मिलकर टीकाराम की पिटाई शुरू कर दी। बीच-बचाव करने पर उसे भी पीटा। लेकिन किसी तरह हमलावरों से जान बचाकर वो भाग निकला। इस दौरान उसका मोबाइल रास्ते में गिर गया था। पुलिस ने दीपक के बयान पर युवती के पिता सहित अन्य परिजनों को हिरासत में लिया है। सभी से पूछताछ जारी है। पूछताछ में अब तक यह बात सामने आई है कि मृतक टीकाराम का युवती से मिलना उसके परिजनों को पसंद नहीं था। कई बार युवती के परिजन टीकाराम को समझाइश दे चुके थे। फिर भी वो नहीं माना और युवती से मिलने जाता रहा, जिससे नाराज परिजनों ने मिलकर उसे मौत के घाट उतार दिया। पचपेड़ी पुलिस की जांच में पता चला कि मृतक टीकाराम की पीट-पीटकर हत्या करने के बाद आरोपियों ने शव को पचपेड़ी क्षेत्र के जंगल में फेंक दिया और भाग गए। पुलिस को युवती के पिता के साथ ही उसके भाई और जीजा समेत कुल पांच लोगों पर हत्या करने का संदेह है। हेडक्वार्टर डीएसपी उड्डयन बेहार ने बताया कि पचपेड़ी चिल्हाटी के जंगल में रविवार सुबह शव मिलने की जानकारी के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

# रायपुर सेंट्रल जेल के बाहर बदमाश पर फायरिंग

## दो लोगों ने चलाई गोली, गले में धंसी बुलेट, भाई से मिलने आया था

रायपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर सेंट्रल जेल के बाहर आदतन बदमाश पर सोमवार दोपहर को गोली चल गई। शेख साहिल जेल में बंद अपने भाई से मुलाकात कर बाहर आया था।

इसी दौरान अज्ञात दो लोगों ने उस पर फायरिंग कर दी। उसके गर्दन पर बुलेट धंसी है। शेख साहिल को रायपुर के अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

परिजनों ने बताया कि, आपसी रंजिश के चलते गफ्फार ने हमला करवाया है। शानू नाम के युवक ने गोली चलाई है। साहिल का भाई जेल में बंद है। पूरा परिवार आज उससे मिलने आया था। मुलाकात के बाद बाहर निकलते ही एक युवक बातचीत करने लगा। उसी दौरान दूसरे युवक ने गोली चला दी। वो करीब 9-10 लोग थे। हमला करने के बाद सभी भाग गए।

घटना के बाद एएसपी लखन पटले का कहना है कि, शाहरुख और शानू उर्फ सरफराज दोनों 307 के आरोपी हैं।

संतोषी नगर निवासी साहिल कुछ दिन पहले ही जेल से छूटकर बाहर आया है। उसका भाई एनडीपीएस एक्ट में जेल में बंद है।

जेल से बाहर निकलने के दौरान देसी कट्टा से उस पर फायरिंग कर दी। दो साल पुरानी रंजिश के चलते हमला किया गया है।

# बेटियों ने दिया पिता की अर्थी को कंधा

## मुखाग्नि देकर तोड़ी पुरानी परंपरा, कहा- उनकी इच्छा थी कि हम अंतिम संस्कार करें

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़ में 2 बेटियों ने सोमवार को न सिर्फ पिता के शव को कंधा दिया, बल्कि श्मशान घाट पर मुखाग्नि देकर अपना फर्ज अदा किया। पिता की चिता में मुखाग्नि सिर्फ बेटा ही दे सकता है। बेटियां चिता को आग नहीं दे सकतीं। इस सोच से ऊपर उठकर बेटी ने पिता का अंतिम संस्कार किया। मनेन्द्रगढ़ के पत्रकार मनीष रैकवार (50) का रविवार दोपहर हार्ट अटैक से निधन हो गया था। निधन के दौरान घर पर उनकी पत्नी गायत्री रैकवार और बड़ी बेटी मनस्वी रैकवार थी। छोटी बेटी मान्यता रैकवार बेमेतरा में एग्रीकल्चर की पढ़ाई करती है। रविवार दोपहर मान्यता को पिता के निधन की सूचना मिली। सोमवार को छोटी बेटी मान्यता रैकवार घर पहुंची। दोनों बेटियां पिता मनीष रैकवार को कंधा देकर

श्मशान घाट तक पहुंची। छोटी बेटी ने मुक्तिधाम में पिता को मुखाग्नि दी।

बेटियों ने कहा कि पापा की इच्छा थी कि हम उनका अंतिम संस्कार करें। उनका बेटा नहीं था, लेकिन कभी भी उन्होंने हमें बेटे से कम नहीं समझा। घरवालों ने भी हमें बोला तुम्हें उनका अंतिम संस्कार करना चाहिए।

पुजारी रामचरित द्विवेदी ने कहा कि हमारे समाज में कई तरह की मान्यताएं है। सबसे बड़ा सवाल यह था कि उनका अंतिम संस्कार कौन करेगा? क्योंकि उनकी 2 बेटियां ही थी। मनीष ने कभी बेटा और बेटी में फर्क नहीं किया तो हम कौन होते हैं फर्क करने वाले।

पुजारी ने बताया कि इसलिए उनके परिवारवालों ने बेटियों के हाथों अंतिम संस्कार कराने का फैसला किया। बेटियों ने ही पिता को मुखाग्नि दी और उनका अंतिम संस्कार किया। बेटी को पिता को मुखाग्नि देते देखकर वहां मौजूद सभी की आंखे नम हो गई।

# प्रशासक ने घाटों का किया निरीक्षण

## निगम डालेगा बड़ा तालाब और कांके डैम में 2-2 टन चूना व फिटकरी, नाले का पानी भी रोकेगा

रांची, 4 नवंबर (एजेंसियां)। नेम-निष्ठा के महापर्व छठ की शुरुआत मंगलवार को नहाय-खाय के साथ होगी। इस दौरान शहर के तालाबों पर 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी। लेकिन, अभी तक छठ घाट तैयार नहीं हुए हैं। दैनिक भास्कर ने घाटों की दुर्दशा दिखाई, इसके बाद पूजा शुरू होने से 48 घंटे पहले निगम प्रशासन की नींद खुली। निगम प्रशासक संदीप सिंह सहित सभी पदाधिकारी रविवार सुबह में छठ घाटों की अव्यवस्था देखने पहुंचे। बड़ा तालाब, चडरी तालाब, करमटोली, जेल तालाब, बटन तालाब, अरगोड़ा तालाब, धुर्वा डैम, जगन्नाथपुर तालाब, स्वर्णरेखा नदी सहित सभी तालाबों का निरीक्षण किया। बड़ा तालाब और कांके डैम की स्थिति सबसे अधिक खराब मिली। पेयजल स्वच्छता विभाग के इंजीनियरों ने बताया कि तत्काल फिटकरी और चूना डालकर पानी साफ किया जा सकता है। इसके बाद प्रशासक ने बड़ा तालाब, कांके डैम सहित अन्य तालाबों में फिटकरी-चूना डालने का निर्देश दिया। बड़ा तालाब व कांके डैम में 2-2 टन फिटकरी और चूना डाला जाएगा। बड़ा तालाब में मशीन से जलकुंभी निकालकर पानी साफ किया जा रहा है। इसके अलावा अन्य तालाबों में भी चूना डाला जाएगा। तालाबों में गिरने वाले नाले के गंदे पानी को भी रोकने के निर्देश दिए।

प्रशासक ने कहा कि जिन तालाबों में नाले का पानी आ रहा है, उसे तत्काल रोकें। साथ ही तालाबों तक आने वाले रास्तों से कूड़ा उठाकर साफ करें। प्रशासक के निर्देश पर तालाबों और पहुंच पथ की सफाई के लिए करीब 300 अतिरिक्त सफाईकर्मियों को लगाया गया है। निगम का कहना है कि घाटों की सफाई का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है।

# 4 लाख 77 हजार 600 रुपए का ब्राउन शुगर जब्त

## आदित्यपुर में दो गिरफ्तार, मुस्लिम बस्ती के पास रेलवे लाइन के पास धराए

जमशेदपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। आदित्यपुर पुलिस ने सोमवार को दो ब्राउन शुगर तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर आदित्यपुर पुलिस ने मुस्लिम बस्ती के पास रेलवे लाइन के नजदीक छापेमारी की, जिसमें दो संदिग्धों को पकड़ने में सफलता मिली। पकड़े गए आरोपियों के नाम अरशद अली और मोहम्मद इरफान हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से 8.08 ग्राम ब्राउन शुगर, तीन मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल जब्त की। बरामद सामग्री की कुल कीमत लगभग 4 लाख 77 हजार 600 रुपए बताई

जा रही है। थाना प्रभारी ने जानकारी दी कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर ब्राउन शुगर के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत रविवार को सूचना मिली कि मुस्लिम बस्ती के पीछे रेलवे पटरी के पास कुछ लोग ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। पुलिस की मौजूदगी देखकर दोनों आरोपी केटीएम बाइक से भागने लगे। उन्हें रोककर हिरासत में लिया गया और पूछताछ के दौरान दोनों ने अपने नाम अरशद अली और मोहम्मद इरफान बताए।

# झामुमो को बीच चुनाव लगा बड़ा झटका

देवघर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रस्तावक सिद्धू-कान्हू के वंशज मंडल मुर्मू रविवार रात को देवघर में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, पार्टी के झारखंड प्रभारी सह असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा सरमा, पार्टी के संगठन प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत बाजपेयी, भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ रविंद्र राय, गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे और 14 विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी की मौजूदगी में मंडल मुर्मू ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

शिवराज सिंह चौहान ने भारतीय जनता पार्टी का पट्टा पहना कर मंडल मुर्मू का पार्टी में स्वागत किया। पत्रकारों से बात करते हुए मंडल मुर्मू ने कहा कि वे सिद्धू-कान्हू के छठे वंशज हैं। भाजपा की नीति और सिद्धांत से प्रभावित होकर उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। बरहेट विधानसभा से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का प्रस्तावक बनने के बाद वे झारखंड मुक्ति मोर्चा में सहज महसूस नहीं कर रहे थे।

इस कारण भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए हैं। मौके पर असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडल मुर्मू के साथ मिलकर संथाल परगना में काम करेंगे।

उनके सहयोग से संथाल परगना से बांग्लादेशी घुसपैठ को कैसे खत्म करना है, इसपर रणनीति बनाई जाएगी।

# ईरान की अब खैर नहीं

## मुस्लिम देश का मिला साथ तो स्वेज नहर से गुजरा मिसाइलों से लैस इजरायली युद्धपोत, मचा बवाल

तेलअवीव, 4 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिमी एशिया में जारी तनाव और गहराता जा रहा है। इजरायल के मिसाइलों बारिश की बाद अब ईरान के जोरदार पलटवार का खतरा मंडरा रहा है। ईरान ने कहा है कि वह इस बार और भी ज्यादा घातक बमों, किलर ड्रोन और मिसाइलों से हमला करेगा जिसका उसने अभी तक इस्तेमाल नहीं किया है। इस बीच अमेरिका ने ईरान को हमला नहीं करने को लेकर चेतावनी दी है। वहीं इजरायल ने भी अपनी सैन्य तैयारी को मजबूत कर दिया है और अपने युद्धपोत को ईरान की सीमा के पास रवाना किया है। इजरायल का यह युद्धपोत किलर मिसाइलों से लैस है और स्वेज नहर के रास्ते लाल सागर में प्रवेश किया है। स्वेज नहर पर मिस्र का नियंत्रण है और इस वजह से उसकी काफी आलोचना हो रही है। इस आलोचना पर मिस्र ने जवाब दिया है। मिस्र सरकार के स्वेज नहर प्राधिकरण ने कहा है कि सभी तरह के जहाजों को फिर वे चाहे व्यापारिक हों या फिर सैन्य, उन्हें इस समुद्री रास्ते से स्वतंत्रतापूर्वक गुजरने का पूरा हक है। इससे पहले

एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था जिसमें दिखाया जा रहा था कि मिस्र की नौसेना की सुरक्षा में इजरायली युद्धपोत स्वेज नहर से गुजर रहा है।

इसके बाद मुस्लिम देशों में इसको लेकर मिस्र की कड़ी आलोचना शुरू हो गई थी। दरअसल, इजरायली युद्धपोत भूमध्य सागर से होकर लाल सागर में पहुंचा है और माना जा रहा है कि वह ईरान की ओर बढ़ रहा है। इजरायली युद्धपोत बिना स्वेज नहर के ईरान के करीब नहीं पहुंच पाता। स्वेज नहर की अगर अनुमति नहीं मिलती तो इजरायली युद्धपोत को अफ्रीका का चक्कर लगाते हुए हिंद महासागर से गुजरता। इसके बाद ही वह ईरान के करीब पहुंच पाता।

अब इजरायली युद्धपोत ईरान के साथ- साथ हूती विद्रोहियों को भी सबक सिखा सकता है। हूती विद्रोही लगातार लाल सागर में इजरायली जहाजों को निशाना बना रहे हैं। मिस्र की सरकार लगातार हमास के कब्जे वाले गाजा के लोगों को समर्थन देती रही है। गाजा और मिस्र की सीमा आपस में लगती है।

मिस्र ने साल 1979 में इजरायल के साथ एक शांति समझौता किया था। वह ऐसा करने वाला पहला अरब देश था। इजरायल और मिस्र के बीच 1948 और 1973 में लड़ाई हुई थी, उसके बाद यह शांति समझौता हुआ था। गाजा युद्ध शुरू होने के बाद इजरायल और मिस्र के बीच तनाव बढ़ गया है। इजरायल के गाजा में हमले में अब तक 43 हजार फलस्तीनी मारे गए हैं। इसी वजह से सोशल मीडिया में आरोप लग रहे थे कि मिस्र इजरायल की मदद कर रहा है। इजरायल को हथियार देने पर कई देश प्रतिबंध लगा चुके हैं।

## ज्वालामुखी विस्फोट से 10 लोगों की मौत

### दस से ज्यादा भूकंप आए, कई घरों पर गिरे आग के गोले 10 हजार लोगों पर असर

जकार्ता, 4 नवंबर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के पूर्वी द्वीप फ्लोर्स में सोमवार को माउंट लियोटोबी लाकी-लाकी ज्वालामुखी में विस्फोट में 10 लोगों की मौत हो गई। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, वोल्कैनो में रविवार (3 नवंबर) को करीब 24 मिनट तक विस्फोट हुआ। इसके बाद यह रातभर कई बार फटा और सुबह करीब 6 बजे 300 मीटर की ऊंचाई तक राख का गुबार उठता नजर आया।

ज्वालामुखी विस्फोट की वजह से दर्जनों भूकंप भी आए। फिलहाल इंडोनेशिया की सरकार ने और झटकों की आशंका जताई है। ज्वालामुखी फटने से 7 गांवों में रह रहे 10 हजार लोगों को नुकसान हुआ है। इस दौरान कई घर भी जलकर राख हो गए।

लोगों ने बताया कि विस्फोट के बाद ऐसा लग रहा था जैसे आग के गोले घरों पर गिर रहे हैं। वे अपना घर छोड़कर इधर-उधर भागने लगे। प्रशासन ने लोगों को वोल्कैनो के 7 किलोमीटर के दायरे से दूर रहने की सलाह दी है।

# स्पेन के राजा-रानी पर लोगों ने कीचड़ फेंका

## पीएम सांचेज की गाड़ी पर भी हमला, बाढ़ न रोक पाने से लोग नाराज

मैड्रिड, 4 नवंबर (एजेंसियां)। स्पेन में बाढ़ प्रभावित वेलेंसिया इलाके का दौरा करने गए, किंग फिलिप और उनकी पत्नी क्वीन लेटिजिया पर लोगों ने कीचड़ फेंके। बीबीसी के मुताबिक वहां मौजूद लोगों ने 'हत्यारे' और 'शर्म करो' के नारे भी लगाए। किंग फिलिप के साथ स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज भी मौजूद थे। लोग उनसे पूछ रहे थे कि बाढ़ को रोकने के लिए नेताओं ने पहले से कुछ क्यों नहीं किया। भीड़ को रोकने के लिए पुलिस को आगे आना पड़ा। हमले में सुरक्षा में तैनात दो गार्ड्स घायल हो गए। उनके माथे से खून बहता देखा गया। इसके बाद स्पेन किंग और पीएम को अपना दौरा अधूरा छोड़कर वापस राजधानी लौटना पड़ा। इस दौरान लोगों ने पीएम की गाड़ी पर भी हमला किया। स्पेन हालिया इतिहास में आई सबसे बड़ी बाढ़ से जूझ रहा है। बाढ़ में कम से कम 217 लोगों की मौत हो गई है। स्पेन के पूर्वी शहर वेलेंसिया में 29 अक्टूबर को सिर्फ 8 घंटे में सालभर जितनी बारिश हो गई थी। इससे अचानक बाढ़ आ गई, जिससे

कई लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने का मौका नहीं मिला पाया। वेलेंसिया सांसद खुआन बोर्डेरा ने कहा है कि राजा फिलिप का बाढ़ग्रस्त इलाके का दौरा करना एक 'बहुत बुरा फैसला' था। लोग बहुत गुस्से में थे। अधिकारियों ने इसे लेकर उन्हें चेतावनी दी थी कि लेकिन उन्होंने उनकी बात नहीं सुनी। बीबीसी के मुताबिक, स्पेन में इससे पहले साल 1973 में सबसे बड़ी बाढ़ आई थी। तब 150 लोगों की मौत हुई थी। उससे पहले 1957 में वैलेंसिया शहर में भीषण बाढ़ आई थी, इसमें 81 लोगों की मौत हो गई थी। वेलेंसिया की प्रांतीय सरकार

बाढ़ के बाद की हालत के लिए लोगों की भारी नाराजगी झेल रही है। लापता लोगों की संख्या के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में स्पेन मंत्री एंजेल विक्टर टोरेस ने कहा कि अभी यह बता पाना मुश्किल है। बाढ़ से तबाह हुए इलाकों में राहत कार्य के लिए सेना के 1,000 से ज्यादा सैनिकों को तैनात किया गया।

हालांकि, लोगों का कहना है कि उन तक पर्याप्त मदद नहीं पहुंच पा रही। बाढ़ की वजह से सड़कें टूट गई हैं और कम्युनिकेशन और बिजली लाइनों को नुकसान पहुंचने से अभी कई इलाके शहरों से कटे हुए हैं।

आपातकालीन सेवा के कर्मचारी लगातार कार पार्किंग और सुरंगों में फंसे हुए लोगों और शवों की तलाश के काम में जुटे हुए हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक बाढ़ की वजह 'कट-ऑफ लो प्रेशर सिस्टम' था। ठंडी और गर्म हवाओं के मेल से घने बादल बने, जिससे भारी बारिश हुई। हाल के दिनों दुनिया में कई जगहों पर इस वजह से तेज बारिश और तबाही की घटनाएं हुई हैं। स्पेनी भाषा में इसे डाना इफेक्ट कहा जाता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, भूमध्य सागर का ज्यादा गर्म होना भी भारी बारिश की वजह बना। इस साल अगस्त में भूमध्य सागर का तापमान 28.47 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो अब तक का सबसे ज्यादा तापमान था। वहीं बीबीसी के मुताबिक स्पेन में बाढ़ का पिछले 50 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। इससे पहले साल 1973 में बाढ़ से 150 लोगों की मौत हुई थी। वैलेंसिया ने 1980 के दशक में भी दो धाना तूफानों का सामना किया था।

# पाकिस्तान ने एलओसी के पास होवित्जर तोप की टेस्टिंग की

## चीन की मदद से यह तैयार हुई, 30किमी तक दाग सकती है गोले

इस्लामाबाद, 4 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास 155 एमएम ट्रक-माउंटेड होवित्जर तोपों समेत दूसरे हथियारों की टेस्टिंग की है। हालांकि, ये टेस्टिंग कब हुई इसकी जानकारी अभी नहीं मिली है। अधिकारियों ने कहा कि 155 एमएम तोप को चीनी की रक्षा कंपनी की देखरेख में एक खाड़ी देश की मदद से तैयार किया है। इसे हाल ही में एलओसी के पास देखा गया था। 155 एमएम तोप एसएच-15 होवित्जर का वर्जन है, जो 'शूट एंड स्कूट' (शूट करो और भागो) के लिए जानी जाती है। होवित्जर 155 एमएम तोप को लेकर जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक यह कई तरह के हथियारों से हमला करने में काबिल है। यह 30 किमी दूर तक हमला कर सकती है और एक मिनट में 6 गोले तक दाग सकती है। जिन हथियारों की टेस्टिंग हुई है, उनमें एडवांस एम109 तोप भी

शामिल है। यह 24 किलोमीटर दूर तक हमला कर सकती है और 40 सेकेंड में 6 गाले दाग सकती है। अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान को एम 109 पश्चिमी देशों से मिली थी। वह इसके एडवांस वर्जन की टेस्टिंग कर रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, हथियारों को डेवलप करने में तुर्की ने पाकिस्तान की काफी मदद की है। तुर्की की रक्षा कंपनी एफएनएसएस ने पाकिस्तान को एडवांस 105 एमएम तोप दी है। यह हाई रेंज गोले दागने में सक्षम है। अधिकारियों ने बताया कि चीन एलओसी पर पाकिस्तान की सैन्य

क्षमताओं को बढ़ाने में मदद कर रहा है। पाकिस्तान चीन की मदद से सीमा पर बंकर निर्माण, ड्रोन, फाइटर जेट्स, हाई रेंज कम्युनिकेशन सिस्टम तैयार कर रहा है। अधिकारियों ने कहा कि चीन की मदद से पाकिस्तान सीमा पर इनक्रिप्टेड कम्युनिकेशन टावर और जमीन के भीतर फाइबर ऑप्टिकल केबल लगा रहा है। इस साल की शुरुआत में चीन के नॉर्थ इंडस्ट्रीज ग्रुप कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनओआरआईएनसीओ) ने पाकिस्तानी सेना को 56 एसएच-15 हॉवित्जर तोपों की दूसरी खेप सौंपी थी।

# भारत से आ रही हैं जहरीली हवाएं

## लाहौर में प्रदूषण ने तोड़े सारे रेकॉर्ड तो मरियम नवाज सरकार ने इंडिया पर फोड़ा ठीकरा

इस्लामाबाद, 4 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो गई है। खासतौर से भारत से सटे शहर लाहौर में फैले स्मॉग ने आम जनजीवन मुश्किल कर दिया है। इसे देखते हुए पंजाब की मरियम नवाज सरकार ने अपने देश की केंद्र सरकार से कहा है कि वह इस मुद्दे को भारत के साथ उठाए क्योंकि भारत की ओर से आई हवाओं की वजह से स्थिति बिगड़ी है। पंजाब सरकार की ओर ये तक कहा गया है, जब लाहौर हवा के जहरीली होने के बाद स्कूलों को बंद करना पड़ा है और कई दूसरे कदम भी उठाए गए हैं।

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब सरकार की पर्यावरण विभाग की मंत्री मरियम औरंगजेब ने रविवार को कहा कि भारत की ओर से आ रही हवाओं की वजह से स्थिति बिगड़ी है। भारत के शहर अमृतसर और चंडीगढ़ से आने वाली पूर्वी हवाएं को उन्होंने लाहौर में वायु गुणवत्ता सूचकांक के 1,000 से ऊपर पहुंचने के लिए जिम्मेदार ठहराया है। मरियम औरंगजेब ने कहा कि पंजाब प्रदूषण के मुद्दे को भारत के साथ उठाने के लिए सोमवार को उनकी सरकार अपने विदेश कार्यालय को पत्र लिखेगी।

मरियम औरंगजेब ने कहा, 'भारत से लाहौर की ओर आ रही हव प्रदूषण के स्तर को खतरनाक स्तर तक ले जा रही है। अभी एक हफ्ते तक इसमें सुधार की उम्मीद नहीं है, ऐसे में बुजुर्गों और बच्चों को खासतौर से सावधान रहने की जरूरत है। हमारी सरकार स्मॉग पर अंकुश लगाने के संयुक्त प्रयासों पर बातचीत के लिए भारतीय अधिकारियों से संपर्क करने के लिए सोमवार को विदेश कार्यालय को पत्र लिखेगी।'

# निर्वस्त्र होकर घूमने लगी छात्रा

## पुलिस ने हिरासत में पीटा, यौन उत्पीड़न के खिलाफ प्रोटेस्ट में उतारे थे कपड़े

तेहरान, 4 नवंबर (एजेंसियां)। ईरान की राजधानी तेहरान में एक छात्रा के निर्वस्त्र होकर घूमने का मामला सामने आया है। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक यह घटना शनिवार को तेहरान की आजाद यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड रिसर्च में हुई। यहां यूनिवर्सिटी की एक छात्रा ने यौन उत्पीड़न के खिलाफ प्रोटेस्ट में अपने कपड़े उतार दिए। निर्वस्त्र घूमने के कुछ देर बाद ही ईरानी पुलिस ने छात्रा को हिरासत में ले लिया। ईरानी न्यूजलेटर अमीर कबीर के मुताबिक हिरासत में लेने के दौरान छात्रा के साथ मार-पीट भी हुई। सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है। वीडियो में छात्रा को यूनिवर्सिटी के आस-पास घूमते हुए देखा जा सकता है। यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता अमीर महजोब ने X पर पोस्ट कर बताया कि छात्रा की हालत मानसिक तौर पर ठीक नहीं है। वह मानसिक दबाव में है और उसे दिमागी बीमारी है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि छात्रा के साथ बसीज मिलिशिया के सदस्यों ने गलत व्यवहार किया था। उसका हिजाब और कपड़े खींचे गए थे।

दरअसल, ईरान में महिलाओं के कपड़ों को लेकर सख्त ड्रेस कोड लागू किया गया है। इसके मुताबिक महिलाओं को पब्लिक प्लेस पर हिजाब और ढीले कपड़े पहनना अनिवार्य है। ऐसे में छात्रा के इस कदम को ईरान की सत्ता के खिलाफ आवाज उठाने के तौर पर देखा जा रहा है। दूसरी तरफ ईरान के सरकारी मीडिया फार्स न्यूज एजेंसी ने दावा किया कि छात्रा ने ढंग से कपड़े नहीं पहने थे। इसके बाद जब सुरक्षा गार्ड्स ने छात्रा को चेतावनी दी, तो छात्रा ने कपड़े उतार दिए। सरकारी मीडिया के मुताबिक गार्ड्स ने शांतिपूर्वक ढंग से बात की थी। ईरान में 2022 में कुर्दिस्तान प्रांत की रहने वाली 22 साल की महसा अमीनी की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। अमीनी को ईरान की मॉरैलिटी पुलिस ने हिजाब को सही तरीके से नहीं पहनने के आरोप में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद डिटेंशन सेंटर ले जाते वक्त मॉरैलिटी पुलिस ने अमीनी के कपड़े फाड़ दिए थे और उसके साथ मारपीट की थी। इसके बाद अमीनी की अस्पताल में मौत हो गई थी। मौत के बाद कुर्दिस्तान से लेकर तेहरान तक में मॉरैलिटी पुलिस के विरोध में प्रदर्शन हुए थे। अमीनी के जनाजे में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे। जनाजे में शामिल महिलाओं ने विरोध में अपने हिजाब उतार दिए थे।

हिजाब के खिलाफ प्रोटेस्ट के दौरान कई महिलाओं ने अपने बाल तक काट दिए थे। प्रोटेस्ट के दौरान 551 लोगों की मौत हुई थी और हजारों लोग गिरफ्तार किए गए थे। लगभग 3 महीने के विरोध के बाद ईरान सरकार ने मॉरैलिटी पुलिस को खत्म करने का फैसला किया था। ईरान में वैसे तो हिजाब को 1979 में मेंडेटरी किया गया था, लेकिन 15 अगस्त को प्रेसिडेंट इब्राहिम रईसी ने एक ऑर्डर पर साइन किए और इसे ड्रेस कोड के तौर पर सख्ती से लागू करने को कहा गया। 1979 से पहले शाह पहलवी के शासन में महिलाओं के कपड़ों के मामले में ईरान काफी आजाद ख्याल था।

# मंदिर पर हुए हमले को लेकर कनाडाई पत्रकार का फूटा गुस्सा

## कहा- पुलिस ने खालिस्तानियों की मदद की

ओटावा, 4 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा और भारत के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इस बार हिंदू मंदिर पर हुए हमले को लेकर विवाद छिड़ गया है। कनाडाई पत्रकार डेनियल बोर्डमैन ने प्रशासन के स्थिति से निपटने के तरीके की निंदा करते हुए उन पर खालिस्तानी समूहों के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की आलोचना करा कहा कि

वे केवल 'बातें' कर रहे हैं, लेकिन इस दिशा में काम नहीं कर रहे हैं। साथ ही यह चेतावनी भी दी कि अगर एक और साल तक वे पद पर बने रहे तो स्थिति और भी बदतर होगी। इसके अलावा, उन्होंने पुलिस पर भी निशाना साधा। कहा कि पुलिस की कार्रवाई बहुत ही घृणित थी और उन्होंने खालिस्तानियों की मदद की है। गौरतलब है, कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में एक हिंदू मंदिर में कथित तौर पर खालिस्तानियों ने श्रद्धालुओं को निशाना बनाया गया। रविवार को ये घटना हुई, जब एक समूह ने यहां पूजा पाठ के लिए आए लोगों पर हमला कर दिया था। इस घटना की जो तस्वीरें और वीडियो सामने आए

हैं, उसमें हिंदू सभा मंदिर के बाहर कुछ लोगों को लाठी-डंडों से हमला करते हुए देखा जा सकता है। इस घटना ने इलाके में तनाव बढ़ा दिया, जिसके कारण कनाडाई पुलिस को बड़ी संख्या में कर्मियों को तैनात करना पड़ा।

बोर्डमैन ने कहा कि प्रधानमंत्री ट्रूडो केवल बातें कर रहे हैं, लेकिन इस दिशा में काम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि ट्रूडो के लगभग एक और वर्ष के लिए कार्यालय में होने पर स्थिति केवल बदतर होती जा रही है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्रवाई बहुत ही घृणित थी और उन्होंने खालिस्तानियों की मदद की है। हिंदुओं पर हमला किया गया।

# अमेरिका के रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर ट्रम्प के खिलाफ

## बोले- डोनाल्ड राष्ट्रपति बने तो देश की सुरक्षा और संविधान को खतरा, वे हिटलर के समर्थक

वाशिंगटन, 4 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के प्रेसिडेंट के लिए होने वाले चुनाव के लिए वोटिंग जारी है। 7 नवंबर को रिजल्ट आने शुरू हो जाएंगे। इससे पहले अमेरिका के रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर्स ने डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उनका कहना है कि ट्रम्प तानाशाह हैं, वह हिटलर के काम की तारीफ करते हैं। अगर वह सत्ता में आए तो देश की सुरक्षा और संविधान को खतरा होगा।

ट्रम्प अपने विरोधियों पर सैन्य बल का उपयोग कर सकते हैं। ट्रम्प पर आरोप लगाने वालों में उनके पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ जॉन केली सहित कई ऐसे अफसर हैं जो उनके राष्ट्रपति रहते हुए महत्वपूर्ण पदों पर थे।

# छह महीने बाद पृथ्वी पर सुरक्षित लौटे चीनी अंतरिक्ष यात्री

## कामयाब रहा चीन का मिशन शेनझोउ

बीजिंग, 4 नवंबर (एजेंसियां)। पृथ्वी की निचली कक्षा में अंतरिक्ष केंद्र बना रहे चीन को अपने मिशन शेनझोउ 18 में बड़ी कामयाबी मिली है। चीन की महत्वाकांक्षी परियोजना शेनझोउ-18 के तहत अंतरिक्ष में गए तीन अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर लौट आए हैं। चीन की मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी (सीएमएसए) के मुताबिक चीन के अंतरिक्ष यान शेनझोउ -18 के कैप्सूल तीनों अंतरिक्ष यात्री कमांडर ये गुआंगफू, ली कांग और ली गुआंगसु को लेकर बीजिंग समयानुसार सुबह 1.24 बजे उत्तरी चीन के इनर मंगोलिया के डोंगफेंग में सुरक्षित उतरा। चीन की अंतरिक्ष एजेंसी के मुताबिक तीनों अंतरिक्ष यात्री 192 तक दिन तक निचली कक्षा में रहे और उसका शेनझोउ-18 मानवयुक्त मिशन सफल रहा। इसके साथ ही मिशन के कमांडर

ये गुआंगफू ने भी नया रिकॉर्ड कायम किया है। वह एक वर्ष से अधिक समय तक अंतरिक्ष में रहने वाले पहले चीनी अंतरिक्ष यात्री बन गए हैं। इससे पहले वह अक्तूबर 2021 से अप्रैल 2022 तक चीन के शेनझोउ 13 मिशन में भी शामिल रहे चुके हैं। अंतरिक्ष में गए एक और यात्री ली गुआंगसू ने बताया कि मिशन के दौरान उन्होंने दो प्रकार के पौधे उगाए। इसमें चेरी

टमाटर और सलाद पत्ता शामिल रहे। उन्होंने भोजन के लिए कुछ सलाद पत्ते भी एकत्र किए थे। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अंतरिक्ष में ताजी सब्जियां खाना एक वरदान है। हरे पौधों ने हमारे व्यस्त काम में भी हरियाली और खुशियां बिखेरीं।

चीन ने अपने मानव युक्त मिशन शेनझोउ 18 को इस साल अप्रैल में लॉन्च किया था। इस मिशन के दौरान शेनझोउ-18 चालक दल ने वैज्ञानिक प्रयोग कैबिनेट और अतिरिक्त पेलोड का उपयोग सूक्ष्मगुरुत्व, अंतरिक्ष पदार्थ विज्ञान, अंतरिक्ष जीवन विज्ञान, अंतरिक्ष चिकित्सा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में बुनियादी भौतिकी के क्षेत्रों में दर्जनों प्रयोग करने के लिए किया। तीनों की तीन अन्य चीनी अंतरिक्ष यात्रियों ने मदद भी की। चीन हर छह महीने में अपने चालक दल को बदल देता है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से बाहर किए जाने के बाद चीन ने अपना खुद का अंतरिक्ष स्टेशन बनाया। इसका संचालन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी - चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की सैन्य शाखा करती है। चीन के अंतरिक्ष केंद्र में दो रोबोटिक भुजाएं हैं। इसमें एक लंबी भुजा में अंतरिक्ष से उपग्रहों सहित अन्य वस्तुओं को पकड़ने की क्षमता है।

# अमेरिकी चुनाव में गिलहरी की मौत का मुद्दा

## अधिकारियों ने रेबीज के डर से मारा था, मस्क बोले- ट्रम्प ऐसे जानवरों की रक्षा करेंगे

वाशिंगटन, 4 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से 2 दिन पहले एक गिलहरी चुनावी कैंपेन में चर्चा का विषय बन गई है। दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल हुई 'पीनट' नाम की गिलहरी को न्यूयॉर्क में अधिकारियों ने शनिवार (2 नवंबर) को मार दिया। गिलहरी को उसके मालिक के घर पर रेड के दौरान पकड़ा गया था। अधिकारियों को कई बार शिकायतें मिली थीं कि मार्क लॉन्गो नाम के एक शख्स ने एक गिलहरी और रैकून को पाला हुआ है। इन

जानवरों में रेबीज जैसी बीमारी के लक्षण दिखे हैं। बार-बार शिकायत आने के बाद अधिकारियों ने 30 अक्टूबर को मार्क के घर पर छापा मारा। अधिकारियों के हवाले से बताया कि रेबीज का टेस्ट करने के लिए दोनों जानवरों को मार दिया गया। इनके संपर्क में दूसरे जानवरों और लोगों के भी टेस्ट किए जा रहे हैं। गिलहरी की मौत के बाद से राष्ट्रपति उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प और उनके उप-राष्ट्रपति पद के दावेदार जेडी वेंस ने इसे चुनावी मुद्दा बना दिया है।

# जयशंकर ने ब्रिसबेन में किया नए भारतीय वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन

## महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

ब्रिसबेन, 4 नवंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर फिलहाल पांच दिवसीय यात्रा पर ऑस्ट्रेलिया में हैं। उन्होंने सोमवार यानी आज ब्रिसबेन के रोमा स्ट्रीट पार्कलैंड्स में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। साथ ही भारत के नए महावाणिज्य दूतावास का उद्घाटन भी किया।

जयशंकर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि गांधी के आदर्श दुनिया भर में गूंजते रहते हैं। उन्होंने एक्स पर कहा, 'आज सुबह ब्रिसबेन के रोमा स्ट्रीट पार्कलैंड्स में महात्मा गांधी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शांति और सद्भाव का उनका संदेश दुनिया भर में गूंजता है।' इसके अलावा उन्होंने ब्रिसबेन में भारत के नए महावाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया। उन्होंने तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर कहा, 'आज ब्रिसबेन में भारत के नए महावाणिज्य दूतावास का औपचारिक रूप से उद्घाटन करते हुए मुझे खुशी हो रही है। यह क्वींसलैंड राज्य के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने, व्यापार को बढ़ावा देने, शैक्षिक संबंधों को बढ़ावा देने और प्रवासी समुदाय की सेवा करने में योगदान देगा।

उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए क्वींसलैंड की राज्यपाल महामहिम डॉ. जीनेट यंग और मंत्रियों रोस बेट्स और फियोना सिम्पसन को धन्यवाद।'

जयशंकर ने ब्रिसबेन में क्वींसलैंड की राज्यपाल जीनेट यंग के साथ मुलाकात पर कहा, 'क्वींसलैंड राज्य के साथ आर्थिक, व्यापार और निवेश सहयोग को मजबूत करने के अवसरों और तरीकों पर चर्चा की।' इससे पहले, जयशंकर ने टोंगा साम्राज्य को उनके राष्ट्रीय दिवस पर शुभकामनाएं भी दीं।

# सांसद का दावा- ट्रंप भारत और अमेरिका के लिए अच्छे नहीं

## हेली बोलीं- हैरिस से बेहतर पूर्व राष्ट्रपति

वाशिंगटन, 4 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। ऐसे में, डेमोक्रेटिक की ओर से कमला हैरिस और रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप चुनावी मैदान में हैं। दोनों ही उम्मीदवार आखिरी कुछ घंटों में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। वहीं, इनके समर्थकों में भी आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। भारतीय अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने ट्रंप के राष्ट्रपति बनने की संभावनाओं के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा कि ट्रंप तानाशाह बनना चाहते हैं। साथ ही उनका सत्ता में आना भारत के साथ संबंधों के लिए अच्छा नहीं होगा। हालांकि, पूर्व राजदूत निक्की हेली ने रिपब्लिकन उम्मीदवार का पक्ष लिया। कहा कि हैरिस की तुलना में पूर्व राष्ट्रपति बेहतर विकल्प हैं।

भारतीय-अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने पूर्व राष्ट्रपति द्वारा पिछले चुनाव परिणामों से इनकार करने और भारत-अमेरिका संबंधों पर उनके प्रतिबंधों के संभावित प्रभाव पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, उन्होंने आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में भारतीय-अमेरिकी वोट के महत्व पर बात की, जबकि मिशिगन जैसे महत्वपूर्ण स्विंग राज्य में कमला हैरिस के लिए बढ़ते समर्थन का उल्लेख किया। 2016 के चुनावों के दौरान मिशिगन में ट्रंप की जीत ने इसे एक महत्वपूर्ण युद्ध का मैदान बना दिया। हम विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं और अल्पसंख्यक समूहों के बीच हैरिस की ओर झुकाव देख रहे हैं। ट्रंप ने इनमें से कई समूहों का अपमान किया है, जिसके कारण कुछ लोग पलायन कर रहे हैं।' उन्होंने भारतीय-अमेरिकी समुदाय के भीतर विविधता पर प्रकाश डाला, जो आम तौर पर डेमोक्रेट झुकाव रखते हैं, सामाजिक, आर्थिक और आव्रजन मामलों पर अलग-अलग विचार रखते हैं।

## उपचुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका
# दिग्गज नेता सुखबीर सिंह चौधरी सहित कई नेताओं ने थामा बीजेपी का दामन

नागौर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की 7 विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के दिग्गज नेता सुखबीर सिंह चौधरी सहित कई नेताओं ने सोमवार को बीजेपी का दामन थाम लिया है। राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और ज्योति मिर्धा ने सुखबीर सिंह को दुपट्टा पहनाकर उन्हें बीजेपी जॉइन कराई। बीजेपी के लिए यह कदम काफी अहम हो सकता है।

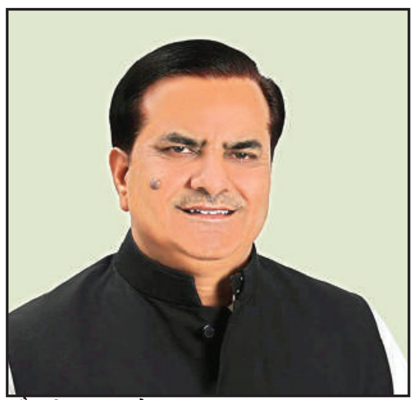

जयपुर में आज भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ उपस्थिति में नागौर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व जिला बीसूका उपाध्यक्ष सुखवीर चौधरी ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। उनके साथ लादूराम, मनमोहन चौधरी, विजेन्द्र बसवाना, भीमसिंह गौड़, तेजाराम चौधरी, श्रवणराम, अमृताराम जाजड़ा, आदुराम लेगा, दिनेश वैष्णव सहित कांग्रेस छोड़कर आए कई जनप्रतिनिधियों ने भी बीजेपी जॉइन की।

मदन राठौड़ ने कांग्रेस पर तंज

इस मौके पर बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस की रीति नीति से मोहभंग हो चुका है। बीजेपी से प्रभावित होकर नेता कांग्रेस पार्टी छोड़ रहे हैं। पीएम मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर कांग्रेस नेता अब बीजेपी में आ रहे हैं। इस दौरान पूर्व सांसद गोपाल सिंह ईडवा तथा डॉ. हापुराम चौधरी सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

**खींवसर में लगातार बढ़ रहा भाजपा का कारवां**

सुखबीर सिंह चौधरी सहित दर्जन भर कांग्रेसी नेताओं के भाजपा में शामिल होने के बाद बीजेपी को आस है कि इस बार खींवसर में जीत पक्की है। ज्योति मिर्धा ने एक्स पर लिखा कि खींवसर में भाजपा का कारवां लगातार बढ़ रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस बार उपचुनाव में खींवसर विधानसभा सीट पर सभी के सहयोग से पूर्ण बहुमत के साथ कमल खिलने जा रहा है।

**खींवसर में त्रिकोणीय मुकाबला**

राजस्थान की हॉट सीट में से एक खींवसर में त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा। यहां से भाजपा ने रेवंतराम डांगा को टिकट दिया है तो कांग्रेस ने रतन चौधरी को चुनावी रण में उतारा है। वहीं, आरएलपी ने इस सीट पर बड़ा दांव खेलते हुए हनुमान बेनीवाल की पत्नी कनिका बेनीवाल को टिकट दिया है। ऐसे में यह मुकाबला हनुमान बेनीवाल के लिए अग्नि परीक्षा से कम नहीं है।

# अब चुनाव प्रचार ने पकड़ा जोर
## भाजपा-कांग्रेस के स्टार प्रचारकों ने संभाला मोर्चा

जयपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सात सीटों पर हो रहे उपचुनावों में अब प्रचार ने जोर पकड़ लिया है। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी आज देवली उनियारा विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी प्रत्याशी के लिए वोट मांगेगी। वहीं, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट दौसा में कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन चुनाव प्रचार करेंगे। बता दें कि दीपावली के बाद भाजपा-कांग्रेस के कई स्टार प्रचारक अलग-अलग सीटों पर प्रचार के लिए पहुंचे थे। डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने खींवसर में जनसभा की तो वहीं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने रामगढ़ में प्रचार किया था।

पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट आज दौसा, कुंडल और सैंथल में जनसभा करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी पांच नवंबर के बाद खींवसर, सलूम्बर, चौरासी और रामगढ़ में जनसभा करेंगे। वहीं, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी आज टोंक दौरे पर है। वे जिले के दूनी गांव चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करेंगी। इसके बाद आम सभा को संबोधित करने के बाद शाम 4:30 बजे तक जयपुर पहुंचेंगी। वहीं, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ सहित कई अन्य नेताओं के भी जनसभा और रोड शो के कार्यक्रम तय हो रहे हैं।

**मंत्रियों को उतारा प्रचार में**

प्रदेश भाजपा ने सातों सीटों पर 12 से ज्यादा मंत्रियों को प्रचार में उतार रखा है। इसके अलावा स्थानीय नेताओं, अग्रिम संगठनों को भी प्रचार की जिम्मेदारी दी हुई है। ग्रास रूट पर बूथ मैनेजमेंट के साथ ही कार्यकर्ताओं को डोर टू डोर कैंपेन की भी जिम्मेदारी दी गई है।

**नुक्कड़ सभाओं पर ज्यादा फोकस**

कांग्रेस थिंक टैंक ने अब सातों सीटों पर प्रतिदिन एक बड़ी जनसभा और तीन नुक्कड़ सभाओं पर फोकस किया है। बड़े नेता और स्टार प्रचारक जहां जनसभा करेंगे तो वहीं कॉर्डिनेशन कमेटी के सदस्य और स्थानीय नेताओं को नुक्कड़ सभाओं की जिम्मेदारी दी गई है।

# 'देवली को चारागाह भूमि नहीं बनने दूंगा
## चार साल में इतने नरेश मीणा पैदा करूंगा कि बाहर के उम्मीदवारों की जरूरत नहीं पड़ेगी

टोंक, 4 नवंबर (एजेंसियां)। देवली विधानसभा सीट से कांग्रेस के बागी उम्मीदवार नरेश मीणा ने अमर उजाला के साथ खास बातचीत करते हुए कहा कि कांग्रेस आलाकमान के चाहने के बावजूद भी मेरा टिकट हरीश मीणा के कहने पर काटा गया। मैंने कभी भी पार्टी को नुकसान नहीं पहुंचाया। मैंने हमेशा पार्टी को समृद्ध करने का काम किया, जिसका मुझे यह परिणाम दिया गया।

नरेश मीणा ने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनाव में भी मैंने टिकट मांगा था, पर यह कहा गया कि लोकसभा चुनाव में आपको एडजस्ट करेंगे। मैंने पार्टी की बात मानी और पूरे मन और लगन के साथ विधानसभा चुनाव में पार्टी के साथ दिया। परंतु लोकसभा चुनाव में भी मुझे सिर्फ दिलासा देकर साइड में बैठा दिया गया। मैंने उस वक्त भी पार्टी का साथ दिया परंतु आज एक बार फिर जब उपचुनाव में मौका मिला तो पार्टी के कुछ चुनिंदा नेताओं की पर्सनल रंजिश के चलते मुझे टिकट नहीं मिला, जिसका मुझे अफसोस है। परंतु मुझे पता है अशोक गहलोत, सचिन पायलट और भंवर जितेंद्र सिंह ने मेरी खूब जमकर पैरवी की थी, सचिन पायलट मेरे नेता हैं और रहेंगे।

नरेश मीणा ने कहा कि आज देवली उनियारा में सिर्फ दो ही लोगों के बीच में मुकाबला है निर्दलीय नरेश मीणा और भारतीय जनता पार्टी के राजेंद्र गुर्जर। अगर मैं भाजपा की टीम बनकर काम कर रहा होता तो यह मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच में हो रहा होता। निर्दलीय नरेश मीणा और भाजपा के बीच में नहीं।

नरेश मीणा ने आगे कहा, कांग्रेस की तरह भाजपा ने भी सिर्फ उन्हीं पर अपना विश्वास दिखाया है, जिन्होंने पार्टी को धोखा दिया। भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले राजेंद्र गुर्जर 2023 विधानसभा चुनाव में विजय बैसला को हराने वाले मुख्य किरदारों में एक थे। देवली उनियारा में भाजपा का नेतृत्व संभालने वाले नेता प्रभुलाल सैनी हुआ करते थे, उनके टिकट को काटकर उन्हें दरकिनार कर दिया गया।

गुर्जर समाज को देश में एक मुकाम तक पहुंचने वाले कर्नल किरोड़ी लाल बैसला के बेटे विजय बैसला को एक तरफ बैठा दिया गया और उन नेताओं को मैदान में उतार दिया गया, जिन्होंने कभी पार्टी के लिए संघर्ष नहीं किया। इसीलिए नरेश मीणा निर्दलीय चुनाव लड़ रहा है और नरेश मीणा यह वादा देवली उनियारा की जनता से करता है कि इस जगह को चारागाह भूमि नहीं बनने देगा। जो कोई भी बाहर से आए चुनाव लड़े और चला जाए। नरेश मीणा चार साल में यहां इतने नरेश मीणा पैदा कर देगा कि देवली उनियारा को बाहर के उम्मीदवारों की जरूरत नहीं पड़ेगी।

रविंद्र सिंह भाटी, हनुमान बेनीवाल और राजकुमार रोत के विषय में नरेश मीणा ने कहा कि यह सब छात्र राजनीति से निकले हुए नेता हैं। जो आज वटवृक्ष का रूप धारण कर रहे हैं। कब तक युवा नेता इन पार्टियों और नेताओं के चक्कर में पिसते रहेंगे। अब समय आ गया है कि राजस्थान की राजनीति में एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। हम 2011 में भी यह कर चुके हैं और अब राजस्थान की राजनीति में भी इसकी सख्त आवश्यकता है। राजस्थान की राजनीति का स्वरूप बदलने जा रहा है, नरेश मीणा ने कहा, मेरी गाड़ियों पर सिर्फ भगत सिंह की फोटो है। मेरी फोटो नहीं है और सिर्फ इंकलाब जिंदाबाद का नारा लिखा है। यह स्पष्ट करता है कि युवा हमारे साथ हैं और हम राजनीति की दिशा और दशा दोनों बदलने जा रहे हैं।ट

नरेश मीणा बोले, मीणा वोटरों के बीच में किसी प्रकार का कोई कंफ्यूजन नहीं है। मीणा वोटर बंटेगा नहीं, 100 में से 95 परसेंट मीना वोटर नरेश मीणा को वोट करेगा। मेरे साथ कांग्रेस के कई सरपंच जुड़ चुके हैं, जो मेरा समर्थन कर रहे हैं और आगे भी लोग जुड़ते जा रहे हैं। जो मेरा समर्थन करेंगे। मीणा वोट नहीं बंटेगा, मीणा वोट सिर्फ एक ही जगह जाएगा नरेश मीणा को।

# 17 नए जिलों में से कितने होंगे रद्द?
## उपचुनाव बाद तस्वीर होगी साफ

जयपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय बने नए जिलों की समीक्षा के लिए गठित कैबिनेट सब कमेटी इसी माह के अंत तक अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप सकती है। कमेटी से जुड़े सूत्रों ने भी इसके संकेत दिए हैं। बताया जा रहा है कि 17 नए जिलों को लेकर मंथन लगभग पूरा हो चुका है।

कमेटी की अब एक और बैठक होगी जिसमें रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा और उसके बाद रिपोर्ट सरकार को सौंप दी जाएगी। हालांकि प्रदेश में सात सीटों पर हो रहे उपचुनाव के चलते कमेटी की बैठक नहीं हो पाई है, उपचुनाव संपन्न होने के बाद की बैठक होगी। इससे पहले कमेटी की आखिरी बैठक 18 सितंबर को मंत्री मदन दिलावर के संयोजन में हुई थी।

जूली ने भी उठाए थे सरकार की मंशा पर सवाल

वहीं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी नए जिलों की समीक्षा को लेकर राज्य सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए थे। जूली ने इसके लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी।

छोटे जिलों पर संकट

देखा जाएं तो दूदू, सांचौर, गंगापुर सिटी, शाहपुरा और केकड़ी छोटे जिले है। सूत्रों की माने तो कमेटी छोटे जिलों को खत्म करने या फिर मर्ज करने की सिफारिश कर सकती है। पूर्व में कमेटी ने भी छोटे जिलों पर सवाल खड़े करते हुए कहा था कि एक विधानसभा क्षेत्र जितने इलाके को जिला बना दिया, ऐसे तो 200 जिले बनाने पड़ जाएंगे।

बैरवा की जगह दिलावर को बनाया था संयोजक

दिलचस्प ये भी है कि पहले दूदू से विधायक और डिप्टी सीएम प्रेम चंद्र बैरवा को कमेटी का संयोजक बनाया गया था, लेकिन कमेटी को दूदू को जिला बनाए रखने या समाप्त करने पर फैसला करना है। कहा जा रहा है कि दूदू के जिला बने रहने पर संकट है। इसी बीच राज्य सरकार ने बैरवा की जगह मदन दिलावर को कमेटी का संयोजक बना दिया।

# विधि मंत्री बोले- धर्म परिवर्तन के खिलाफ नया कानून लाएगी सरकार

जयपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। धर्म परिवर्तन के खिलाफ राजस्थान सरकार विधानसभा में बिल लाएगी। राजस्थान सरकार में विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने अगले विधानसभा सत्र में बिल लाने के संकेत दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि विधि विभाग धर्म परिवर्तन के खिलाफ बिल के ड्राफ्ट को फाइनल करने में जुटा हुआ है।

मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा, उत्तराखंड और मध्यप्रदेश के धर्म परिवर्तन से जुड़े कानूनों की स्टडी की जा रही है। इस बिल को अगले विधानसभा सत्र में पारित किया जा सकता है। धर्म परिवर्तन के विरोध में लाए जा रहे इस बिल में कई कड़े प्रावधान किए जा सकते हैं। जैसे धर्म बदलवाने और उसमें सहयोग करने वालों पर जेल और भारी जुर्माना होगा। इसमें शामिल संस्थाओं के रजिस्ट्रेशन खारिज करने के साथ कड़ी कार्रवाई होगी। जबरन धर्म परिवर्तन पर पांच साल तक सजा और जुर्माने की सिफारिश है।

गौरतलब है कि इससे पहले साल 2006 और 2008 में भी राजस्थान विधानसभा में तत्कालीन वसुंधरा सरकार के समय धर्म स्वातंत्र्य बिल दो बार पास हुआ था। लेकिन तब केंद्र की यूपीए सरकार से इसे मंजूरी नहीं मिल पाई थी। उस धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2008 के कई प्रावधानों को भी शामिल किया जाएगा। साल 2008 के धर्म स्वातंत्र्य बिल में कलेक्टर की मंजूरी के बिना धर्म बदलने पर रोक थी।

## भावनाओं को समझो' खींवसर जीत जाओगे
# हनुमान, ज्योति, रेवतराम में कुछ अलग है इस बार मुकाबला

जयपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। त्योहारी सीजन के बाद आज से राजस्थान में फिर से उपचुनावों की रंगत नजर आने लगी है। स्थानीय भाषा में इसे चुनाव मढ़ना कहा जाता है। सबसे रोचक चुनाव इस वक्त खींवसर सीट पर हो रहा है। जाट हार्टलैंड की यह सीट नेताओं की आक्रामक शैली के लिए जानी जाती है। लेकिन इस बार सभी नेता यहां रिक्वेस्टिंग मोड में हैं। वोटर कह रहे हैं कि ऐसा चुनाव यहां पहली बार देखने को मिल रहा है।

खींवसर की जमीन पर अभी वे सभी नेता चुनावी दंगल में हैं, जो अपनी फायर ब्रांड शैली के लिए जाने जाते हैं। लेकिन इस बार यहां का पूरा चुनाव ही बेहद अलग अंदाज में नजर आ रहा है। आरोप-प्रत्यारोप से इतर यहां सियासी तंज और भावुक अपीलें हो रही हैं। हनुमान बेनीवाल, ज्योति मिर्धा और रिछपाल मिर्धा से लेकर रेवतराम डांगा तक सभी वोटरों की सहानुभूति मांग रहे हैं।

**भावुक अपील से क्या किला बचा पाएंगे हनुमान**

खींवसर हनुमान के लिए सिर्फ विधानसभा सीट भर नहीं राजस्थान में उनके सियासी अस्तित्व के लिए यह सबसे जरूरी है। इस बार खींवसर से उनकी पत्नी कनिका बेनीवाल मैदान में हैं। हनुमान बेनीवाल ने प्रचार के दौरान कहा कि बीजेपी चुनाव जीतती है या हारती है तो इससे उस पर कोई फर्क नहीं आएगा। उन्होंने आगे कहा, अगर आरएलपी विधानसभा में नहीं रही, तो मेरा 20 साल का संघर्ष चला जाएगा। लोग कहेंगे कि हनुमान 20 साल लड़ा और अंत में खींवसर की सीट भी चली गई। इसलिए आप लोग यह सुनिश्चित कर लो कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की जीत हो और मैं चार साल राजस्थान की सड़कों पर बजरी माफियाओं के खिलाफ लड़ता रहूं'।

**ज्योति का तंज: भाभी विधानसभा चली गई तो भतीजे...**

बीजेपी नेता ज्योति मिर्धा भी इस बार चुनाव में अलग अंदाज में नजर आ रही हैं। एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब मैं लोकसभा चुनाव लड़ रही थी तो हनुमान बेनीवाल ने कहा था, बाई ने फेरूं हरियाणा भेज दो म्हारा फूफोसा के फलका का फोड़ा पड़े (ज्योति मिर्धा को उनके ससुराल हरियाणा भेजने के लिए कहा कि यदि वे यहां रह गईं तो उनके पति के लिए खाना कौन बनाएगा)।

**दिव्या बोलीं- मुझे हराने की बात करते थे क्या गलती थी मेरी?**

वहीं, कांग्रेस नेता दिव्या मदेरणा ने भी हनुमान बेनीवाल पर निशाना साध रखा है। दिव्या मदेरणा ने लोहावट में एक कार्यक्रम के दौरान बिना नाम लिए हनुमान बेनीवाल पर बड़ा तंज कसते हुए खींवसर की जनता को बड़ा मैसेज भी दे दिया है। मदेरणा ने कहा कि मुझे हराने की बात करते थे। सवाल पूछते हुए दिव्या मदेरणा ने कहा कि क्या मैं समाज की बेटी नहीं हूं, क्या गुनाह था मेरा, क्या गलती थी मेरी? मदेरणा ने कहा कि आज क्या हालत हैं खींवसर में? सुनने में आ रहा है कि हालत टाइट है।

## एटीएम लूटने गया था
# तभी पहुंची पुलिस और दबोचकर ले गई

जयपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। एक व्यक्ति जब ऑनलाइन गेम में रुपए गवां चुका तो उसने एटीएम लूट की योजना बना डाली। वारदात के समय पुलिस को जानकारी मिली तो पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आरोपी को दबोच लिया। मामला सीकर के राधाकिशनपुरा स्थित आरटीओ रोड पर त्रिमूर्ति मंदिर के पास लगे बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम का है। जहां आरोपी को एटीएम को तोड़कर लूट करने के प्रयास में उद्योग नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी से पुलिस ने कई औजार भी बरामद किए हैं। फिलहाल उद्योग नगर थाना पुलिस गिरफ्तार आरोपी से मामले में पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि रात को करीब 12:40 बजे बैंक ऑफ बड़ौदा की एटीएम कंपनी के कंट्रोल रूम से पुलिस थाने पर सूचना मिली कि राधाकिशनपुरा इलाके के आरटीओ रोड पर त्रिमूर्ति मंदिर के पास लगे एटीएम में कोई छेड़छाड़ कर रहा है।

# मोबाइल छीनने का विरोध करने पर व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या

सिरोही, 4 नवंबर (एजेंसियां)। शहर थाना पुलिस ने एक ब्लाइंड मर्डर केस का 48 घंटे में पर्दाफाश कर तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक ने प्रेस वार्ता में प्रकरण का खुलासा किया।

पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल ने बताया कि गत 31 अक्टूबर को आबूरोड के तारंदर में चाय पीकर आ रहे ओटसिंह से अज्ञात लोगों ने मोबाइल छीनने की कोशिश की। इसका उसने विरोध किया। इस पर उस पर चाकू से हमला कर दिया व उसका मोबाइल लेकर भाग गए। उसे अस्पताल लेकर गए जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

वारदात में शामिल व्यक्तियों को गिरफ्तार करने के लिए थाना स्तर पर पांच अलग-अलग टीमें गठित की गई। इन टीमों ने जानकारी जुटाई और आबूरोड में करीब 100 के आस पास सीसीटीवी कैमरों की जांच की। तकनीकी साक्ष्यों, आसूचना, मुखबीर तंत्र, सीएलजी संदिग्ध के माध्यमों से घटना स्थल के आसपास घटना के वक्त नजर आ रहे संदिग्ध लोगों को चिह्नित किया। भरसक प्रयास कर तीन संदिग्ध युवकों को नामजद कर युवकों के घरों पर दबिश दी। ये युवक अपने घर से गायब मिले। इससे घटना में शामिल होने का संदेह और गहरा गया। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर तीन आरोपी को गुजरात से दस्तयाब कर पूछताछ की गई। इसके बाद उनको गिरफ्तार किया गया।

# घर में घुसा था मगरमच्छ, देखते ही उड़े होश, किया रेस्क्यू

चित्तौड़गढ़, 4 नवंबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिले के बस्सी क्षेत्र में आने वाले धोरडिया गांव में एक परिवार के सदस्य सोमवार सुबह उस समय हक्के-बक्के रह गए। जब घर में करीब पांच फीट लंबा मगरमच्छ दिखा। इसे देखकर सभी के होश उड़ गए। तत्काल वन विभाग को इसकी जानकारी दी गई। इस पर उपवन संरक्षक के निर्देश पर एक टीम मौके पर पहुंची तथा मगरमच्छ का रेस्क्यू किया। यह मगरमच्छ रात को ही बाड़े के रास्ते से घर में घुस गया था। गनीमत रही कि इसने किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया।

धोरडिया निवासी रामलाल गुर्जर के मकान मगरमच्छ बरामदे में दिखाई दिया। गांव में रहने वाले इसके रिश्तेदार घर पहुंचे थे तो बच्चों के झूले के पास यह मगरमच्छ था। इसे देख कर महिला रिश्तेदार चिल्लाई। इस पर रामलाल गुर्जर के परिवारजन और आस-पड़ोस के लोग भी मौके पर एकत्रित हो गए। बाद में वन विभाग को इसकी जानकारी दी गई।

# गौ तस्करों और पुलिस के बीच हुई मुठभेड़, चली गोलियां

जयपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। देर रात गौ तस्करों और क्यूआरटी पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई। दोनों तरफ से 7 राउंड फायरिंग हुई। जवाबी फायरिंग से घबराकर तस्कर गोवंश से भरा ट्रक छोड़कर जंगलों में फरार हो गए। मामला बयाना सदर थाना इलाके में खोहरा-बछेना गांव के जंगलों का है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लिया है। ट्रक में 22 गाय, बछड़े भरे हुए थे। फिलहाल मुक्त कराए गए गोवंश को भरतपुर गौशाला भिजवाया जा रहा है।

बयाना एडिशनल एसपी हरिराम कुमावत ने बताया कि क्यूआरटी को गोरक्षा दल ने झील पुलिस चौकी अंतर्गत खोहरा बछेना गांव के जंगलों में तस्करों द्वारा गोवंश को ट्रक में भरकर ले जाने की सूचना मिली थी। सूचना पर गौ रक्षा दल के साथ क्यूआरटी, सदर थाना और झील पुलिस चौकी मौके पर पहुंची।

पुलिस को देखकर गो तस्करों ने फायरिंग शुरू कर दी पांच राउंड फायरिंग की। जवाब में क्यूआरटी ने भी गो तस्करों पर दो राउंड फायर किए। जवाबी फायरिंग से घबराकर गो तस्कर अंधेरे का लाभ उठाकर जंगलों में फरार हो गए। बताया जा रहा है कि तस्कर आसपास के इलाके से गोवंश को ट्रक में भरकर स्लॉटर हाउस ले जाने की तैयारी में थे। क्यूआरटी टीम के इंचार्ज हेड कॉन्स्टेबल सुरज्ञानी मीणा ने बताया कि ट्रक में करीब 25-30 गोवंश भरा हुआ है

# मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सरकारी कल्याण छात्रावासों के छात्रों से बातचीत की

## छात्रों ने आहार और कॉस्मेटिक शुल्क बढ़ाने के लिए सीएम को धन्यवाद दिया

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में राज्य सरकार द्वारा आहार और कॉस्मेटिक शुल्क में वृद्धि के बाद, समाज कल्याण छात्रावासों के छात्रों ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से मुलाकात की और छात्र समुदाय के कल्याण के लिए इतना बड़ा निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। मंचरियल विधायक प्रेम सागर के नेतृत्व में कल्याण छात्रावास के छात्रों के एक समूह ने आज (सोमवार) हैदराबाद में जुबली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री आवास का दौरा किया। छात्रों ने आहार और कॉस्मेटिक शुल्क बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री रेवंथ रेड्डी का आभार व्यक्त किया।

जब मुख्यमंत्री ने समस्याओं के बारे में पूछा, तो छात्रों ने अपने छात्रावास भवन बनाने का अनुरोध किया। त्वरित प्रतिक्रिया में, मुख्यमंत्री ने स्थानीय अधिकारियों से भूमि अधिग्रहण करने के बाद अपने छात्रावास भवन के निर्माण का वादा किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की छात्रों के साथ बातचीत करते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में शिक्षा व्यवस्था की उपेक्षा की गई है। जनता की सरकार जल्द ही शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। सरकार ने सभी सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में मुफ्त बिजली आपूर्ति देने का निर्णय लिया है। युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है।

आईटीआई को एटीसी (उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र) में परिवर्तित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने जल्द ही खेल विश्वविद्यालय स्थापित करने की योजना की घोषणा की है। युवा संगठनों को स्कूलों में ड्रॉपआउट को दाखिला देने की पहल करनी चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में ड्रॉपआउट कम होने चाहिए। यह युवाओं की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है और युवाओं की शिक्षा की उपेक्षा न करें।

नशा और गांजा समाज के लिए बड़ा खतरा है। युवाओं को नशे की लत का शिकार नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्र और बेरोजगार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करें। युवाओं से अपील है कि वे राजनीतिक नेताओं की भड़काऊ टिप्पणियों का शिकार न बनें। छात्रों के लिए शिक्षा और सामाजिक चेतना दोनों महत्वपूर्ण हैं। शिक्षित लोगों को हमेशा लाभ होगा। जो लोग सामाजिक चेतना के साथ समाज की सेवा करते हैं, वे हमारे समाज में नायक बनते हैं। शिक्षकों से अपील है कि वे स्कूलों में शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता लाने के लिए समूह चर्चा आयोजित करें। सभी छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए और तेलंगाना राज्य के पुनर्निर्माण में भाग लेना चाहिए।

### राहुल गांधी आज हैदराबाद का दौरा करेंगे

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मंगलवार को हैदराबाद में जाति जनगणना पर राज्य स्तरीय परामर्श बैठक में भाग लेंगे। राहुल गांधी शाम 4:45 बजे बेगमपेट हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। वहां से वे सड़क मार्ग से बोवनपल्ली जाएंगे और शाम 5:30 बजे गांधी विचारधारा केंद्र पहुंचेंगे। बैठक में कांग्रेस नेता व्यापक जाति जनगणना पर विचार मांगेंगे और बाद में भाषण देंगे। राहुल गांधी शाम 7:10 बजे नई दिल्ली लौटेंगे। इस बीच, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के नेतृत्व में कांग्रेस नेता बैठक की शानदार सफलता के लिए व्यापक इंतजाम कर रहे हैं।

### श्रवण ने राहुल से अशोक नगर आने का आग्रह किया

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता डॉ. श्रवण दासोजू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से एक खुली अपील जारी की है, जिसमें उनसे तेलंगाना के युवाओं के सामने आ रही परेशानी और निराशा को दूर करने के लिए हैदराबाद के अशोक नगर का दौरा करने का आग्रह किया गया है। अपील में गांधी से 2023 के चुनावों के दौरान किए गए वादों पर कायम रहने और सरकार की हालिया कार्रवाइयों से प्रभावित ग्रुप-1 परीक्षा के उम्मीदवारों और अन्य बेरोजगार युवाओं के सामने आ रही मौजूदा कठिनाइयों को देखने का आह्वान किया गया है। हालांकि, आज वे खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं क्योंकि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने संवैधानिक उल्लंघन, तानाशाही और क्रूर पुलिस दमन से चिह्नित शासन को बढ़ावा दिया है। डॉ. श्रवण ने ग्रुप-1 के उम्मीदवारों की दुर्दशा पर गंभीर चिंता व्यक्त की, जिन्हें बार-बार अनियमितताओं का सामना करना पड़ा है और उन्हें अदालतों में न्याय मांगने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इन युवाओं और उनके परिवारों को इस तरह के वित्तीय और भावनात्मक दर्द को क्यों सहना चाहिए? रेवंत रेड्डी की सरकार सहानुभूति और जवाबदेही के साथ जवाब क्यों नहीं दे सकती?

# मंत्री ने श्री रामलिंगेश्वर स्वामी के दर्शन किए व कार्तिक दीपक जलाए

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कार्तिक के पवित्र महीने के उपलक्ष्य में, तेलंगाना देवदाय विभाग, वन, पर्यावरण विभाग द्वारा आयोजित 'सामूहिक कार्तिकमास दीपोत्सव समारोह' के हिस्से के रूप में मंत्री कोंडा सुरेखा ने आज कीसरगुट्टा में श्री रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर में विशेष पूजा कार्यक्रमों में भाग लिया। मंदिर पहुंचे मंत्री का अधिकारियों और पुजारियों ने स्वागत किया। रामलिंगेश्वर स्वामी की उपस्थिति में, उन्होंने कार्तिका दीपक जलाए और उन्हें अन्य भक्तों के साथ पानी में छोड़ दिया। मंत्री कोंडा सुरेखा ने रुद्रपूजा, रुद्राभिषेकम, बिल्वपत्र पूजा आदि विशेष पूजाओं में भाग लिया।

# ओला को खराब ईवी बैटरी के लिए 1.73 लाख रुपये का भुगतान का आदेश

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने ओला इलेक्ट्रिक को हैदराबाद निवासी के. सुनील चौधरी को 1.73 लाख रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है। यह आदेश उनके इलेक्ट्रिक स्कूटर में दोषपूर्ण बैटरी से संबंधित लापरवाही की शिकायत के बाद दिया गया है। मुआवजे में वाहन के लिए 1.63 लाख रुपये का रिफंड और मानसिक परेशानी के लिए अतिरिक्त 10,000 रुपये शामिल हैं। रिफंड पर अगस्त 2023 से 12 प्रतिशत ब्याज भी मिलेगा। चौधरी ने जून में 1.63 लाख रुपये में ओला एस1 प्रो इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदा था, जिसमें 6,299 रुपये की वारंटी शामिल थी।

चौधरी ने शुरू से ही बैटरी चार्जर में समस्या की शिकायत की थी, जो काम नहीं कर रहा था। हालांकि ओला ने इसे बदलने में 10 दिन लगा दिए, लेकिन चार्जर में खराबी जारी रही। हैदराबाद निवासी चौधरी की बार-बार शिकायत के बावजूद, ओला समस्या का समाधान करने में विफल रही। अगस्त में, कंपनी ने सर्विस के लिए वाहन ले लिया, लेकिन उसके बाद कोई प्रतिक्रिया या अनुवर्ती कार्रवाई नहीं की। आयोग ने पाया कि ओला इलेक्ट्रिक ने कई नोटिसों का जवाब नहीं दिया और अपने मामले का बचाव करने में विफल रही। नतीजतन, आयोग ने चौधरी के दावों को सही ठहराया और उन्हें चुनौती रहित माना तथा कंपनी की ओर से खंडन न किए जाने के कारण उन्हें वैध माना।

# कांग्रेस के स्टार प्रचारकों में रेवंत व भट्टी शामिल

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने आगामी महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों के लिए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क को स्टार प्रचारक नामित किया है। कांग्रेस आलाकमान ने प्रचार सूची जारी की, जिसके अनुसार रेड्डी महाराष्ट्र में रैलियों का नेतृत्व करेंगे, जबकि भट्टी झारखंड में प्रचार करेंगे। जबकि तेलंगाना के मुख्यमंत्री महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन के लिए प्रचार करेंगे, जिसमें कांग्रेस, एनसीपी का शरद पवार गुट और शिवसेना का उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट शामिल है। विक्रमार्क झारखंड में कांग्रेस, जेएमएम, आरजेडी और वामपंथी दलों का प्रतिनिधित्व करने वाले इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री तेलंगाना से कांग्रेस के एकमात्र स्टार प्रचारक हैं।

### बंडी संजय ने की गिरफ्तार सरपंचों की रिहाई की मांग

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार से अपने लंबे समय से लंबित बिलों के भुगतान की मांग कर रहे पूर्व सरपंचों की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय ने सरकार से सभी गिरफ्तार सरपंचों को तुरंत रिहा करने की मांग की। सोमवार को मीडिया से बात करते हुए संजय ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के दौरान सरपंचों के सभी लंबित बिलों का भुगतान करने का वादा किया था, लेकिन 11 महीने बीत जाने के बाद भी वह ऐसा करने में विफल रही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उनके मुद्दों को हल करने के बजाय लंबित बिलों की राशि जारी न करके उन्हें परेशान करने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सरपंचों से किए गए वादों को पूरा न करके उन्हें धोखा दिया है। सरपंच सिर्फ ज्ञापन सौंपने के लिए सीएम के आवास पर जा रहे थे। क्या उन्हें गिरफ्तार करने की कोई जरूरत है? मैं सरकार से मांग करता हूं कि उन्हें तुरंत रिहा किया जाए। कांग्रेस पार्टी पर कड़ा प्रहार करते हुए पूर्व भाजपा राज्य इकाई प्रमुख ने आरोप लगाया कि कुछ ही महीनों के भीतर राज्य में कांग्रेस विरोधी हवा बहने लगी है, क्योंकि पार्टी चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है।

### कलेश्वरम पुनर्वास के लिए सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने पर जोर

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य इंजीनियरिंग अधिकारी राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) द्वारा अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने से पहले ही कालेश्वरम बैराजों के पुनर्वास के लिए डिजाइन और कार्य योजना के तत्काल निर्माण पर जोर दे रहे हैं। अधिकारियों का तर्क है कि अब पुनर्वास प्रक्रिया शुरू करने से पंपिंग संचालन को फिर से शुरू करने में तेजी आ सकती है, जिससे कम से कम जून 2025 तक खरीफ किसानों को पानी की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। इस तरह के अग्रिम कार्यक्रम के बिना, रबी 2025 के लिए भी पानी उपलब्ध कराना चुनौतीपूर्ण होगा, जिससे पुनर्वास कार्यक्रम संभावित रूप से 2026 तक बढ़ जाएगा, जो राज्य और उसके किसानों के लिए महंगा होगा। परियोजना अधिकारियों ने ईएनसी (जनरल) को कई अनुस्मारक पत्रों के साथ केएलआईएस के पुनर्वास के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण लिखने का सुझाव दिया है। हालांकि, ईएनसी कथित तौर पर मुश्किल में है, क्योंकि सरकार कोई भी अग्रिम गतिविधि करने में बहुत कम रुचि दिखा रही है। अधिकारियों के अनुसार, सरकार दिसंबर के अंत तक अपेक्षित एनडीएसए रिपोर्ट का इंतजार करने के लिए इच्छुक है।

# खुल सकता है वारंगल हवाई अड्डा

**हैदराबाद जैसा विकास होने की उम्मीद**

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल को हैदराबाद के बराबर विकसित करने की दिशा में तेजी आ रही है तथा जिले में हवाई अड्डे को चालू करने सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे में सुधार जल्द ही होने की उम्मीद है। हाल ही में, मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने ऐसी योजनाओं की घोषणा की जो जिले में लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा की गई घोषणा के अनुरूप हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद के बाद वारंगल को तेलंगाना के दूसरे राजधानी शहर के रूप में विकसित किया जाएगा।

ऐतिहासिक भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि वारंगल जिले को राज्य की दूसरी राजधानी के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भद्रकाली मंदिर का विस्तार किया जाएगा तथा भद्रकाली झील को पेयजल जलाशय में परिवर्तित किया जाएगा। मंत्री ने जनता को आश्वासन दिया कि झील पर अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे तथा अवैध संरचनाओं की पहचान करने और उन्हें हटाने के लिए सर्वेक्षण किया जाएगा। वारंगल हवाई अड्डे के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यदि केंद्र सरकार से अनुमति मिल जाए तो यह चालू हो जाएगा। वर्तमान में ममनूर में स्थित यह हवाई अड्डा बंद है। यह 1981 तक सेवा में रहा। यह हवाई अड्डा स्वतंत्रता-पूर्व युग का सबसे बड़ा हवाई अड्डा है, जिसका निर्माण 1930 में हुआ था और इसका संचालन अंतिम निज़ाम मीर उस्मान अली खान ने किया था। अब तेलंगाना सरकार का लक्ष्य हवाई अड्डे को पुनर्जीवित करना है।

# श्री खेतेश्वर सेवा समिति का सुन्दरकान्ड कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट स्थित हनुमान देवस्थानम मंदिर में श्री खेतेश्वर सेवा समिति के तत्वावधान में रविवार 3 नवंबर सायं 5.15 से पुजा-अर्चना, दीप प्रज्वलितकर सुन्दरकान्ड पाठ एवं भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सेवा समिति के सुमेरसिंह राजपुरोहित ने बताया कि श्री खेतेश्वर सेवा समिति के तत्वावधान में सुन्दरकान्ड पाठ का आयोजन किया गया। सम्मानित अतिथियों व आयोजकों द्वारा सायं 5.15 बजे श्री गणेशजी महाराज की रिद्धी-सिद्धी सहित पुजा-अर्चना एवं श्री रामभक्त बालाजी की तस्वीर पर माल्यापर्ण व दीप प्रज्वलितकर सुन्दरकान्ड पाठ का शुभारम्भ श्रीराम दरबार सत्संग समिति बेगम बाजार, कन्हैयालाल वैष्णव एंड पार्टी की मधुर वाणी में किया गया।

कार्यक्रम के मध्य उपहार योजना के तहत अतिथियों द्वारा कूपन निकाले गये। जिनमें सोने, चाँदी व ब्रॉन्ज के कोईन भाग्यशाली विजेताओं को दिया गये। कार्यक्रम में पधारे अतिथि चेरलापल्ली सेन्ट्रल जेल डीसीपी डी.कालीदास, गौरक्षा दल के पदाधिकारी, नेतागण व विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों द्वारा राजस्थानी साफे, शॉल व पुष्प-मालाओं से विशेष सम्मान किया गया। सम्मानित अतिथियों ने आयोजकों को दिपावली की शुभकामनाएं देते हुए प्रवासी बन्धुओं द्वारा किये गये धार्मिक कार्यो में दिये गये सम्मान के लिए आभार प्रकट किया।

कार्यक्रम के मध्य दिल्ली से पधारे सांस्कृतिक कलाकारों ने ठाकुरजी के भजनों पर रंगारंग झांकियां प्रस्तुत की, जिसका समाज बन्धुओं ने देर रात तक लाभ लिया। पधारे समाज बन्धुओं व अतिथियों के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री खेतेश्वर सेवा समिति के सभी कार्यकर्ताओं व समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन चन्दनसिंह धांगड़वास ने किया। आरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

# महिला सशक्तिकरण पर अवध चेतना मंच का मिलन समारोह संपन्न

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अवध चेतना मंच सोसाइटी के दीपावली मिलन समारोह अमीरपेट के राजस्थानी बालाजी भवन में संपन्न हुआ। इस वर्ष आयोजन का महिला सशक्तिकरण पर समर्पित था। समारोह का प्रारंभ मंच के संरक्षक व पूर्व अध्यक्ष डी एस तिवारी ने किया।

इस मौके पर श्री तिवारी ने कहा कि मंच ने इस वर्ष के समारोह का विषय महिला सशक्तिकरण रखा है। हम समाज में महिलाओं के योगदान को अनदेखा नहीं कर सकते। हमें समाज में हो रहे नारी अत्याचार, शोषण के विरुद्ध एक स्वर में आवाज उठाने की आवश्यकता है। अवध चेतना मंच अपने इस संकल्प के प्रति दृढ़ प्रतिज्ञ है और अपने स्वर को हर स्तर तक पहुंचाने हेतु कार्यरत रहेगा। इसके पश्चात मंच द्वारा पांच महिला सदस्यों श्रीमती डॉ अर्चना पाण्डेय श्रीमती सुमन पाण्डेय श्रीमती नेहा पाण्डेय श्रीमती श्वेता तिवारी व श्रीमती प्रतिमा मिश्रा को उत्कृष्टता सम्मान ( महिला ) दिया गया।

इस समारोह में जन सेवा संघ के संस्थापक वीडी चौबे ने मंच द्वारा किये जाने वाले कार्यक्रमों की सराहना की और कहा कि अवध चेतना मंच द्वारा पारिवारिक मूल्यों को स्थापित करने एवं सभी को एक सूत्र में पिरोने का जो प्रयास किया जा रहा है ये सराहनीय है।

राष्ट्रीय ब्राम्हण महासंघ व हिन्दू प्रचार संघ के राष्ट्रीय पदाधिकारी राजेश मिश्रा एवं कार्यकारिणी ने अवध चेतना मंच के वरिष्ठ पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। नव प्रवेशी सदस्य सीमा कुमारी ने इस वर्ष मंच की सदस्यता ग्रहण की। राष्ट्रीय स्वाभिमान मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरएस पाण्डेय व जय प्रकाश शुक्ला ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में श्रीमती चंद्रकला शुक्ला, श्रीमती किरण तिवारी, श्रीमती अनिता तिवारी, श्रीमती सुमन पाण्डेय, श्रीमती नीलम पाण्डेय एवं अन्य महिलाओं ने सामूहिक भजन व आरती का गायन किया। कार्यक्रम का संचालन अजय कुमार पाण्डेय ने किया।

### चार दिवसीय आस्था का महापर्व छठ 5 से

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नॉर्थ पीपुल्स एसोशिएशन तेलंगाना के अध्यक्ष राजनारायण सिंह ने जीएचएमसी मलकाजगिरी के अधिकारियों के साथ बतुकम्मा घाट आनन्दबाग का निरीक्षण कर छठ पुजा के लिए तैयार किये जा रहे घाट की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सुझाव दिये। तेलंगाना सरकार छठ पुजा में पूरा सहयोग के तहत, घाटों की साफ-सफाई व अन्य व्यवस्थाएं उपलब्ध करायी जा रही है। चार दिनों तक मनाये जाने वाले आस्था का पर्व छठ 5 नवंबर से पुजा-अर्चनाकर प्रारम्भ हो रहा है। उन्होंने बताया कि छठ महापर्व के दौरान मन, कर्म, वचन से शुद्धता व पवित्रता का विशेष महत्व होता है। इस व्रत में व्रती 36 घंटे तक निर्जला उपवास रखकर धूम-धाम से पर्व मनाया जाता है। 5 नवंबर को नहाय खाय, 6 नवंबर को खरना, 7 नवंबर संध्या अर्घ एवं 8 नवंबर उगते सूर्य को अर्घ देने के साथ छठ महापर्व की समाप्ति होगी। कोषाध्यक्ष श्याम मोहनयादव (घायल) ने चार दिनों तक चलने वाले छठ महापर्व को धूम-धाम से मनाने का निवेदन किया।

### टीटीडी ईओ ने श्री पद्मावती अम्मावरी ब्रह्मोत्सवम पुस्तिका जारी की

तिरुपति, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ईओ जे. श्यामला राव ने सोमवार को तिरुपति में टीटीडी प्रशासनिक भवन के ईओ चैंबर में 28 नवंबर से 6 दिसंबर तक आयोजित होने वाले श्री पद्मावती मंदिर, तिरुचनूर के कार्तिक ब्रह्मोत्सव की एक पुस्तिका का अनावरण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, ईओ ने कहा कि ब्रह्मोत्सव 28 नवंबर को द्वजरोहणम (ध्वजारोहण समारोह) के साथ शुरू होगा।

महत्वपूर्ण दिनों में 2 दिसंबर को गजवाहनम, 3 दिसंबर को बंगारू रथम, 5 दिसंबर को रथोत्सवम और 6 दिसंबर को पंचमी तीर्थम शामिल हैं। टीटीडी जेई वीरब्राहम, मुख्य पीआरओ डॉ.टी रवि, डिप्टीईओ गोविंदराजन, प्रशांति उपस्थित थे।

### मंदी के कारण शादनगर रियल एस्टेट में भारी गिरावट

**जनवरी से नवंबर तक फारूख नगर में केवल 15,000 संपत्ति पंजीकरण**

पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान हुए थे 25,000 पंजीकरण

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के रियल एस्टेट सेक्टर में कभी एक जीवंत केंद्र रहे शादनगर में बिक्री और पंजीकरण में भारी गिरावट देखी गई है। फारूक नगर और शादनगर उप-पंजीकरण कार्यालयों के आंकड़ों से पता चलता है कि संपत्ति के लेन-देन में भारी गिरावट आई है। जनवरी से नवंबर तक फारूख नगर में केवल 15,000 संपत्ति पंजीकरण दर्ज किए गए, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 25,000 पंजीकरण हुए थे, जबकि शादनगर में पंजीकरण आधे से भी कम होकर 15,000 से मात्र 7,000 रह गए। स्थिर ज़मीन की कीमतों के बावजूद इस मंदी ने ज़मीन और घरों की बिक्री दोनों को प्रभावित किया है। पिछले दिसंबर में विधानसभा चुनावों के बाद से बाज़ार में संघर्ष चल रहा है, जिससे खरीदार और विक्रेता दोनों ही ठप्प पड़ गए हैं।

हालांकि, शादनगर, फारूक नगर, शमशाबाद, अमंगल और चेवेल्ला में कीमतें ऊंची बनी हुई हैं, कुछ इलाकों में कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। नागुलापल्ली रोड पर कीमतें 2,300 रुपये से बढ़कर 5,300 रुपये प्रति वर्ग गज हो गईं, जबकि परिगी रोड पर व्यावसायिक भूखंड अब 16,000 रुपये प्रति वर्ग गज तक पहुंच गए हैं। धरणी पोर्टल पर सूचीबद्ध भूमि विवाद जटिलता की एक और परत जोड़ते हैं, क्योंकि संपत्तियां अक्सर प्रतिबंधित श्रेणियों में आती हैं, जिससे लेन-देन में और रुकावट आती है। उद्योग विशेषज्ञों को प्रस्तावित क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) परियोजना में उम्मीद दिख रही है, जिसके स्वीकृत होने पर रंगारेड्डी के रियल एस्टेट बाजार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

### छठ पूजा तालाब का निरीक्षण

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मसूंराबाद के कार्पोरेटर के. नरसिम्हा रेड्डी की देखरेख में तालाब की साफ सफाई कार्यक्रम का जायजा लेते हुए मानव कल्याण सेवा संघ के चेयरमेन कैलाश सिंह संरक्षक ओ.पी. सिंह, अध्यक्ष मनोहर सिंह, उपाध्यक्ष राज कुमार पाण्डेय, कोषाध्यक्ष राजीव वर्मा, दिनेश मिश्रा और अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे। मानव कल्याण सेवा संघ हैदराबाद द्वारा इस साल रेनवो अस्पताल के पीचे स्थित पेद्दाचेरूऊ तालाब में छठ पुजा का आयोजन किया जायेगा।

दिनांक 5 नवंबर से नहाये खाये से आरम्भ होगा और 6 नवंबर को खरना प्रसाद, 7 नवंबर को शाम प्रथम अर्ध्य दिया जाएगा और 8 नवंबर को उगते सूर्य को प्रथम अर्ध्य देकर छठ पूजा कार्यक्रम का समापन होगा। मानव कल्याण सेवा संघ द्वारा भजन-किर्तन का आयोजन किया गया है।

### सौ प्रतिशत सटीकता के साथ एक व्यापक सर्वेक्षण किया जाना चाहिए : मारुति दिवाकर

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अंबरपेट के डिप्टी कमिश्नर मारुति दिवाकर ने सुझाव दिया कि एक व्यापक घर-घर परिवार सर्वेक्षण को शत-प्रतिशत सटीकता के साथ प्रभावी ढंग से किया जाना चाहिए। अंबरपेट सर्किल में इस महीने की 6 तारीख से होने वाले व्यापक घर-परिवार सर्वेक्षण को लेकर सोमवार को अंबरपेट के महारानी प्रताप समारोह हॉल में पर्यवेक्षकों और प्रगणकों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर उपायुक्त मारुति दिवाकर ने कहा कि 6 नवंबर से शुरू होने वाले (सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, रोजगार, राजनीतिक, जातीय सर्वेक्षण) व्यापक घर-घर सर्वेक्षण में बिना किसी गलती के लोगों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को दर्ज किया जाना चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

# भारत का डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचना कठिन

## घर में सीरीज हार ने मुश्किलें बढ़ाईं, अब ऑस्ट्रेलिया में 4-0 से जीतना ही होगा

मुंबई, 4 नवंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने भारत में 3-0 से टेस्ट जीतकर इतिहास रच दिया है। जबकि टीम इंडिया ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की राह को बहुत मुश्किल बना लिया है। टीम को अब बाकी टीमों पर निर्भर नहीं रहना तो 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने वाली 5 टेस्ट की सीरीज में 4 मैच जीतने ही होंगे।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड ने भारत में टेस्ट सीरीज जीतकर फाइनल में पहुंचने के दरवाजे खोल लिए। अगर टीम भारत में हार जाती तो फाइनल की रेस से बाहर हो जाती, लेकिन उसने इतिहास रचा और अपनी उम्मीदें कायम रखीं।

**5 टीमें अब भी फाइनल की दावेदार**

भारत की अपने ही घरेलू मैदान पर शर्मनाक हार के बाद 5 टीमों के डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने के रास्ते खुल गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड के अलावा ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका की टीमें भी फाइनल में जगह बना सकती हैं। पांचों टीमें पॉइंट्स टेबल की टॉप-5 पोजिशन पर भी हैं। वहीं, इंग्लैंड, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश रेस से बाहर हो चुके हैं।

**भारत को ऑस्ट्रेलिया में 4 टेस्ट जीतने ही होंगे**

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पिछले 2 फाइनल खेलने वाली टीम इंडिया के लिए इस बार का खिताबी मुकाबला नामुमकिन लग रहा है। टीम न्यूजीलैंड से हारकर पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर खिसक गई है। टीम 74.24% पॉइंट्स से सीधे 58.33% पॉइंट्स पर पहुंच गई है।

डब्ल्यूटीसी में भारत की आखिरी टेस्ट सीरीज अब ऑस्ट्रेलिया से ही बाकी है। टीम को वहां 22 नवंबर से 7 जनवरी तक 5 टेस्ट खेलने हैं। भारत ने 3-2 से सीरीज जीत भी ली तो भी टीम फाइनल में नहीं पहुंच पाएगी। 4 टेस्ट जीतकर ही टीम बगैर किसी पर निर्भर हुए फाइनल में जगह बना सकेगी।

हालांकि 4-0 से जीतना बहुत ज्यादा मुश्किल है, क्योंकि टीम विराट कोहली और अंजिक्य रहाणे जैसे दिग्गजों की कप्तानी में भी ऑस्ट्रेलिया जाकर 8 में से 4 ही टेस्ट जीत सकी थी। जबकि अब भारत में 5 टेस्ट हारने का रिकॉर्ड बना चुके रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ऑस्ट्रेलिया जा रही है।

पॉइंट्स में जानते हैं 55% से ज्यादा पॉइंट्स रखने के लिए भारत को ऑस्ट्रेलिया में कितने मैच जीतने होंगे।

5-0 से जीतः 68.42% पॉइंट्स
4-0 से जीतः 64.91% पॉइंट्स
4-1 से जीतः 63.16% पॉइंट्स
3-0 से जीतः 61.40% पॉइंट्स
3-1 से जीतः 59.65% पॉइंट्स
3-2 से जीतः 57.89% पॉइंट्स
2-0 से जीतः 57.89% पॉइंट्स

**न्यूजीलैंड के 3 टेस्ट इंग्लैंड से बाकी**

न्यूजीलैंड टीम जब एशिया दौरे पर आई थी, तब माना जा रहा था कि उसके लिए एक टेस्ट जीतना भी मुश्किल होगा। टीम ने श्रीलंका के खिलाफ 0-2 से हारकर इसे कुछ हद तक सही साबित भी कर दिया था, लेकिन फिर भारत को भारत में 3-0 से हराकर उन्होंने सभी को चौंका दिया। अब उनके फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें कायम हैं।

न्यूजीलैंड अब 11 में से 6 टेस्ट जीतकर 54.55% पॉइंट्स के साथ चौथे नंबर पर पहुंच गई है। सीरीज से पहले टीम 37.50% पॉइंट्स के साथ छठे नंबर पर थी और एक भी टेस्ट हारने से टीम फाइनल की रेस से बाहर हो जाती। उनके अब 3 टेस्ट इंग्लैंड से घरेलू मैदान पर होने हैं। सीरीज को 3-0 से जीतकर ही टीम 64.28% पॉइंट्स के साथ फाइनल में जगह बना पाएगी।

**ऑस्ट्रेलिया को चाहिए 4 जीत**

ऑस्ट्रेलिया ने 4 सीरीज के 12 मैचों में 8 मुकाबले जीते, 3 गंवाए और एक ड्रॉ खेला। इससे टीम 62.50% पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर है। उसके 7 मैच बाकी हैं, टीम 5 मैच अपने घर में भारत और 2 मैच श्रीलंका में श्रीलंका के खिलाफ खेलेगी। 60% से ज्यादा पॉइंट्स रखने के लिए टीम को अगले 4 मैच जीतने ही होंगे। टीम 4 जीत से भी इतने पॉइंट्स हासिल कर सकती है। यानी उसकी फाइनल पोजिशन भारत के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज से ही लगभग तय हो जाएगी।

**साउथ अफ्रीका को घर में खेलनी हैं 2 सीरीज**

साउथ अफ्रीका पिछले WTC साइकल में भारत के बाद पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर रहा था। इस बार टीम ने बांग्लादेश में 2-0 से टेस्ट सीरीज जीतकर इतिहास रच दिया। टीम 8 में से 4 टेस्ट जीतकर 54.17% पॉइंट्स के साथ पांचवें नंबर पर है।

साउथ अफ्रीका को अब श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ 2-2 टेस्ट की सीरीज अपने ही घर में खेलनी है। श्रीलंका ने 2019 में ही साउथ अफ्रीका में टेस्ट सीरीज जीती थी, लेकिन पाकिस्तान अब तक साउथ अफ्रीका में टेस्ट सीरीज नहीं जीत सका है। हालांकि साउथ अफ्रीका ने चारों टेस्ट जीत लिए तो टीम 69.44% पॉइंट्स के साथ फाइनल में जगह बना लेगी। 1 भी टेस्ट हारने से टीम के पॉइंट्स 59% से भी कम हो जाएंगे।

**श्रीलंका की 2 मुश्किल सीरीज बाकी**

श्रीलंका ने इंग्लैंड में एक टेस्ट और न्यूजीलैंड के खिलाफ 2 टेस्ट जीतकर फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बनाए रखी हैं। टीम 55.56% पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर है, उसकी अब 2 सीरीज साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बाकी हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम घर में खेलेगी, दोनों ही सीरीज 2-2 मैचों की रहेगी।

4 टेस्ट जीतने पर श्रीलंका 69.23% पॉइंट्स के साथ फाइनल में पहुंच जाएगा। 3 टेस्ट जीतकर भी टीम के 61.53% पॉइंट्स होंगे और उसकी उम्मीदें जिंदा रहेंगी। हालांकि टीम अगर 2 टेस्ट हार गई तो फाइनल में पहुंचने की रेस से बाहर हो जाएगी।

# क्या खत्म हो जाएगा गौतम गंभीर का कार्यकाल?

## अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत जरूरी

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। राहुल द्रविड़ के बाद पूर्व भारतीय दिग्गज क्रिकेटर गौतम गंभीर को टीम इंडिया का नया हेड कोच बनाया गया था। गंभीर के कोचिंग कार्यकाल को लगभग 4 महीने बीत चुके हैं, इन चार महीनों में गौतम गंभीर की कोचिंग में टीम इंडिया के नाम कई शर्मनाक रिकॉर्ड भी दर्ज हो गए हैं। पहले श्रीलंका ने टीम इंडिया को 26 साल बाद वनडे सीरीज में हराया, उसके बाद अब न्यूजीलैंड ने भारत को पहली बार टेस्ट सीरीज में घर पर हराया। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली 3-0 से हार के बाद अब गौतम गंभीर की कोचिंग पर भी सवाल उठने लगे हैं। जिसके बाद बड़ा सवाल ये है कि क्या अब गौतम गंभीर का कार्यकाल खत्म हो जाएगा? भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच के रूप में गौतम गंभीर का कार्यकाल छोटा हो सकता है। जुलाई में मौका मिलने के बाद गंभीर को या तो पद छोड़ना पड़ सकता है या उन्हें हटाया जा सकता है। हालांकि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में टीम इंडिया कैसा प्रदर्शन करती है। साल 2012 के बाद से घर पर टीम इंडिया को पहली टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 18 सीरीज में टीम इंडिया अजेय रही थी। सबसे बुरी बात यह थी कि यह पहली बार था जब टीम इंडिया को 3 या उससे ज्यादा मैचों की सीरीज में घर पर वाइटवॉश किया गया। पीटीआई के मुताबिक, मुंबई में बड़ी टर्निंग पिच पर गंभीर का जोर बीसीसीआई में कई लोगों को पसंद नहीं आया, खासकर तब जब न्यूजीलैंड ने पहले ही स्पिनिंग पुणे पिच पर भारत को हराकर सीरीज जीत ली थी। इसके अलावा उनके कुछ फैसले हैरान कर देने वाले रहे हैं। जिसमें से एक था पुणे और मुंबई दोनों में पिचें सूखी होने के बावजूद दो पेसरों को खिलाने का फैसला। इसके अलावा तीसरे टेस्ट में सरफराज खान की जगह मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा को भेजना अजीब लगा। वहीं वाशिंगटन सुंदर को कम से कम एक बार रविचंद्रन अश्विन के ऊपर प्रमोट किया जा सकता था इसके बजाय उन्होंने तीन बार नौवें नंबर पर खेला।

# बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले राहुल-जुरेल इंडिया-ए से जुड़ेंगे

## मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होंगे; 7 नवंबर से दूसरा अनऑफिशियल टेस्ट

मुंबई, 4 नवंबर (एजेंसियां)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज के एल राहुल और ध्रुव जुरेल ऑस्ट्रेलिया में इंडिया-ए के स्क्वॉड को ज्वाइन करेंगे। इंडिया-ए इस समय ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। दोनों टीमों के बीच इस वक्त 2 मैचों की अनऑफिशियल टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। 7 नवंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मुकाबले के लिए बीसीसीआई ने केएल राहुल और ध्रुव जुरेल को मैच प्रैक्टिस के लिए ऑस्ट्रेलिया भेजने का फैसला लिया है।

के एल राहुल को न्यूजीलैंड के साथ हुई सीरीज में केवल बेंगलुरु टेस्ट में खिलाया गया था। जिसमें उन्होंने 0 और 12 रन बनाए थे, इसके बाद उन्हें बचे हुए 2 मैच में टीम से बाहर कर दिया गया था।

वहीं जुरेल केवल टीम का हिस्सा थे। उन्होंने पहले मैच में ऋषभ पंत के चोटिल हो जाने के बाद सब्स्टीट्यूट विकेटकीपर के तौर पर कीपिंग की थी। राहुल और जुरेल को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में ज्यादा गेम टाइम नहीं मिला था। ऐसे में बीसीसीआई सिलेक्शन कमेटी ने इन

दोनों प्लेयर्स को मंगलवार की सुबह ऑस्ट्रेलिया भेजने का फैसला किया है। वे मेलबर्न में गुरूवार से खेले जाने वाले दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट का हिस्सा होंगे। 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले भारत की टीम को इंडिया-ए के साथ एक प्रैक्टिस मैच खेलना था। जिसे कैंसल कर दिया गया है। बीजीटी के लिए भारतीय टीम दो बैच में ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी। न्यूजीलैंड से 3-0 से क्लीन स्वीप के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर सवाल पूछे जाने पर कहा, हम 19 प्लेयर्स के स्क्वॉड के साथ ट्रैवल कर रहे हैं और हमें प्रैक्टिस के लिए सिर्फ 3 दिन दिए गए हैं, ऐसे में मुझे नहीं पता की सभी को मैच तैयारी के लिए कितना समय मिलेगा। हम चाहते हैं कि सभी को मैच के लिए पर्याप्त टाइम मिले। इसलिए प्रैक्टिस मैच कैंसल कर दिया गया है, जिससे प्लेयर्स नेट्स पर ज्यादा से ज्यादा बॉलिंग और बैटिंग कर सके।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप-कप्तान), यशस्वी जयसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर) , रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, नितिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर।

रिजर्वः मुकेश कुमार, नवदीप सैनी, खलील अहमद।

# सचिन बोले- टीम इंडिया को सेल्फ रिव्यू की जरूरत

## न्यूजीलैंड से टेस्ट सीरीज हारा भारत; पठान ने कहा- घर में शर्मनाक प्रदर्शन

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड ने भारत को 25 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने भारत को 3-0 से टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप कर इतिहास रच दिया। भारत को आखिरी पारी में जीत के लिए 147 रनों का लक्ष्य मिला था। रोहित शर्मा की टीम 121 रनों पर ही ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड ने मुंबई टेस्ट की पहली पारी में 235 रन बनाए थे। वहीं दूसरी पारी में 174 रन बनाए। भारत ने इसके जवाब में पहली पारी में 263 रन बनाए। वहीं दूसरी पारी में 121 रनों के स्कोर पर पूरी टीम ऑल आउट हो गई।

इस हार के बाद सचिन तेंदुलकर ने भारतीय टीम को इसके लिए सेल्फ रिव्यू की सलाह दी है। वहीं, पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने

कहा, घर पर टीम इंडिया का यह शर्मनाक प्रदर्शन है। मास्टर-ब्लासटर सचिन तेंदुलकर ने मैच के बाद ट्वीट किया, घर पर 3-0 से हारना बहुत मुश्किल है, और इसके लिए आत्मनिरीक्षण की जरूरत है। क्या यह तैयारी की कमी थी, क्या यह खराब शॉट चयन था, या मैच से पहले अभ्यास की कमी थी?

शुभमन गिल ने पहली पारी में लचीलापन दिखाया और ऋषभ पंत दोनों पारियों में शानदार खेले। भारत में 3-0 से टेस्ट सीरीज जीतना किसी भी विदेशी टीम के लिए सबसे अच्छा परिणाम है।

पूर्व भारतीय बैटर वसीम जाफर ने कहा, न्यूजीलैंड की इस उपलब्धि के लिए जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। न्यूजीलैंड क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा पल। कीवी टीम ने भारत को हर डिपार्टमेंट में हराया और जीत हासिल की। वे सभी प्रशंसा और सम्मान के हकदार हैं।

घर पर टीम इंडिया का यह शर्मनाक प्रदर्शन- पठान

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने कहा, घर पर टीम इंडिया का यह शर्मनाक प्रदर्शन है। निर्णय लेने वालों को इस पर बहुत विचार करना चाहिए। न्यूजीलैंड को इस शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई।

इंग्लैंड क्रिकट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा, भारत में जीतना अविश्वसनीय है, लेकिन क्लीन स्वीप करना उल्लेखनीय है। यह अब तक की सबसे बड़ी टेस्ट सीरीज जीत है। भारत के पास अब बल्लेबाजों का एक ऐसा समूह है जो स्पिन के खिलाफ ज्यादातर टीमों की तरह संघर्ष करता है।

संजय मांजरेकर ने कहा, इस हार के साथ ही हम भारत में रैंक टर्नर पिचों के लंबे दौर के अंत पर आ गए हैं। युवराज सिंह ने कहा, क्रिकेट वाकई एक विनम्र खेल है, है न? टी-20 वर्ल्ड कप में जीत के कुछ ही महीनों बाद, हमें ऐतिहासिक व्हाइटवॉश का सामना करना पड़ा। यही इस खेल की खूबसूरती है। ऑस्ट्रेलिया सीरीज के साथ आगे और भी बड़ी परीक्षाएं हैं और आगे बढ़ने का तरीका आत्मनिरीक्षण करना, सीखना और आगे देखना है।

# भारतीय विकेटकीपर ऋद्धिमान साहा ने संन्यास का ऐलान किया

## बोले- ये रणजी सीजन मेरा आखिरी, भारत के लिए 40 टेस्ट खेले

मुंबई, 4 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। 40 साल के साहा पिछले 3 साल से टीम से बाहर हैं। उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच 2021, वानखेड़े में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने कहा कि मौजूदा रणजी ट्रॉफी सीजन उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। उन्होंने क्रिकेट में शानदार यात्रा के लिए बंगाल क्रिकेट का आभार जताया है।

अपनी क्रिकेट जर्नी को याद करते हुए साहा ने कहा, 'क्रिकेट में एक यादगार यात्रा के बाद, यह रणजी सीजन मेरा आखिरी होगा। मैं एक बार आखिर में बंगाल की

रिप्रेजेंट करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। संन्यास से पहले केवल रणजी ट्रॉफी खेलूंगा।'

भारत के लिए 40 टेस्ट खेले

ऋद्धिमान साहा ने भारत के लिए के लिए 40 टेस्ट खेले हैं। जिसमें 29.41 की औसत से 1,353 रन बनाए हैं। साहा ने टेस्ट क्रिकेट में 3 शतक और 6 अर्धशतक भी लगाए है। उन्हें उनकी विकेटकीपिंग स्किल्स के लिए जाना जाता है।

एम एस धोनी के रिटायरमेंट के बाद टेस्ट क्रिकेट में साहा भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज थे। साहा टेस्ट में भारतीय विकेटकीपर द्वारा बनाए गए शतकों के मामले में धोनी और ऋषभ पंत के बाद तीसरे नंबर पर हैं।

साहा का रणजी ट्रॉफी में बंगाल की तरफ से खेलना तो तय है, लेकिन वे अगले साल आईपीएल में खेलते नजर नहीं आएंगे। हाल ही में जारी रिटेंशन लिस्ट में गुजरात टाइटंस ने उन्हें रिटेन नहीं किया है। साहा ने भी मेगा ऑक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है।

साहा पहले आईपीएल-2008 से हर सीजन का हिस्सा रहे हैं। लीग में उन्होंने 170 मैच में 127.57 के स्ट्राइक रेट से 2934 रन बनाए। इसमें एक शतक और 13 अर्धशतक शामिल है। इसके अलावा उन्होंने भारत के लिए नौ वनडे भी खेले हैं, जिसमें 13.67 की औसत के साथ 41 रन बनाए।

आईपीएल में वे कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स, पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के लिए खेल चुके हैं।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट में करीब 15 साल बंगाल के लिए खेलने वाले साहा ने पिछले सीजन में त्रिपुरा के रणजी खेला। बंगाल क्रिकेट संघ (CAB) के एक अधिकारी के साथ विवाद के कारण साहा को बंगाल टीम छोड़नी पड़ी थी। हालांकि, भारत के पूर्व कप्तान और बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली के साथ बातचीत के बाद साहा ने बंगाल लौटने का फैसला किया।

# वेस्टइंडीज का ये बल्लेबाज हर मैच में ठोक रहा शतक

खेल डेस्क, 4 नवंबर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज की टीम अभी इंग्लैंड के खिलाफ खेल रही है. 3 मैचों की घरेलू वनडे सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है. लेकिन, इस बीच वेस्टइंडीज का एक बल्लेबाज अपने अलग ही कारनामें को लेकर सुर्खियां बटोर रहा है. वो धड़ाधड़ शतक ठोक रहा है. रुकने का नाम नहीं ले रहा. जो भी वनडे मुकाबला खेलने उतर रहा है, उसमें सेंचुरी जड़ दे रहा है. कम से कम पिछले 5 दिनों में तो यही दिखा है. इस दौरान 30 साल के कैरेबियाई क्रिकेटर जस्टिन ग्रीव्स ने मैच दर मैच शतक पर शतक ठोककर अब एक नया रिकॉर्ड सेट किया है. जस्टिन ग्रीव्स का कारनामा वेस्टइंडीज के घरेलू वनडे टूर्नामेंट सुपर 50 कप में देखने को मिला है.

उन्होंने तीसरा लगातार शतक 3 नवंबर को त्रिनिदाद एंड टोबैगो रेड फोर्स टीम के खिलाफ खेले

मुकाबले में जड़ा. जस्टिन इस टूर्नामेंट में लीवार्ड आईलैंड हरिकेन टीम का हिस्सा हैं.

त्रिनिदाद एंड टोबैगो रेड फोर्स के खिलाफ 3 नवंबर को खेले मैच में उन्होंने 129 गेंदों पर 151 रन ठोके जिसमें 13 चौके शामिल रहे. इस शतक की बदौलत उनकी टीम को मैच में 7 विकेट से जीत मिली. सुपर 50 कप में जस्टिन ग्रीव्स के शतक लगाने का सिलसिला 30 अक्टूबर को वेस्टइंडीज एकेडमी के खिलाफ मुकाबले से शुरू हुआ था. इस मैच में उन्होंने 117 गेंदों पर 9 चौके और 1 छक्के की मदद से 111 रन बनाए थे. इसके बाद उन्होंने दूसरा शतक 1 नवंबर को बारबाडोस प्राइड के खिलाफ ठोका, जहां उन्होंने 131 गेंदों पर 9 चौकों की मदद से 112 रन जड़े. जस्टिन ग्रीव्स ऑलराउंडर हैं और वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व भी इंटरनेशनल क्रिकेट में कर चुके हैं. उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए 7 इंटरनेशनल मैच खेले हैं, जिसमें 106 रन बनाने के अलावा 3 विकेट भी लिए हैं

7 इंटरनेशनल मैचों में 2 टेस्ट और 5 वनडे शामिल हैं. उनके तीनों इंटरनेशनल विकेट टेस्ट क्रिकेट में हैं.

जस्टिन ग्रीव्स का टेस्ट डेब्यू इसी साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में हुआ था. वहीं उनका वनडे डेब्यू 2 साल पहले आयरलैंड के खिलाफ हुआ था.

# बाबर आजम पांच साल के लंबे अंतराल के बाद किसी स्पिनर की गेंद पर बोल्ड हुआ

मेलबर्न, 4 नवंबर (एजेंसियां)। फॉर्मेट बदल गया, जर्सी का रंग बदल गया, लेकिन नहीं बदला बाबर आजम का फेल होना. पाकिस्तान के लिए खेलने उतरे बाबर आजम एक बार फिर नाकाम साबित हुए. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में खेले गए पहले वनडे मैच में बाबर आजम ने सिर्फ 37 रन बनाए. बाबर पिच पर टिक गए थे, वो अच्छी तरह स्ट्राइक रोटेट कर रहे थे लेकिन फिर उनके साथ ऐसा हादसा हुआ जिसके बारे में उनके फैंस और खुद बाबर सोच नहीं सकते थे. दरअसल बाबर आजम मेलबर्न वनडे में एडम जंपा की गेंद पर बोल्ड हुए और यही उनके लिए एक हादसे की तरह था.

बाबर आजम का एडम जंपा की गेंद पर बोल्ड होना इसलिए हादसा है क्योंकि ये खिलाड़ी पूरे पांच साल के लंबे अंतराल के बाद किसी स्पिनर की गेंद पर बोल्ड हुआ है. बाबर आजम आखिरी बार किसी स्पिनर की गेंद पर बोल्ड 2019 में हुए वर्ल्ड कप के दौरान हुए थे. वो मुकाबला लीड्स में अफगानिस्तान के खिलाफ हुआ था जहां बाबर को ऑफ स्पिनर मोहम्मद नबी ने बोल्ड कियाथा. अब पांच साल बाद बाबर को फिर किसी स्पिनर ने बोल्ड किया है. बाबर आजम मेलबर्न की मुश्किल पिच पर जम चुके थे. उन्होंने मिचेल स्टार्क और पैट कमिंस के मुश्किल ओवर निकाल लिए थे.यहां तक कि उनका स्ट्राइक रोटेशन कमाल रहा. वो चार चौके लगा चुके थे लेकिन फिर 18वें ओवर में एडम जंपा ने उनका काम तमाम कर दिया. जंपा ने विकेट टू विकेट गेंद की और बाबर उनकी एक फ्लिपर नहीं समझ पाए और उनके स्टंप्स उड़ गए.

# आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा बार रिटेन होने वाले टॉप 7 खिलाड़ी

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल के इतिहास में कई ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने अपनी टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। इन खिलाड़ियों ने अपनी टीम के लिए कई यादगार पल दिए हैं और फैंस के दिलों में अपनी एक खास जगह बनाई है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आईपीएल के इतिहास में कौन से खिलाड़ी सबसे ज्यादा बार रिटेन किए गए हैं? आइए जानते हैं उन 7 दिग्गज खिलाड़ियों के बारे में जिन्हें फ्रेंचाइजियों ने सबसे ज्यादा बार रिटेन किया है।

**एमएस धोनी (सीएसके) - 15 बार**

एमएस धोनी को आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन से पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने 4 करोड़ रुपये

में एक बार फिर रिटेन किया है। धोनी ने अपने IPL करियर की शुरुआत से ही चेन्नई का साथ निभाया है और फ्रेंचाइजी का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं।

**विराट कोहली (आरसीबी)- 17 बार**

विराट कोहली आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा बार रिटेन किए गए खिलाड़ी हैं। आरसीबी ने उन्हें आईपीएल 2025 के ऑक्शन से पहले 21 करोड़ रुपये में रिटेन किया, जिससे वे दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं।

**रोहित शर्मा (एमआई) – 14 बार**

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 के ऑक्शन से पहले रोहित शर्मा को 16.3 करोड़ रुपये में रिटेन किया। रोहित की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने कई बार खिताब जीता है और वह टीम के मुख्य खिलाड़ी बने हुए हैं।

**सुनील नरेन (केकेआर)-13 बार**

कोलकाता नाइट राइडर्स ने सुनील नरेन को आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन से पहले 12 करोड़ रुपये में रिटेन किया। नरेन अपने खास स्पिन गेंदबाजी और बल्लेबाजी के कारण केकेआर के लिए बेहद महत्वपूर्ण रहे हैं।

**कीरोन पोलार्ड (एमआई) – 12 बार**

कीरोन पोलार्ड को मुंबई इंडियंस ने लगातार 12 सीजन तक रिटेन किया था। वह अपने ऑलराउंडर प्रदर्शन के कारण मुंबई के लिए अहम भूमिका निभाते रहे हैं।

**जसप्रीत बुमराह (एमआई) – 12 बार**

जसप्रीत बुमराह को मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 के ऑक्शन से पहले 18 करोड़ रुपये में रिटेन किया। बुमराह अपनी तेज गेंदबाजी के लिए मशहूर हैं और मुंबई के सबसे महत्वपूर्ण गेंदबाजों में से एक माने जाते हैं।

**सुरेश रैना (सीएसके) – 11 बार**

सुरेश रैना को चेन्नई सुपर किंग्स ने 11 बार रिटेन किया था, हालांकि उन्होंने 2020 में निजी कारणों से आईपीएल नहीं खेला था। सुरेश रैना चेन्नई के लिए चार बार आईपीएल खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे हैं (2010, 2011, 2018, और 2021) और टीम के अहम खिलाड़ी रहे हैं।

# मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को धान खरीद के सुचारू संचालन के निर्देश दिए

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को अधिकारियों को तेलंगाना राज्य भर में धान खरीद के सुचारू संचालन के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया। राज्य सरकार ने सरकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए प्रत्येक पुराने जिले में आईएएस अधिकारियों को विशेष अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है। उन्होंने अधिकारियों को धान खरीद में तेजी लाने और विशेष अधिकारियों को खरीद केंद्रों का दौरा करने का निर्देश दिया। रेवंत रेड्डी ने कहा, "अधिकारियों को शिकायतों का मौके पर ही समाधान करना चाहिए, यदि कोई हो, और समय-समय पर धान खरीद की बारीकी से निगरानी करनी चाहिए।"

विशेष अधिकारी के रूप में कृष्ण आदित्य आदिलाबाद, निर्मल, कोमाराम भीम आसिफाबाद और मंचेरियाल, आर.वी. कर्णन करीमनगर, जगत्याल, पेद्दापल्ली, राजन्ना सिरसिला, अनिता रामचन्द्रन नलगोंडा, यदाद्री भोंनगिरि, सूर्यापेट, डॉ. ए शरत निजामाबाद और कामारेड्डी, डी. दिव्या रेड्डी, विकाराबाद और मेडचल मल्काजगिरी, रवि महबूबनगर, नारायणपेट, वनापर्ती, जोगुलाम्बा गदवाल और नागरकुर्नूल, टी. विनय कृष्ण रेड्डी वारंगल, हनमाकोंडा, जनगांव, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु और महबूबाबाद, हरिचंदना दसारी मेदक, संगारेड्डी और सिद्दीपेट, के. सुरेंद्र मोहन खम्मम और भद्राद्री कोठागुडेम जिले के लिए तैनात किए गए हैं।

# केटीआर की पदयात्रा तेलंगाना में चर्चा का विषय बनी

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। किसी भी पदयात्रा का हर कदम राजनीति में एक नया मोड़ लेकर आता है। पदयात्रा करने वाले हर नेता को इससे कोई न कोई लाभ जरूर मिलता है। ऐसा सभी के साथ हुआ है। कई बार राजनीतिक नेताओं द्वारा की गई पादायात्रा उन्हें सीधे सत्ता की कुर्सी तक ले गई। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव भी अब पदयात्रा की तैयारी कर रहे हैं। क्या उन्हें और पार्टी को वाकई इसकी जरूरत है? क्या वह जल्दबाजी में अपनी पादायात्रा की योजना बना रहे हैं? केटीआर के इस बयान का क्या मतलब है कि वह पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की इच्छा के अनुसार पादायात्रा के लिए तैयार हैं? वह वास्तविक पादायात्रा कब शुरू करने जा रहे हैं? केटीआर द्वारा पार्टी कार्यकर्ताओं की इच्छा के अनुसार पादायात्रा के लिए तैयार होने की घोषणा के बाद ये सवाल उठ रहे हैं। तेलुगु राजनीति में लोगों तक पहुंचने और सरकार की विफलताओं को उजागर करने के लिए राजनीतिक पदयात्राएं कोई नई बात नहीं है और पादायात्राएं इसका मुख्य हथियार हैं। दिवंगत मुख्यमंत्री वाई एस राजशेखर रेड्डी से लेकर नारा चंद्रबाबू, वाईएसआरसीपी के जगन मोहन रेड्डी और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पादायात्राएं कर सत्ता हासिल की है। केटीआर द्वारा पादायात्रा की ताजा घोषणा के साथ ही तेलंगाना की राजनीति एकदम से गरमा गई है। बीआरएस पार्टी के साथ-साथ सत्ताधारी पार्टी में भी केटीआर के फैसले पर गरमागरम बहस होती दिख रही है। पादायात्रा से केटीआर को फायदा होगा या नुकसान, यही सवाल है। करीब नौ साल से सत्ता में काबिज पिंक पार्टी अब तेलंगाना में विपक्षी पार्टी की हैसियत तक सीमित रह गई है। सरकार की विफलताओं को वह अपने अंदाज में उजागर कर रही है। पिंक पार्टी के नेता कांग्रेस पार्टी को घेरने में आक्रामकता दिखा रहे हैं। केटीआर और उनकी पार्टी के नेताओं द्वारा चुनाव से पहले किए गए वादों को पूरा न करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की जा रही है। लेकिन अब केटीआर के इस फैसले से बहस शुरू हो गई है कि क्या वह अपनी पादायात्रा में राज्य सरकार के खिलाफ और आक्रामक होने जा रहे हैं। केटीआर सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं और समय-समय पर नेटिजन्स से बातचीत करते हैं। "केटीआर से पूछें" के नाम से लोगों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब देते हैं। उन्होंने घोषणा की कि वह पदयात्रा के लिए तैयार हैं। उनका जवाब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। केटीआर पदयात्रा कब करेंगे? क्या वह अभी करेंगे या इसके लिए कुछ समय लेंगे? क्या अभी पदयात्रा की जरूरत है? अगर केटीआर ऐसा करते हैं तो इससे उन्हें फायदा होगा या नुकसान? केटीआर पर कैडर से दूर रहने का आरोप है। अब यह देखना दिलचस्प है कि केटीआर अपनी पदयात्रा कब शुरू करेंगे। कांग्रेस सरकार बने एक साल हो गया है। क्या केटीआर अभी पदयात्रा करेंगे या इसके लिए एक साल और लेंगे, यह सवाल उनकी पार्टी के कैडर उठा रहे हैं। बीआरएस पार्टी अलग तेलंगाना आंदोलन पार्टी के रूप में उभरी है। अलग तेलंगाना राज्य के गठन के बाद यह एक राजनीतिक पार्टी बन गई। बाद में इसका नाम बदलकर बीआरएस पार्टी कर दिया गया।

# टीजी-टीईटी पात्रता परीक्षा ऑनलाइन मोड में आयोजित होगा

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य शिक्षक पात्रता परीक्षा 2024-II (टीजी-टीईटी-2024-II) के लिए उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं, जो 1 जनवरी से 20 जनवरी, 2025 के बीच राज्य में कंप्यूटर आधारित टेस्ट के रूप में ऑनलाइन मोड में आयोजित किया जाएगा। स्कूल शिक्षा निदेशक और अध्यक्ष, टीजीटीईटी ने कहा कि इच्छुक उम्मीदवार 5 नवंबर, 2024 से वेबसाइट https://schooledu.telangana.gov.in से सूचना बुलेटिन और विस्तृत अधिसूचना डाउनलोड कर सकते हैं। उम्मीदवार 5 नवंबर, 2024 से 20 नवंबर, 2024 तक अपने आवेदन ऑनलाइन जमा कर सकते हैं।

# हैदराबाद मेट्रो की सवारियों की संख्या बढ़ी

**प्रतिदिन 4.68 लाख यात्री कर रहे यात्रा**

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रो ने 14 अगस्त को 5.60 लाख यात्रियों की अपनी अब तक की सबसे अधिक दैनिक सवारियां हासिल कीं। अपने नवीनतम वित्तीय परिणामों में, मेट्रो ने औसत सवारियों में सुधार देखा, जो कि 4.32 लाख से बढ़कर 4.68 लाख यात्री प्रतिदिन हो गई। आय कॉल के दौरान, एलएंडटी में निवेशक संबंध प्रमुख पी. रामकृष्णन ने बताया कि सवारियों की संख्या में यह वृद्धि वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही के दैनिक औसत 4.62 लाख को भी पार कर गई।

रिकॉर्ड सवारियों के बावजूद, लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड (एलएंडटी) ने सितंबर में समाप्त तिमाही के लिए 2.07 बिलियन रुपये के कर-पश्चात लाभ (पीएटी) स्तर पर समेकित घाटा दर्ज किया, जो कि 2.14 बिलियन रुपये के शुद्ध घाटे से कम है और 3.35 बिलियन रुपये के नुकसान की तुलना में उल्लेखनीय सुधार है।

# वेमुलावाड़ा मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ी

राजन्ना सिरसिला, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कार्तिक मास के पहले सोमवार के अवसर पर, करोड़ों भक्त श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर, वेमुलावाड़ा में उमड़े। सोमवार को भगवान शिव का प्रिय दिन माना जाता है। इसके अलावा कार्तिक मास का पहला सोमवार होने के कारण मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह-सुबह ही श्रद्धालु मंदिर परिसर में दीपक जलाकर उसीरी (आंवला) के पेड़ों की विशेष पूजा करते देखे गए। इसके बाद उन्होंने भगवान शिव के दर्शन किए।

मंदिर परिसर और कतारें भक्तों से खचाखच भरी थीं क्योंकि राज्य के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में लोग मंदिर में उमड़े थे। भगवान शिव के दर्शन करने में लगभग चार घंटे लगने के कारण तीर्थयात्री लंबी कतारों में खड़े देखे गए। इस अवसर पर पुजारियों ने मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। मंदिर अधिकारियों के अनुसार, रविवार को 60,256 श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन किए।

# कांग्रेस ने बीआरएस पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक और सरकार के सचेतक आदी श्रीनिवास ने तेलंगाना में गांव के सरपंचों के बकाया भुगतान न किए जाने के मुद्दे पर लोगों को गुमराह करने के लिए बीआरएस नेताओं पर कड़ी आलोचना की है। सोमवार को यहां एक विज्ञप्ति में, कांग्रेस विधायक ने बीआरएस नेताओं पर सत्ता से बाहर होने के बाद अब सरपंचों के लिए मगरमच्छ के आंसू बहाने का आरोप लगाया।उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे बीआरएस सरकार के दौरान सरपंचों की उपेक्षा की गई और उन्हें निराशा में धकेला गया, यहां तक कि कुछ ने वित्तीय दबाव के कारण आत्महत्या का सहारा भी लिया।

आदि श्रीनिवास ने टिप्पणी की, कई सरपंचों द्वारा दुखद रूप से आत्महत्या करने के बावजूद, पूर्व मंत्री हरीश राव ने कभी भी उनके परिवारों से मुलाकात नहीं की या उन्हें सांत्वना नहीं दी। अपनी आलोचना जारी रखते हुए, वेमुलावाड़ा विधायक ने केसीआर के नेतृत्व वाली सरकार पर विकास परियोजनाओं के बहाने गांव के सरपंचों पर वित्तीय बोझ डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "पिछली बीआरएस सरकार ने सरपंचों को रैतु वेदिका और श्मशान जैसी गांव विकास परियोजनाओं पर लाखों खर्च करने के लिए मजबूर किया, जिससे वे इन वित्तीय प्रतिबद्धताओं के बंधक बन गए।" कांग्रेस विधायक ने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार ने उन सरपंचों को भी निलंबित कर दिया जो इन परियोजनाओं को समय पर पूरा नहीं कर सके, जिससे वे गहरे वित्तीय और भावनात्मक संकट में फंस गए। इसके अलावा, उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय वित्त आयोग द्वारा आवंटित धन को डायवर्ट किया गया, जिससे पंचायतें वित्तीय रूप से पंगु हो गईं और ग्रामीण शासन अस्थिर हो गया। उन्होंने कहा, "पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के प्रशासन ने अपने निजी लाभ के लिए पंचायतों को वित्तीय रूप से नुकसान पहुंचाया।" आदी श्रीनिवास ने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार केसीआर प्रशासन के पापों को सक्रिय रूप से संबोधित कर रही है, जिसमें पिछली सरकार द्वारा छोड़े गए 40,000 करोड़ रुपये से अधिक के बकाया का भुगतान करना भी शामिल है। कांग्रेस विधायक ने जोर देकर कहा कि बीआरएस नेता हरीश राव को सरपंचों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा, "गांव के सरपंचों से माफी मांगने के बाद ही उन्हें बकाया राशि के मामले पर बोलने के बारे में सोचना चाहिए।"

# तकनीकी समस्याओं के चलते मेट्रो रेल सेवाएं प्रभावित

## 13 से 15 मिनट तक बंद नहीं हो रहे थे दरवाजे

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नागोल और हाईटेक सिटी वाया बेगमपेट के बीच ब्लू लाइन रूट पर मेट्रो रेल सेवाएं सोमवार को तकनीकी समस्याओं के कारण प्रभावित हुईं। हैदराबाद मेट्रो ने स्पष्ट किया कि देरी थोड़ी देर की थी और सामान्य सेवाएं जल्दी ही बहाल कर दी गईं। नागोले और हाईटेक सिटी के बीच मेट्रो ब्लू लाइन मार्ग पर बड़ी संख्या में दैनिक यात्रियों ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसमें बेगमपेट मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो के डिब्बे रुके हुए थे और

उनके दरवाजे कम से कम 13 से 15 मिनट तक बंद नहीं हो रहे थे।

हैदराबाद मेट्रो रेल ने कहा कि प्रिय यात्रियों, आपके धैर्य और समझदारी के लिए धन्यवाद। आज सुबह ब्लू लाइन पर तकनीकी समस्या के कारण कुछ देरी हुई। हमें आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सामान्य परिचालन फिर से शुरू हो गया है। आपके धैर्य और सहयोग के लिए धन्यवाद और आपको हुई किसी भी असुविधा के लिए हमें खेद है। सुरक्षित यात्रा करें!

# बीआरएस ने की पूर्व सरपंचों की गिरफ्तारी की निंदा

**तत्काल रिहाई की मांग**

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस ने सोमवार को तेलंगाना भर में पूर्व सरपंचों की गिरफ़्तारी की कड़ी निंदा की, क्योंकि पूर्व सरपंच हैदराबाद में विरोध प्रदर्शन करने और लंबित बिलों के भुगतान के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को अपना ज्ञापन सौंपने के लिए तैयार हैं। पार्टी ने मांग की कि राज्य सरकार हिरासत में लिए गए पूर्व सरपंचों को तुरंत रिहा करे और बकाया बिलों का भुगतान करे। पार्टी ने कांग्रेस सरकार पर सत्ता में आने के बाद विरोध के लोकतांत्रिक अधिकारों को दबाने और ग्रामीण विकास को पटरी से उतारने का आरोप लगाया।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने एक बयान में पूर्व सरपंचों की गिरफ्तारी की आलोचना की, जिन्होंने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया और लंबे समय से लंबित विकास निधियों की मंजूरी की मांग की। उन्होंने पिछली बीआरएस सरकार द्वारा शुरू किए गए पल्ले प्रगति कार्यक्रम की कांग्रेस सरकार द्वारा उपेक्षा की ओर इशारा किया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण बुनियादी ढांचे और कल्याण में सुधार करना था।

# संकट में सिरपुर पेपर मिल

## प्रबंधन-ट्रक मालिकों के बीच मतभेद बना कारण

## बीआरएस सरकार में मिली थी संजीवनी

कुमराम भीम आसिफाबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिरपुर पेपर मिल्स (एसपीएम) प्राइवेट लिमिटेड, जिसे चार साल तक बंद रहने के बाद पिछली बीआरएस सरकार ने पुनर्जीवित किया था, अब फिर से संकट का सामना कर रही है, क्योंकि कारखाने के प्रबंधन और ट्रक मालिकों के बीच कच्चे माल और कागज के परिवहन की कीमतों को लेकर मतभेद बढ़ रहे हैं। जुलाई 2018 में, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने एसपीएम की पुनरुद्धार योजनाओं को अपनी मंजूरी दे दी, जिसे सितंबर 2014 में परिचालन घाटे के कारण बंद कर दिया गया था। पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और पूर्व उद्योग मंत्री के टी रामाराव ने पुनरुद्धार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

जेके पेपर्स लिमिटेड ने 628 करोड़ रुपये का निवेश करके देश की सबसे पुरानी कागज़ फैक्ट्रियों में से एक को फिर से शुरू किया है। इसके अनुसार, पिछली सरकार ने ओडिशा स्थित इस कागज़ निर्माता को 800 करोड़ रुपये की कई रियायतें देने की घोषणा की थी। यह मिल 3,500 श्रमिकों को रोजगार प्रदान करती है।

मालिकों और प्रबंधन ने 2019 में कच्चे माल और कागज के परिवहन के लिए एक समझौता किया था। हालांकि, ट्रक मालिकों के विरोध प्रदर्शन से कागज़ के निर्माण पर असर पड़ा है। वर्तमान में, एसपीएम में प्रतिदिन 350 मीट्रिक टन के मुकाबले लगभग 100 मीट्रिक टन कागज का उत्पादन हो रहा है। मरम्मत के नाम पर कुल चार मशीनों में से तीन को बंद कर दिया गया। ट्रक मालिकों की हड़ताल के कारण प्रबंधन को भारी नुकसान होने की बात कही जा रही है। 28 सितंबर को, 180 ट्रकों के मालिकों ने अनिश्चितकालीन विरोध प्रदर्शन शुरू किया, जिसमें ईंधन और टोल टैक्स और वाहनों के रखरखाव की लागत में वृद्धि को देखते हुए लकड़ी और कागज़ के परिवहन के लिए कागज निर्माता के प्रबंधन से 30 प्रतिशत शुल्क बढ़ाने की मांग की गई। वे विरोध प्रदर्शन के तहत दूसरे राज्यों से लकड़ी और कागज के परिवहन के लिए ट्रकों को अनुमति नहीं दे रहे हैं।

पेपर मिल के प्रबंधन का दावा है कि वे पहले से ही अन्य राज्यों की तुलना में अधिक शुल्क दे रहे हैं। लकड़ी और कागज के परिवहन की लागत पड़ोसी महाराष्ट्र और अन्य राज्यों के ट्रक मालिकों को दिए जाने वाले भुगतान से काफी अधिक है। एक प्रतिनिधि ने कहा कि मालिक एक या दूसरी मांग लेकर प्रबंधन को परेशान कर रहे हैं। 30 अक्टूबर को वानकीडी मंडल केंद्र में एक ट्रक चालक पर हमला करने के आरोप में ट्रक मालिक कल्याण संघ के अध्यक्ष वेन्ना किशोर बाबू समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। जिला प्रशासन ने हाल ही में कागज निर्माता के मालिकों और प्रबंधन के साथ विचार-विमर्श किया। इस बीच, एसपीएम के प्रबंधन और ट्रक मालिकों के बीच विवाद को सुलझाने के लिए उद्योग विभाग ने जिला कलेक्टर, जिला परिवहन अधिकारी, जिला उद्योग अधिकारी, श्रम अधिकारी और अन्य की सात सदस्यीय समिति का गठन किया। इस संबंध में सरकार ने 1 नवंबर को आदेश जारी किया था। एकीकृत लुगदी और कागज़ मिल मूलतः 1936 में तत्कालीन निज़ाम राजा मीर उस्मान अली खान द्वारा 110 एकड़ के विशाल क्षेत्र में स्थापित की गई थी।

# प्रजावाणी शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जाए : महापौर

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने अधिकारियों को जनता की शिकायतों पर विशेष ध्यान देने और उन्हें शीघ्र हल करने का निर्देश दिया है। सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित एक सार्वजनिक संबोधन में जीएचएमसी अधिकारियों के साथ महापौर को शहर भर के लोगों से सराहना मिली। उन्होंने उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का समाधान करने का आदेश दिया। इस मौके पर महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि समय-समय पर जनता के बीच आने वाली शिकायतों का समाधान करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आदेश दिया गया है कि वे बिना किसी देरी के समस्या का समाधान कर संबंधित शिकायतकर्ताओं को सूचित करें। यदि कोई समाधान नहीं होता है तो इसका कारण बताते हुए अधिकारियों को लिखित रूप से सूचित करने का सुझाव दिया गया है।फ़ोन-इन कार्यक्रम के माध्यम से पाँच अनुरोध प्राप्त हुए और समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को भेजे गए। जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जन सुनवाई में 35 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से टाउन प्लानिंग विभाग से 19, ईएनसी विभाग से 3, कर अनुभाग, यूबीडी, स्वच्छता विभाग, सीएम और एचओ, इलेक्ट्रिकल से 2-2 शिकायतें प्राप्त हुईं। एल.डब्ल्यू.एस., पशु चिकित्सा, एच.एम.डब्ल्यू.एस.बी., एलएओ और आईटी विभागों के लिए एक-एक अनुरोध प्राप्त हुआ है।जीएचएमसी के तहत छह क्षेत्रों में कुल 80 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से कुकटपल्ली जोन में 42, सेरिलिंगमपल्ली जोन में 13 , सिकंदराबाद जोन में 9, एलबीनगर जोन में 11 , चारमीनार जोन में 5 और खैरताबाद जोन में कोई शिकायत नहीं मिली। कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त शिव कुमार नायडू, रघु प्रसाद, नलिनी पद्मावती, सत्यनारायण, यदागिरी राव, गीता राधिका, पंकजा, सरोजा, यूबीडी निदेशक श्रीनिवास, अतिरिक्त सीसीपी गंगाधर, एसीपी सुदर्शन, सीई भास्कर रेड्डी, जल कार्य डीजीएम साई रमना, संपदा अधिकारी श्रीनिवास रेड्डी, हाउसिंग एसई कृष्णा राव, ईपीवी रमन्ना, राजेश्वर राव, डिप्टी सीई पनासा रेड्डी, मुख्य पशु चिकित्सा डॉ. अब्दुल वकील, जेसी वेणुगोपाल रेड्डी और अन्य ने भाग लिया।

# लैब टेक्नीशियन भर्ती के लिए परीक्षा 10 को

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा भर्ती बोर्ड (एमएचएसआरबी), हैदराबाद रविवार को लैब तकनीशियन ग्रेड-II के 1284 पदों को भरने के लिए कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) आयोजित करेगा। एमएचएसआरबी ने अभ्यर्थियों को एमएचएसआर वेबसाइट पर दिए गए लिंक से अपने हॉल-टिकट डाउनलोड करने का निर्देश दिया है। हॉल टिकट तभी मान्य होगा जब अभ्यर्थी की फोटो और हस्ताक्षर सुपाठ्य होंगे। यदि अभ्यर्थियों को हॉल टिकट डाउनलोड करने में कोई कठिनाई हो रही हो तो वे सभी कार्य दिवसों में सुबह 10.30 बजे से शाम 5 बजे के बीच 7416908215 पर कॉल कर सकते हैं। रविवार को परीक्षा के लिए रिपोर्टिंग समय दोपहर 1.30 बजे है और गेट बंद होने का समय दोपहर 2.45 बजे होगा। अधिसूचना में कहा गया है कि सीबीटी दोपहर 3 बजे शुरू होगा और परीक्षा बंद होने का समय शाम 4.20 बजे है। सीबीटी की कुल अवधि 80 मिनट है और 80 मिनट का समय समाप्त होने के बाद परीक्षा स्वतः सबमिट हो जाएगी। परीक्षा अंग्रेजी माध्यम में होगी और इसमें कोई नकारात्मक अंक नहीं होगा। अभ्यर्थियों को परीक्षा समाप्ति से पहले परीक्षा हॉल छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा भर्ती प्रक्रिया के अंतिम समापन तक अभ्यर्थियों को हॉल टिकट सुरक्षित रखना होगा। एमएचएसआरबी की वेबसाइट पर एक मॉक टेस्ट अपलोड किया गया है। उम्मीदवार इस सुविधा का उपयोग करके कंप्यूटर आधारित टेस्ट में शामिल प्रक्रियाओं से खुद को परिचित कर सकते हैं।

**पूर्व सांसद आर. कृष्णैया, विधायक दानम नागेंदर, मछुआरा निगम के अध्यक्ष मेट्टू साई कुमार और बीसी समुदाय के नेताओं ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके जुबली हिल्स आवास पर मुलाकात की। आर.कृष्णैया और बीसी समुदाय के नेताओं ने एक समर्पित आयोग स्थापित करने के सरकार के फैसले का स्वागत किया।**

# आश्रम स्कूल का विधायक ने किया दौरा

**आसिफाबाद खाद्य विषाक्तता का मामला**

**विधायक ने घटनाओं पर जताई चिंता**

कुमराम भीम आसिफाबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद विधायक कोवा लक्ष्मी ने सोमवार को भोजन विषाक्तता और पानी के दूषित होने के कारण 60 छात्रों के अस्पताल में भर्ती होने के बाद वानकीडी मंडल केंद्र में आदिवासी कल्याण विभाग द्वारा संचालित आश्रम स्कूल का दौरा किया। लक्ष्मी ने नियमित रूप से खाद्य विषाक्तता की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को स्वच्छ परिस्थितियों में पकाए गए गुणवत्तापूर्ण भोजन और शिक्षा प्रदान करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने उच्च अधिकारियों द्वारा निगरानी बढ़ाकर छात्रावास के प्रशासन में सुधार करने को कहा। उन्होंने छात्रों से भी बातचीत की। इस बीच, आईटीडीए परियोजना अधिकारी खुशबू गुप्ता ने भी स्कूल का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों को सरकार द्वारा निर्धारित मेनू के अनुसार भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया और उन्हें हर दिन रसोई, स्टोर रूम और पीने के पानी के स्रोतों को साफ करने का आदेश दिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.